बैशाख कृष्ण पक्ष त्रयोदशी
विक्रम संवत 2081

लखनऊ, बरेली, मुरादाबाद, हल्द्वानी, अयोध्या व कानपुर से प्रकाशित

सोमवार, 6 मई 2024
वर्ष-34, अंक-99, पृष्ठ-16
2 राज्य, 6 संस्करण
मूल्य-5 रुपये

अमृत विचार

लखनऊ

एक सम्पूर्ण अखबार

www.amritvichar.com

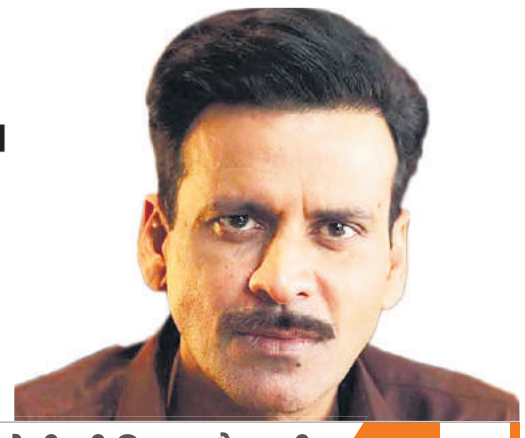

स्वियातेक ने मैड्रिड ओपन का खिताब जीता 15

24 को रिलीज होगी मनोज बाजपेयी की फिल्म भैया जी 16

ईडी ने मांगी यूट्यूबर एल्विश की संपत्तियों की जानकारी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- रेव पार्टियों में सांपों के जहर की सप्लाई के मामले में आरोपी है

अमृत विचार : प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) लखनऊ जोन के अधिकारियों ने यूट्यूबर एल्विश यादव के खिलाफ जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों ने एल्विश के बैंक खातों का ब्योरा, वाहनों एवं अन्य संपत्तियों की जानकारी मांगी है। यादव के खिलाफ लखनऊ जोन में प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉड्रिंग एक्ट के अंतर्गत मुकदमा पंजीकृत किया गया है।

बताते चलें कि भाजपा नेता मेनका गांधी की संस्था पीपुल्स फॉर एनीमल्स की ओर से रेव पार्टियों एवं अन्य स्थानों पर सांपों के जहर की सप्लाई करने के आरोप में पांच लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया था। एफआईआर दर्ज होने के बाद नोएडा की सेक्टर-49 पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। बीती 17 मार्च को एल्विश यादव को भी जेल भेजा गया था। ईडी लखनऊ जोन में मामला दर्ज होने के बाद अब यहां से भी एल्विश पर शिकंजा कसना शुरू हो गया है।

यादव परिवार बनाम भाजपा के मंत्री-सांसदों की कल अग्निपरीक्षा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- मैनपुरी में मोदी की गारंटी पर मुलायम की विरासत के बीच मुकाबला
- सपा के तीन सदस्यों तो भाजपा के दो मंत्री और चार सांसदों की प्रतिष्ठा दांव पर

अमृत विचार : लोकसभा चुनाव के तीसरे चरण में समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव परिवार के तीन सदस्यों तो, भाजपा के दो मंत्री और चार सांसदों की मंगलवार को अग्निपरीक्षा होनी है। ऐसे में दोनों ही दलों की प्रतिष्ठा दांव पर है। खासकर मैनपुरी सीट पर इस बार मोदी की गारंटी और मुलायम की विरासत के बीच मुकाबला है। मुलायम की बहू डिंपल यादव के साथ यहां पूरा यादव परिवार जुटा है। जबकि मोदी-योगी से लेकर पूरी भाजपा सपा से यह सीट छीनने को मंत्री जयवीर सिंह के साथ है।

उप्र. में मैनपुरी एकमात्र सीट है जिस पर पिछले तीन दशक में किसी लहर का असर नहीं रहा और सपा हमेशा जीतती रही। बदायूं से शिवपाल यादव के पुत्र आदित्य यादव और रामगोपाल यादव के पुत्र अक्षय यादव फिरोजाबाद से प्रत्याशी हैं। परिवार के इन सदस्यों को विजयी बनाने को यादव कुनबे ने प्रचार में कोर-कसर नहीं छोड़ी है।

भाजपा के दो मंत्रियों में से एक हाथरस सु.सीट से राजस्व राज्य मंत्री अनूप प्रधान वाल्मीकि हैं तो मैनपुरी से पर्यटन व संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह हैं। डिंपल के मुकाबले बसपा से गुलशन कुमार शाक्य भी मैनपुरी के मैदान में हैं। उधर, भाजपा के चार सांसद उम्मीदवारों में आगरा सु. से एसपी सिंह बघेल, फतेहपुर सीकरी से राजकुमार चाहर, एटा से पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह के पुत्र राजवीर सिंह और आंवला से धर्मेन्द्र कश्यप शामिल हैं। बदायूं सीट पर कांटे की टक्कर होने की उम्मीद है। दरअसल, सपा ने बदायूं सीट से पहले धर्मेंद्र यादव, फिर शिवपाल यादव और बाद में उनके बेटे आदित्य यादव को प्रत्याशी बनाया। उधर, भाजपा ने यहां मौजूदा सांसद संघमित्रा मौर्य का टिकट काटकर दुर्विजय शाक्य को प्रत्याशी घोषित किया। वहीं, बसपा ने मुस्लिम खान को उतार कर मुस्लिम कार्ड खेला है। भाजपा के सामने इस चरण में चुनौती सपा के चक्रव्यूह को तोड़ते हुए 2019 में जीती हुई सीटों को बचाए रखने की है। जिन 10 लोकसभा सीटों पर मंगलवार को मतदान है वहां पिछली बार भाजपा ने आठ सीटें जीती थीं। सपा केवल दो सीटों संभल और मैनपुरी तक सिमट कर रह गई थी। इससे पहले 2014 के चुनाव में भाजपा ने इन 10 में से 7 सीटें जीती थीं।

अखिलेश के लिए भी कड़ी परीक्षा का समय

सपा पहली बार लोकसभा चुनावों में बिना मुलायम सिंह यादव के मैदान में है। इसलिए अखिलेश यादव के लिए भी ये समय कड़ी परीक्षा का है। सपा के गठन के बाद से अब तक जितने भी चुनाव हुए, उसमें मुलायम की अहम भूमिका रहती थी। मुलायम की अगुवाई में मुस्लिम और यादव बहुल इन सीटों पर ही काबिज होकर पार्टी ने अपना राजनीतिक झंडा बुलंद किया था।

तीसरे चरण का प्रचार थमा, मतदान कल

तीसरे चरण में प्रदेश की 10 लोकसभा सीटों के लिए रविवार की शाम चुनाव प्रचार खत्म हो गया। मतदान के लिए छह मई को पोलिंग पार्टियां रवाना होंगी। मतदान सात मई को होगा। मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया कि इस चरण में प्रदेश की 10 लोकसभा सीटों संभल, हाथरस (अजा), आगरा (अजा), फतेहपुर सीकरी, फिरोजाबाद, मैनपुरी, एटा, बदायूं, आंवला व बरेली सीटों पर मतदान होगा।

पहले की सरकारों में गन्ना किसानों को नहीं मिलता था उनका भुगतान : मोदी

कार्यालय संवाददाता, सीतापुर

हरगांव में लोगों का अभिवादन करते प्रधानमंत्री मोदी, साथ में मुख्यमंत्री योगी, प्रदेश अध्यक्ष, प्रत्याशी, राज्यमंत्री व जनप्रतिनिधि। ● अमृत विचार

अमृत विचार : यूपी में पहले की सरकारों में गन्ना किसानों को उनका भुगतान नहीं मिल पाता था। लेकिन योगी सरकार आने के बाद किसान को समय पर पेमेंट मिल रहा है। भाजपा सरकार गन्ने के साथ-साथ गन्ने की खोई से बनने वाले एथेनॉल का निर्माण करके किसान को दुगुना फायदा पहुंचा रही है। ये बातें पीएम नरेंद्र मोदी ने धौरहरा संसदीय क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली हरगांव विधानसभा में चुनावी जनसभा में कहीं। उन्होंने सपा और कांग्रेस पर जमकर हमला बोला। मोदी ने 88 हजार ऋषियों की तपस्थली नैमिषारण्य को प्रणाम किया और कहा कि सीतापुर की इस पावन भूमि पर मैं जनता जनार्दन का आशीर्वाद मांगने आया हूं। प्रधानमंत्री ने धौरहरा प्रत्याशी रेखा वर्मा, सीतापुर प्रत्याशी राजेश वर्मा व लखीमपुर खीरी सांसद अजय मिश्रा टेनी को कमल निशान पर वोट देने की अपील की। भाजपा जिला अध्यक्ष राजेश शुक्ला ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का भव्य स्वागत किया।

मोदी ने रामलला की उतारी आरती, रोड शो में उमड़ा जनसैलाब

अयोध्या कार्यालय। अयोध्या पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार शाम श्रीराम मंदिर में रामलला का दर्शन-पूजन किया। आरती उतारी। साष्टांग प्रणाम किया। इसके बाद रोड-शो किया, जिसमें जनसैलाब उमड़ पड़ा। मोदी शाम 6:55 बजे महर्षि वाल्मीकि एयरपोर्ट पहुंचे। यहां से श्रीराम मंदिर पहुंचे। रामलला का दर्शन पूजन करने के बाद प्रधानमंत्री वाहन से राम मंदिर के मुख्य गेट से बाहर आए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पीले रंग का शॉल ओढ़ाकर उनका स्वागत किया। इसके बाद रथ पर सवार होकर लगभग आठ बजे उन्होंने राम पथ पर रोड-शो शुरू किया।

अपने-अपने बच्चों के भविष्य के लिए चुनाव लड़ रहे सपा और कांग्रेस

कार्यालय संवाददाता, इटावा

अमृत विचार : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने समाजवादी पार्टी और कांग्रेस पर हमला बोलते हुए कहा है कि ये दोनों पार्टियां अपने-अपने बच्चों के भविष्य के लिए चुनाव लड़ रही हैं। लोगों को इन दोनों से सावधान रहना होगा। उन्होंने कहा कि सपा और कांग्रेस ओबीसी, एससी और एसटी का आरक्षण छीनकर धर्म के नाम पर बांटना चाहते हैं। कर्नाटक में रातों-रात मुस्लिम जातियों को ओबीसी घोषित कर दिया गया। वहां ओबीसी को 27 फीसदी आरक्षण मिला था। उसमें डाका डाल दिया। सोचिए, यूपी में ऐसा हुआ तो यहां के ओबीसी के हक का क्या होगा। यह बहुत बड़े खतरे की घंटी है। प्रधानमंत्री रविवार को इटावा लोकसभा क्षेत्र के ककराई ढकपुरा में चुनावी रैली को संबोधित कर रहे थे। इटावा से भाजपा प्रत्याशी डॉ. रामशंकर कठेरिया, कन्नौज से सुब्रत पाठक और मैनपुरी से जयवीर सिंह के समर्थन में आयोजित इस रैली में मोदी ने कहा कि पांच साल पहले कांग्रेस का शाही परिवार मंदिर-मंदिर घूम रहा था। कांग्रेस के शहजादे ने तो कोट के ऊपर जनेऊ पहन लिया था। इस बार मंदिर का दर्शन बंद हो गया है।

प्रज्ज्वल रेवन्ना के खिलाफ ब्लू कॉर्नर नोटिस जारी

बेंगलुरु, एजेंसी

- कर्नाटक के गृहमंत्री परमेश्वर ने दी जानकारी
- रेवन्ना को भारत लाने को इंटरपोल की मदद

सेक्स स्कैंडल मामला

कर्नाटक के गृहमंत्री डॉ. जी परमेश्वर ने रविवार को कहा कि अनेक महिलाओं के यौन उत्पीड़न के आरोपी प्रज्ज्वल रेवन्ना के खिलाफ ब्लू कॉर्नर नोटिस जारी किया गया है और हासन लोकसभा सीट से राजग के उम्मीदवार को भारत लाने के लिए इंटरपोल की मदद ली जा रही है। किसी अपराध के संबंध में अंतर्राष्ट्रीय पुलिस सहयोग निकाय द्वारा किसी व्यक्ति की पहचान, स्थान या गतिविधियों के बारे में अपने सदस्य देशों से अतिरिक्त जानकारी एकत्र करने के लिए ब्लू कॉर्नर नोटिस जारी किया जाता है।

मंत्री ने कहा कि 'सेक्स स्कैंडल' की जांच के लिए गठित विशेष जांच दल (एसआईटी) इस बात पर फैसला करेगा कि प्रज्ज्वल को कैसे वापस लाया जाए। परमेश्वर ने यहां संवाददाताओं से कहा कि पहले ही ब्लू कॉर्नर नोटिस जारी किया जा चुका है। इंटरपोल सभी देशों को सूचित करेगा और उनका पता लगाएगा।

दुष्कर्म पीड़िताओं को आर्थिक मदद देगी सरकार

बेलगावी। कर्नाटक में कांग्रेस सरकार जद (एस) नेता प्रज्ज्वल रेवन्ना द्वारा यौन उत्पीड़न की शिकार बनाई गईं महिलाओं को वित्तीय सहायता प्रदान करेगी। कांग्रेस महासचिव और पार्टी के कर्नाटक प्रभारी रणदीप सिंह सुरजेवाला ने मुख्यमंत्री सिद्धरमैया की मौजूदगी में यहां एक संवाददाता सम्मेलन में यह घोषणा की। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने मांग की थी कि आरोपियों के खिलाफ उचित कार्रवाई की जाए। सुरजेवाला ने कहा कि मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने सैकड़ों की संख्या में दुष्कर्म पीड़िताओं को वित्तीय सहायता की घोषणा की है।

सीआईएससीई बोर्ड के आज आएंगे नतीजे

नई दिल्ली। काउंसिल फॉर इंडियन स्कूल सर्टिफिकेट एग्जामिनेशन (सीआईएससीई) सोमवार 6 मई को 10वीं और 12वीं कक्षा की बोर्ड परीक्षा के परिणाम सुबह 11 बजे घोषित करेगा। यह जानकारी बोर्ड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी और सचिव जोसेफ इमैनुएल ने रविवार को दी। परिणाम बोर्ड की वेबसाइट, कैरियर्स पोर्टल और डिजीलॉकर पर उपलब्ध होंगे। बोर्ड ने इस सत्र से 10 वीं और 12वीं कक्षा के लिए कंपार्टमेंट परीक्षा बंद करने का भी निर्णय लिया है। इमैनुएल ने कहा कि जो अभ्यर्थी परीक्षा के एक ही वर्ष में अपने अंक या ग्रेड में सुधार करना चाहते हैं, वे अधिकतम दो विषयों में सुधार परीक्षा दे सकते हैं।अंक सुधार परीक्षा जुलाई में आयोजित की जाएगी।

वायुसेना के काफिले पर हमले का मामला

आतंकियों की तलाश जारी कई को हिरासत में लिया

मेंढर/जम्मू, एजेंसी

- इलाके की निगरानी के लिए सेना ने हेलीकॉप्टर भी लगाया
- जम्मू के एडीजी और सैन्य अफसरों ने किया क्षेत्र का दौरा

जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में वायुसेना (आईएएफ) के काफिले पर हमले में शामिल आतंकवादियों का पता लगाने के लिए व्यापक तलाशी अभियान रविवार को दूसरे दिन भी जारी रहा और कई लोगों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। जम्मू के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक आनंद जैन और सेना तथा खुफिया एजेंसियों के वरिष्ठ अधिकारियों ने सुरनकोट क्षेत्र में हमला स्थल का दौरा किया। उन्होंने बताया कि सेना ने एक हेलीकॉप्टर के जरिये हवाई निगरानी भी की। शाहसितार के पास शनिवार शाम हुए हमले में वायुसेना के पांच कर्मी घायल हो गए और उनमें से एक ने बाद में एक सैन्य अस्पताल में दम तोड़ दिया।

अधिकारियों ने कहा कि आतंकवादियों का सफाया करने के लिए शाहसितार, गुरसाई, सनाई और शीनदारा टॉप समेत कई इलाकों में सेना व पुलिस का संयुक्त अभियान जारी है। उन्होंने बताया कि माना जा रहा है कि हमला करने के बाद हमलावर जंगल में भाग गए। अधिकारियों ने बताया कि आतंकवादियों ने अधिकाधिक लोगों को हताहत करने के लिए एके असॉल्ट राइफलों के अलावा अमेरिका में निर्मित एम4 कार्बाइन और स्टील की गोलियों का भी इस्तेमाल किया। वायुसेना ने शहीद नायक की पहचान कॉरपोरल विक्की पहाड़े के रूप में की है और उनके परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की है।

सेना के पैरा कमांडों भी अभियान में लगे

अधिकारियों ने कहा कि सेना के पैरा कमांडो की अलग-अलग टीम को भी तलाशी अभियान में लगाया गया है। उन्होंने कहा कि आतंकवादियों के ठिकाने के बारे में अभी कुछ पता नहीं चला है। अधिकारियों ने कहा कि हमले के संबंध में पूछताछ के लिए कई लोगों को हिरासत में लिया गया है। यह इस साल जम्मू क्षेत्र में पहली बड़ी आतंकवादी घटना है। सीमावर्ती पुंछ जिले के साथ निकटवर्ती राजौरी में पिछले दो वर्ष में बड़े आतंकवादी हमले हुए हैं। वर्ष 2003 और 2021 के बीच यह क्षेत्र शांतिपूर्ण रहा था।

देहरादून में इस्कॉन के वरिष्ठ संन्यासी गोपाल कृष्ण गोस्वामी का निधन

- आज वृंदावन में होगा अंतिम संस्कार

देहरादून। इस्कॉन के वरिष्ठ सन्यासी और इस्कॉन इंडिया की गवर्निंग काउंसिल के अध्यक्ष गोपाल कृष्ण गोस्वामी महाराज का रविवार सुबह उपचार के दौरान, उत्तराखंड के देहरादून स्थित एक निजी अस्पताल में देहावसान हो गया।

गोस्वामी ने सुबह करीब साढ़े नौ बजे अंतिम सांस ली। उनके निधन की खबर से भक्तों में शोक की लहर है। सूत्रों ने बताया कि गोपाल महाराज दो मई को डोईवाला अंतर्गत, दूधली स्थित मंदिर के शिलान्यास कार्यक्रम में पहुंचे थे। यहां वह अचानक फिसलकर गिर गए थे। इससे उनके पसलियों में फ्रेक्चर हो गया था। तीन दिनों से उनका इलाज सिनर्जी अस्पताल में चल रहा था जहां रविवार की सुबह उन्होंने अंतिम सांस ली। सोमवार को उनका पार्थिव शरीर वृंदावन ले जाया जाएगा, जहां अंतिम क्रिया की जाएगी।

सपा कार्यकर्ताओं को उठा रही पुलिस

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल सिंह यादव ने डीएम-एसएसपी से शिकायत करके पुलिस पर सपा कार्यकर्ताओं को उठाने का आरोप लगाया है। कहा कि कई थानेदार चुनाव बाधित करना चाहते हैं। कार्यकर्ताओं के घरों पर दबिश दे रहे हैं। तोड़फोड़ तक की गई है। धमका रहे हैं कि बूथ नहीं जाओगे और न ही एजेंट बनोगे। उन्होंने चुनाव आयोग को भी शिकायती पत्र भेजा है।

राष्ट्रीय महासचिव ने कहा कि थाना मूसाझाग, बिनावर, कुंवरगांव, सहसवान, वजीरगंज, उघैती, इस्लामनगर, सदर कोतवाली और गुन्नौर के थाना रजपुरा की पुलिस सपा कार्यकर्ताओं के घर दबिश दे रही है।

सपा कार्यकर्ताओं को धमकाया और थानों पर 40 से ज्यादा लोगों को बैठाया गया है। जो जनता में भयभीत कर वोटिंग को बाधित करने का प्रयास है। भाजपा के पक्ष में कार्य करने का दबाव बनाया जा रहा है। सपा कार्यकर्ताओं का शांतिभंग में चालान किया जा रहा है। लाल कार्ड दिया जा रहा है।

डीएम से शिकायत

- बूथ न जाने और एजेंट न बनने का पुलिसकर्मी डाल रहे दबाव
- सपा नेता ने चुनाव आयोग को भी भेजा शिकायती पत्र

उन्होंने प्रभारी निरीक्षकों को रात में उनके सीयूजी पर फोन किया लेकिन उठा नहीं। उन्होंने निष्पक्ष चुनाव कराने और थाने पर बैठाए गए लोगों को छोड़ने की मांग की है। कहा कि अगर कार्यकर्ताओं को थाने से नहीं छोड़ा गया तो पूरब से लेकर पश्चिम तक यूपी के हर थाने के बाहर सपा के कार्यकर्ता पहुंचेंगे। बता दें बदायूं लोकसभा सीट पर शिवपाल के बेटे आदित्य यादव सपा प्रत्याशी हैं।

बुलंदशहर की नहर में मिला चार दिन से ग्रेटर नोएडा से लापता किशोर का शव

- कार सवार बदमाशों ने 1 मई को किया था अगवा

बुलंदशहर। ग्रेटर नोएडा से चार दिन पहले अपहरण किए गए किशोर की लाश पुलिस ने बुलंदशहर में एक नहर से रविवार को बरामद किया।

पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि ग्रेटर नोएडा के बीटा-2 थाना क्षेत्र में चार दिन पूर्व एक मई को कार सवार बदमाशों ने गावं मियाना निवासी कुनाल (15) पुत्र कृष्ण कुमार का अपहरण कर लिया था। वारदात सीसीटीवी में कैद हो गई थी ।

घटना से आक्रोशित परिजनों ने 2 दिन पहले बीटा 2 थाने का घेराव भी किया था। अपहृत बालक का शव बुलन्दशहर कोतवाली देहात क्षेत्र अंतर्गत नहर में पड़ा देखा गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु भेज दिया है तथा गौतम बुद्ध नगर पुलिस और परिजनों को भी सूचना कर दी गई है।

मदरसा बोर्ड 13 लाख छात्र पढ़ेंगे संशोधित पाठ्यक्रम, उप्र मदरसा शिक्षा परिषद ने दिया व्यवस्थाओं को विस्तार

एनसीईआरटी आधारित पाठ्यक्रम से तालीम लेंगे मदरसा छात्र

जीशान कदीर, लखनऊ

- मुंशी, मौलवी, आलिम, कामिल और फाजिल के छात्रों के पाठ्यक्रम और पुस्तकों में संशोधन

लखनऊ : यूपी मदरसा बोर्ड में नए सत्र का पाठ्यक्रम राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) को आधार बनाते हुए शुरू किया जा रहा है। इस बार 13 लाख छात्र संशोधित पाठ्यक्रमों के सहारे अपनी पढ़ाई पूरी करेंगे। इसमें मुंशी, मौलवी, आलिम, कामिल और फाजिल के छात्र शामिल हैं।

उप्र मदरसा बोर्ड के अंतर्गत 16,513 मदरसे मान्यता प्राप्त हैं। इनमें से 560 मदरसे अनुदानित रहे हैं। कुल मदरसों में 13 लाख के करीब छात्र पंजीकृत हैं। इनमें मुंशी, मौलवी, आलिम, कामिल और फाजिल के छात्र हैं।

रजिस्ट्रार डॉ. प्रियंका अवस्थी बताती हैं कि आधुनिक शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए मदरसों में शुरू होने वाली नई व्यवस्थाओं को राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) के अनुसार स्थापित कराया जा रहा है। शिक्षा विभाग से सामंजस्य बनाकर पाठ्यक्रमों में आंशिक संशोधन किए गए हैं। अब तक मदरसों में कक्षा एक में पढ़ाई जा रही उर्दू जुबां पुस्तक के स्थान पर इस बार शहनाई पुस्तक से जुड़े पाठ्यक्रमों को छात्र पढ़ सकेंगे। परिषदीय स्कूलों और मदरसों में गणित और अंग्रेजी की पढ़ाई को संयुक्त पुस्तक के आधार से हटाकर अलग-अलग पुस्तकों के आधार पर पढ़ाया जाएगा।

इन संशोधित पुस्तकों से होगा अध्ययन

मदरसा बोर्ड ने पुस्तकों में भी बदलाव किया है। कक्षा एक के छात्रों के लिए उर्दू जुबां के स्थान पर शहनाई पुस्तक को तैयार किया गया है। छात्र गणित विषय आनंदमय-रियाजी पुस्तक के साथ पढ़ेंगे। अंग्रेजी विषय मृदंगम प्रथम के आधार पर शामिल की गई है। कक्षा दो के लिए मृदंगम द्वितीय पुस्तक भी संशोधित पाठ्यक्रम में शामिल है।

9,646 शिक्षकों को मिली जिम्मेदारी

प्रदेश में संचालित 560 अनुदानित मदरसों में कार्यरत 9,646 शिक्षकों को नए पाठ्यक्रमों के अनुसार छात्रों को पढ़ाने के लिए रजिस्ट्रार की ओर से निर्देश दिए गए हैं। जनपदवार जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारियों से कहा गया है कि शिक्षकों के साथ-साथ कार्यरत 554 शिक्षणेत्तर कर्मचारियों से विस्तार व्यवस्था में मदद ली जाए।

छुट्टियों का भी किया निर्धारण : मदरसों में यूनिफॉर्म सहित अन्य व्यवस्थाएं भी निर्धारित की जा रही हैं। इसमें छुट्टियां भी शामिल की गई हैं। साप्ताहिक अवकाश के साथ जल्द ही बोर्ड कैलेण्डर भी जारी करने पर चर्चा कर रहा है।

वैकल्पिक विषयों पर दिया जाएगा जोर

मदरसा बोर्ड में मुंशी, मौलवी, आलिम, कामिल में अरबी, फारसी व उर्दू, हिंदी, अंग्रेजी विषयों के साथ विकल्प के रूप में शामिल सामाजिक विज्ञान, विज्ञान, नागरिक शास्त्र, कंप्यूटर विषयों पर भी इस बार जोर दिया जाएगा।

सवा लाख छात्रों का परीक्षा परिणाम जल्द

मुंशी, मौलवी, आलिम, कामिल और फाजिल की परीक्षाओं का परिणाम इसी सप्ताह आना है। विभागीय तैयारी पूरी कर ली गई हैं। रजिस्ट्रार डॉ. प्रियंका अवस्थी का कहना है कि सभी परिणाम घोषित होते ही मदरसों की पढ़ाई शुरू करा दी जाएगी।

एक नजर

भाजपा में शामिल हुए व्यापारी

अमृत विचार, लखनऊ : रविवार को नीलमथा बाजार उद्योग व्यापार मंडल के अध्यक्ष मलखान सिंह यादव सहित बड़ी संख्या में व्यापारी भाजपा में शामिल हुए। महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी, एमएलसी मुकेश शर्मा और लोकसभा सहसंयोजक राकेश श्रीवास्तव और पुष्कर शुक्ला ने व्यापारियों का पार्टी में स्वागत किया। अतुल शुक्ला के नेतृत्व में अन्य दलों से आए ऋषि पांडे, अनुज जयसवाल, संदीप भंडारी एवं अन्य समर्थकों ने भी भाजपा की सदस्यता ग्रहण की।

कांग्रेस प्रत्याशी ने किया जनसंपर्क

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ पूर्वी सीट पर विधानसभा उप चुनाव प्रत्याशी मुकेश सिंह चौहान ने शहरी क्षेत्र के साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में भी जनसंपर्क किया। समुदीपुर गांव के महत्वपूर्ण व्यक्तियों के साथ मुलाकात की। इसके साथ ही बी ब्लॉक इंदिरानगर में बैठक का आयोजन किया गया।

जॉब नहीं सिर्फ पहचान के लिए बनवाए गए कार्ड

सत्यापन में न मिल रहे श्रमिक न आधार कार्ड, कई बाहर कर रहे काम

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

▸▸ 1.52 करोड़ श्रमिकों में 83.56 फीसद सत्यापित
सक्रिय में 82.31 का सत्यापन

अमृत विचार : प्रदेश में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) के तहत बने जॉब कार्ड का 100 फीसद सत्यापन नहीं हो पाया है। इसमें ज्यादातर श्रमिक गांव के बाहर काम कर रहे या फिर सत्यापन के दौरान नहीं मिलते हैं। कुछ की मृत्यु हो चुकी है तो कई सत्यापन के लिए आधार कार्ड नहीं उपलब्ध करा रहे हैं। इस कारण कुल 1,52,21,426 श्रमिकों में 1,27,18,286 (83.56 फीसद) का सत्यापन हो पाया है। जबकि शेष की गिनती 100 दिन के रोजगार में नहीं है।

यह कह सकते हैं कि जॉब कार्ड रोजगार के लिए नहीं योजनाओं का लाभ और पहचान के लिए बनवाएं हैं। वहीं, सक्रिय श्रमिकों में 1,00,56,810 में 82,77,761 (82.31 फीसद) का सत्यापन हुआ है। यह श्रमिक बराबर काम करने वाले हैं। कारण कुछ भी हो 100 फीसद सत्यापन के लिए संयुक्त आयुक्त (मनरेगा) अनिल कुमार पांडेय ने सभी जिलाधिकारी को पत्र लिखा है।

मृतक व डुप्लीकेट जॉब कार्ड होंगे डिलीट

मृतक, डुप्लीकेट जैसी अन्य स्थिति वाले जॉब कार्ड डिलीट किए जाएंगे। ग्राम पंचायतों में समिति द्वारा जरूरतमंदों के नये कार्ड भी बनाए जाएंगे। दरअसल, जॉब कार्ड से गांव में मनरेगा के तहत श्रमिक व उनके परिवार के सदस्यों को रोजगार मिलता है। जॉब कार्ड धारक को आवास, पेंशन, शौचालय जैसी अन्य योजनाओं का लाभ भी मिलता है। बैंक खाता खोलना हो या अन्य पहचान के तौर पर भी जॉब कार्ड का इस्तेमाल किया जाता है। इसलिए योजना का लाभ लेने के बाद ज्यादातर के जॉब कार्ड कोरे हैं।

इन जिलों में कम सत्यापन

जिला	कुल श्रमिक	सक्रिय श्रमिक
बागपत	79.87	48.96
चंदौली	63.72	61.41
संतरविदास नगर	64.70	61.78
औरैया	64.18	61.83
बांदा	67.09	67.07
गाजीपुर	64.04	63.43
गौतमबुद्ध नगर	53.91	63.73

(आंकड़े फीसद में)

यहां 99 फीसद सत्यापन

जिला	कुल श्रमिक	सक्रिय श्रमिक
बुलंदशहर	99.22	98.96
सिद्धार्थ नगर	98.96	99.06
मथुरा	99.13	99.08
ललितपुर	99.47	99.62
अयोध्या	99.66	99.64
आगरा	99.62	99.76
प्रतापगढ़	99.80	99.88

(आंकड़े फीसद में)

गहरी डाली जाएगी पाइप लाइन, लीकेज करेंगे दूर

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

▸▸ शिकायतों का शासन ने लिया संज्ञान, कार्रवाई के निदेश

अमृत विचार : जल जीवन मिशन के अंतर्गत ग्रामीण इलाकों में गहरी पाइप लाइन नहीं डाली जा रही है। लीकेज की भी तमाम शिकायतें हैं। शासन ने संज्ञान लेकर खराब गुणवत्ता व मानक विपरीत कार्य होने पर कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।

ग्रामीण इलाकों में हर घर नल योजना का कार्य दिसंबर 2024 तक पूर्ण कर सभी घरों में जलापूर्ति करने का लक्ष्य है। जिलों पर मानक विपरीत और खराब निर्माण सामग्री के इस्तेमाल होने की शिकायतें हैं। कहीं गहरी पाइप लाइन नहीं डाली जा रही तो कहीं लीकेज है। शासन ने इन शिकायतों का संज्ञान लेकर समीक्षा, जिसमें गुणवत्तापूर्ण और मानक के अनुसार काम करने के निर्देश दिए हैं। जहां कमियां हैं, वहां फर्म द्वारा तत्काल सुधार किया जाएगा। सभी जिलाधिकारियों को यह भी निर्देश किए गए कि जहां कनेक्शन कर जलापूर्ति की जा रही है, वहां नियमित पानी की टेस्टिंग की जाए। आपूर्ति वाले गांवों का पोर्टल पर सत्यापन रिपोर्ट, लाइन डालने के लिए खोदी गई सड़कों की मरम्मत कराने संबंधित निर्देश दिए गए हैं। जो परियोजनाएं पूर्ण हो गई हैं, वे ग्राम पंचायतों को हैंडओवर की जाएंगी।

इंडी गठबंधन बनने के बाद से ही विवादों में

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

▸▸ योगी ने कहा, स्वार्थ के लिए लगातार विवादास्पद बयान दे रहे गठबंधन के नेता

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को हरदोई और इटावा में जनसभा से पहले रविवार को अपने सरकारी आवास पर मीडिया से बातचीत की। मुख्यमंत्री ने कहा कि इंडी गठबंधन बनने के बाद से ही विवादों में है। यही वजह है कि इनके नेताओं के लगातार विवादास्पद बयान सामने आ रहे हैं। यह इनके लिये नई बात नहीं है। यही इनका चरित्र है।

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि इंडी गठबंधन स्वार्थ का गठबंधन है। जो बयान भारत के दुश्मनों को अच्छे लगे, जिससे देश में विखंडन की स्थिति पैदा हो। यह लोग अपने स्वार्थ के लिए लगातार ऐसे विवादास्पद बयान दे रहे हैं। इसके जरिए राष्ट्रीय सुरक्षा और राष्ट्रीय अखंडता को अपूर्णीय क्षति भी पहुंचा रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जम्मू-कश्मीर विकास की एक नई धारा के साथ जुड़ कर बेहतरीन लोकतांत्रिक माहौल की ओर जा रहा है। यहां पहले जो परिवारवादी सत्ता हावी थी, आज उसके दिन लद चुके हैं। वर्तमान में जनता के प्रतिनिधि सही मायने में चुने जा रहे हैं। इसका उदाहरण पंचायत चुनाव में देखने को मिला है। इसकी वजह से इनके पैरों के नीचे की जमीन खिसक चुकी है। इससे ये लोग हताश-निराश हैं और इस तरह के बयान दे रहे हैं। इनके इन बयानों से पाकिस्तान खुश होता है, इसलिए वह इंडी गठबंधन से जुड़े राहुल गांधी समेत अन्य नेताओं के समर्थन में बयान देता है।

एक लाख सुरक्षाकर्मी आज होंगे रवाना

अमृत विचार, लखनऊ : लोकसभा चुनाव-2024 के तीसरे चरण में 10 संसदीय सीटों के लिए मंगलवार को मतदान होना है। सकुशल मतदान संपन्न कराने के लिए उप्र. पुलिस मुख्यालय एक लाख सुरक्षा कर्मियों को चुनाव क्षेत्र में भेज रहा है। सभी कार्मिक सोमवार को गंतव्य की ओर रवाना हो जाएंगे।

गौरतलब हो कि कल संभल, हाथरस, आगरा, फतेहपुर सीकरी, फिरोजाबाद, मैनपुरी, एटा, बदायूं, आंवला और बरेली में मतदान होना है। मतदान के दौरान सुरक्षा व्यवस्था की मुस्तैदी के लिए एक लाख सुरक्षा कर्मियों को भेजा जा रहा है। इसमें सीआरपीएफ, पीएसी, उप्र. पुलिस, होमगार्डस के जवान शामिल हैं। सात हजार के करीब नागरिक पुलिस के निरीक्षक और उपनिरीक्षक भेजे जा रहे हैं, जबकि 60 हजार उप्र. पुलिस के आरक्षी शामिल हैं। इसके अलावा पीएसी, होमगार्डस और केंद्रीय बलों के कार्मिकों को संख्या करीब 40 हजार के आसपास हैं।

5वां चरण : 149 लोस प्रत्याशियों के नामांकन खारिज

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

▸▸ लखनऊ पूर्व विधानसभा सीट पर दो नामांकन रद
▸▸ आज नाम वापसी, 20 मई को होगा मतदान

अमृत विचार : पांचवें चरण के चुनाव में नामांकन पत्रों की जांच में 149 लोकसभा प्रत्याशियों के नामांकन खारिज हो गये, जबकि 147 नामांकन वैध पाये गये। लखनऊ पूर्व विधानसभा सीट पर उप चुनाव के लिए दाखिल दो नामांकन रद्द हो गये। चार नामांकन वैध पाये गये। खारिज होने वाले नामांकनों में ज्यादातर निर्दलीय व छोटे दलों के प्रत्याशी शामिल हैं। इन सीटों के प्रत्याशी छह मई को नाम वापस ले सकेंगे। 20 मई को मतदान होगा। इस चरण के दिग्गज लोकसभा प्रत्याशियों में केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह, कौशल किशोर, राहुल गांधी आदि शामिल हैं।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया कि लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों में लोकसभा सीटों के लिए कुल 296 प्रत्याशियों ने नामांकन किया था, जबकि लखनऊ पूर्व विधानसभा सीट के लिए कुल छह प्रत्याशियों ने नामांकन किया था। उन्होंने बताया कि मोहनलालगंज (अजा) सीट पर 22 प्रत्याशियों ने नामांकन किया था, जिसमें 10 प्रत्याशियों के नामांकन पत्र खारिज हुए। लखनऊ सीट के लिए कुल 41 प्रत्याशियों ने नामांकन किया। जांच में 31 प्रत्याशियों के नामांकन पत्र खारिज हुए। रायबरेली क्षेत्र के लिए कुल 24 प्रत्याशियों ने नामांकन किया। नामांकन पत्रों की जांच में 16 प्रत्याशियों के नामांकन पत्र खारिज हुए। अमेठी सीट के लिए कुल 31 प्रत्याशियों ने नामांकन किया। जांच में 18 प्रत्याशियों के नामांकन पत्र खारिज हुए।

सपा प्रत्याशी सहित कई के नामांकन खारिज

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

▸▸ राजनाथ सहित 10 प्रत्याशियों के नामांकन पत्र वैध पाए गए

अमृत विचार : लोकसभा लखनऊ सीट पर नामांकन दाखिल करने वाले प्रत्याशियों के नामांकन पत्रों की जांच शुक्रवार देर रात पूरी हो गई। जिसमें सपा प्रत्याशी डॉ. आशुतोष सहित 31 प्रत्याशियों के नामांकन पत्र जांच में खारिज हो गए।

यह जानकारी रिटर्निंग ऑफिसर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी सूर्य पाल गंगवार ने दी। उन्होंने बताया कि भारतीय जनता पार्टी से रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, इंडी गठबंधन के प्रत्याशी रविदास मेहरोत्रा सहित 10 प्रत्याशियों के नामांकन वैध पाए गए। लखनऊ लोकसभा सीट पर नामांकन प्रक्रिया के दौरान कुल 41 प्रत्याशियों ने पर्चा भरा था। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि सोमवार को दोपहर तीन बजे तक प्रत्याशी अपना नाम वापस ले सकेंगे।

रविदास मेहरोत्रा को पर्चा खारिज होने का था डर

लखनऊ लोकसभा सीट से 29 अप्रैल को भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी राजनाथ सिंह ने नामांकन किया था। इसके दूसरे ही दिन एक मई को इंडी गठबंधन से सपा के रविदास मेहरोत्रा ने पर्चा भरा। रविदास को नामांकन पत्र खारिज होने का डर था। इसलिए उन्होंने एक सेट में और पर्चा भरा। पर्चा खारिज होने के डर से सपा प्रत्याशी के तौर पर डॉ. आशुतोष ने 3 मई को नामांकन किया।

आचार संहिता के उल्लंघन में 114 पर एफआईआर

अमृत विचार, लखनऊ : आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन के मामले में अब तक 114 लोगों पर एफआईआर दर्ज कराई गई है, जबकि कार्रवाई और तेज करने के निर्देश दिये गये हैं।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया कि आचार संहिता का पालन कराने के लिए सघन जांच की जा रही है। 16 मार्च से अब तक पुलिस विभाग की ओर से आपराधिक व्यक्तियों के 536 लाइसेंसी शस्त्र जब्त किये गये हैं। 4703 लाइसेंसी शस्त्रों के लाइसेंस निरस्त कर जमा कराये गये हैं। इसी प्रकार शांति भंग की आशंका में 26,70,394 लोगों को पाबंद किये जाने के लिए नोटिस भेजी गई, जिसमें 23,30,837 लोगों को पाबंद किया जा चुका है। इसके अतिरिक्त पुलिस विभाग की ओरसे 8730 बिना लाइसेंसी शस्त्र, 8817 कारतूस, 3019.32 किग्रा विस्फोटक व 485 बम बरामद कर सीज किये गये हैं।

ऊर्जा निगमों के परिसर से हटेंगे माइक्रोवेब टॉवर

शक्ति भवन परिसर में टॉवर हटाने का काम शुरू, अनुपयोगी हो चुके हैं सभी टॉवर

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

राजधानी स्थित शक्ति भवन के परिसर में माइक्रोवेब टॉवर हटाने के लिए की गई तैयारी। अमृत विचार

अमृत विचार : उप्र. पावर कॉरपोरेशन के मुख्यालय शक्ति भवन परिसर में लगे सौ मीटर ऊंचे माइक्रोवेब टॉवर समेत प्रदेश में लगे सभी टॉवर हटाए जाएंगे। शक्ति भवन के टॉवर को हटाने का काम शुरू हो गया है। इसको हटाने में करीब एक माह का समय लगेगा।

पावर कॉरपोरेशन के अधिकारियों ने बताया कि पूर्व में पूरे प्रदेश की बिजली व्यवस्था तत्कालीन राज्य बिजली बोर्ड के जिम्मे थी। 41 साल पहले शक्ति भवन परिसर में सौ मीटर ऊंचा माइक्रोवेब टॉवर लगाया था, इसके अलावा बिजली उत्पादन इकाइयों ओबरा, अनपरा, हरदुआगंज, पनकी आदि जगहों पर भी ऐसे टॉवर लगाये गये थे। दूरसंचार के लिए बनाये गये इन माइक्रोवेब टॉवरों के जरिये बिजली अभियंता आपस में बातचीत कर बिजली उत्पादन, पारेषण व वितरण की जानकारियां साझा करते थे, वर्तमान में यह व्यवस्था बंद हो चुकी है। ऑप्टिकल फाइबर के तहत शक्ति भवन मुख्यालय को उत्पादन व पारेषण केंद्रों से जोड़ दिया गया है। ऐसे में माइक्रोवेब व्यवस्था अनुपयोगी हो गई है।

अधिकारियों का कहना है कि पहले चरण में शक्ति भवन में लगे टॉवर को हटाने के लिए पावर कॉरपोरेशन के अध्यक्ष डॉ आशीष गोयल ने निर्देश दिये हैं, इसी के तहत इस टॉवर को हटाने की कार्रवाई शुरू हो गई है। टॉवर हटाने के लिए बरेली से विशेषज्ञ बुलाये गये हैं। अभियंताओं को सुरक्षा मानकों का पालन करते हुए कार्य पूरा करने के निर्देश दिये गये हैं। इस टॉवर को हटाने में करीब एक माह का समय लगने की संभावना है।

सीएससी और आरआरसी से बढ़ेगी पंचायतों की आय

अमृत विचार, लखनऊ : ग्राम पंचायतों की आय सुविधाओं और सेवाओं से बढ़ाई जाएगी। कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) और प्लास्टिक वेस्ट मैनेजमेंट यूनिट का संचालन मददगार बनेगा।

निदेशक पंचायती राज विभाग अटल कुमार राय ने आय बढ़ाने की योजना बनाई है। चुनाव बाद जिलों पर काम होगा। पंचायत भवनों में सीएससी संचालित होने से ग्रामीणों के आय, जाति, निवास बनवाना व अन्य योजनाओं के फार्म भरना आसान हो गया है। इसकी एवज में जो शुल्क आता है, वह ग्राम पंचायत की आय है। इसे और बेहतर तरह से संचालित किया जाएगा। वहीं, गांवों में संचालित कूड़ा कलेक्शन सेंटर (आरआरसी) की क्षमता और दायरा बढ़ेगा। इसके शुल्क से आय में इजाफा होगा। इसी तरह प्लास्टिक वेस्ट मैनेजमेंट प्लांट में अपशिष्ट प्लास्टिक का कलेक्शन कर सड़क निर्माण के लिए दाने बनाकर बिक्री की जाएगी। गोशालाओं से वर्मी कंपोस्ट खाद की बिक्री, मंदिरों पर पार्किंग, किराये पर दुकानें, पेयजल शुल्क आदि का पूरी तरह से संचालन कराया जाएगा।

महिलाओं को मोदी पर भरोसा

भाजपा के महिला सम्मेलन में कमल का बटन दबाने की अपील

भाजपा के महिला सम्मेलन को संबोधित करते पार्टी के नेता नीरज सिंह।

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : लखनऊ लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी राजनाथ सिंह के समर्थन में पारा स्थित राज स्टेट लॉन में महिला सम्मेलन आयोजित किया गया। महिला मोर्चा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पूजा कपिल मिश्रा, वरिष्ठ नेता नीरज सिंह, महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी और महापौर सुषमा खर्कवाल ने महिला कार्यकर्ताओं को केंद्र व प्रदेश सरकार द्वारा महिला कल्याण के लिए चलाई जा रही योजनाओं की जानकारी दी। 20 मई को कमल का बटन दबाकर राजनाथ सिंह को विजयी बनाने की अपील की।

राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पूजा कपिल मिश्रा ने कहा कि आज देश की महिलाओं का भरोसा नरेन्द्र मोदी पर है। नरेन्द्र मोदी सरकार ने महिलाओं के संपूर्ण विकास के लिए ऐतिहासिक और अभूतपूर्व कदम उठाए हैं। उन्होंने कहा कि आधी आबादी के वोट के बल पर मोदी चुनाव में हैट्रिक लगाने जा रहे हैं।

नीरज सिंह ने कहा कि हमारी पार्टी को सिर्फ वादों की नहीं, कर्मों की भी पहचान है। उन्होंने सोच ईमानदार, काम दमदार, लखनऊ बोले 5 लाख पार, फिर एक बार मोदी सरकार के नारे के साथ जनता का आह्वान किया।

महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी ने कहा कि भाजपा सरकार ने महिलाओं को स्वावलंबी बनाकर अपने पैरों पर खड़े होने का अवसर दिया है। महापौर ने कहा कि महिलाओं के लिए आरक्षण का फैसला मील का पत्थर साबित होगा। आरक्षण का कानून बन जाने से 33 प्रतिशत महिलाओं को विधानसभा और संसद पहुंचने का अवसर मिलेगा।

मीडिया प्रभारी प्रवीण गर्ग ने बताया कि सम्मेलन में समाज सेविका नम्रता पाठक, महिला मोर्चा महानगर अध्यक्ष सीता नेगी, प्रसून जोशी आदि महिला पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहीं।

अधूरे रह गए वादों पर बात नहीं कर रहे मोदी : कांग्रेस

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश कांग्रेस ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अधूरे रह गये वादों पर कोई बात नहीं कर रहे हैं।

प्रदेश कांग्रेस मीडिया विभाग के वाइस चेयरमैन मनीष श्रीवास्तव हिंदवी ने कहा कि कांग्रेस जनता की ओर से प्रधानमंत्री से लगातार सवाल कर रही है, पर वह खामोशी अख्तियार किए हुए हैं। कांग्रेस देशहित में उनसे सवाल पूछना जारी रखेगी। सीतापुर अस्पताल में ट्रॉमा सेंटर सात साल से बंद क्यों है? यह भवन पिछली प्रदेश सरकार के कार्यकाल में बनाया गया था लेकिन भाजपा ने सत्ता में आने के बाद से इसकी उपेक्षा की है। नतीजा यह है कि मरीजों को इलाज के लिए अक्सर लखनऊ आना पड़ता है।

राज्यपाल ने जताया दुख

अमृत विचार, लखनऊ : राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने इस्कॉन भारत के प्रमुख गोपाल कृष्ण गोस्वामी के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया है। अपने शोक संदेश में राज्यपाल ने कहा कि गोस्वामी का जीवन सर्व शांति व मानव कल्याण के लिए समर्पित था।

भाजपा सरकार की उल्टी गिनती शुरू : अविनाश पांडे

अमृत विचार, लखनऊ : कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव व प्रदेश प्रभारी अविनाश पांडेय ने कहा कि देश की जनता महंगाई-बेरोजगारी के खिलाफ इंडी गठबंधन की सरकार बनाएगी। प्रयागराज समेत कई सीटों पर चुनाव प्रचार के दौरान उन्होंने कहा कि अब भाजपा सरकार की उल्टी गिनती शुरू हो गई है।

प्रदेश प्रभारी ने रविवार को लोकसभा क्षेत्र (फूलपुर) प्रयागराज, मिर्जापुर, भदोही, मछली शहर व जौनपुर पहुंचकर लोकसभा कोऑर्डिनेटर, जिला व शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्षों व अन्य पदाधिकारियों के साथ बैठक की और चुनाव तैयारियों की समीक्षा की। समन्वय बैठकों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि यह चुनाव देश के संविधान, जनता का अधिकार, वंचितों का आरक्षण और बच्चों का भविष्य बचाने का चुनाव है।

भाजपा कार्यकर्ताओं के आगे विपक्ष पस्त : नीरज

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

▸▸ राजनाथ सिंह को भारी मतों से जिताने की अपील की

अमृत विचार : भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष नीरज सिंह ने मार्टिनपुरवा स्थित दुर्गा मंदिर में क्षेत्रवासियों के साथ बैठक करके लखनऊ लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी राजनाथ सिंह को भारी मतों से जिताने की अपील की।

जेसी गेस्ट हाउस निराला नगर और विकास नगर सेक्टर-10 के वालिया लॉन में आयोजित प्रबुद्ध सम्मेलन में कहा कि भारतीय जनता पार्टी के कर्मठ और ऊर्जावान कार्यकर्ताओं के आगे विपक्ष पूरी तरह पस्त है। भाजपा कार्यकर्ता भारत मां की संस्कृति, आस्था, गौरव और सम्मान की रक्षा की बात करते हैं, वहीं विपक्षी आतंकवादियों की मौत पर रोते हैं और सेना के जवानों के शौर्य और पराक्रम के सबूत मांगते हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा को दिया गया आपका एक-एक वोट 2047 के विकसित भारत की संकल्पना का आधार बनेगा और आतंकवादियों को चोट देने का काम करेगा।

सभा को सम्बोधित करते हुए अखिल भारतीय ब्रह्म समाज के राष्ट्रीय महामंत्री देवेन्द्र शुक्ल ने कहा कि यह चुनाव सनातन धर्म की रक्षा करने वालों और सनातन धर्म को समाप्त करने वालों के बीच है। कार्यक्रम में पार्षद प्रत्याशी सुमित रावत, बीएन मिश्रा, पार्षद पंकज पटेल, रामकृष्ण यादव, डीएम कटियार, रामकुमार वर्मा और सुरेंद्र सिंह आदि उपस्थित रहे।

कवायद बीते तीन वर्षों के आधार पर सबसे ज्यादा मौतों वाले जिलों में बनाई जाएंगी 'मॉडल सेफ रोड'

जीरो फैटिलिटी कॉरीडोर के जरिए दुर्घटनाएं रोकने की तैयारी

नीरज मिश्र, लखनऊ

प्रमुख बिंदु जिस पर सड़क सुरक्षा समिति को बढ़ना है आगे

▸▸ जिलों की सीमा के अंतर्गत एचएचएआई और लोनिवि के अधीन चयनित की गई रोड का सेफ्टी ऑडिट किया जाए।

▸▸ ऑडिट रिपोर्ट में दिए गए सुझावों पर तत्काल क्रियान्वयन शुरू कराया जाए। बजटीय प्राविधान सड़क सुरक्षा कोष में शामिल किया जाए।

▸▸ अल्पकालिक (एक वर्ष में) और दीर्घकालिक (एक साल से अधिक) कार्ययोजना को वर्गीकृत कर कार्यों के लक्ष्य का निर्धारिण कर परिणाम दिया जाए।

▸▸ मॉडल सेफ रोड पर एएनपीआर (आटोमेटेड नंबर प्लेट रिकगनिशन) कैमरा और वे-इन-मोशन स्थापित कर ई-चालान किया जाए।

▸▸ पुलिस और परिवहन विभाग द्वारा ओवरस्पीडिंग, ओवरलोडिंग, ड्रंकन ड्राइविंग, गाड़ी चलाते वक्त मोबाइल फोन प्रयोग, हेलमेट व सीट बेल्ट पर कार्यवाही।

▸▸ हाइवे पर तकनीकी खराबी के कारण वाहनों को खड़ा न होने दिया जाए। लगातार पेट्रोलिंग कर ऐसे वाहनों को तत्काल हटवाया जाए।

▸▸ दुर्घटना होने पर घायलों को त्वरित चिकित्सा के लिए ट्रामा केयर की व्यवस्था, इसमें आईएमए की भी सहायता ली जाए।

▸▸ खतरनाक स्थलों और मार्ग के अलग-अलग जगहों पर जागरूक करने वाले बैनर, होर्डिंग लगें। वॉल पेंटिंग से भी प्रचार प्रसार।

▸▸ ग्रामीण क्षेत्रों में हाइवे पर बने अवैध कट बंद करने, सीट बेल्ट व हेलमेट को लेकर स्कूलों और महाविद्यालयों में गठित रोड सेफ्टी क्लबों की सहायता से जागरूकता अभियान समेत करीब दर्जनभर बिंदुओं पर कार्यवाही के लिए कहा गया है।

अमृत विचार, लखनऊ : सर्वाधिक दुर्घटना और मौतों वाले जिलों में अतिशीघ्र 'जीरो फैटिलिटी कॉरीडोर' विकसित किया जाएगा। इसके लिए बीते तीन वर्षों के आधार पर सबसे ज्यादा मृत्यु वाले जिलों में 'मॉडल सेफ रोड' बनाई जाएंगी। एक मार्ग एनएच (नेशनल हाइवे) को तय करना है तो दूसरी सड़क एसएच (स्टेट हाइवे) को चिह्नित करनी है।

प्रदेश में बीस जिले ऐसे हैं जिनमें सबसे अधिक करीब 43 प्रतिशत मौतें सड़क हादसों के दौरान होती हैं। मार्गों को चिह्नित कर सभी स्टेक होल्डर को जल्द से जल्द सड़क सुरक्षा समिति के 4-ई मॉडल (इंजीनियरिंग, इनफोर्समेंट, एजुकेशन और इमरजेंसी केयर) के तहत कार्यवाही शुरू कर परिणाम देना है। इसके लिए मुख्य सचिव की ओर से समिति के अध्यक्ष प्रदेश के सभी जिलाधिकारियों को पत्र जारी किया गया है। सभी स्टेक होल्डर अथवा विभागों को कार्यवाही के लिए समयबद्ध 12 बिंदुओं की एक गाइडलाइन जारी की गई है। साथ ही जिला सड़क सुरक्षा कोष से एआरटीओ प्रशासन और प्रवर्तन को 5 लाख रुपये का बजट भी दे दिया गया है।

> सड़क सुरक्षा पखवाड़ा खत्म हो गया है। इस बार शासन की ओर से सख्त निर्देश जारी किए गए हैं। इसके तहत सर्वाधिक दुर्घटना और मौतों वाले 20 जिलों में एनएच और एसएच पर मॉडल सेफ रोड विकसित कर तय समय में सूचना देना है। इसके लिए प्रदेश के जिलाधिकारी समेत विभिन्न विभागों के जिम्मेदारों को गाइडलाइन भेज दी गई है। 'जीरो फैटिलिटी कॉरीडोर' विकसित कर आमजन की राह सुरक्षित की जाएगी।
>
> **-पुष्पसेन सत्यार्थी, अपर परिवहन आयुक्त सड़क सुरक्षा**

आसमान से बरस रही आग, लोग हुए बेहाल

गर्मी से राहत पाने के लिए गन्ने का जूस और नारियल के पानी का सहारा ले रहे लोग

संवाददाता, रायबरेली

अमृत विचार। मई माह के पहले सप्ताह में आसमान ने आग बरसाना शुरू कर दिया है। रविवार को 41 डिग्री तापमान रहा। इस भीषण गर्मी व चिलचिलाती धूप में शहर के अधिकांश सड़कों व चौराहों पर पैदल आने जाने वालों की अधिकतर भीड़ गायब रही।

दोपहर 2 बजे के बाद से बादलों में सूरज के लुका छिपी का खेल जारी रहा। हालांकि इसके बाद लोगों को कुछ राहत जरूर मिली। रविवार को 41 डिग्री तापमान होने से लोग परेशान रहे। इससे राहत पाने के लिए लोग तरह-तरह के जतन करने शुरू कर दिये हैं। तपती दोपहरी में सड़कों से निकल रही तपन और गर्मी से राहत पाने के लिए गन्ने का जूस, नारियल का पानी तो कोई बेल का जूस पीकर अपनी प्यास बुझाई। दिन-ब-दिन आसमान से बरस रही आग से लोगों का जीना मुहाल हो गया है। जिले में इस तरह की भीषण गर्मी में सबसे ज्यादा बुरा हाल स्कूल जाने वाले बच्चों का है।

धूप से बचाव करते युवा। अमृत विचार

विद्युत तारों पर लटक रहीं डालों की हो रही छंटाई : जेई मुकेश कुमार

रायबरेली। एक तरफ जहां 41 डिग्री तापमान होने से लोग परेशान हैं। वहीं कठगर फीडर से होने वाली विद्युत आपूर्ति टाइम बे टाइम बंद कर दिये जाने से लोगों की रात की नींद भी हराम हो गई है। कठगर विद्युत उपकेंद्र से राही ब्लाक के पंडित का पुरवा, उमराव का पुरवा, जफरापुर, खागीपुर सड़वा, मन्हेरू, राजापुर, सैदनपुर, पूरे बल्दी व देदानी सहित दर्जनों गांव बिजली से रोशन होते हैं। गर्मी के दिन शुरू होते ही इन गांवों में अधिक समय तक बिना किसी रोस्टर के जबरजस्त तरीके से बिजली कटौती हो रही है। जिससे ग्रामीण रात में ठीक से सो नहीं पाते हैं। इस संबंध में जेई मुकेश कुमार ने बताया कि जिन गांवों में विद्युत लाइनों के ऊपर पेड़ों की डालें लटक रही हैं उन्हें कटवाया जा रहा है। इस दौरान कुछ समय के लिए विद्युत लाइन बंद कराई जाती है। अगर इसके बावजूद किसी गांव में ऐसी कोई समस्या है तो उसे शिकायत मिलने पर दूर करवा दिया जाएगा।

अधेड़ ने खाया जहर, गंभीर

ऊंचाहार, रायबरेली। एक अधेड़ ने किसी बात से नाराज होकर जहर खा लिया। उसको परिजनों ने सीएचसी में भर्ती कराया है, जहां उसका इलाज चल रहा है। क्षेत्र के गांव बरगदही मजरे ऊंचाहार देहात निवासी अमर बहादुर (55वर्ष) रविवार को किसी बात से नाराज होकर घर में रखी कीटनाशक दवा खा लिया। थोड़ी देर बाद जब उसकी हालत बिगड़ी तब परिजनों को मामले की जानकारी हुई। उसके बाद उसको लेकर परिजन सीएचसी पहुंचे, जहां उसका इलाज किया जा रहा है। परिजन जहर खाने का कारण नहीं बता रहे है।

सार-संक्षेप

दरवाजे के कुंडे से युवक का लटकता मिला शव

मृतक के गमगीन परिजन। अमृत विचार

खुशीराम (फाइल फोटो)

बछरावां, रायबरेली, अमृत विचार। थाना क्षेत्र के अंतर्गत बगाही मजरे बिशनपुर गांव के रहने वाले खुशीराम पुत्र बुधई का शव गांव के ही रहने वाले स्व राजेंद्र के मकान में दरवाजे के कुंडे से रस्सी के सहारे फांसी के फंदे से लटकता मिला। शव मिलने से गांव में हड़कंप मच गया। मौके पर पहुंचे परिजनों ने घटना की सूचना पुलिस को दी। मृतक खुशीराम के बेटे सूरज ने बताया कि उनकी किसी से कोई दुश्मनी नहीं थी। उनके पिता तीन बजे रात से गायब थे। इस संबंध में कोतवाल विजेंद्र शर्मा ने बताया कि प्रथम दृष्ट्या आत्महत्या का मामला प्रतीत होता है। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। पीएम रिपोर्ट आने के बाद मृत्यु का कारण स्पष्ट हो पाएगा।

बेहोशी की हालत में मिली किशोरी, दुष्कर्म का आरोप

बछरावां, रायबरेली, अमृत विचार। बेहोशी की हालत में गांव से दूर चुरुवा गांव के पास किशोरी के मिलने से हड़कंप मच गया। किशोरी के मांग में सिंदूर भरा हुआ था। परिजनों ने बलात्कार का आरोप लगाया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। थाना क्षेत्र के अंतर्गत एक गांव की रहने वाली नाबालिक अपने घर से दूर थाना क्षेत्र के चुरुवा गांव के पास संदिग्ध अवस्था में बेहोश मिली। जैसे ही इसकी जानकारी परिवारीजनों की हुई तो तत्काल उसे लेकर इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बछरावां पहुंचे। पारिवारिक जनों की मानी जाए तो उनका कहना है कि हमारी नाबालिक बेटी के साथ बलात्कार किया गया है, जबकि पीड़िता कुछ भी बोलने से इनकार कर रही है। उसके मांग में सिंदूर भी लगा हुआ था। सूचना पर पहुंची पुलिस जांच पड़ताल में जुट गई है। इस बाबत कोतवाली प्रभारी बृजेन्द्र शर्मा ने बताया कि घटना की सूचना प्राप्त हुई है, जांच की जा रही है।

588 अभ्यर्थियों ने दी नीट

दयानंद पीजी कॉलेज में अभ्यर्थियों की प्रवेश पत्र से मिलान करते कर्मचारी।

बछरावां, रायबरेली, अमृत विचार। दयानंद पीजी कॉलेज में नीट की परीक्षा कड़ी सुरक्षा के बीच संपन्न हुई। इस परीक्षा में कुल 600 छात्र-छात्राओं को परीक्षा देनी थी, परंतु 12 लोगों की अनुपस्थिति होने के कारण 588 अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी। अधिक जानकारी देते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य डा सुभाष चंद्र श्रीवास्तव ने बताया कि सुरक्षा के लिए केंद्र पर कड़े इंतजाम किए गए थे। यहां पर सीसीटीवी कैमरे के साथ-साथ सुरक्षा के मजबूत इंतजाम भी किए गए थे और जो भी परीक्षार्थी परीक्षा देने के लिए अंदर आ रहा था उसकी पूरी तरीके से जामा तलाशी लेने के बाद ही अंदर आने की अनुमति दी जा रही थी। उन्होंने बताया कि 600 अभ्यर्थियों के लिए सीटिंग प्लान किया गया था, परंतु 12 के अनुपस्थित होने के कारण 588 लोग ही परीक्षा दे पाए। डा सुभाष चंद्र श्रीवास्तव ने बताया कि पुलिस व्यवस्था भी की गई थी। साथ ही महाविद्यालय के कर्मचारियों द्वारा अच्छे ढंग से नीट की परीक्षा संपादित कराई गई।

कलर बेल्ट टेस्ट प्रतियोगिता आयोजित

रायबरेली, अमृत विचार। जिला ताइक्वांडो एसोसिएशन द्वारा मान्यता प्राप्त जेएस मार्शल आर्ट क्लब भोजपुर के बच्चो का आज लालगंज में कलर बेल्ट टेस्ट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमे 20 खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया। रानी लक्ष्मीबाई पुरस्कार से सम्मानित डिम्पी तिवारी ने सभी खिलाड़ियों का बेल्ट टेस्ट लिया। इस मौके पर एसोसिएशन के जिला सचिव डा अताउर रहमान भोजपुर के कोच सलमान खान सहित समस्त खिलाड़ी मौजूद रहे।

आरोग्य मेले में 214 मरीजों का किया गया उपचार

मेले में मरीज का उपचार करते चिकित्सक।

जगतपुर, रायबरेली, अमृत विचार। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जगतपुर व प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हरदी टीकर में आयुष्मान भव मेला व आरोग्य मेले का आयोजन किया गया। जिसमें कुल 214 मरीज का चिकित्सकों द्वारा उपचार किया गया। रविवार को शासन के दिशा निर्देश पर जगतपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में आयुष्मान भव मेले का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता सीएचसी के अधीक्षक डा एलपी सोनकर ने की। जिसमें 153 मरीज ने पंजीकरण कराया। मेले में डा मनीष मिश्रा द्वारा उपचार किया गया तथा मरीजों को निशुल्क दवाएं भी वितरित की गई। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हरदी टीकर में डा सुफैल अहमद की अध्यक्षता में आरोग्य मेले में 61 मरीज ने पंजीकरण कराया। यह जानकारी सीएचसी के अधीक्षक डा एलपी सोनकर ने दी है। उन्होंने बताया कि मेले में खांसी, जुखाम, बुखार, कमर दर्द, बीपी, शुगर, हाइपरटेंशन आदि रोग के मरीजों ने उपचार करवाया।

सतगुरु से जुड़ने के बाद जीवन में आता है परिवर्तन : महात्मा

जगतपुर के संत निरंकारी सत्संग भवन में सत्संग सुनते भक्त।

जगतपुर, रायबरेली, अमृत विचार। जगतपुर के संत निरंकारी सत्संग भवन में महात्मा राजेश की अध्यक्षता में सत्संग का आयोजन हुआ। उन्होंने कहा कि सतगुरु से जुड़ने के बाद जीवन में परिवर्तन आता है। कहने सुनने को तो हम हमेशा से यह सुनते आ रहे हैं कि परमात्मा कण-कण में पते-पते में सरवत्र है, लेकिन वह दृष्टि देख पाने में सक्षम नहीं थी। इस निरंकार को देख पाने में भक्ति सक्षम हो जाता है या फिर जिधर देखता है। उधर इस प्रभु परमात्मा का दर्शन होता है। सारे संसार को प्रभु परमात्मा और इस संसार की सभी वस्तुओं में देख पाने की दृष्टि सद्गुरु की कृपा से मिल जाती है, तभी मन से अहंकार मिटता है और मन में समर्पण आ जाता है। इस मौके पर रामप्रसाद, राम लखन, बसंत लाल, महेश दत्त, शिव मूर्ति, रूपेश, राम सुमेर, बाबूलाल, रतिपाल, वंदना, ऊषा, कर्मावती, रानी, बबिता, रजनी, अंजली, मिथिला, लक्ष्मी आदि साध संगत मौजूद रहे।

अमेठी से भागे रायबरेली से हारेंगे : बलदेव सिंह

सलोन पहुंचे राज्यमंत्री, गुरुद्वारे में टेका मत्था, विपक्ष पर बोला हमला

सलोन, रायबरेली

अमृत विचार। पीएम मोदी के नेतृत्व में देश और सीएम योगी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश तरक्की कर रहा है। जनता का विश्वास जीतने के बाद ही केंद्र और राज्य में भाजपा की सरकार बनी है, जो लोग जनता का विश्वास नही जीत सके है। ऐसे लोगों को अमेठी ने बाहर का रास्ता दिखा दिया है।

उक्त वक्तव्य प्रदेश सरकार के राज्यमंत्री बलदेव सिंह औलख ने सिख समाज के लोग से कही है।रविवार को राज्यमंत्री बलदेव सिंह सिख समाज के लोगों से मिलने पहुंचे थे। इसके साथ ही अमेठी सांसद स्मृति ईरानी को जीतने के लिए सिख समाज के लोगों से आग्रह किया। कस्बे में स्थित गुरुद्वारे में मत्था टेकने के बाद राज्यमंत्री बलदेव सिंह औलख ने कहा कि राहुल गांधी को अमेठी में हार जाने का डर था, इसलिए रायबरेली भाग निकले। रायबरेली में भी राहुल गांधी हार का स्वाद चखेंगे। उन्होंने रायबरेली से दिनेश प्रताप सिंह और अमेठी से स्मृति ईरानी को जिताने के लिए समाज के लोगों से आग्रह किया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने अपने प्रतिनिधि को चुनाव मैदान में उतारा है। इससे स्पष्ट है कि गांधी परिवार को अमेठी में हार का डर सता रहा था। प्रेसवार्ता में राज्यमंत्री ने कहा कि सरकार किसानों के हित को लेकर लगातार काम कर रही है। इस मौके पर मनजीत सिंह, महेंद्र सिंह, लकी अरोरा, कैनी अरोरा, अजीत सिंह, लवी सिंह, सोनू सरदार आदि लोग मौजूद रहे।

राज्यमंत्री बलदेव सिंह औलख का स्वागत करते लोग। अमृत विचार

राहुल गांधी के नामांकन को दी गई चुनौती, जांच में वैध

रायबरेली, अमृत विचार। देश की सबसे हाट सीट बनी रायबरेली में कांग्रेस के प्रत्याशी के रूप में नामांकन पत्र दाखिल किया था। शनिवार को नामांकन पत्र की जांच के बाद जिला निर्वाचन अधिकारी ने राहुल के नामांकन को वैध करार दिया था। लेकिन शाम को ही एक शिकायतकर्ता अनिरुद्ध प्रताप सिंह राहुल के नामांकन को चुनौती दी थी। शिकायत में राहुल गांधी की राष्ट्रीयता और हाल ही में मानहानि मामले में उनकी सजा के बारे में सवाल उठाया था। शिकायत कर्ता के अधिवक्ता अशोक पांडे ने रिटर्निंग अफसर से राहुल गांधी के नामांकन को रद्द करने की मांग की थी। मामला हाईप्रोफाइल होने से रिटर्निंग आफिसर हर्षिता माथुर ने राहुल गांधी के प्रतिनिधि को मामले से अवगत कराते हुए अपना पक्ष रखने की बात कही थी। देर रात प्रतिनिधि के रूप में पहुंचे अजय पाल सिंह ने अपना पक्ष रखा, जिसको रिटर्निंग ऑफिसर ने गम्भीरता से सुना। वही अपना पक्ष रखने के बाद बाहर आए राहुल गांधी के प्रतिनिधि ने बताया कि उनका पर्चा वैध था और वैध है। जो आरोप लगाए गए वह गलत हैं।

गंगा घाट पर चलाया गया स्वच्छता अभियान

गंगा घाट की साफ-सफाई करते लोग। अमृत विचार

डलमऊ, रायबरेली

अमृत विचार। गंगा घाट पर रविवार को गंगा स्वच्छता अभियान चलाया गया। जिसमें ब्रह्म घाट, छोटा मठ घाट, गुरुकुल के छात्रों ने हिस्सा लिया। छात्रों ने गंगा किनारे फैली गंदगी को साफ किया। इस अभियान में नगर पंचायत के कर्मचारियों ने भी सहयोग दिया। इस मौके पर लालू पांडा, विकास त्रिपाठी, हर्ष चेतन, ब्रह्मचारी रमन, आर्यावर्त, राम सिंह आदि लोग उपस्थित रहे। महामंडलेश्वर स्वामी देवेंद्र आनंद गिरि के संयोजन में यह स्वच्छता अभियान 2017 से निरंतर प्रत्येक रविवार को डलमऊ के अलग-अलग घाटों पर चलाया जाता है।

'अमृत विचार' की मुहिम | वोट के लिए 18 वर्ष की आयु क्यों जरूरी

रायबरेली, अमृत विचार। शहर के कैनवास क्लब की आर्टिस्ट जाह्नवी श्रीवास्तव ने अपनी कलाकृति के माध्यम से मतदाताओं में जागरूकता सन्देश दिया है। कलाकृति के माध्यम से मतदान को लेकर 18 वर्ष की आयु क्यों जरूरी है। इस पर उन्होंने कई सवालों के जवाब दिए है। आपके भी मन में मतदान को लेकर कोई सवाल गूंज रहा है तो उसे अमृत विचार समाचार पत्र में भेज सकते हैं। आपकी कलाकृतियों के माध्यम से सवाल और जवाब प्रकाशित किया जाएगा। 20 मई को होने वाले चुनाव में जिला प्रशासन की मतदान प्रतिशत बढ़ाने की मुहिम में आप भी अपनी भागीदारी कर सकते हैं। अपनी कलाकृतियों को ई-मेल आईडी avrbl@gmail.com या व्हाटसएप नंबर 9140826999 पर भेज सकते हैं।

ट्रेन के धक्के से मजदूर घायल

ऊंचाहार, रायबरेली। रेलवे ट्रैक पर मरम्मत का काम करते समय एक दिहाड़ी मजदूर ट्रेन की चपेट में आकर घायल हो गया। काम कर रहे अन्य साथियों ने उसे सीएचसी पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे गंभीर अवस्था में जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।

यह हादसा रविवार की दोपहर ऊंचाहार-रायबरेली रेलखंड पर सावापुर गांव के पास हुआ है। हरदोई के थाना बेहटा गोकुल के गांव जसरथपुर निवासी जयचंद (27 वर्ष) पुत्र राम स्वरूप रेलवे में ठेकेदार के अधीन दिहाड़ी मजदूर है। वह रविवार को ऊंचाहार रायबरेली रेलखंड में मरम्मत का काम कर रहा था। उसी समय प्रयागराज से एक मालगाड़ी लखनऊ जा रही थी। मालगाड़ी की आवाज सुनकर उसके अन्य साथी मजदूर ट्रैक से हट गए, किंतु जयचंद ट्रैक पर ही रह गया। साथियों ने उसे आवाज दी तो वह भगा, किंतु तब तक वह ट्रेन की चपेट में आ गया जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। मजदूरों ने उसे तत्काल सीएचसी पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर दशा को देखते हुए उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।

निः शुल्क शिविर 7 को

बछरावां, रायबरेली, अमृत विचार। नाक, कान, गला, साइनस, थायराइड, एलर्जी एवं कैंसर रोग का निशुल्क परामर्श कैंप 7 को आयोजित किया जाएगा। इस कैंप में उपरोक्त मामलों की विशेषज्ञ डॉ नेहा गुप्ता द्वारा मरीज को निशुल्क परामर्श एवं उपचार तथा सलाह दी जाएगी। फार्मासिस्ट अर्पित द्विवेदी ने बताया कि यह कैंप कस्बे के महाराजगंज रोड स्थित सुमन मेडिकल स्टोर पर आयोजित किया जाएगा। कैंप में कान का बहना, दर्द होना, सुनाई ना देना, कान के पर्दे में छेद का ऑपरेशन, फटे कान का सिलना, नजला, सर्दी, जुकाम नाक बंद होना, नाक से खून आना, नाक की हड्डी का ऑपरेशन सहित नाक कान गले से संबंधित रोगों का उपचार एवं परामर्श डॉक्टर द्वारा दिया जाएगा।

सैय्यद शाह बाबा का सालाना उर्स शुरू

बछरावां, रायबरेली,

अमृत विचार। हिंदू मुस्लिम कौमी एकता का प्रतीक सैय्यद शाह बाबा के उर्स शरीफ का शुभारंभ शनिवार की रात्रि को पूर्व विधायक रामलाल अकेला व बछरावां नगर पंचायत अध्यक्ष शिवेंद्र सिंह उर्फ रामजी ने संयुक्त रुप से फीता काटकर किया।

मौके पर उर्स मेला कमेटी के सदर निजामुद्दीन के द्वारा पूर्व विधायक रामलाल अकेला व चेयरमैन बछरावां शिवेंद्र सिंह उर्फ रामजी का स्वागत किया गया। इसके बाद पूर्व विधायक व नगर पंचायत अध्यक्ष द्वारा क्षेत्र के पत्रकार साथियों को अंग वस्त्र से सम्मानित किया गया। इस मौके पर सेक्रेटरी निजामुद्दीन, खजांची शहाबुद्दीन, नायब सेक्रेटरी भैय्यन हुसैन, नायब खजांची रेशू मंसूरी, अनस मंसूरी, इमरान मंसूरी, प्रचारक तुषार मंसूरी, प्रचार मंत्री राजू मंसूरी व डा सीएम त्रिपाठी मौजूद रहे। मेला कमेटी के आयोजक निजामुद्दीन मंसूरी के द्वारा कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व विधायक रामलाल अकेला, कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि नगर पंचायत अध्यक्ष शिवेंद्र सिंह उर्फ रामजी, सभासद कुंवर वीरभान सिंह को उपहार भेंट कर सम्मानित किया। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम में शिरकत करने पहुंचे पूर्व विधायक रामलाल अकेला ने कहा कि बछरावां का उर्स क्षेत्र में ही नहीं अपितु जनपद में हिंदू मुस्लिम एकता का साक्षात प्रतीक है। उर्स के दूसरे दिन महफिले शमा शरीफ परवाज कानपुर व उजाला परवीन कानपुर के मध्य जवाबी कव्वाली का आयोजन किया गया।

सालाना उर्स शरीफ की शुरुआत पर मौजूद अतिथि। अमृत विचार

लकड़ी ठेकेदार के खिलाफ मुकदमा दर्ज

महराजगंज, रायबरेली, अमृत विचार। कोतवाली क्षेत्र एक गांव में प्रतिबंधित पेड़ों की कटान करने वाले ठेकेदार के विरुद्ध ग्रामीणों द्वारा की गई शिकायत पर कोतवाली पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। जानकारी के अनुसार बरीबरा मजरे मऊ गांव में बीते शनिवार को लकड़ी ठेकेदार द्वारा प्रतिबंधित हरा जामुन व हरे भरे नीम के कई पेड़ों को काटा गया था। यहीं नहीं जामुन की लकड़ी को काट कर मौके से गायब भी कर दी गई थी। आक्रोशित ग्रामीणों ने इसकी शिकायत पुलिस से की थी। कोतवाल बालेंदु गौतम ने बताया कि प्रतिबंधित पेड़ों की कटान करने वाले ठेकेदार राम कुमार निवासी अब्दुल नबी का पुरवा मजरे पहरेमऊ के विरुद्ध वन अधिनियम के अंतर्गत केस दर्ज किया गया है।

परमात्मा के न होने पर संसार का कोई महत्व नहीं : स्वात्मानंद महाराज

लालगंज, रायबरेली

श्रीमद् भागवतकथा सुनाते कथा वाचक।

अमृत विचार। जीव के न होने से शरीर का कोई महत्व नही रह जाता। उसी प्रकार परमात्मा के न होने पर संसार का कोई महत्व नहीं रह जाएगा। यह बात गुनागरखेड़ा मजरे बहरामपुर गांव में चल रही श्रीमद् भागवत कथा के चौथे दिन असनीकुटी के श्रीसूर्य प्रबोधाश्रम महाराज स्वामी श्रीस्वात्मानंद ने कही। उन्होंने कहा कि जीव स्वयं सच्चिदानंद, सुख व ज्ञान रूप है।

जीव को अपनी महिमा का पता नही होता। कथा आयोजन शिवसागर अग्निहोत्री, राजकुमारी अग्निहोत्री व विमलेश अग्निहोत्री ने भक्तों के मध्य पुष्प वर्षा के साथ ही टाफी, बिस्कुट व खिलौने भी वितरित किए। कथा समापन पर प्रसाद भी वितरित किया गया। इस मौके पर कथा आयोजक गंगासागर, जयलक्ष्मी, कृष्ण कुमार, शैलेश, बिमलेश, पूर्व प्रधान राहुल अग्निहोत्री, रोहित, पूर्व प्रधान संघ अध्यक्ष कार्तिकेय शंकर वाजपेयी, राम प्रकाश त्रिपाठी, शानू वाजपेयी, आशुतोष शुक्ला, गोपाल वाजपेयी आदि भारी संख्या में लोग मौजूद रहे।

विश्लेषण | बसपा का वोटर खिसका तो कांग्रेस और भाजपा को मिलेगा फायदा

रायबरेली में दिख रहे सीधे मुकाबले के आसार

धर्मेन्द्र प्रधान, रायबरेली

दलित वोटों पर कांग्रेस और भाजपा की नजर

रायबरेली। दलित वोटो के सहारे राजनीति करने वाली बसपा के हाथी की चाल रायबरेली में सुस्त है। पार्टी ने महावत तो उतारा है लेकिन लगाम गायब है। ऐसे में जिले में बड़ी संख्या में दलित वोट बैंक है और अब इस ओर भाजपा और कांग्रेस दोनों की नजरें टिकी हुई है। बसपा के कुछ कार्यकर्ताओं ने तो यहां तक बताया है कि वह लोग संगठन के लिए भी काम कर चुके है लेकिन अभी तक उनसे किसी ने सम्पर्क ही नही किया है। अगर बहुजन समाज पार्टी अपना कैडर वोट नहीं सहेज पाई तो भाजपा और कांग्रेस का फायदा होना निश्चित है।

अमृत विचार। रायबरेली के सियासी रण में कांग्रेस के दिग्गज नेता राहुल गांधी, भाजपा के दिनेश प्रताप व बसपा के ठाकुर प्रसाद यादव प्रमुख रूप से चुनावी मैदान में ताल ठोक रहे हैं।

भाजपा और कांग्रेस ने एक साथ नामांकन भी किया है जबकि बसपा ने एक दिन पहले ही नामांकन पत्र दाखिल किया था। फिलहाल शनिवार को नामांकन पत्रों के जांच के दौरान खारिज हुए नामांकन पत्रों के बाद अब सिर्फ आठ उम्मीदवार ही चुनावी रण में है। जिनमें भाजपा और कांग्रेस के उम्मीदवारों के बीच कड़ा मुकाबला माना जा रहा है। प्रदेश की चार बार की मुख्यमंत्री रह चुकी सियासत में अहम रोल रखने वाली मायावती ने रायबरेली से पार्टी की ओर से दो बार विधानसभा चुनाव लड़ चुके ठाकुर प्रसाद यादव को चुनावी समर में उतारा है। लेकिन अभी तक उनका क्षेत्र में कही दौरा नहीं दिखाई पड़ रहा है। रायबरेली की सियासी जमीन में पार्टी के घटते मतदान प्रतिशत को लेकर भी बहुजन समाज पार्टी के नेता संजीदा नजर नही आ रहे हैं। सबसे पहले रायबरेली से उम्मीदवार उतारने वाली बसपा आखिर चुनाव प्रचार में इतना पीछे क्यों है, यह तो सिर्फ पार्टी और प्रत्याशी ही बता सकते हैं। लेकिन इतना जरूर है कमल और पंजे के बीच हाथी की चाल सुस्त दिखाई पड़ रही है। बसपा से उम्मीदवारी करने वाले ठाकुर प्रसाद यादव वैसे तो व्यवसायी है। बसपा ने बैकवर्ड कार्ड खेल कर प्रसाद को उम्मीदवार बनाया लेकिन अभी तक वह कैडर वोट भी नही सम्भाल पा रहे है।नामांकन के भी चार दिन बीत गए है लेकिन प्रत्याशी कही अता पता नही है। ठाकुर प्रसाद सरेनी विधानसभा से दो बार विधायकी का चुनाव भी लड़ चुके हैं। क्षेत्र में अच्छी पकड़ भी है लेकिन अभी चुनाव से फिलहाल वह नदारद नजर आ रहे हैं।

युवा मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष की जनसभा 10 को

लालगंज, रायबरेली, अमृत विचार। भारतीय जनता पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व ने जनपद के लोकसभा चुनाव को गंभीरता से लिया है। रैली स्थल का जायजा लेने पहुंचे जिलाध्यक्ष युवा मोर्चा निखिल पांडे ने बताया कि 10 मई को सरेनी विधानसभा क्षेत्र के डलमऊ पड़वा नाला स्थित बाग में युवा मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष तेजस्वी सूर्या की जनसभा होगी। तेजस्वी सूर्या राष्ट्रीय अध्यक्ष होने के साथ-साथ बैंगलुरु के सांसद भी हैं। निखिल पांडे ने बताया कि सांसद तेजस्वी सूर्या युवाओं के रोल मॉडल हैं। रायबरेली में युवाओं को पार्टी से जोड़ने की विशेष रणनीति के तहत डलमऊ पहुंच रहे हैं। रायबरेली में पहली बार युवा मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष का कार्यक्रम लगा है। इसके अलावा अन्य कई बड़े भाजपा नेताओं का भी जनसभा में जमावड़ा रहेगा। उन्होंने लोगों से भारी से भारी संख्या में पहुंचकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की है।

राहुल के नामांकन से लोग खुश

सरेनी, रायबरेली

अमृत विचार। रायबरेली संसदीय सीट से राहुल गांधी के नामांकन से बुजुर्ग बेहद खुश हैं। वे इसे संयोग न मानकर सत्ता परिवर्तन की आहट का संकेत भी मान रहे हैं। बुजुर्ग कांग्रेसियों का कहना है कि इस संसदीय सीट से सांसद ही नहीं हमेशा देश का प्रधानमंत्री ही चुना गया। उम्र के आखिरी पड़ाव में पहुंचकर इनका मानना है कि जनता मंहगाई, बेरोजगारी व आवारा पशुओं से हो रहे नुकसान से आजिज आ चुकी है। वह मौके की तलाश में है। वे मानते हैं कि राहुल गांधी को भारी बहुमत से विजय मिलेगी और वह देश की बागडोर भी संभालेंगे। बुजुर्गों ने 1977 की तरह इस बार भी अप्रत्याशित परिणाम की संभावना जतायी है। गौरतलब है कि रायबरेली संसदीय सीट पर चुनाव की घोषणा के समय से संशय बरकरार था। पूर्व सांसद सोनिया गांधी की ओर से राज्यसभा के रास्ते संसद पहुंचने से क्षेत्र के मतदाता निराश थे। वे लगातार यहां से गांधी परिवार के किसी सदस्य को प्रत्याशी बनाये जाने की मांग पर अड़े थे। हालांकि ज्यादातर प्रियंका के पक्ष में थे। अचानक नामांकन के आखिरी दिन राहुल गांधी ने नामांकन कर दिया तो वे खुशी से झूम उठे। इस खुशी में कुछ लोग नामांकन के दिन रायबरेली भी पहुंचे। नीबी गांव के सेवानिवृत्त पुलिस क्षेत्राधिकारी सूर्यबली सिंह कांग्रेस के समर्थक हैं। इनका कहना है कि राहुल गांधी का नामांकन महज संयोग नहीं है। वे इसे सत्ता परिवर्तन की आहट मानते हैं। श्री सिंह का कहना है कि रायबरेली ने ज्यादातर देश का प्रधानमंत्री चुना है। अचानक हुए इस नामांकन को वे इसी नजर से देख रहे हैं। सरेनी के चंद्रप्रकाश शुक्ला की उम्र 74 वर्ष है। इनका भी मानना है कि लोग मंहगाई, बेरोजगारी से ऊबे हुए हैं। गांव के किसान खेतों में कंटीले तार लगाकर भी फसल को नहीं बचा पा रहे हैं। वे सभी मौके की बाट जोह रहे हैं। श्री शुक्ल का मानना है कि सिर्फ राहुल गांधी ही नहीं जीतेंगे बल्कि कांग्रेस की सरकार भी बनेगी।

बोलीं जनता

- **महंगाई-बेरोजगारी से ऊबे हैं लोग, मौके की तलाश**

पांच घरों में लगी आग एक महिला झुलसी

आगजनी में लाखों रुपए का नुकसान, मौके पर पहुंचे पूर्व विधायक

लालगंज, रायबरेली

खजूर गांव पहुंच कर पीड़ितों को ढांढस बंधाते पूर्व विधायक धीरेंद्र बहादुर सिंह।

अमृत विचार। भीषण गर्मी के बीच आग लगने की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। मामला लालगंज कोतवाली क्षेत्र के खजूर गांव का है, जहां संदिग्ध परिस्थितियों में पहले एक घर में आग लगी। आग इतनी विकराल थी कि आसपास के अन्य चार घरों में भी आग लग गई।

स्थानीय लोगों ने किसी तरह अपने नलकूप के सहारे आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक सब कुछ जलकर राख हो गया। गरीबों ने किसी तरह मेहनत मजदूरी करके गेहूं की फसल काटी थी जो घर पर रखी हुई थी। उसके साथ घर का सारा सामान भी जल गया। मौके पर पहुंची डायल 112 की टीम ने आग से झुलसी महिला को अस्पताल पहुंचाया।

जानकारी के अनुसार खजूर गांव में हुए अग्निकांड में अशोक, संतराम और संतोष उर्फ टेलर पुत्रगण डल्लू मल्लाह, रामकुमार पुत्र राम बहादुर रविदास मोहम्मद मुशीर पुत्र नासिर की सारी गृहस्थी जलकर नष्ट हो गई। इस आगजनी में लाखों रुपए का नुकसान हुआ है। अग्निकांड में अशोक की पत्नी बसंती भी आग बुझाते समय गंभीर रूप से झुलस गई जिसे सरकारी अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया है। मौके पर पहुंचे पूर्व विधायक धीरेंद्र बहादुर सिंह ने अग्निकांड के पीड़ितों को ढांढस बंधाया। घटना की जानकारी होने पर पहुंचे लेखपाल ने भी नुकसान का जायजा लिया है।

हफ्तेभर से पानी की टंकी की मोटर खराब

महराजगंज, रायबरेली

शोपीस बनी पानी की टंकी।

अमृत विचार। एक सप्ताह से पानी की टंकी की मोटर खराब होने से मोहल्लेवासी परेशान हैं। इसकी शिकायत के बाद भी खराब मोटर की मरम्मत नहीं कराई गई।

मोन गांव स्थित पानी की टंकी की मोटर एक सप्ताह से खराब पड़ी है। जिससे पानी की आपूर्ति बाधित हो गई है। इस भीषण गर्मी में शुद्ध पेयजल का टोटा है। टंकी पर मजदूरी कर रहे प्राइवेट कर्मचारी दिनेश कुमार ने बताया कि कई दिनों से मोटर खराब है।

आपरेटर कोमल शर्मा को सूचना दी गई है, लेकिन मैकेनिक नही मिल रहा है, जिससे पानी की टंकी के ट्यूबवेल की मोटर की मरम्मत नही हो पाई है। इस टंकी से मोन, पूरे हुल्ली, कुशमहुरा, पूरे रिसाल, मुराईन का पुरवा, स्वयंबर सिंह का पुरवा सहित आधा दर्जन से अधिक गांवों में पानी की आपूर्ति बाधित है। जलापूर्ति के सम्बन्ध

प्रेक्षकआधा दर्जन से अधिक गांवों की पेयजल आपूर्ति बाधित

में मोन निवासी अधिवक्ता शैलेन्द्र सिंह ने जेई अतीक अंसारी से इसकी शिकायत की। उन्होंने कहा कि यदि कल तक आपूर्ति शुरू नही हुई तो उच्चाधिकारियों से इसकी शिकायत की जाएगी। इस भीषण गर्मी में छह गांव के ग्रामीण पानी के लिए परेशान हैं। किसी तरह टूटे-फूटे हैंडपंपों के सहारे ग्रामीण काम चला रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि यदि शीघ्र नलकूप का स्टार्टर मोटर बनवाकर सप्लाई की व्यवस्था दुरुस्त नहीं की गई तो आंदोलन किया जाएगा।

सीसीटीवी कैमरे से स्ट्रांग रूम पर रखें कड़ी नजर

निरीक्षण

प्रेक्षक, डीईओ व एसपी ने स्ट्रांग रूम की व्यवस्थाओं का लिया जायजा

संवाददाता, रायबरेली

स्ट्रांग रूम का निरीक्षण करते प्रेक्षक, डीईओ व एसपी। अमृत विचार

अमृत विचार। लोकसभा चुनाव को सकुशल, शांतिपूर्ण और निष्पक्ष ढंग से संपन्न करने के लिए सामान्य व पुलिस प्रेक्षक प्रियातु मण्डल और बाबूलाल मीना ने अमेठी सामान्य प्रेक्षक डॉ एन युवराज और पुलिस प्रेक्षक दीपक गहलावत के साथ सभी तैयारियां पूर्ण करने के लिए गोरा बाजार आईटीआई स्थित मतगणना कक्ष सहित बैरिकेटिंग, सुरक्षा व्यवस्था व अन्य व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया।

इस दौरान सीसीटीवी कैमरे से लगातार स्ट्रांग रूमो पर कड़ी नजर रखने के निर्देश दिए गए। उन्होंने मतगणना कार्य को सकुशल एवं शान्तिपूर्ण वातावरण में सम्पन्न कराये जाने के लिए मतगणना स्थल पर शान्ति व्यवस्था बनाये रखने, यातायात व्यवस्था, विद्युत व्यवस्था, खानपान व्यवस्था की चेकिंग, दूर संचार, अग्निशमन आदि व्यवस्थाओं को सुनिश्चित करने के लिए संबंन्धित अधिकारियों को निर्देश भी दिए।

सामान्य व पुलिस प्रेक्षक ने नोडल अधिकारियों के साथ की बैठक

रायबरेली। सामान्य प्रेक्षक प्रियातु मंडल और पुलिस प्रेक्षक बाबूलाल मीना ने कलेक्ट्रेट स्थित बचत भवन सभागार में निर्वाचन कार्यो में लगे हुए नोडल अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में श्री मंडल ने निर्देश देते हुए कहा कि निर्वाचन आयोग के निर्देशों का कड़ाई से पालन किया जाए। इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही क्षम्य नहीं होगी। पुलिस प्रेक्षक श्री मीना ने कहा कि मतदान के दौरान कड़ी नजर रखी जाए। सुरक्षा व्यवस्था को चुस्त दुरुस्त रखा जाए। संवेदनशील स्थलों पर लगातार नजर बनाए रखी जाए, जिससे भय मुक्त मतदान हो सके। इस अवसर पर जिला निर्वाचन अधिकारी हर्षिता माथुर, पुलिस अधीक्षक अभिषेक कुमार अग्रवाल, स्वीप नोडल अधिकारी पूजा यादव, उप जिला निर्वाचन अधिकारी प्रफुल्ल त्रिपाठी, नगर मजिस्ट्रेट बाबूराम के अतिरिक्त सभी नोडल अधिकारी उपस्थित रहे।

घायल के परिजनों ने प्रधान को पीटा

सलोन, रायबरेली

क्षतिग्रस्त खड़ी प्रधान की कार। अमृत विचार

अमृत विचार। रंजिश में ग्राम प्रधान पक्ष के लोगों द्वारा मारपीट कर घायल किये गये युवक के मामले में पुलिस के सक्रिय न होने पर मारपीट की घटना ने एक नया मोड़ ले लिया है। शनिवार की बीती शाम घायल के परिजनों ने राजापुर गांव के पास ग्राम प्रधान की गाड़ी रोककर उनकी लाठी, डंडे व सरिया से जमकर पिटाई कर दी। यहीं नहीं ईंट पत्थर से ग्राम प्रधान की गाड़ी को भी क्षतिग्रस्त कर दिया।

मारपीट की बढ़ी इस कहानी के पीछे पुलिस की निष्क्रियता उजागर हो रही है। घटना की सूचना के बाद जब पुलिस मौके पर नही पहुंची तो जान बचाकर मौके से भागे घायल प्रधान ने पुलिस को शिकायती पत्र देकर कार्यवाही की मांग की है। वही सीएचसी में भर्ती प्रधान को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया है।

शनिवार की सुबह ग्राम प्रधान पाल्हीपुर दीपक यादव पक्ष के लोगों ने गांव के ही विकास यादव पर मामूली कहासुनी के बाद जानलेवा हमला कर दिया था। जिसमें युवक की हालत नाजुक होने पर उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। शनिवार देर शाम घायल युवक के परिजनों ने राजापुर चकबीबी गांव के निकट घेर कर प्रधान की गाड़ी रोक ली। आरोप है कि बिकास यादव, दीप सिंह, कमलेश समेत चार लोगों ने गाड़ी से खींच कर उसकी जमकर पिटाई कर दी। वही गाड़ी में ईंट पत्थर चलाकर तोड़फोड़ की घटना को अंजाम दिया गया। पुलिस को सूचना देने के बाद प्रधान दीपक यादव किसी तरह जान बचाकर थाने पहुंचे। इसके बाद आपबीती पुलिस को सुनाई। पीड़ित द्वारा मौके पर घटना की तहरीर पुलिस को सौपी गई।

घायल को इलाज के लिए सीएचसी सलोन में भर्ती कराया गया। यहां से हालत नाजुक होने पर घायल प्रधान को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। इस संबंध में कोतवाली प्रभारी जितेंद्र सिंह ने बताया कि ग्राम प्रधान के चाचा देशराज की तहरीर पर चार लोगों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया गया है। घटना की जांच की जा रही है। जिसके बाद कार्यवाही की जायेगी।

भाजपा किसान मोर्चा अन्नदाता सम्मलेन का हुआ आयोजन

संवाददाता, रायबरेली

अन्नदाता किसान सम्मेलन में मौजूद अतिथि। अमृत विचार

अमृत विचार। हरचंदपुर के जोहवाशर्की में भाजपा किसान मोर्चा अन्नदाता सम्मलेन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सांसद बाबू राम निषाद व विशिष्ट अतिथि क्षेत्रीय अध्यक्ष किसान मोर्चा अरुण सिंह गप्पू पूर्व विधायक राकेश सिंह रहे। मुख्य एवं विशिष्ट अतिथि का स्वागत जिलाध्यक्ष किसान मोर्चा कमलेश चौधरी ने किया।

मंच का संचालन उमेश सिंह ने किया। सभा को संबोधित करते हुए सांसद ने कहा की समाज के अन्य वर्गों की बजाय किसान वर्ग सदियों से वंचित एवं शोषित ही रहा है। हरचंदपुर से पूर्व विधायक राकेश सिंह ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा भाजपा लोस प्रयाशी चुनाव हारने के बाद भी पूरे पांच साल आप सब के बीच रहकर हर सुख दुःख का भागीदार रहा हू। मंच पर उपस्थित पूर्व विधायक राम लाल अकेला, लोकसभा संयोजक राम देव पाल, शरद सिंह, जनमेजय सिंह, शिवेंद्र सिंह, अभय सिंह, हरि पांडेय, ठा. ब्रजेश सिंह, विक्रांत अकेला, शैलेंद्र सिंह, सुनील मौर्या, मनीष त्रिवेदी, विक्रम पासवान, अखिलेश चौधरी, संतोष सिंह, संतोष जायसवाल, अभय सिंह सहित किसान मोर्चा के पदाधिकारी कार्यकर्ता मौजूद रहे।

ट्रेन की चपेट में आया अधेड़, मौत

उन्नाव, अमृत विचार। पैदल जा रहा अधेड़ ट्रैक पार करते समय ट्रेन की चपेट में आ गया। सूचना पर पहुंचे परिजन उसका क्षत-विक्षत शव पड़ा देख सहम गए। आरपीएफ व सदर कोतवाली पुलिस पहुंची और शव ट्रैक से हटवाकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। सदर कोतवाली क्षेत्र के हुसैन नगर गांव निवासी शिव प्रसाद (50) पुत्र स्व. ननकऊ मजदूरी कर परिवार का जीवन यापन करता था। शनिवार रात घर से खाना खाकर बाहर टहलने निकला था। तभी वह गांव के बाहर निकली उन्नाव-प्रयाग रेलवे ट्रैक के खंभा संख्या 179/6-7 के बीच क्रासिंग के पास प्रयाग से कानपुर जा रही इंटरसिटी की चपेट में आ गया। इसमें उसकी मौके पर मौत हो गई। सूचना पर परिजन पहुंचे और शव देख बेहाल हो गए। आरपीएफ व सदर कोतवाली पुलिस पहुंची और शव को ट्रैक से हटवाया। इसके बाद रूट क्लियर हो सका।

अलग-अलग घरों से लाखों का माल चोरी

संवाददाता सोहरामऊ उन्नाव

पुलिस बोली-जल्द ही चोरियों का खुलासा किया जाएगा

अमृत विचार। थानाक्षेत्र के गांव सरांय जोगा में शनिवार रात चोरों ने अलग-अलग घरों में धावा बोलकर लाखों की नकदी के साथ सोने-चांदी के जेवरात पार कर दिए। सूचना पर पहुंची पुलिस जांच कर चोरों की तलाश कर रही है।

सरांय जोगा गांव में शनिवार रात दिनेश, नरेश व रविशंकर के घरों में चोरों ने धावा बोला। अलमारियों के ताले तोड़ सोने-चांदी के जेवरात के अलावा लाखों की नकदी ले गए। सुबह जानकारी होने पर नरेश ने घटना की शिकायत सोहरामऊ थाने में की।

मौके पर पुलिस ने घटना की जांच की है। एसओ कमल किशोर दुबे ने बताया कि तहरीर मिली है। घटनाओं की जांच की जा रही है। जल्द ही चोरियों का खुलासा किया जाएगा।

रुद्राभिषेक में भक्तों ने किया शिवार्चन

कार्यालय संवाददाता उन्नाव

सामूहिक रुद्राभिषेक में शामिल श्रद्धालु। अमृत विचार

अमृत विचार। शहर के मां कल्याणी मंदिर में स्थित द्वादश ज्योतिर्लिंग मंदिर में वैशाख मास के कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी (प्रदोष) पर सामूहिक रुद्राभिषेक कराया गया। आचार्य जुगल किशोर तिवारी द्वारा यजमानों को भोलेनाथ का श्रृंगार कर पूजन-अर्चन कराया गया।

यजमानों में शामिल अमिता अवस्थी, शिवम, प्रतिमा, श्रीकांत तिवारी, रेनू गुप्ता, ईशान, निशा रवि प्रकाश दीक्षित, उषा, बृजेश, काजल, व कोमल वर्मा आदि ने परिवार के अन्य लोगों सहित पहुंचकर रुद्राभिषेक किया। इस दौरान उन्होंने अलग-अलग बाबा विश्वनाथ, सोमनाथ, मल्लिकार्जुन, महाकाल, ओंकारेश्वर, बैजनाथ, भीमाशंकर, रामेश्वर, नागेश्वर, त्र्यंबकेश्वर केदारनाथ व घृष्णेश्वर श्रृंगार भी किया। पूजन की तमाम व्यवस्थाएं समिति के सचिव कमलेश नाथ अवस्थी, गोपाल तिवारी व सर्वेंद्र सिंह चौहान ने कीं। मंदिर समिति के कार्यवाहक अध्यक्ष पीके मिश्रा ने समापन पर सभी के प्रति आभार जताया।

स्वास्थ्य मेले में जांच को आए 2201 मरीज

उन्नाव। बढ़ती गर्मी के साथ स्वास्थ्य मेले में रोगियों की संख्या लगातार बढ़ रही। रविवार को स्वास्थ्य मेले में आए मरीजों डाक्टरों द्वारा जांच कर उन्हे दवा वितरित कर हीट स्ट्रोक से बचने के लिए अधिक पानी पीने की के साथ जरूरी होने पर धूप में निकलने पर सिर ढके रहने की सलाह दी। जिले के 42 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों (पीएचसी) में लगे जन आरोग्य मेले में सबसे अधिक त्वचा रोग से पीड़ित मरीज रहे। सीएमओ डा.सत्य प्रकाश ने बताया कि कुल 2201 मरीज पहुंचे।

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार

क्लासीफाइड

वर्गीकृत विज्ञापन हेतु अमृत विचार अखबार के कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना

सूचित हो कि पहले मेरा नाम MOHAD SHAFIQ था अब मैंने बदलकर अपना नाम MOHD SHAFEEQ रख लिया है। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाये S/O: LATE MOHD YASEEN, 543, MALLOR ROAD, CHINHAT, LUCKNOW, UTTAR PRADESH-226028

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा हाई स्कूल का अंकपत्र और सह प्रमाण पत्र वर्ष 2017 रोल नंबर 2052582 वास्तव में खो गया है। हाई स्कूल की परीक्षा टीबीएसकेआईसी इंटर कालेज जरवलरोड से यूपी बोर्ड से की है। –रवि वर्मा पुत्र श्याम सिंह वर्मा, निवासी– ग्राम– तप्पे सिपाह जरवलरोड, बहराइच

सूचना

सर्व साधारण को सूचित करना है कि दीपक सिंह चौहान पुत्र रविंद्र सिंह बकेबर जिला इटावा से मेरा किसी भी प्रकार का कोई सरोकार वास्ता व संबंध नहीं है। दीपक सिंह व उनके परिवार द्वारा किए गए कार्यो से मेरा न ही कोई लेनादेना है और न ही कोई वास्ता है। आसामाजिक तत्वों को चेतावनी देती हूं कि मेरे निजी जीवन को बदनाम न करें। अन्यथा कार्यवाही के लिए बाध्य रहूंगी। –दिव्यांशी सिंह पुत्री स्व. विनोद सिंह, निवासी– यूपीएसआईडीसी जैनपुर ,थाना व तहसील अकबरपुर, जिला– कानपुर देहात

बिक रही केमिकल मिली ताड़ी, ले सकती जान

ताड़ी उतारने को पेड़ पर चढ़ा युवक।

संवाददाता हसनगंज उन्नाव

आबकारी अफसरों की मिलीभगत होने से नहीं लग पा रही अवैध कारोबार पर लगाम

अमृत विचार। हसनगंज तहसील क्षेत्र में इन दिनों अवैध ताड़ी का कारोबार जोरों पर है। हजारों की संख्या में लगे ताड़ के पेड़ों से ताड़ी उतारकर उसमें केमिकल मिलाकर नशा तेज करने के बाद लोगों को इसकी बिक्री की जा रही है। लोग कम खर्च में अधिक नशे के लालच में इसका जमकर उपयोग कर रहे हैं। जिससे लगातार उनकी जान से खिलवाड़ हो रहा है। इस अवैध कारोबार के बारे में सब जानते हुए भी आबकारी विभाग के अधिकारी अनजान बने हुए हैं। क्षेत्रीय लोगों के अनुसार, यह कारोबार करने वालों से संबंधित विभाग के अफसरों की मिलीभगत होने से इस पर लगाम नहीं लग पा रही है।

बता दें कि हसनगंज क्षेत्र के इन दिनों दर्जनों गावों में हजारों ताड़ के पेड़ों से ताड़ी निकालने का काम किया जा रहा है। कच्ची शराब की तरह ही ताड़ी भी प्रतिबंधित मादक पदार्थ है। इसके बावजूद भी आबकारी विभाग के अफसरों की मिलीभगत से क्षेत्र के बबुरी जरारी, गिरवर खेड़ा, फरहदपुर, मोहान, रसूलपुर बकिया व ऊंचाद्वार गावों में बड़े पैमाने पर अवैध ताड़ी का कारोबार किया जा रहा है। जिम्मेदारों का हाथ होने से ताड़ी कारोबारी बेखौफ होकर यह अवैध काम कर रहे हैं।

सूत्र बताते हैं कि इसके साथ ही क्षेत्र के दयालपुर, गजफ्फरनगर, मोहान, शेखूपुर, गिरिवर खेड़ा, फरहदपुर व नई सरांय गावों में दर्जनों कच्ची शराब की भट्ठियां भी धधक रही हैं।

वन विभाग की जमीन बेचने पर एफआईआर

संवाददाता, बिछिया

अमृत विचार। दही थानाक्षेत्र के गांव खम्भार खेड़ा के मज़रे ओरहर निवासी राजकुमारी उर्फ कुसुमा देवी पत्नी कुंवर पाल सिंह ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि उसने एक आवासीय प्लाट गांव तुर्कमान नगर परगना हड़हा तहसील व जिला उन्नाव में शिवराम पुत्र हुबलाल निवासी गांव तुर्कमान नगर थाना दही से दो लाख रुपये में 12 मार्च 2014 को खरीदा था। जब वह अपने प्लाट पर कब्जा करने पहुंची तो उसे पता चला कि वन विभाग से पता चला कि वह प्लाट वन विभाग का है।

उसने जब विक्रेता से संपर्क किया और वह प्लाट वन विभाग का होने की बात कही तो उसने कहा कि मैंने तुम्हारे नाम बैनामा कर दिया है। अब कब्जा नहीं मिला तो वह इसमें क्या करे। यह कहते हुए उसने पल्ला झाड़ लिया। आरोप है कि विक्रेता ने जान बूझकर उससे बेईमानी की है। दही एसओ अनुराग सिंह ने बताया कि धोखाधड़ी में मामला दर्ज कर जांच की जा रही है।

प्रवेश प्रारम्भ प्रवेश प्रारम्भ

वरुण अर्जुन विश्वविद्यालय

वरुण अर्जुन कॉलेज ऑफ नर्सिंग

उत्तर प्रदेश मेडिकल फैकल्टी से मान्यता प्राप्त

बी.एस.सी. नर्सिंग

(4 वर्षीय डिग्री कोर्स)

शैक्षिक योग्यता : इण्टरमीडिएट साइंस (बायोलॉजी) के साथ

पोस्ट बेसिक नर्सिंग

(2 वर्षीय कोर्स, योग्यता जी.एन.एम. पास आउट)

जी.एन.एम.

(3 वर्षीय नर्सिंग कोर्स, शैक्षिक योग्यता-इंटरमीडिएट 10+2)

ए.एन.एम.

(2 वर्षीय नर्सिंग कोर्स, शैक्षिक योग्यता-इंटरमीडिएट 10+2)

प्रवेश हेतु संपर्क करें :-

मो. 9412151327, 7521001992

पता

वरुण अर्जुन मेडिकल कॉलेज एवं रोहिलखण्ड हॉस्पिटल

NH-24, बन्थरा, जिला शाहजहाँपुर

बी-फार्मा कर रहे छात्र ने फंदा लगा कर दी जान

संवाददाता सोहरामऊ उन्नाव

अनुज मिश्रा।

अमृत विचार। थानाक्षेत्र के एक कालेज में बी-फार्मा की पढ़ाई कर रहे छात्र ने फांसी के फंदे से लटककर जान दे दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

रविवार दोपहर करीब दो बजे कस्बा सोहरामऊ में आर्यावर्त बैंक के सामने शोभित मिश्रा के मकान में अनुज पुत्र बालकृष्ण मिश्रा निवासी कुरुकुरु जिला वाराणसी किराए पर रहता था। वह आईपीएसआर कालेज में बी-फार्मा की पढ़ाई कर रहा था। पड़ोसियों के अनुसार अनुज काफी दिनों से परेशान दिख रहा था। रविवार दोपहर दो बजे अपने कमरे में लगे पंखे में चादर से फासी का फंदा बनाकर आत्महत्या कर ली। पड़ोसी सूरज ने जब खिड़की से अनुज को लटका देखा तो पुलिस को इसकी सूचना दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच के बाद परिजनों को सूचना दी और शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

पांच लाख की धोखाधड़ी का आरोप, दी तहरीर

बिछिया। दही क्षेत्र के राजेपुर निवासी मो. नौशाद आलम ने पुलिस को बताया कि वह एक स्लाटर हाउस में नौकरी करता था। वहां आने वाले शैलेंद्र तिवारी निवासी हजरतगंज लखनऊ ने एक कंपनी से डॉग फूड का कच्चा माल दिलाकर उसे तैयार करने का काम दिलाने का भरोसा दिलाकर पांच लाख रुपये अपने खाते जमा करवा लिये। साथ ही लेबर, गोदाम के नाम पर करीब डेढ़ लाख रुपये और खर्च करवा दिये। इसके बाद से वह शैलेंद्र के मोबाईल पर फोन करता है लेकिन वह कोई जवाब नहीं दे रहा है।

स्टेशन के पास मिला युवक का शव

कार्यालय संवाददाता उन्नाव

कीटनाशक निगल कर जान देने की जताई जा रही आशंका

अमृत विचार। उन्नाव-प्रयाग रेलमार्ग अंतर्गत बीघापुर रेलवे स्टेशन पर एक युवक शव पड़ा देख लोगों में सनसनी फैल गई। स्टेशन मास्टर की सूचना पर पहुंची पुलिस को जांच में शव के पास कोल्ड ड्रिंक की खाली बोतल व कीटनाशक का रैपर मिला। इससे उसके द्वारा आत्महत्या किए जाने के कयास लगाए गए। उसकी पत्नी विवाद के बाद से काफी समय से मायके में थी और कुछ दिन पहले इसकी मासूम बेटी की ननिहाल में मौत हो गई थी।

रविवार दोपहर करीब दो बजे बीघापुर रेलवे स्टेशन के स्टेशन मास्टर अमन खान ने स्टेशन से कुछ दूर एक बबूल के पेड़ के पास एक व्यक्ति का शव पड़ा होने की सूचना बीघापुर कोतवाली पुलिस को दी।

दरोगा लक्ष्मण प्रसाद पांडेय मौके पर पहुंचे तो उन्हें जांच में शव के पास एक कोल्ड ड्रिंक की बोतल व कीटनाशक पदार्थ का एक रैपर पडा मिला। जामातलाशी में मिले मोबाइल फोन से पुलिस ने काल की तो परिजनों से बात हुई। बड़े भाई रामनरेश चौरसिया पहुंचे और शव की पहचान बिहार थानांतर्गत सिजनी सोहरामऊ गांव निवासी धर्मेश (40) पुत्र चंद्रिका चौरसिया के रूप में करते हुए बताया कि धर्मेश की शादी पांच साल पहले मौरावां थानाक्षेत्र के कटरा गांव में हुई थी।

शादी के एक साल बाद पत्नी मायके चली गई थी। परेशान भाई शुक्लागंज अपनी बहन के घर आ गया। वह पानी के बताशे बेचता था। बताया कि पत्नी से संबंध विच्छेद होने के बाद उसकी बेटी भी मां के साथ रहती थी।

एक नजर

आज तीन घंटे तक गुल रहेगी बिजली

बनीकोडर, बाराबंकी, अमृत विचार : विद्युत उपकेंद्र देवीगंज पर 33 केवी मेन लाइन का आइसोलेटर बदलने के कारण सोमवार को सभी फीडरों की विद्युत आपूर्ति सुबह 10 से दोपहर एक बजे तक बाधित रहेगी। यह जानकारी उपकेंद्र के जेई सुजीत कुमार तिवारी ने दी है। भीषण गर्मी में विद्युत आपूर्ति बाधित रहने से करीब एक लाख से ज्यादा की आबादी प्रभावित होगी।

24 लोगों के विरुद्ध शांतिभंग की कार्रवाई

बाराबंकी, अमृत विचार : लोकसभा चुनावो के लेकर संदिग्ध व्यक्तियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत रविवार को जिले के अलग-अलग थाना क्षेत्रों से पुलिस ने 24 लोगों को शांतिभंग की आशंका को देखते हुए गिरफ्तार कर लिया। जबकि अलग अलग मामलों में वांछित 10 आरोपियों को गिरफ्तार किया।

जुआ खेलते छह दबोचे गये

बाराबंकी, अमृत विचार : सार्वजनिक स्थानो पर जुआ खेलने पर रोक लगाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत रविवार को कोठी पुलिस ने छह लोगों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों के पास से पुलिस ने ताश की एक गड्डी व 18,290 रुपये बरामद किये।

तमंचे के साथ गिरफ्तार

बाराबंकी, अमृत विचार : देवा पुलिस टीम ने रविवार को अटवटमऊ निवासी सुभाष को तमंचे के साथ गिरफ्तार कर लिया।

10 लीटर कच्ची शराब के साथ महिला गिरफ्तार

बाराबंकी, अमृत विचार : सुबेहा पुलिस ने रविवार को रसलीला पत्नी मैसूर को गिरफ्तार कर उसके पास से 10 लीटर कच्ची शराब बरामद की।

फर्जी वोटरों पर निगाह रखेंगे बूथ एजेंट

हर बूथ पर रहेंगे विभिन्न दलों के प्रत्याशियों के प्रतिनिधि, एआरओ जारी करेंगे पास

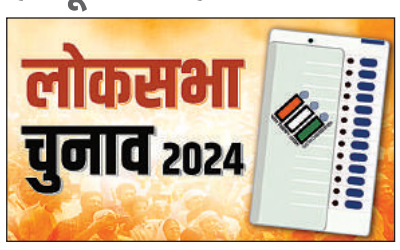

रीतेश श्रीवास्तव, बाराबंकी

अमृत विचार: मतदान के दिन बूथों पर असली मतदाताओं की पहचान और फर्जी वोटरों पर नजर रखने के लिए प्रत्याशियों के एजेंट मौजूद रहेंगे। प्रत्याशियों को अपने कार्यकर्ता को एजेंट बनाने के लिए फार्म 10 भरकर सहायक रिटर्निंग अफसर के समक्ष देना होगा। इसके आधार पर एजेंटों को पास जारी किए जाएंगे। 20 मई को पांचवें चरण में 2615 बूथों पर मतदान होना है। सभी बूथों पर प्रत्येक प्रत्याशी का एक-एक एजेंट रहेगा। मतदान तिथि से पहले पास जारी होंगे।

हर बूथ पर प्रत्याशियों का एक एजेंट रहेगा। वह बूथ पर पंजीकृत मतदाताओं के स्थानीय निवासी होने या न होने पर नजर रखेगा वहीं बूथ पर निर्धारित मतदान प्रतिशत की भी जानकारी रखेगा। एजेंटों को बूथ कक्ष के बाहर ही रहने की बात कही जा रही है। मोबाइल फोन ले जाने पर पर पाबंदी रहेगी। सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी सुनील पांडेय ने बताया कि बूथ एजेंट को एआरओ द्वारा पास जारी किए जाएंगे।

अपनायी जाएगी चैलेंज वोट की प्रक्रिया : मतदान के दौरान अगर कोई एजेंट फर्जी मतदान पर अंगुली उठाता है और संबंधित मतदाता को फर्जी होने की बात कहता है तो इसके लिए दो रुपये जमा कर चैलेंज वोट की प्रक्रिया अपनाई जाएगी। इसके तहत पोलिंग एजेंट पीठासीन अधिकारी के पास दो रुपये की राशि देकर आपत्ति दर्ज कराएगा। तब पीठासीन अधिकारी ट्रायल करेगा। वह कई बिंदुओं पर पूछताछ करेगा। इसके बाद उसे वोट डालने का मौका मिलेगा। फर्जी वोटर मिलने पर पुलिस कार्रवाई करेगी।

एक नजर चुनावी आंकड़ों पर

मतदान का चरण	पांचवां
मतदान की तिथि	20 मई
कुल वोटर	23,29,417
बाराबंकी के वोटर	19,11,666
अयोध्या लोस सीट	
दरियाबाद विस के वोटर	417751
पुरुष वोटर	12,29,707
महिला वोटर	10,99,633
थर्ड जेंडर	77
दिव्यांग वोटर	21,378
85 प्लस वोटर	17,890
नए मतदाता	27,949
युवा वोटर	15,76,561
बूथों की संख्या	2615
मतदान केंद्र	1702

प्रत्याशियों को प्रेक्षक आज पढ़ाएंगे आचार संहिता का पाठ

बाराबंकी, अमृत विचार : सोमवार को शाम तीन बजे तक नाम वापसी की प्रक्रिया पूरी होने के बाद चुनावी मैदान में बचने वाले प्रत्याशियों के साथ सामान्य, व्यय व पुलिस प्रेक्षक बैठक कर चुनाव आचार संहिता का पाठ पढ़ाएंगे। यह महत्वपूर्ण बैठक कलेक्ट्रेट के लोकसभागार में होगी। 24 अप्रैल से छह मई तक नामांकन प्रक्रिया का समय निर्धारित किया गया था। अंतिम दिन शाम तीन बजे तक नाम वापसी की प्रक्रिया होगी। इसके बाद प्रत्याशियों को चुनाव चिह्नों का आवंटन किया जाएगा। वहीं शाम तीन बजे सामान्य प्रेक्षक आरआर दामोर, व्यय प्रेक्षक गोखले व पुलिस प्रेक्षक शर्मा सभी प्रत्याशियों के साथ कलेक्ट्रेट के लोकसभागार में बैठक करेंगे। बैठक में प्रत्याशियों को निर्वाचन आयोग द्वारा गाइडलाइन के अनुसार प्रचार करने और मॉडल कोड ऑफ कंडक्ट के तहत नियमों का पाठ पढ़ाया जाएगा। सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी सुनील पांडेय ने बताया कि इस बैठक को लेकर संबंधित प्रत्याशियों को अवगत करा दिया गया है।

मतदाता को बूथ पर मान्य पहचान पत्रों में से कोई एक लेकर जाना होगा

मतदाता जागरूकता को अमृत विचार की मुहिम

कार्यालय संवाददाता, बाराबंकी, अमृत विचार : जनता उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मानपुर के छात्र कृत वर्मा ने चित्र के के माध्यम से मतदाताओं को बताया है कि यदि कोई मतदाता जानना चाहता है कि वह मतदान केंद्र पर कौन सा पहचान पत्र लेकर जाए तो बाराबंकी बी ने इसका उत्तर देते हुए बताया कि निर्वाचन आयोग ने 13 पहचान पत्रों को मान्य किया है। इनमें से मतदाता कोई भी एक ले जा सकते हैं। अगर आपके मन में भी कोई सवाल हो तो आप हमें sveepbarabanki2024@gmail.com व amritvicharbarabanki@gmail.com पर लिखकर भेजें। अमृत विचार चित्र के माध्यम से आपका सवाल और उसका जवाब प्रकाशित करेगा।

जर्जर मार्गों से बूथ पर पहुंचेंगे वोटर

परेशानी

हरख बाराबंकी

अमृत विचार : ब्लॉक क्षेत्र अंतर्गत विभिन्न जगहों पर बने संपर्क मार्ग मरम्मत के अभाव में टूटकर जर्जर हो गये हैं। इन्हीं जर्जर मार्गों से मतदाता वोट डालने के लिए पोलिंग बूथों पर पहुंचेंगे।

विकास खंड हरख के अंतर्गत बाराबंकी-जैदपुर मार्ग से पडरी संपर्क मार्ग, कटेशर संपर्क मार्ग, पंडरा से पहाड़ापुर सम्पर्क मार्ग पिछले कई वर्षों से मरम्मत के अभाव में टूट कर बड़े-बड़े गड्ढे में तब्दील हो गया है। इससे राहगीरों को आवागमन में समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीण विमल गौतम, विनीत वर्मा, अजय कुमार, मुलायम, प्रवेश सिंह, वरुण, अखिलेश, अभिषेक व लवकुश ने बताया कि लोक निर्माण विभाग से कई बार मार्गों की मरम्मत कराने की मांग की गयी है किंतु अब तक सड़कें बदहाल पड़ी हुई हैं।। आगामी 20 मई को होने वाले चुनाव में मतदान के लिए केंद्रों पर जाने के लिए लोगों को इन जर्जर मार्गो से होकर आना-जाना पड़ेगा। प्रशासन का ध्यान इस ओर नहीं गया है।

मरम्मत के अभाव में क्षतिग्रस्त पडरी संपर्क मार्ग। अमृत विचार

बाहर से आने वाले वाहनों की करें जांच

फतेहपुर बाराबंकी, अमृत विचार: लोकसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर सामान्य व व्यय प्रेक्षक ने तहसील क्षेत्र के अति संवेदनशील, मॉडल बूथों के साथ चेक पोस्ट का निरीक्षण किया। इस दौरान प्रेक्षक ने सर्विलांस टीम को दूसरे जनपद से आ रहे वाहनों की सघन चेकिंग करने के निर्देश दिए।

रविवार को सामान्य प्रेक्षक आरआर दामोर निंदूरा क्षेत्र के कुर्सी स्थित कंपोजिट विद्यालय में बूथ का निरीक्षण करने पहुंचे। इस दौरान विद्यालय में बिजली, पानी, साफ, सफाई आदि सुविधा सुनिश्चित करने के लिए निर्देश दिया। उन्होंने करीब दस बूथों का निरीक्षण किया। इसके पश्चात उन्होंने भटूवामऊ प्राथमिक विद्यालय में बने बूथ को देखा। व्यय प्रेक्षक ने घघसी पर बने चेक पोस्ट का निरीक्षण किया। जहां पर लगी सर्विलांस टीम से निर्देश दिया कि बाहर से आ रहे वाहनों को जांच ठीक से की जाए। इस मौके ज्वाइंट मजिस्ट्रेट आर जगत साईं, तहसीलदार नर सिंह नारायण आदि मौजूद थे।

निरीक्षण कर बूथ से बाहर आते सामान्य प्रेक्षक आरआर दामोर व ज्वाइंट मजिस्ट्रेट रन्ना पल्ली जगत साईं। अमृत विचार

फर्स्ट वोटर

युवाओं को रोजगार देने का हो प्रयासः अभिषेक

इस चुनाव में पहली बार मतदान करने को लेकर उत्साहित हूं। सरकार को युवाओं की पढ़ाई और रोजगार पर ध्यान देना चाहिए।

पहली बार मतदान का है उत्साहः मानस

सभी नागरिकों को मतदान अवश्य करना चाहिए। पहली बार मतदान करने का अवसर मिला है। स्वच्छ छवि का प्रत्याशी चुनूंगा।

सुशासन के लिए करूंगा पहली बार वोटः अनंत

पहली बार मतदान करूंगा। लोकतंत्र में हर एक वोट महत्वपूर्ण होता है। सुशासन के लिए मतदान करूंगा।

मतदान हमारा मौलिक अधिकारः नेहा

इस बार पहली बार वोट देने का अवसर मिला है। मतदान हमारा मौलिक अधिकार है। सभी को वोट जरूर देना चाहिए।

नारी सशक्तिकरण को मोदी ने लिए ऐतिहासिक फैसले

कार्यक्रम

भाजपा के महिला मोर्चा सम्मेलन को पूर्व मंत्री अनुपमा जायसवाल ने किया संबोधित

कार्यालय संवाददाता, बाराबंकी

अमृत विचार: पूर्व मंत्री अनुपमा जायसवाल रविवार को शहर के एक निजी लॉन में आयोजित भाजपा महिला मोर्चा सम्मेलन में बतौर मुख्य अतिथि पहुंचीं। सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि विगत दस वर्षों में देश की महिलाओं के सशक्तिकरण में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अनेक ऐतिहासिक फैसले लिए। यह मोदी की गारंटी ही है कि तीन दशक से लंबित नारी शक्ति वंदन अधिनियम संसद से पारित हो सका। कांग्रेस पर प्रहार करते हुए उन्होंने कहा कि 60 साल तक देश को लूटने वालों को जनता सबक सिखाएगी। विशिष्ट अतिथि एवं क्षेत्रीय उपाध्यक्ष श्वेता सिंह ने कहा कि जनता 400 पार के नारे को हकीकत में बदलने जा रही है। भाजपा प्रत्याशी राजरानी रावत ने कहा कि देश को पहला ऐसा प्रधानमंत्री मिला जिसने महिलाओं को बराबरी का दर्जा दिया। संचालन महिला मोर्चा की जिलाध्यक्ष रामेश्वरी त्रिवेदी ने किया। इस मौके पर जिलाध्यक्ष अरविंद मौर्य, डॉ. रामकुमारी मौर्य, रचना श्रीवास्तव, सरिता सिंह, अंजू चंद्रा, आरती रावत, लकी सिंह, नीतू रावत, प्रियंका पाठक, रूपा मिश्रा, नीता अवस्थी, नेहा सिंह आनंद, शशि सिंह, सविता रावत, सरिता वर्मा मौजूद रहीं।

कार्यक्रम को संबोधित करतीं पूर्व मंत्री अनुपमा जायसवाल। अमृत विचार

चिकित्सा संवर्ग सम्मेलन आयोजित

बाराबंकी : भाजपा ने चिकित्सा संवर्ग सम्मेलन का आयोजन किया। इसमें मुख्य अतिथि भाजपा विधायक डॉ. नीरज बोरा, विशिष्ट अतिथि पूर्व मंत्री अनुपमा जायसवाल, जिलाध्यक्ष अरविंद मौर्य, वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्रमोद तिवारी, चिकित्सा प्रकोष्ठ के जिला संयोजक डा. के एन तिवारी, जिला सहसंयोजक डा. दिवाकर श्रीवास्तव, आयोजक डा. विवेक सिंह वर्मा मौजूद रहे। सम्मेलन में भाजपा प्रत्याशी राजरानी रावत, डा. वीरेंद्र श्रीवास्तव, डा. विनय जैन, डा. हिमांशु वर्मा समेत कई चिकित्सक मौजूद रहे।

सार-संक्षेप

भाजपा के पूर्व मंत्री व राष्ट्रीय महामंत्री का स्वागत

दिलोना बाईपास पर पूर्व कैबिनेट मंत्री राजकिशोर सिंह और भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री हरीश द्विवेदी का स्वागत करते भाजपा कार्यकर्ता। अमृत विचार

रामसनेहीघाट बाराबंकी, अमृत विचार : अयोध्या में प्रधानमंत्री मोदी के रोड शो में शामिल होनेजा रहे हाल ही में भाजपा में शामिल हुए पूर्व कैबिनेट मंत्री राजकिशोर सिंह और भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री हरीश द्विवेदी सांसद बस्ती का स्वागत कार्यकर्ताओं ने दिलौना बाईपास भिटरिया के पास किया। ड्रोन कैमरे से वीडियो रिकार्डिंग की गई। पूर्व कैबिनेट मंत्री के स्वागत की प्रतीक्षा में घंटों सैकड़ों समर्थक राजमार्ग पर इंतजार करते रहे। स्वागत करने वालों में अभिनव सिंह , सनी सिंह, भगवती सिंह, रुद्रांश सिंह, कृष्णकांत शुक्ला, विवेक सूर्यवंशी, अनुज वर्मा, राजित राम मिश्रा, प्रमोद वर्मा, भानू प्रताप सिंह, सूरज समेत बड़ी संख्या में भाजपा के कार्यकर्ता मौजूद रहे।

कलश यात्रा के साथ हुई गायत्री महायज्ञ की शुरुआत

कलश यात्रा में शामिल महिलाएं। अमृत विचार

सूरतगंज, बाराबंकी, अमृत विचार : ब्लॉक के उमरी विशुनपुर गांव के प्राथमिक विद्यालय में परिसर में रविवार से तीन दिवसीय 24 कुंडीय गायत्री महायज्ञ की शुरुआत की गयी। कार्यक्रम की शुरुआत से पहले महिलाओं ने भव्य कलश शोभायात्रा निकाली। महिलाओं ने पानी से भरे घड़ों को सिर पर रखकर गांव भर में भ्रमण किया। इसके बाद पुन: कार्यक्रम स्थल पहुचीं । यहां विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर यज्ञ की शुरुआत की गयी। इस अवसर पर आयोजक देवेंद्र मिश्रा, संयोजक रमेश चन्द्र मौर्या, साकेत शर्मा, चक्रेश पांडेय, बलराज सिंह, कृष्ण मुरारी पाल, रामवीर यादव आदि गायत्री परिवार के लोग व स्थानीय श्रद्धालु मौजूद रहे।

मनुष्यों का उद्धार करने को हुआ था श्रीकृष्ण का जन्म

निन्दूरा बाराबंकी, अमृत विचार : निंदूरा क्षेत्र के बाबागंज के स्थित नारायणपुर गांव में श्रीमद्भगवत कथा के पहले दिन रविवार को कथा व्यास गोपाल दास महाराज ने मौजूद श्रोताओं को बताया कि प्रभु श्रीकृष्ण का नाम सुदर्शन चक्रधारी लीलाधारी नाम क्यों पड़ा। काली अधियारी रात में जन्मे कृष्ण की अनेक बाल लीलाएं प्रचलित हैं। धरती पर उनका जन्म बहुत से मनुष्यों और दानवों का उद्धार करने के लिए ही हुआ था। जिसमे से कुछ प्रसं0ग बेहद प्रचलित है। कृष्ण के द्वारा की गई बाल लीलाओं और अनेक सुर, असुर और मनुष्यों के उद्धार के आधार पर अनेक नाम भी हैं। माधव, केशव, अच्युत, वासुदेव, नंदलाल, देवकीनंदन, गोपाल, गोविंदा, हरि, द्वारिकाधीश आदि नाम भगवान कृष्ण के ही हैं। भगवान कृष्ण ने पैदा होने के साथ ही लोगों का उद्धार करना शुरू कर दिया था। वो कृष्ण ही थे जिन्होंने कौरवों के साथ युद्ध में पांडवों का साथ दिया था और पूरे युद्ध में अस्त्र न उठाने का प्रण किया था। इस मौके पर आयोजक श्रीपाल, संतोष, रामचंद्र, राजकिशोर, अवधेश समेत भारी संख्या में भक्त मौजूद रहे।

भाजपा सरकार के फैसलों से संकट में जनता: तनुज

कार्यालय संवाददाता, बाराबंकी

बैठक को संबोधित करते तनुज पुनिया।

अमृत विचार : इंडिया गठबन्धन के कांग्रेस प्रत्याशी तनुज पुनिया ने रविवार को विधानसभा क्षेत्र रामनगर की अलग अलग न्याय पंचायतों में जनसंपर्क किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार में देश की जनता, महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार से पीड़ित है। लेकिन उसकी ओर ध्यान देने वाला कोई नहीं।

उन्होंने कहा कि इलेक्टोरल बांड घोटाले ने साबित कर दिया कि भाजपा की सरकार लूट और झूठ की है। भाजपा सरकार की नीतियों और मोदी के फैसलों से देश की जनता परेशानी और संकट में है। इससे निजात पाने के लिए देश से भाजपा सरकार जाना नितान्त आवश्यक है।

कांग्रेस के घोषणा न्याय पत्र पर चर्चा करते हुए इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी तनुज पुनिया ने कहा कि हमारा चुनाव घोषणा पत्र एक ऐसा ऐतिहासिक दस्तावेज है, जिसने सत्तारूढ भाजपा की नींद उड़ा दी है। इंडिया गठबंधन की सरकार बनते ही सरकार किसानों का कर्ज माफ करेगी।

पूंजीपतियों को बढ़ाने का काम कर रही सरकार : गोप

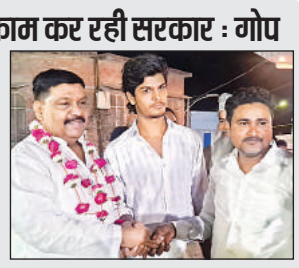

गोप का स्वागत करते कार्यकर्ता।

बाराबंकी, अमृत विचार : सपा के राष्ट्रीय सचिव व पूर्व कैबिनेट मंत्री अरविंद कुमार सिंह गोप ने रविवार को जैदपुर में इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी तनुज पुनिया के समर्थन में जनसभा को संबोधित किया। सभा जैदपुर नगर पंचायत के पूर्व चेयरमैन रियाज अहमद द्वारा आयोजित की गई थी। गोप ने कहा कि जबसे भाजपा सरकार आई है, तब से सिर्फ पूंजीपतियों को ही बढ़ाने का काम कर रही है। देश की सभी बड़ी-बड़ी कंपनियां और उद्योग धंधे कुछ चुनिंदा लोगों के हाथों में सौंपे जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली की सत्ता पर बैठी सरकार गरीब कमजोर व्यक्ति की दुश्वारियों को दूर करने के बजाय वह इस तरफ देखना तक नहीं चाहती। उन्होंने कहा कि इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी तनुज पुनिया को समर्थन दीजिए। गठबंधन की सरकार बनते ही आप सब की समस्याओं का एक झटके में समाधान हो जाएगा। इंडिया गठबंधन की सरकार बनते ही घोषणा पत्र में किए गए वादों से सभी देशवासियों की जीवन शैली में परिवर्तन होगा। सभा में मुख्य रूप से पूर्व चेयरमैन हफीज भारती और जिला प्रवक्ता वीरेंद्र प्रधान समेत तमाम नेता व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

प्लाट पर कब्जा करने वाले दो लोगों पर केस

रामसनेहीघाट, बाराबंकी

अमृत विचार : स्थानीय कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत गांव पूरे गिरधर तिवारी मजरे भानपुर में एक प्लाट पर कब्जा करने वाले दो लोगों पर पुलिस ने केस दर्ज किया है।

पीड़िता रेनू पाण्डेय ने कोतवाली राम सनेही घाट पुलिस को दी गयी तहरीर में बताया कि जुलाई 2018 में भिटरिया-हैदरगढ़ रोड पर स्वामी दयाल, भारतलाल, ब्रह्मादीन से प्लाट खरीदा था। बताया कि श्रीराम व दीपक ने प्लाट में कब्जा करने का प्रयास किया था लेकिन पुलिस द्वारा रोक दिया गया था। जिसमें महिला ने न्यायालय में वाद दाखिल किया व न्यायालय द्वारा आरोपियों को कब्जा न करने का आदेश 2019 में दिया गया था। आरोप लगाया कि न्यायालय का आदेश न मानते हुए शनिवार सुबह आरोपियों ने प्लाट पर पड़ी 1000 ईंटें व 2 ट्राली मौरंग व बालू उठा लिया व प्लाट पर कब्जा कर लिया। इसके साथ ही गालियां दी व फर्जी मुकदमे में उसे फंसाने की धमकी भी दी। महिला ने बताया कि दबंग पहले भी पुत्र व पति के खिलाफ एसीएसटी एक्ट का मुकदमा दर्ज करा चुके हैं। रामसनेहीघाट पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया है।

लोकसभा चुनाव

भाजपा की हैट्रिक को लेकर लोगों के बीच तेज हुई कयासबाजी, धार्मिक स्थलों के विकास की सराहना की

गुंडों पर तो लग गयी लगाम, महंगाई पर भी लगे विराम

चुनावी चौपाल

सिरौलीगौसपुर बाराबंकी

ग्रामीणों के साथ मतदान की शपथ लेते महंत बाबा शीतलदास। अमृत विचार

अमृत विचार : प्रदेश की राजधानी लखनऊ एवं विश्वविख्यात रामनगरी अयोध्या के बीच बसे बाराबंकी में लोकसभा चुनाव को लेकर हलचल तेज है। कोई भाजपा की तो कई गठबंधन की सरकार बनाने का दावा कर रहा है। कुछ ने कानून व्यवस्था की स्थिति बेहतर बतायी तो कुछ ने महंगाई पर अंकुश लगाने की बात कही।

बाराबंकी लोकसभा सीट लगातार दो बार भाजपा जीत चुकी है। अब लोग इसकी हैट्रिक को लेकर कयास लगा रहे हैं। इसी कयासबाजी के बीच लोगों को मतदान के प्रति जागरूक करने के लिए अमृत विचार की टीम रविवार को सिरौलीगौसपुर पहुंची। गांवों में राजनीतिक दलों के कार्यकर्ता अपनी टोली के साथ डोर-टू-डोर सम्पर्क करते भी दिखाई पड़े। टीम क्षेत्र के प्रसिद्ध महाभारतकालीन कुन्तेश्वर महादेव मंदिर पर पहुंची तो मंदिर के महंत बाबा शीतल दास के इर्द-गिर्द बैठे मेड़ीलाल मौर्य, सतीश विश्वकर्मा, विपिन कुमार, राम कैलाश, भारत यादव, संदीप मौर्य, विनीत सैनी, ओमप्रकाश आदि चुनाव चर्चा करते मिले। इन लोगों के बीच भाजपा की हैट्रिक को लेकर चर्चा चल रही थी। ज्यादातर लोग सरकार की कानून व्यवस्था से खुश थे तो कुछ लोगों को छुट्टा जानवरों से हो रहे नुकसान की तकलीफ़ भी सुनाई दी। बाबा शीतल दास ने बातचीत में सरकार द्वारा धार्मिक स्थलों के विकास पर दिए जा रहे ध्यान को सराहते हुए कहा कि कुन्तेश्वर महादेव मंदिर के लिए भी योगीजी ध्यान दें तो इस पौराणिक स्थान का भी विकास हो जाता। वहीं भारत यादव ने बताया कि किसानों को छुट्टा जानवरों से निजात नहीं मिल पाई है। मेड़ीलाल मौर्य ने कहा कि सरकार ने गुंडों पर लगाम लगा दी है। सतीश विश्वकर्मा ने कहा कि महंगाई पर अंकुश लगाने की जरूरत है। संदीप मौर्य ने सरकार की प्रशंसा करते हुए कहा कि सरकारी योजनाओं के माध्यम से गरीबों को मिलने वाली सहायता और बढ़नी चाहिए। अमृत विचार की टीम ने सभी से मतदान अवश्य करने की अपील करते हुए मतदान के लिए शपथ दिलायी।

जमीन पर कब्जा करने का आरोप

रामसनेहीघाट बाराबंकी, अमृत विचार: स्थानीय कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत गांव पुरे पनई मजरे महुलारा निवासिनी एक महिला ने तीन लोगों के खिलाफ जमीन पर कब्जा करने का मुकदमा दर्ज कराया है।

गांव निवासिनी गीता ने बताया कि पति की मृत्यु के बाद उनके नाम दर्ज भूमि की वरासत महिला व बच्चों के नाम हो गयी है। उसने आरोप लगाया कि श्रीराम जमीन पर अवैध रूप से कब्जा कर रहा है। शनिवार को उसने गालियां दी व आरोपी श्रीराम, दीपक व ज्ञाना देवी ने जान से मारने की धमकी भी उसे दी। पीड़िता की ओर से तहरीर मिलने पर रामसनेहीघाट पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

एक नजर

विद्यालय की पोषण वाटिका से लोहे के 12 पाइप चोरी

रामसनेहीघाट, बाराबंकी, अमृत विचार : शिक्षा क्षेत्र बनीकोडर के अन्तर्गत प्राथमिक विद्यालय फतेहगंज में सरकारी धन से निर्मित पोषण वाटिका में लगे लोहे के 12 पाइप व इससे बंधे आठ राउंड कंटीले तार व प्लास्टिक की जाली शनिवार की रात चोरी हो गयी। इस मामले में प्रधानाध्यापक द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की गई। इसके चलते नाराज ग्रामीणों ने इस घटना की प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज कराने व पोषण वाटिका का पुनः निर्माण कराने के संबंध में खंड शिक्षा अधिकारी चन्द्रशेखर यादव जानकारी दी। बीईओ ने मौके पर जाकर जांच की तथा घटना के संबंध में कोतवाली रामसनेहीघाट में प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज कराने के लिए प्रधानाध्यापक को निर्देशित किया।

स्वास्थ्य शिविर में 16 मरीजों का किया परीक्षण

रुपईडीह, अमृत विचार : कस्बा घुघुआपुर के श्री रघू बाबा सेवा आरोग्य संस्थान पर निशुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित किया गया। संस्थान के प्रबंध निदेशक गोली दुबे ने बताया कि इस शिविर में 16 मरीजों की बनारस से आए चिकित्सक डॉ आर बी वैद्य तथा लखनऊ से आयी चिकित्सक डॉ पल्लवी सिंह द्वारा स्वास्थ्य की जांच की गई। उन्होंने बताया कि इन चिकित्सकों द्वारा मरीज के स्वास्थ्य की जांच के बाद उन्हें समुचित इलाज के लिए दिशा-निर्देश दिया गया।

सागौन की 11 बोटा लकड़ी बरामद, जांच शुरू

मनकापुर, अमृत विचार : वन माफिया जंगल की साखू व सागौन के पेड़ों पर आरा चला रहे हैं। डीएफओ की फटकार पर विभाग हरकत में आया है। टिकरी रेंज के करौंदी बीट के भीटेहरा में वन माफिया ने जंगली सगौन का पेड़ काट लिया। पेंड़ के गिरने की आवाज सुनकर ग्रामीणों ने डीएफओ को सूचना दी। डीएफओ पंकज शुक्ल के निर्देश पर आनन-फानन में टिकरी रेंज के वन क्षेत्राधिकारी विनोद कुमार नायक फोर्स के साथ मौके पर पहुंच कर काटे गए सागौन पेंड़ के 11 बोटा लकड़ी को कब्जे में लेकर संबंधित वन दरोगा नंद गोपाल श्रीवास्तव व वन रक्षक को दिशा-निर्देश दिए।

स्टॉप के बाहर से निकल जाती हैं बसें, परिसर में इंतजार करते हैं यात्री

मनमानी

हैदरगढ़, बराबंकी

बस स्टेशन परिसर में बसों का इंतजार करते यात्री। अमृत विचार

बस स्टॉप के बाहर सड़क पर बसों के इंतजार में खड़े यात्री। अमृत विचार

अमृत विचार : लखनऊ-सुलतानपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर चलने वाली लंबी दूरी की बसें स्थानीय बस स्टेशन पर आने के बजाय सीधे निकल जाती हैं। इसके कारण बस अड्डे के अंदर बहुत से यात्री बसों का इंतजार करते रह जाते हैं। इसके अलावा नगर के मुख्य चौराहे पर यात्री घंटों बसों का इंतजार करते रहते हैं। यात्रियों और बसों के सड़क पर खड़े रहने से जाम की स्थिति उत्पन्न होती है। जाम की समस्या के चलते अब तक कई लोग सड़क हादसों में जान गवां चुके हैं।

इस राष्ट्रीय राजमार्ग पर लखनऊ, बनारस, सुलतानपुर, आजमगढ़, जौनपुर, बलिया, कानपुर के बीच बड़ी संख्या में संचालित होने वाली बसें लगभग पौने तीन करोड़ रुपए की लागत से हैदरगढ़-भिटरिया मार्ग पर बनाए गए बस स्टेशन पर न आकर सीधे फर्राटा भरते हुए गुजर जाती हैं। इन बसों के स्टेशन पर न जाने से जहां स्टेशन पर सन्नाटा पसारा रहता है। वहीं इन शहरों के लिए बड़ी संख्या में आवागमन करने वाले यात्री नगर के मुख्य चौराहे पर बसों के इंतजार में खड़े रहते हैं। मुख्य चौराहे से लखनऊ-सुल्तानपुर हाईवे व बांदा-बहराइच स्टेट हाईवे से जुड़े होने की वजह से हजारों की संख्या में छोटे बड़े वाहन, भार वाहन, बसें, टेंपो, सीएनजी ऑटो, बैटरी रिक्शा आवागमन करते हैं। यही नहीं, लखनऊ-सुल्तानपुर हाईवे पर फुटपाथ पर पटरी दुकानदारों द्वारा कब्जा कर लेने की वजह से आवागमन बाधित रहता है। इसके चलते नगर के मुख्य चौराहे पर ज्यादातर समय जाम की स्थिति उत्पन्न रहती है। इसी समस्या के चलते मुख्य चौराहे के आसपास कई हादसे भी हो चुके हैं। जाम की इस भीषण समस्या से निपटने के लिए जहां परिवहन विभाग भी कोई कदम नहीं उठा रहा है। वहीं स्थानीय प्रशासनिक अधिकारी भी इस समस्या से अंजान बने हुए हैं। स्थानीय नागरिकों ने रोडवेज के उच्च अधिकारियों का ध्यान इस समस्या की ओर आकृष्ट कराया है।

विवाहिता की मौत पांच पर मुकदमा

फतेहपुर बाराबंकी, अमृत विचार: पांच दिन पूर्व सुबह घरेलू कलह में एक विवाहिता ने घर में फांसी लगा ली थी। गंभीर हालत उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जहां उसकी उपचार के दौरान मौत हो गई है। पुलिस ने पति समेत पांच लोगों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया है।

ग्राम कंदरौला निवासी मुकेश गौतम का विवाह इसी क्षेत्र के छंदवल निवासी दीनदयाल की पुत्री शीला (26) के साथ चार वर्ष पूर्व हुआ था। बीते बुधवार को शीला अपने कमरे में साड़ी का फंदा बनाकर फांसी पर लटक गई थी। फंदे से उतार कर शीला को फतेहपुर सीएचसी लाया गया। जहां उसे लखनऊ लोहिया अस्पताल रेफर कर दिया था। शनिवार की शाम महिला की मौत हो गई।

वन विभाग की जमीन से हटवाया कब्जा

सफेदाबाद के सरथरा में भूमि पाटकर बनाया जा रहा था रास्ता, कई पेड़ भी काटे गए

कार्यालय संवाददाता, बाराबंकी

अमृत विचार : लखनऊ-अयोध्या हाईवे के किनारे सफेदाबाद ओवरब्रिज के करीब वन विभाग की जमीन पर कुछ लोगों द्वारा प्लाटिंग की गई है। प्लाटिंग तक रास्ता पहुंचने के लिए भूमाफिया द्वारा वन विभाग की जमीन पर लगे हुए हरे भरे वृक्षों को जेसीबी से काटकर बीचोंबीच रास्ता निकालकर जमीन पर कब्जा करने का प्रयास किया जा रहा था। इसकी जानकारी क्षेत्रीय वन दरोगा को हुई तो उन्होंने जेसीबी के जरिये विभाग की जमीन को मुक्त कराया। वन विभाग की जमीन से रास्ता निकालने के लिए भू माफिया द्वारा वन विभाग से कोई अनुमति नहीं ली गई।

क्षेत्रीय वन दरोगा हरिराम यादव गश्त करने निकले थे। इस दौरान उन्हें जानकारी मिली कि सफेदाबाद के सरथरा गांव में प्लाटिंग करने वाले भू माफिया द्वारा वन विभाग की जमीन पर कब्जा कर रास्ता निकाल दिया गया है। इस पर उन्होंने जेसीबी मंगाकर विभाग की जमीन को कब्जा मुक्त कराया। हालांकि क्षेत्रीय वन दरोगा ने वन विभाग की जमीन कब्जा करने वाले भूमाफिया को सिर्फ चेतावनी देकर छोड़ दिया।

इस संबंध में डीएफओ आकाशदीप बाधवान का कहना है कि वन विभाग की जमीन पर कब्जा करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी और किसी भी दोषी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा।

वन विभाग की जमीन पर कब्जे का यह कोई पहला मामला नहीं है इससे पहले भी हाईवे के पास चोपड़ा चौराहे से सटे एक बड़े भूखंड पर इमारत के निर्माण का काम चल रहा था और विभाग की जमीन को पाटकर बीच से रास्ता निकालने की तैयारी की जा रही थी। यहां भी डंपर और ट्रैक्टर ट्राली से मिट्टी और कई पेड़ रास्ते से हटा दिए गए थे।

भू माफिया द्वारा बनाए गए रास्ते को ध्वस्त करती जेसीबी। अमृत विचार

लू के थपेड़ों से परेशान रहे लोग

तापमान 42 डिग्री तक पहुंचा रविवार को, दोपहर में सड़कों पर पसरा सन्नाटा

कार्यालय संवाददाता, बाराबंकी

अमृत विचार: गर्मी का सितम थमने का नाम नही ले रहा है। रविवार को पारा 42 डिग्री पर पहुंच गया। गरम हवाओं के झोंकों ने लोगों को परेशान करके रख दिया। दोपहर के समय सड़कों पर सन्नाटा पसरा रहा। अति आवश्यक कार्य होने पर ही लोग अपने घरों से बाहर निकले।

एक ओर जहां जिला अस्पताल की ओपीडी मे मरीजों की भीड़ दिखी तो वहीं दूसरी ओर उल्टी, दस्त व डायरिया के मरीजों की संख्या भी अधिक रही। ओपीडी मे पर्चा काउंटर पर काफी भीड़ रही। लू के थपेड़ों ने लोगों की बेचैनी बढ़ा दी। सुबह 10 बजे के बाद धूप तेज होती चली गयी। चिलचिलाती धूप से बचने के लिए घरों से निकले लोग सिर पर गमछा, छाता के साथ चेहरे को ढककर ही निकल रहे हैं।

डॉक्टर भी खासकर बच्चों को धूप से बचने की सलाह दे रहे हैं। हालांकि गर्मी के चलते अस्पतालों में मरीजों की संख्या में बढोतरी दिख रही है।

धूप से बचने को छाता बना सहारा। अमृत विचार

प्यास बुझाता राहगीर।

तैयारियों का जायजा लेने पहुंचे एसीएमओ

सूरतगंज, बाराबंकी

अमृत विचार : सीएचसी में केंद्रीय टीम आने के एक दिन पहले ही तैयारियों का जायजा लेने पहुंचे एसीएमओ को सब चकाचक मिला इस पर उन्होंने संतोष जाहिर किया।

बता दे कि सोमवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सूरतगंज की व्यवस्थाए देखने केंद्रीय टीम आ रही है। टीम सीएचसी पहुंचकर कायाकल्प सहित विभिन्न बिंदुओं पर जानकारी हासिल करेगी। टीम आने की जानकारी पाकर अधीक्षक डा.संजय पाण्डेय ने पहले से ही व्यवस्थाएं दुरुस्त करानी शुरू कर दी हैं। इधर केंद्रीय टीम के आने और सीएचसी की तैयारियों का जायजा लेने रविवार दोपहर पहुंचे अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा.लव भूषण गुप्ता सफाई के साथ अन्य व्यवस्थाएं देख संतुष्ट नजर आए।

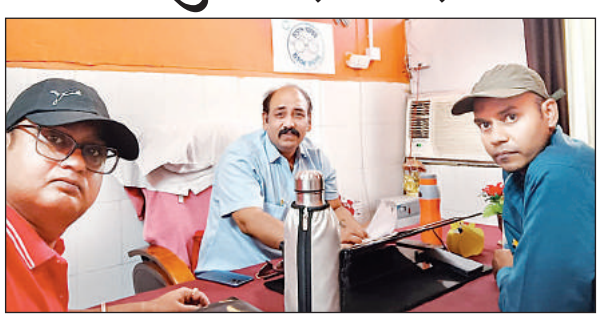

सीएचसी में तैयारियों की जानकारी लेते एसीएमओ। अमृत विचार

हादसे में बाइक सवार की मौत

फतेहपुर बाराबंकी, अमृत विचार: तेज रफ्तार पिकअप में बाइक सवार को ठोकर मार दी। ठोकर लगने से बाइक सवार की मौत हो गई।

लखीमपुर के थाना उचोलिया क्षेत्र ग्राम मोदीमपुर निवासी शिवम सिंह (25) अजीत सिंह चार दिन पूर्व गोंडा जनपद के ग्राम सुनौली अपनी ससुराल गया था। रविवार को ससुराल से अपने घर को बाइक से जा रहा था। फतेहपुर-रामनगर मार्ग पर ग्राम देवखेरिया के पास सामने से आ रही पिकअप ने बाइक में सामने से ठोकर मार दी। जिससे बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसे सीएचसी लाया गया। जहां चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पहुंचे मृतक के चाचा धर्मेंद्र ने बताया कि चार दिन पूर्व अपनी पत्नी को लेकर ससुराल गया था। कोतवाल डीके सिंह ने बताया कि पिकअप को पकड़ लिया गया है।

सार-संक्षेप

आलू में चमक लाने को रसायन का प्रयोग किया तो कार्रवाई

बाराबंकी, अमृतविचार : आलू के कन्दों में चमक लाने के लिए कुछ कोल्डस्टोर के शेड में हानिकारक रसायनों का प्रयोग किया जा रहा है। आलू में चमक आ जाने के बाद व्यापारियों को बाजार में अच्छा मूल्य मिलता है। इसलिए कुछ व्यापारी रसायनों का प्रयोग आलू की चमक को बढ़ाने के लिए कर रहे हैं। यह स्वास्थ्य के लिए बेहद हानिकारक है। जिला उद्यान अधिकारी महेश श्रीवास्तव ने कोल्डस्टोर के मालिकों को पत्र लिख कर चेताया है कि कोल्डस्टोर पर मंडी समिति के पंजीकृत व्यापारी ही व्यापार कर सकेंगे। बिना पंजीकरण कोई भी व्यक्ति या व्यापारी खरीद फरोख्त नहीं कर सकता है। उन्होंने पत्र में यह भी कहा है कि कोल्डस्टोर पर पंजीकृत व्यापारी की सूची पंजीकरण संख्या सहित सारी जानकारी कोल्डस्टोर के पट पर चिपकाना अनिवार्य होगा। यही नहीं, व्यापारी के आलू निकासी के बाद हानिकारक रसायनो व रंगों से आलू के चमकदार बनाने की कोई भी प्रक्रिया कोल्डस्टोर में नहीं होनी चाहिए। किसी भी कोल्ड स्टोर पर अगर इस तरह की घटना मिलती है तो उसके विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

बुढ़वल चौराहे पर पेयजल के लिए भटकते हैं यात्री

रामनगर बाराबंकी, अमृत विचार : भीषण गर्मी का प्रकोप जारी है लेकिन बुढ़वल चौराहे पर यात्रियों और राहगीरों की प्यास बुझाने के लिए एक भी हैंडपंप नहीं लगा है। यहां से गुजरने वाले तमाम यात्री पानी की बोतल खरीदकर अपनी प्यास बुझाते हैं। प्रतिदिन गर्मी का तापमान बढ़ रहा है। भीषण गर्मी के चलते लोगों के हलक सूख रहे हैं। दोपहर में चिलचिलाती धूप आमजन को परेशान करने लगी है। पैदल बाजार जाने वाले और बाइक से सफर तय करने वाले राहगीर हर दस मिनट में ठहरकर प्यास बुझाने को पानी तलाशने लगे हैं। लेकिन बुढ़वल चौराहे पर प्याऊ, शीतल पेयजल के लिए आरओ तो दूर एक भी हैंडपंप नहीं लगा है। इस संबंध में एसडीएम पवन कुमार का कहना है कि शीघ्र ही इस समस्या का समाधान किया जाएगा।

अधूरा पड़ा सामुदायिक शौचालय, लाखों खर्च

इस हाल में है सामुदायिक शौचालय।

सूरतगंज, बाराबंकी, अमृत विचार : लाखों रुपये खर्च कर बनवाया गया सामुदायिक शौचालय अधूरा पड़ा है। इससे इसका उपयोग नहीं हो पा रहा है। मामला सूरतगंज ब्लॉक के ग्राम सुर्जनपुर का है। गांव में पानी टंकी के पास करीब चार साल पहले सामुदायिक शौचालय का निर्माण कराया गया था। निर्माण के बाद उसमे एक-दो सीट रखवाई गई बाकी किसी वजह से इसे अधूरा छोड़ दिया गया। अधूरा होने के कारण शौचालय सहायता समूह को हैंडओवर नहीं हो पाया था। शौचालय के आसपास झाड़ियां उग आयी हैं। इस संबंध में बीडीओ देवेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि ब्लॉक की दो-तीन ग्राम पंचायतों में शौचालय अधूरे होने की जानकारी मिली है। सभी का कार्य पूरा कराकर चालू करवाया जाएगा।

टूटी पड़ी है विद्यालय की बाउंड्रीवाल

बनीकोडर, बाराबंकी, अमृत विचार : विकास खंड बनीकोडर की ग्राम पंचायत टाण्डा में कंपोजिट विद्यालय स्थित बूथ पर अव्यवस्थाएं हैं। विद्यालय में मिट्टी लाकर डाल दी गई है, लेकिन उसको बराबर नहीं किया गया। जिसके चलते विद्यालय में बच्चों और स्टाफ को आने-जाने में भी दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है।

शिक्षा क्षेत्र व विकास खंड बनीकोडर के अंतर्गत आने वाले प्राथमिक विद्यालय टाण्डा में मतदान केंद्र बनाया गया है। जहां पर अभी भी अव्यवस्थाओं का बोलबाला है। स्कूल प्रांगण में कुछ दिन पूर्व बाउंड्री वाल को तोड़कर मिट्टी डलवाई गई है, लेकिन उसे अभी तक बराबर नहीं कराया गया है। न ही अब तक बाउंड्री ही बनवाई गई। जिसके चलते विद्यालय के स्टाफ और छात्र छात्राओं को आने-जाने व पढ़ाई में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बच्चों के गिरकर चोटिल होने की संभावना बनी रहती है। चुनाव होने में अब लगभग दो हफ्ते ही बचे हैं। लेकिन फिर भी टांडा ग्राम पंचायत के दलसिंहपुर में स्थित कंपोजिट विद्यालय में अभी तक किसी भी प्रकार का इंतजाम पूरे नहीं किए गए हैं। लेकिन फिर भी जिम्मेदार कर्मचारी व अधिकारी इस तरफ ध्यान भी नहीं दे रहे हैं। इस मामले की जानकारी बाराबंकी के जिलाधिकारी सत्येंद्र कुमार को दी गई। जिसपर उन्होंने जांच करवाकर काम जल्द पूरा कराने के लिये संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करने का आश्वासन दिया।

जागरूकता

शहर के बस स्टॉप के पास एक दिव्यांग अपनी ई-ट्राई साइकिल पर सुरक्षा के लिए हेलमेट लगाए गुजर रहा था। इनसे उन लोगों को सीखने की जरूरत है जो बाइक चलाते समय हेलमेट का प्रयोग करना अपनी शान के खिलाफ समझते हैं। ● शशांक अटल बाजपेई

मुंबई से चोरी कर फरार तीन शातिर पकड़े

आरोपियों से 1.45 लाख रुपये नकद व एक करोड़ से अधिक के जेवर बरामद

गोंडा कार्यालय

अमृत विचार: मुंबई के खार इलाके से 7 लाख रुपये की नकदी समेत करोड़ों रुपये के जेवर चोरी कर फरार हुए तीन शातिरों को मुंबई पुलिस ने जिले की कटरा बाजार पुलिस के सहयोग से गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों के पास से पुलिस ने 1.45 लाख रुपये की नकदी व एक करोड़ रुपये से अधिक की कीमत का जेवर बरामद किया है।

मुंबई शहर के खार इलाके के रहने वाले साहिल अनील गोयल को मुताबिक वह खार थाना क्षेत्र के राजगीर अपार्टमेंट में परिवार समेत रहते हैं। घर पर तीन नौकर हैं जो झाड़ू पोछा व रसोइया का काम करते हैं। 22 अप्रैल को वह अपने परिवार के साथ एक पारिवारिक कार्यक्रम में सम्मिलित होने के लिए गोवा गए हुए थे। घर पर उनके तीनों नौकर ही थे।

साहिल का कहना है कि जब वह 25 अप्रैल को वापस लौटे तो उनके बेडरूम में लगी दो आलमारी टूटी हुई पायी गयी। आलमारी में रखी 6-7 लाख रुपये की नकदी नगद व सारे जेवरात सोने के हार, चूडियाँ, झुमके सहित डायमंड के आभूषण के साथ तीनों नौकर गायब मिले।आभूषणों के खाली डिब्बे बिस्तर पर पड़े हुए थे। इस मामले में उन्होने 26 अप्रैल को खार थाने में रिपोर्ट दर्ज करायी थी।थाना खार पुलिस ने घटना की विवेचना शुरू की तो संकलित साक्ष्यों के आधार पर तीनों नौकरों की संलिप्तता सामने आई। सर्विलांस के माध्सम से तीनों की लोकेशन जिले के कटरा बाजार इलाके में पायी गयी। इसके बाद मुंबई पुलिस गोण्डा पहुंची और स्थानीय पुलिस से संपर्क कर तीनों आरोपियों को दबोच लिया। पकड़े गए आरोपी निरंजन पुत्र रामा बहेलिया निवासी बोटन पुरवा मौजा शाहजोत रामचेलवा पुत्र मैकू पासवान निवासी ग्राम बरौली पोस्ट कटराबाजार व जयप्रकाश पुत्र हरिशंकर रस्तोगी कस्बा कटरा बाजार थाना कटरा बाजार को दबोच लिया। प्रभारी निरीक्षक कटरा बाजार संजय कुमार गुप्ता ने बताया कि निरंजन बहेलिया के पास से चोरी के 80 हजार रुपये रामचेलवा के पास से चोरी के 65,900 रुपये व जयप्रकाश रस्तोगी के पास से चोरी किए गए एक करोड़ रुपये से अधिक का जेवरात बरामद किया गया है। अधिकारी ने बताया कि आगे भी सघन पूछताथ की जा रही है ताकि औज चीजें सामने आएं। आरोपियों को गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में मुंबई पुलिस के उप निरीक्षक हनुमन्त कुम्भारे मय टीम व जिले की सर्विलांस टीम शामिल रही।

लापरवाही साल 2022 में 6,99,301 लाख की लागत से कराया गया था निर्माण कार्य

सूखा पड़ा है कैप्टन मनोज पांडेय अमृत सरोवर

रामगोपाल वर्मा, बाराबंकी

अमृत विचार : देश के लिए कारगिल में शहीद होने वाले कैप्टन मनोज पाण्डेय के नाम से बनवाया गया अमृत सरोवर सूखा पड़ा है।

हरख ब्लाक के गढी राख मऊ में कैप्टन मनोज पाण्डेय की स्मृति में बनाये गये इस अमृत सरोवर पर साल 2022 में 6,99,301 रुपये खर्च किये गए थे। सरोवर के किनारे बाउंड्री पर लगे लोहे के पिलर व तार स्थानीय प्रधान व सचिव की लापरवाही से चोर काट ले गए। शहीद कैप्टन मनोज पाण्डेय की स्मृति में प्रशासन द्वारा लाखों रुपये की लागत से बने अमृत सरोवर योजना मूल उद्देश्य से भटक गई है।

कैप्टन मनोज पाण्डेय अमृत सरोवर। अमृत विचार

सरोवर निर्माण के पीछे की मंशा यह थी कि स्थानीय स्तर पर इसे पर्यटन स्थल के रूप में विकसित कर पशु-पक्षियों को पानी की सुविधा मुहैया कराई जाये और बरसात के मौसम में जल संचयन के उद्देश्य को पूरा किया जा सके। सरकार की मंशा को स्थानीय जिम्मेदारों की उदासीनता की वजह से अमलीजामा पहनाना तो दूर यथास्थिति बनाये रखने के लिए भी कोई प्रयास नहीं किये जा रहे। मई माह की शुरुआत से ही भीषण गर्मी ने दस्तक दे दी थी। वहीं अप्रैल में भी तापमान 42 डिग्री तक पहुंच गया था। इसका सीधा असर जल स्रोतों पर देखने को मिला है। तेज चिलचिलाती धूप से जिले के सैकड़ों तालाब सूख गए हैं। इससे पशु-पक्षियों के सामने पेयजल संकट खड़ा हो गया है। आलम ये है कि लाखों खर्च कर बनाए गए अमृत सरोवर भी जल स्रोतों से कनेक्टिविटी न होने से सुख गए हैं। इससे जल संरक्षण के दावों पर पलीता लग रहा है। वहीं जिम्मेदार अधिकारी व कर्मचारी इनमें पानी भरवाने को लेकर उदासीन हैं। ग्रामीणों ने प्रशासन का ध्यान इस ओर आकृष्ट कराया है।

कर्मचारी ने किया 4.89 लाख का गबन, केस दर्ज

त्रिवेदीगंज, बाराबंकी

अमृत विचार : दो दिन पूर्व बरामद हुए लापता व्यक्ति के खिलाफ कनेक्ट इंडिया कंपनी के एरिया मैनेजर ने 4.89 लाख रुपये गबन करने के आरोप में थाने पर प्राथमिकी दर्ज कराई है।

उल्लेखनीय है थाना लोनी कटरा अंतर्गत ग्राम चंदौली वासी कृपा शंकर (28) कनेक्ट इंडिया कंपनी में, जो फ्लिपकार्ट की डिलीवरी का काम करती है, में सुपरवाइजर के पद पर कार्यरत है। जबकि अनुराग शर्मा इसी कंपनी के एरिया मैनेजर हैं। अनुराग शर्मा द्वारा प्राथमिकी में बताया गया है कि कृपा शंकर शाखा प्रबंधक बनना चाहता था। कंपनी का 20 अप्रैल से 28 अप्रैल तक का चार लाख 89 हजार 594 रुपये भी अपने पास रखे है। 30 अप्रैल को ऑफिस जाने के बजाय लापता हो गया। उसने वीडियो वायरल कराकर दर्शाया कि उसका अपहरण हो गया है। मोबाइल की लोकेशन के आधार पर लोनीकटरा पुलिस ने कृपाशंकर को मैनपुरी से बरामद कर लिया था। कृपा शंकर के खिलाफ एरिया मैनेजर ने थाना लोनी कटरा में प्राथमिक की दर्ज कराई है। थानाध्यक्ष अंकित त्रिपाठी ने बताया कि कृपा शंकर फरार है। उसकी तलाश जारी है।

भारी भीड़ के बीच रामपथ पर अभूतपूर्व

मोदी का अभिनंदन

अयोध्या कार्यालय

▸▸ अनवरत पांच घंटे उल्लास का उत्सव, सड़कों के किनारे डटे रहे लोग

रामपथ पर जब गूंजा सरयू सलिला करे पुकार

प्रधानमंत्री के रोड-शो के दौरान इस बार नया नारा सामने आया। पूरे रामपथ पर सरयू सलिला करे पुकार मोदी जी बारम्बार लिखीं तख्तियां लोगों की हाथों में लहरा रहीं थीं। इतना ही नहीं मोदी जी को जय श्रीराम और अबकी बार 400 पार लिखी तख्तियां भी सभी के हाथों में थीं।

अमृत विचार : आतिथ्य के लिए तैयार रहने वाली अयोध्या ने रविवार को फिर अपनी पौराणिक परंपरा का पालन किया। लोकसभा चुनाव में रोड-शो के लिए पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का अभूतपूर्व अभिनंदन किया। दोपहर तीन बजे से रात आठ बजे तक पांच घंटे के इंतजार के बाद जैसे ही फूलों से सजे रथ पर सवार होकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रोड-शो के लिए निकले पूरा रामपथ जय श्रीराम और हर-हर महादेव के उद्घघोष से गूंज उठा। आह्लादित लोग सड़कों पर नृत्य करने लगे और महिलाएं मंगल गीत गाने लगीं।

भीड़ में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की झलक पाने की ऐसी बेताबी थी कि एक-दूसरे पर चढ़े रहे थे। सिर पर लाल टोपी और पीली सदरी पहने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपनी चिर परिचित मुस्कान और हाथ हिला कर लोगों का अभिवादन करते रहे। फूलों से सजे रथ के आगे भाजपा साड़ी व केसरिया पगड़ी में महिलाओं का समूह ऐसे चल रहा था। प्रधानमंत्री के दाहिने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और बाएं भाजपा प्रत्याशी लल्लू सिंह हाथों में लाइटिंग कमल लिए भीड़ का उल्लास और उत्साह देख कर मुदित हो रहे थे।

सुग्रीव किला से रथ जैसे ही आगे बढ़ा। दर्शन मार्ग पर खड़े संतों की टोली ने शंखनाद और मंत्रोच्चार से स्वागत करते हुए पुष्प वर्षा शुरू कर दी। गुलाब के फूलों की पंखुड़ियां प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री पर पड़ी तो दोनों हाथ जोड़ संतों को प्रणाम किया। सुग्रीव किला से रथ धीरे-धीरे आगे बढ़ता हुआ हनुमानगढ़ी जाने वाली गली के निकट पहुंचा। उत्साहित भाजपा कार्यकर्ताओं की टोली जो राम को लाए हैं, हम उनको लाएंगे गीत पर सड़क पर नृत्य करने लगी। तुलसी उद्यान के पास रथ के पहुंचते ही सड़क के दोनों ओर से जय श्रीराम के उद्घघोष के साथ फूलों की वर्षा से रथ रंग गया।

दो किमी के रोड-शो के दौरान भीड़ तब तक नहीं हटी जब तक प्रधानमंत्री लता मंगेशकर चौक नहीं पहुंच गए। लता मंगेशकर चौक पर उत्सव का कुछ अलग ही दृश्य दिखा। यहां सुरक्षा घेरा होने के बावजूद दोनों ओर लोगों से ठसाठस भीड़ थी। यहां लोगों ने कहा कि प्रधानमंत्री का ऐसा अभिनंदन तो प्राण प्रतिष्ठा और लोकार्पण समारोह के दौरान हुए रोड-शो में नहीं हुआ। अयोध्या के अखंड पांडेय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी विरले नेता हैं। उनका अभिनंदन भी विरला होना ही था। खास बात यह थी कि पूरे रामपथ पर सड़कों के दोनों ओर भवनों को गेंदे के फूल की लड़ियों से सजाया गया था।

अयोध्या में रामपथ पर रोड शो के दौरान मौजूद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ व प्रत्याशी लल्लू सिंह। ● प्रशांत शेखर

श्रीरामलला को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने साष्टांग प्रणाम किया। अमृत विचार

रामनगरी में उतरे मोदी, अयोध्या बोली-जय-जय श्रीराम

रोड शो से माहौल राममय

अयोध्या कार्यालय। अमृत विचार : भव्य मंदिर में विराजमान बाल्य स्वरूप रामलला के दर्शन कर राम रथ पर सवार हो जैसे ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रामपथ पर उतरे अयोध्या जय-जय श्रीराम के उद्घघोष से गूंज उठी। सड़क के दोनों ओर एकत्र भीड़ उत्साहित हो गई। आतुरता से भीड़ दोनों हाथ हिला-हिला कर मोदी-मोदी करने लगी। प्राण प्रतिष्ठा के बाद अयोध्या धाम में रविवार शाम फिर एक नया इतिहास रच गया। रामलला की आस्था और श्रद्धा में डूबे लोग जय श्रीराम और अबकी बार 400 पार, मोदी जी बारम्बार के नारे लगाते हुए प्रधानमंत्री का अभिनंदन करने लगे। भीड़ का आलम यह था कि मोदी जी की एक झलक पाने के लिए लोग एक-दूसरे पर चढ़ गए। रामपथ की दाहिनी लेन पर तिल रखने की जगह भी नहीं बची। फूलों से सजे रथ पर सवार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी हाथ हिला-हिला जनसमूह का अभिवादन करने लगे। फूलों से सजे रथ पर उनके साथ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ हाथ में लाइटिंग कमल लिए और भाजपा प्रत्याशी लल्लू सिंह थे। चारों ओर जय श्रीराम गूंज रहा था। रथ के आगे भाजपा महिला मोर्चा की महिलाएं भाजपा साड़ी और सिर पर भगवा पगड़ी में चल रही थीं।

चांदी की थाली से की आरती, मिला तुलसी दल का प्रसाद

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार : पीएम मोदी ने राम मंदिर में उत्तर दिशा से मंदिर के गुड मंडप में प्रवेश किया। हाथ जोड़कर मंत्र उच्चारण करते गुलाब के पुष्प से सजी चांदी की थाली से राम लला की आरती उतारी। मुख्य पुजारी आचार्य सत्येंद्र दास ने पीएम को तुलसी दल का प्रसाद अर्पित किया। पीएम मोदी ने गर्भगृह के ठीक सामने 30 फीट की दूरी पर खड़े होकर आरती उतारी। मुख्य पुजारी के साथ सहायक पुजारी प्रेमचंद त्रिपाठी भी गर्भगृह में मौजूद रहे। चार अन्य पुजारी गुड मंडप में मौजूद रहे। श्रीराम स्तुति का मंत्र उच्चारण किया।

15 मिनट पहले रोका गया श्रद्धालुओं का दर्शन

पीएम मोदी के आगमन को लेकर राम मंदिर में 15 मिनट पहले से ही श्रद्धालुओं का दर्शन रोक दिया गया। इस दौरान राम मंदिर में पहुंचे श्रद्धालु प्रधानमंत्री आने की प्रतीक्षा करते रहे। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सदस्य डॉ. अनिल मिश्रा ने बताया कि राम मंदिर में दर्शन करने वाले श्रद्धालु दर्शन कर रहे थे। प्रधानमंत्री के आते ही सभी श्रद्धालुओं ने जय श्री राम के नारे लगाए। मंदिर में रामलला की आरती उतारी। पुजारी आचार्य सत्येंद्र दास ने रामलला को समर्पित किए गए तुलसीदल का प्रसाद अर्पित किया।

गर्भगृह में रामलला को पुष्प अर्पित करते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी।

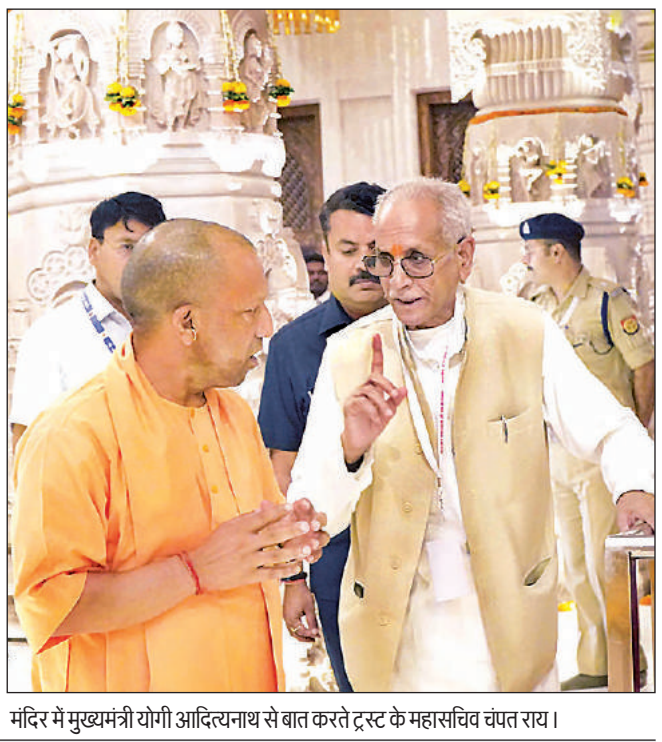

मंदिर में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से बात करते ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय।

100 क्विंटल फूल, 75 स्थानों पर पुष्प वर्षा

अयोध्या, अमृत विचार : पीएम मोदी के रोड-शो में पुष्प वर्षा के लिए भी विशेष व्यवस्था की गई थी। श्रीराम मंदिर के गेट स्थित सुग्रीव किला से लता चौक तक दो किमी. में पुष्प वर्षा के लिए 75 स्थान बनाए गए थे। पुष्प वर्षा के लिए 100 क्विंटल फूल की व्यवस्था की गई थी। हाथ के साथ मशीनों से फूलों की वर्षा की गई। पूरे राम पथ पर फूल ही फूल थे।

पीएम के अयोध्या दौरे से गदगद दिखे सीएम

अयोध्या, अमृत विचार : पीएम मोदी के अयोध्या दौरे से सीएम योगी आदित्यनाथ गदगद दिखे। रोड-शो में शामिल रहे। चेहरे की मुस्कराहट उनकी भावाभिव्यक्ति बता रही थी। सीएम योगी पीएम के आने से पहले साकेत महाविद्यालय में हैलीकॉप्टर से पहुंच गए थे। उन्होंने राम मंदिर पहुंचकर भगवान रामलला का दर्शन पूजन किया। पीएम के आने का इंतजार कर रहे थे। पीएम के आगमन के बाद वह सक्रिय दिखे। रोड-शो के पहले उन्होंने राम मंदिर के गेट पर पीएम मोदी का स्वागत किया। मुस्कराते हुए उनके साथ रथ पर सवार हुए। पूरे रोड शो के दौरान वह पीएम के साथ रहे।

बिना बोले ही सब कुछ कह गए मोदी

राजेंद्र कुमार पांडेय, अयोध्या

अमृत विचार: पीएम मोदी के दौरे में श्रद्धा भी और सियासत भी। वह बिना बोले ही वह सब कुछ कह गए, जिसकी इस समय सत्ता और सियासत को जरूरत है। वह अयोध्या, आसपास और देश को इसका संदेश भी दे गए। अब इसका असर और परिणाम लोकतंत्र के महापर्व के समाप्त होने पर दिखेगा।

चुनाव का दौर है। लगभग चार साल पहले से मोदी अयोध्या को मथ रहे हैं। फैसले के बाद से ही तय हो गया था कि लोकसभा 2024 का चुनाव एक बार फिर राम मंदिर पर लड़ा जाएगा। अयोध्या में भूमि पूजन, प्राण प्रतिष्ठा से इसको जगाया। 30 दिसंबर को रोड-शो से परवान चढ़ाने की कोशिश की। 22 जनवरी को इसे चरम पर पहुंच दिया। भाजपा की उत्तर की सियासी धारा को दक्षिण तक पहुंचाने का प्रयास किया। प्राण प्रतिष्ठा के पहले व्रत रखा। राम से जुड़े स्थलों तक यात्राएं कीं। अतीत में वनगमन को सामने रखा। श्रीराम के जरिए उनके महत्व को दक्षिण तक पहुंचाने का प्रयास किया। सांस्कृतिक राष्ट्रवाद को साथ लेकर चले। काशी तमिल संगमम के जरिए उत्तर और दक्षिण को जोड़ने की कोशिश की। 22 जनवरी के संबोधन में सलीके से राम के विराट स्वरूप को शब्दों के जरिए दर्शन कराने की कोशिश की। व्रत तोड़ा, राम के प्रति समर्पण का संदेश दिया।

चुनाव के तीन चरण के बाद फिर सत्ता और सियासत में अयोध्या और राम मंदिर की जरूरत महसूस की गई। अचानक राम लला के दर्शन और रोड शो का कार्यक्रम बन गया। पीएम मोदी रविवार को फिर राम लला के दरबार में थे। पूरी दुनिया देख रही थी। सनातन परंपरा शीर्ष पर रही। दर्शन-पूजन और समर्पण था। जमावड़ा हुआ, मोदी-मोदी के नारे लगे। श्रद्धा के साथ सियासत की बारी आई तो रथ पर सवार हो मोदी ने इसे बढ़ाने की कोशिश की। श्री राम मंदिर के पास से राम पथ पर आगे बढ़े। राम पथ के जरिए देश को राम पथ पर आगे बढ़ने का संदेश दिया। बोले कुछ नहीं मुस्कराते रहे। खुश थे, भीड़ थी, नारे थे, राम लला का आशीर्वाद था। मौन की भाषा थी, संदेश था। राम राज्य के लिए राम के साथ रहना होगा। मोदी बिना बोले ही लोकतंत्र के महापर्व में भाजपा के लिए संजीवनी दे गए। इसे वोट में तब्दील होने का परिणाम चार जून को आएगा।

रोड शो के दौरान लोगों का अभिनंदन करते पीएम नरेंद्र मोदी।

ढाई घंटे का इंतजार... लो आ गए नमो

अयोध्या, अमृत विचार : पीएम मोदी के रोड-शो को देखने के लिए लोगों ने रविवार शाम लगभग ढाई घंटे इंतजार किया। पीएम मोदी के पहुंचने पर जयकारे और जय श्री राम के नारे गूंजने लगे। पीएम मोदी का रोड शाम 7:15 बजे प्रस्तावित था। लेकिन आने और दर्शन पूजन में देर के चलते रोड शो लगभग पौने घंटे देर से लगभग आठ बजे शुरू हुआ। पीएम को रोड-शो के लिए लोगों का पहुंचना दिन के ढलान के साथ ही शुरू हो गया था। लगभग पांच बजे राम पथ के एक किनारे बनाए दर्शकों के स्थान पर लोगों की भीड़ आनी शुरू हो गई। घरों की छतों पर लोगों के स्थान लेने का क्रम भी शुरू हो गया। कुछ ही देर में हजारों की संख्या में लोग यहां जमा हो गए।

दर्शन नगर में भीषण जाम से जूझे लोग

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार : पीएम मोदी के रविवार को रोड-शो को लेकर हाईवे पर यातायात डायवर्ट कर दिया गया। दर्शननगर में लोग भीषण जाम से जूझे। देर रात तक लोग इससे निजात के लिए जूझते ही रहे। पीएम मोदी की रैली को लेकर सुरक्षा सख्त की गई थी। पीएम मोदी को सड़क मार्ग से एयरपोर्ट से शांति चौक होते हुए महोबरा से टेढ़ी बाजार से श्री राम मंदिर के गेट नंबर 11 से प्रवेश करना था। इसको लेकर रविवार शाम लगभग पांच बजे ही हाईवे पर मोहबरा से सहादतगंज के बीच यातायात रोक दिया गया। खास बात यह है कि महोबरा के पास से हाईवे के यातायात को दर्शनगर की ओर मोड़ दिया गया। इससे वाहनों की लंबी लाइन लग गई। कई लोगों को यह भी जानकारी नहीं थी कि वह लखनऊ के लिए किस रास्ते से जाएंगे। सूर्य कुंड के आगे दर्शन नगर क्रॉसिंग पर वाहनों का भीषण जाम लग गया। यहां केवल दो पुलिस कर्मी तैनात थे। संकरी सड़क और तीन चार किमी. तक वाहनों को लंबा जाम। जाम ऐसा था कि बाइक सवार भी नहीं निकल पा रहे थे। इसे व्यवस्था की अदूरदर्शिता ही कहा जाएगा। कि वाहनों को मोड़ तो दिया गया लेकिन आगे बताने की भी व्यवस्था नहीं की गई। कई वाहन तो अकबरपुर की ओर कई किमी जाने के बाद वापस लौटे। यातायात को डायवर्ट करने के कारण महज तीन किमी. पर शहर पहुंचने की बजाए आठ किमी. चलना पड़ा। बताया गया है कि भीषण जाम की खबर पर दारोगा और पुलिस कर्मियों को भेजा गया, लेकिन इस जाम को छूटने में घंटों लग गए। पुलिस कर्मियों का कहना था कि लाइन बहुत लंबी है इसलिए देर लग रही है।

नजरिया दर्शन करने आए श्रद्धालुओं ने कहा मोदी अगर राम हैं तो योगी हनुमान, इस बार 400 पार का नारा हुआ बुलंद

रामलला से यही विनती मोदी फिर आएं

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रोड-शो पर अयोध्या धाम दर्शन करने आए श्रद्धालुओं ने बढ़ चढ़कर बात की। उन्होंने देश में मोदी और उत्तर प्रदेश में योगी की उपस्थिति को सनातन धर्म के विजय प्रतीक माना। राममंदिर निर्माण के साथ विकास की भी खूब सराहना की।

मदन मोहन त्रिपाठी

अयोध्या धाम का नजारा मोदी मय हो गया। रविवार को श्रद्धालुओं का आगमन अधिक होता है। उस पर मोदी का रोड-शो सोने पर सुहागा साबित हो गया। रामपथ मोदी-योगी के नारे से गुंजायमान हो गया था। जगह-जगह मोदी के स्वागत के लिए हर 50 मीटर पर एक मंच बनाया गया था। जिससे फूलों की वर्षा हीं नहीं की गई बल्कि सांस्कृतिक कार्यक्रम भी हुए। देवरिया से दर्शन करने के लिए आए मदन मोहन मनी त्रिपाठी ने कहा सनातन धर्म को जीवित रखने के लिए मोदी-योगी की जोड़ी बहुत जरूरी है। मोदी आज के युग के राम और योगी हनुमान हैं। हिंदुस्तान के ऋषि मुनियों की कल्पना थी कि भारत में सनातन धर्म का उदय हो। उनकी कल्पना को साकार करने का दोनों कर रहे हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इंतजार में खड़े लोग। अमृत विचार

मोदी के लिए रामलला से की प्रार्थना

विनोद बाला

हरियाणा के फरीदाबाद जिले से परिवार सहित पहुंचीं विनोदबाला ने कहा अयोध्या धाम बहुत सुंदर दिख रहा है। मोदी ने अयोध्या के साथ देश में भी अच्छा काम किया है। इसलिए सनातन धर्म के लिए मोदी को फिर से सत्ता में लाना होगा। रामलला से मोदी के लिए यहीं प्रार्थना की है।

भव्य नगरी बना अयोध्या

रंजना गुप्ता

बस्ती से दर्शन करने परिवार सहित आईं रंजना गुप्ता ने कहा अयोध्या की पहचान भव्य नगरी के रूप में पहचान बन चुकी है। यहां आना बहुत अच्छा लग रहा है। मोदी ने अच्छा काम किया है। यहां सभी सुविधाओं का अच्छा ख्याल रखा गया है।

जो राम को लाए हैं उन्हें फिर से गद्दी पर बैठाएंगे

मंजू पांडेय

गोपालगंज से आईं मंजू पांडेय ने कहा कि मोदी को फिर से जिताना है। जो राम को लाए हैं उन्हें ही देश की सर्वोच्च गद्दी पर बैठने का अधिकार है। अयोध्या धाम की खूबसूरती और राम लला का भव्य मंदिर इस बात का प्रमाण है। जो कहा है वो कर दिया है।

सिर्फ मोदी-योगी का योगदान

आशीष गुप्ता

कानपुर के श्रद्धालु आशीष गुप्ता परिवार सहित अयोध्या दर्शन करने आए थे। उन्होंने कहा कि अयोध्या धाम अब सनातन नगरी लग रही है। बहुत अच्छा लग रहा है। इस नगरी को बनवाने में सिर्फ मोदी और योगी का योगदान है।

मोदी का काम सराहनीय

जितेंद्र गुप्ता

आजमगढ़ से अपने दोस्तों के साथ अयोध्या धाम में दर्शन करने आए जितेंद्र गुप्ता ने कहा अयोध्या नगरी बहुत भव्य दिख रही है। अभी सिर्फ टीवी पर देख रहे थे। वास्तविक तौर से अयोध्या दिव्य और भव्य लग रही है। मोदी का काम बहुत सराहनीय है। इस बार 400 पार का नारा सफल होगा।

मोदी फिर से आएंगे सत्ता में

कृष्ण मोहन राय

गोरखपुर से आए कृष्ण मोहन राय ने कहा अयोध्या धाम की खूबसूरती का बखान जितनी भी किया जाए कम है। अयोध्या वासियों के सौभाग्य की बात है। मोदी को वास्तविक तौर से देखना भी सौभाग्य है। इस बार भी मोदी फिर से सत्ता में आएंगे, ऐसा विश्वास है।

रोड-शो देखने तीन किमी पैदल चलकर पहुंचे लोग

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार: पीएम मोदी के रोड-शो को देखने के लिए ग्रामीण इलाके से आए लोग तीन किमी. से ज्यादा पैदल चलकर पहुंचे। सभी में मोदी को देखने का उत्साह था।

रोड-शो में गांव से लोगों को लाने के लिए वाहनों की व्यवस्था की गई थी। बसों के साथ दूसरे वाहन इसमें शामिल थे। रोड-शो राम पथ पर होना था। इन वाहनों को रोके जाने के लिए कांशीराम कॉलोनी के पास स्थान का चयन कर स्टैंड बनाया गया था। शाम छह बजे तक आसपास के क्षेत्रों में सैकड़ों की संख्या में वाहन पहुंच चुके थे। यहां उतरने वाले लोगों को कांशीराम कॉलोनी के पास कार्यशाला के पास से होते हुए जाने का मार्ग दिया गया था। मार्ग के किनारे सड़क की खुदाई होने से धूल से परेशान भी हुए। गांव से आए महिला, पुरुष, बच्चे धूल भरी इसी सड़क से पैदल तीन किमी से ज्यादा दूरी चलकर रोड शो देखने के लिए राम पथ पर पहुंचे। उनके हाथ में भाजपा के झंडे और चेहरों पर मुस्कान थी। उत्साहित लोगों का कहना था मोदी को नजदीक से देखेंगे।

रोड शो में पीएम नरेंद्र मोदी को देखने के लिए अयोध्या जाते लोग।

एक नजर

दो युवकों पर युवती को भगाने का केस दर्ज

कादीपुर, सुलतानपुर, अमृत विचार : दो युवकों द्वारा एक युवती को बहला फुसला कर भगा ले जाने का मामला प्रकाश में आया है। कोतवाली क्षेत्र के एक गांव की एक युवती को बीते 30 अप्रैल को दो युवक बहला फुसला कर भाग ले गए। युवती के पिता की रविवार को दी गई तहरीर पर कोतवाली पुलिस ने संदीप एवं विशाल के विरुद्ध केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

रिटायर्ड कर्मचारियों को किया गया सम्मानित

सुलतानपुर, अमृत विचार : श्री विश्वनाथ ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स कलान के तत्वावधान में रविवार को कर्मचारी सम्मान समारोह कार्यक्रम आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि प्रबंधक शशि प्रकाश सिंह एवं संस्थान के प्रबंध निदेशक डॉ. वेद प्रकाश सिंह 'राजू भईया' रहे। प्रबंधक ने कहा कि संस्थान की उत्तरोत्तर प्रगति एवं विद्यार्थियों के भविष्य एवं चरित्र निर्माण हेतु कर्मचारियों की भूमिका मुख्य होती। इस मौके पर प्रशासनिक अधिकारी अतुल सिंह, प्राचार्य डॉ. मनोज सिंह, डॉ. ज्ञानेन्द्र सिंह, वैभव प्रताप सिंह आदि मौजूद रहे।

500 से अधिक विद्यार्थियों को दी गयी छात्रवृत्ति

सुलतानपुर, अमृत विचार : रविवार को श्री विश्वनाथ ग्रुप ऑफ इन्स्टीट्यूशन्स कलान के अन्तर्गत संचालित श्री विश्वनाथ पीजी कॉलेज परिसर में श्री विश्वनाथ छात्रवृत्ति वितरण योजना कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम के अन्तर्गत विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी मेधावी व आर्थिक रूप से पिछड़े विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य हेतु संस्थान द्वारा 500 से अधिक विद्यार्थियों को छह लाख 61 हजार रुपये की छात्रवृत्ति कॉलेज के प्रबंधक शशिप्रकाश सिंह एवं संस्थान के प्रबन्ध निदेशक डॉ. वेद प्रकाश सिंह ने प्रदान किया।

11 लाख के जेवरात के साथ चार बदमाश गिरफ्तार

पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर बस यात्रा के दौरान हुई थी चोरी, बस्ती जनपद के रहने वाले हैं पीड़ित सर्राफ

संवाददाता, सुलतानपुर

अमृत विचारः पूर्वांचल एक्सप्रेस वे पर बस पर यात्रा के दौरान सर्राफ से चोरी गए लाखों के जेवरात के साथ पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। उनके पास से देशी तमंचा और कारतूस भी बरामद हुआ है। बदमाशों के कब्जे से लगभग 11 लाख रुपए कीमत के सामान बरामद हुए है। बदमाशों को न्यायालय के आदेश पर जेल भेज दिया गया है।

बस्ती जिले के हरैया थाना क्षेत्र के 52 दावरपारा निवासी राहुल त्रिपाठी पुत्र नागेन्द्रनाथ त्रिपाठी की कृष्णा ज्वैलर्स नाम से कानपुर के बिरहाना रोड 58/88 दूसरे तल पर होलसेल की दुकान है। वह एक मई को एक बैग में कुछ डायमंड, सोने-चांदी के जेवरात लेकर बस से अकबरपुर सामान दिखाने जा रहे थे। रास्ते में उन्हें सुलतानपुर में भी कुछ काम था। वह सुलतानपुर में रात करीब 11:45 बजे किमी संख्या 123 पर उतरने लगे। इस बीच देखा कि जेवरातों से भरा बैग नहीं है। उन्होंने बताया कि रास्ते में उन्हें नींद आ गई थी। इस बीच उनका बैग किसी ने चोरी कर लिया। पुलिस ने जेवरात चोरी का तीन मई को अभियोग पंजीकृत किया। अपर पुलिस अधीक्षक अरुण चंद्र ने बताया कि केस दर्ज होने के बाद जांच में

पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर चलती बस में हुई चोरी का खुलासा करते एएसपी अरुण चंद्र।

प्रकाश आए आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए टीम का गठन किया गया। कूरेभार थाना प्रभारी निरीक्षक अमित कुमार मिश्रा के नेतृत्व में गठित टीम ने रविवार को मुजेश अंडर पास से सुबह 8:10 बजे चोरी के जेवरात समेत चारों आरोपियों को गिरफ्तार किया। सभी कोर्ट के आदेश पर जेल भेज दिया गया।

पुलिस ने बताया कि पकड़े गए बदमाशों में मो. सोनू निवासी धनापुर जनपद प्रयागराज, अंकुर उपाध्याय निवासी रामपुर अहिरौली थाना हैदरगंज जनपद अयोध्या, रूद्र सिंह निवासी सेमरी बल्लीपुर थाना हैदरगंज जनपद अयोध्या, धर्मेन्द्र कुमार सोनी निवासी खाले का पुरवा थाना कोतवाली अयोध्या जनपद अयोध्या का रहने वाला है। इनके कब्जे से चोरी के जेवरात 57.33 ग्राम सोना व एक किलो 431.10 ग्राम चांदी, एक लाख 72 हजार रुपया नगद, कुल कीमत लगभग-11 लाख रुपए बरामद कर किए गए। बदमाशों के कब्जे से दो देशी तमंचा और दो कारतूस भी कब्जे में लिया गया है।

दो के खिलाफ पशु क्रूरता का केस, कंटेनर सीज

सुलतानपुर : जिले के जयसिंहपुर कोतवाली क्षेत्र के पूर्वांचल एक्सप्रेस वे पर शनिवार की सुबह पुलिस को एक कंटेनर मिला था। जांच पड़ताल के दौरान कंटेनर में भैंसे लदे मिले थे। कंटेनर से भैंसों को उतारने के दौरान पांच मृत पाए गए थे, जबकि 24 जीवित मिले थे। जिस पर उपनिरीक्षक सुबोध कुमार यादव ने कंटेनर में मिले शामली जिले के झिंझाना थाना क्षेत्र के टपराना निवासी हाविद व मुजफ्फर नगर के शाहपुर थाना क्षेत्र के टावली निवासी आसिफ के खिलाफ पशु क्रूरता अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज करवाया है। वहीं कंटेनर के कागजात न मिलने पर मोटर वाहन अधिनियम के तहत सीज कर कब्जे में ले लिया है।

किशोरी को अगवा करने में पिता-पुत्र पर केस दर्ज

मोतिगरपुर, सुलतानपुर, अमृत विचारः मोतिगरपुर पुलिस ने शादी के लिए किशोरी को जबरन अगवा करने का मुकदमा पिता-पुत्र के खिलाफ दर्ज कर लिया है। बुधवार की सुबह 17 वर्षीय किशोरी से शौच के लिए घर से निकली थी। दोपहर तक वापस नहीं लौटी। दो दिन बाद पता चला है कि उसकी बेटी को कोतवाली कादीपुर के बनकेगांव निवासी गप्पू और उसका पिता राजेन्दर बहला फुसलाकर कहीं लेकर चले गए थे। पर, वह लोग उसे अपने घर में रखे हैं। पुलिस ने किशोरी को शादी के लिए भाग ले जाने का केस दर्ज किया है। थानाध्यक्ष ज्ञानचंद शुक्ला ने बताया कि पीड़ित पिता की शिकायत पर केस दर्ज करके आरोपी की तलाश की जा रही है।

बाइक सवार दंपति पर धारदार हथियार से हमला

चांदा, सुलतानपुर

▸▸ गंभीर हालत में दंपति मेडिकल कॉलेज किए गए रेफर

अमृत विचारः शनिवार देर रात कादीपुर कस्बे से लौट रहे बाइक सवार दंपति पर बदमाशों ने रास्ते में धारदार हथियार से हमला कर दिया। इस हमले में पति-पत्नी गंभीर रुप से घायल हो गए। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

थाना क्षेत्र के सराय मंगा गांव निवासी धर्मेन्द्र कुमार पुत्र रामसुख कादीपुर कस्बे में लांड्री की दुकान करते है। वहां से शनिवार की रात वह अपनी पत्नी के साथ बाइक से घर लौट रहा था। रास्ते में चांदा कोतवाली क्षेत्र के शाहपुर जंगल के पास दो अज्ञात बदमाशों ने उन पर हमला कर दिया। इसमे दोनों गम्भीर रूप से घायल हो गए। घायलों को लोगो की मदद से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र प्रतापपुर कमैचा में भर्ती कराया गया। जहां पर चिकित्सकों ने हालत नाजुक देख मेडिकल कालेज सुलतानपुर रेफर कर दिया। थानाध्यक्ष कोतवाली चांदा रविन्द्र सिंह ने बताया कि प्रकरण संज्ञान में है, मामले की जांच की जा रही है। घायलों को उपचार के लिए हॉस्पिटल भिजवाया गया है।

आयुष्मान भव स्वास्थ्य मेले में मरीजों का उपचार

सुलतानपुर, अमृत विचारः सीएचसी जयसिंहपुर के अंतर्गत आने वाले सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर रविवार को आयुष्मान भव मेले का आयोजन किया गया। नोडल चिकित्सा अधिकारी डॉ. दिग्विजय सिंह ने बताया कि आयुष्मान भव स्वास्थ मेले में बुखार, टीवी, सुगर, हाई ब्लड प्रेशर, खून की कमी (एनीमिया), लीवर की समस्या, अस्थमा, सांस फूलने की बीमारी व अन्य बीमारियों से पीड़ित मरीजों का निःशुल्क जांच कर उन्हें दवाइयां वितरित की गई। मेले में जयसिंहपुर सीएचसी पर 157 सेमरी बाजार में 70, बेलहरी में 73, जासापारा 78, हयातनगर में 65 मरीजों का निःशुल्क उपचार कर उन्हें दवाइयां वितरित की गई।

13 से 16 मई तक कराई जाएगी होम वोटिंग

● होम वोटिंग की सुविधा के लिए मतदान कार्मिकों को दी गई ट्रेनिंग

संवाददाता, सुलतानपुर

अमृत विचारः जिले में 13 से 16 मई तक होम वोटिंग कराई जाएगी। 85 प्लस उम्र के वृद्धजन एवं 40 प्रतिशत प्लस दिव्यांग घर से मतदान कर सकेंगे। होम वोटिंग की सुविधा के लिए मतदान कार्मिकों का प्रशिक्षित किया गया है। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर जिला निर्वाचन अधिकारी कृत्तिका ज्योत्स्ना ने इसके लिए विधानसभा वार कुल 35 टीमों का गठन किया है।

मुख्य विकास अधिकारी अंकुर कौशिक ने बताया कि अनुपस्थित मतदाताओं 85 प्लस उम्र के बुजुर्ग एव 40 प्रतिशत से अधिक दिव्यांग

होम वोटिंग के लिए दिए जा रहे प्रशिक्षण में मौजूद मतदान कार्मिक। अमृत विचार

मतदाताओं को पोस्टल बैलेट के माध्यम से मतदान करने का लक्ष्य रखा गया है। फॉर्म 12 डी के माध्यम से घर पर ही मतदान करने की सुविधा उपलब्ध कराने के सम्बन्ध में विकास भवन स्थित प्रेरणा सभागार में कार्मिकों को प्रशिक्षण दिया गया है। प्रशिक्षण में नोडल अधिकारी पोस्टल बैलेट-अपर उप जिलाधिकारी प्रवीन कुमार ने होम वोटिंग के बारे में विस्तृत जानकारी दी। कहा कि 13 से 16 मई यह सुविधा उपलब्ध करायी जाएगी। इसके लिये विधानसभावार कुल-35 टीमें गठित की गई हैं। विधानसभा 188-सुलतानपुर में नौ टीमें, विधानसभा 191-कादीपुर में सात टीमें, विधानसभा 190-लम्भुआ में चार टीमें, विधानसभा 187-इसौली में पांच टीमें, विधानसभा 189-सदर जयसिंहपुर के लिये पांच टीमें गठित की गयी हैं। कलेक्ट्रेट परिसर से 13 से 16 मई तक विधानसभा वार टीमें प्रातः सात बजे से सायं 7.30 बजे तक घर-घर जाकर अनुपस्थित मतदाताओं का मतदान कराएंगी। प्रतिदिन पोस्टल बैलेट कोषागार सुलतानपुर में जमा होगा। इस कार्य में कुल रिजर्व सहित 105 मतदान कार्मिक लगाये गये हैं। संसदीय निर्वाचन क्षेत्र 38- सुलतानपुर अन्तर्गत कुल 85 प्लस उम्र के वृद्धजन वोटर की संख्या-445 एवं 40 प्रतिशत प्लस दिव्यांग मतदाताओं की संख्या-298 है। इस प्रकार कुल अनुपस्थित मतदाताओं की संख्या 743 है।

मतदान के लिए प्रेरित करें अधिवक्ता

● तहसील के अधिवक्ता सभागार में संवाद गोष्ठी का आयोजन

कादीपुर, सुलतानपुर

अमृत विचारः तहसील के अधिवक्ता सभागार में मतदाताओं को जागरूक करने एवं मतदान प्रतिशत में वृद्धि हो इसके लिए अधिवक्ताओं के साथ संवाद गोष्ठी का आयोजन किया गया।

मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रांत प्रचारक रमेश ने संवाद कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि अधिवक्ता समाज का एक प्रबुद्ध वर्ग है। अधिवक्ताओं की बात समाज सुनता है और गंभीरता से लेता है। घट रहा मतदान प्रतिशत चिंताजनक है। इसलिए अधिवक्ताओं को छोटी-छोटी गोष्ठियां कर मतदान

अधिवक्ता संघ भवन में मतदाता जागरूकता को लेकर आयोजित की गई संगोष्ठी।

प्रतिशत बढ़ाने में सहायता करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि लोकमत का प्रशिक्षण व परिष्कार आवश्यक है। जाति, मत व मजहब से ऊपर उठकर मतदान करें। उन्होंने कहा कि प्रकृति संस्कृति व परंपरा की प्रकाश में जो शिक्षा मिलती है, वह नागरिक कर्तव्य बोध कराता है। लोकमत को जागृत करने का दायित्व समाज के प्रबुद्ध वर्ग का है। देश में वामपंथी विचारधारा के लोग आर्थिक सर्वे के नाम पर वर्ग संघर्ष की स्थिति को उत्पन्न करना चाह रहे हैं। सनातन विरोधी शक्तियां किसी भी दृष्टि में राष्ट्रहित में नहीं है। इस दौरान विभाग प्रचारक प्रकाश, बार के पूर्व अध्यक्ष जयशंकर तिवारी, विजय शंकर पांडेय, दयाराम पांडेय, संदीप अग्रहरि, बिंदेश्वरी त्रिपाठी, दिवाकर सिंह, राज किशोर आदि मौजूद रहे।

जवान ने सेना में नौकरी के नाम पर हड़पे रुपये, केस

सुलतानपुर, अमृत विचारः सेना के जवान से फेसबुक दूसरे जवान ने दोस्ती कर ली। पहने जवान ने बातचीत के दौरान सेना में भर्ती कराने के नाम पर दूसरे जवान से पैसे ले लिए। जब काम नहीं हुआ तो पैसे वापस मांगने पर पहले जवान ने धमकी देते हुए पैसा भूल जाने की बात कही। जिस पर सेना के जवान ने एसपी को शिकायती पत्र देकर कार्रवाई की मांग की है।

चांदा थाना क्षेत्र के शफीपुर भीटी गांव निवासी फूलचंद्र यादव जो की सेना में कार्यरत है। एसपी को शिकायती पत्र देते हुए उन्होने बताया कि दो वर्ष पहले फेसबुक पर सेना का लोगों देख दोस्ती कर ली। बातचीत के दौरान उसने अपना नाम संदीप सिंह निवासी पिपरा गौतम ज़िला बस्ती बताया। इसी बीच छोटे भाई व तीन अन्य साथियों को सेना में भर्ती कराने के लिए बात हुई। जिस पर संदीप के खाते में 20 लाख रुपये और 10 लाख रुपये नगद दिया। जब संदीप सेना में भर्ती नहीं करा पाएं तो पैसा मांगा जाने लगा। जिस पर संदीप ने गाली गलौज देते हुए धमकी दी। आरोप है कि संदीप ने कहा कि मेरी सरकार है पैसा भूल जाओ। सायबर क्राइम प्रभारी प्रवीण कुमार यादव ने संदीप सिंह के खिलाफ धोखाधड़ी साहित अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है।

अग्निकांड पीड़ितों को पहुंचाई राहत सामग्री

कूरेभार, सुलतानपुर, अमृत विचारः कूरेभार के ग्राम सभा भटवारा के बनराजा का पुरवा में अग्नि कांड में 21 परिवारों का सब कुछ जलकर राख हो गया है। रेडक्रास सोसाइटी के चेयरमैन डॉ. डीएस मिश्रा ने आपदा प्रबंधन समिति के पदाधिकारियों व सदर तहसीलदार व लेखपाल के साथ ग्राम सभा भटवारा वनराजा पुरवा में पहुंची। भटवारा प्रधान संदीप यादव के साथ मुसहर बस्ती अग्नि पीड़ित में दैनिक वस्तु टूथपेस्ट, ब्रश, तेल, नहाने का साबुन, कपड़ा धोने का साबुन, हाइजीन किट धोती टी-शर्ट आदि मनोहर, मनोज, बलराम, तारा देवी, आसाराम, रामरहीश, नान्हू, रेनू और रमाशंकर आदि को उपलब्ध कराया गया।

सार-संक्षेप

गोसाईगंज में क्रिकेट प्रतियोगिता की हुई शुरुआत। अमृत विचार

किंग्स इलेवन व बीकेआर ने जीते अपने मैच

▸▸ बाबूगंज प्रीमियर लीग टूर्नामेंट की हुई शुरुआत

गोसाईगंज, सुलतानपुर, अमृत विचार : विकासखंड कूरेभार के बाबूगंज बाजार में आईपीएल की तर्ज पर बीपीएल (बाबूगंज प्रीमियर लीग) का आयोजन किया गया। जिसका शुभारंभ बसपा प्रत्याशी उदराज वर्मा ने किया। पहला मैच बाबूगंज कैपिटल और किंग्स 11 बाबूगंज के बीच खेला गया। पहले बैटिंग करते हुए निर्धारित 10 ओवरों में बाबूगंज कैपिटल 110 रन का लक्ष्य दिया। किंग्स इलेवन बैटिंग करने उतरी तो लक्ष्य को सातवें ओवर में ही हासिल कर लिया। वहीं दूसरे मैच में रॉयल चैलेंजर बाबूगंज और बीकेआर के बीच में खेला गया। पहले बैटिंग करते हुए आरसीबी की टीम निर्धारित 10 ओवरों में 128 रन का लक्ष्य रखा। बीकेआर की टीम ने निर्धारित ओवरों में लक्ष्य को हासिल कर विजय प्राप्त की। इस मौके पर शरेयर, अजहर, संदीप, शौकत, सचिन, किशन, सुभाष, गणेश, अमरजीत, राहुल, सुनील व अनिल आदि मौजूद रहे।

नंद के आनंद भयो, जय कन्हैयालाल की...

▸▸ श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव की कथा सुन झूमे श्रद्धालु

लंभुआ, सुलतानपुर, अमृत विचार : क्षेत्र के बहमरपुर में श्री धाम अयोध्या से पधारे स्वामी गजानंद शास्त्री जी महराज ने कथा के चौथे दिन भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव तक की कथा सुनाई। कृष्ण जन्म के प्रसंग शुरू होते ही पांडाल में मौजूद श्रद्धालु नंद के आनंद भयो जय कन्हैयालाल की भजनों के साथ झूम उठे।महराज ने कहा की जब जब धरा पर अत्याचार, दुराचार, पापाचार बढ़ता है, तब-तब प्रभु का अवतार होता है। प्रभु का अवतार अत्याचार को समाप्त करने और धर्म की स्थापना के लिए होता है। मनुष्य इस सांसारिक मोह में फस कर अपने जीवन को व्यर्थ गंवा देता है। मनुष्य अपने मन के कुविचारों को निकाल कर परमेश्वर का ध्यान लगाता है तो वह मोक्ष की प्राप्ति करता है। कथा के दौरान फूलों की होली खेली गई और भगवान श्री कृष्ण के जयकारों के साथ भगवान श्री कृष्ण का जन्म उत्सव बड़े ही धूमधाम के साथ मनाया गया। इस दौरान कथा पंडाल को भव्य तरीके से सजाया गया। इस मौके पर आचार्य भोलानाथ पाण्डेय, पंडित हिमांशु तिवारी, शिवम मिश्रा, जयशंकर दूबे आदि मौजूद रहे।

स्कूल बस चालक की पिटाई, केस दर्ज

मोतिगरपुर, सुलतानपुर, अमृत विचार : त्रिभुवन देवी अकेडमी की बस लेकर चालक अमित मिश्र पुत्र रामफेर मिश्र निवासी रानीपुर कायस्थ थाना कोतवाली कादीपुर बच्चों को छोड़ने प्रतिदिन की तरह निकाला था। शुक्रवार को दोपहर 2 बजे के करीब मोतिगरपुर थाना क्षेत्र के दियरा चौराहे से 50 मीटर दूर पीढ़ी रोड पर पहुंचा था कि रोड पर थाना क्षेत्र के गोदलपुर निवासी अंकित वर्मा पुत्र सुभाष वर्मा भूसा लदा ट्रैक्टर रास्ते में खड़ा किए थे, जिससे मार्ग अवरुद्ध था। बस चालक ने रास्ते से ट्रैक्टर को हटाने को कहा, लेकिन कुछ देर तक ट्रैक्टर न हटने से परेशान होकर बस चालक ने पुलिस बुलाने की बात कही। जिस पर नाराज होकर अंकित वर्मा वहां उपस्थित अपने चार अन्य साथियों को लेकर बस चालक अमित मिश्र को घसीट कर मारने लगे। इस दौरान पुलिस को आता देख लोग बस में बच्चों व ड्राइवर को जान से मारने की धमकी देते हुए भाग गए। त्रिभुवन देवी अकादमी के प्रबंधक अरुण सिंह पुत्र सभाजीत सिंह की शिकायत पर पुलिस ने नामजद अंकित वर्मा व चार अन्य के खिलाफ जान से मारने की धमकी सहित अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। थानाध्यक्ष ज्ञानचंद शुक्ला ने बताया कि शिकायत दर्ज की गई है। जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

आग से 50 बीघा जंगल हुआ राख

संवाददाता, मूसानगर (कानपुर देहात), अमृत विचार। थाना क्षेत्र के गुढ़ा शेरपुर के जंगलों में आग लग गई। धुआं उठता देख लोगों को जानकारी हुई। आग गुढ़ा शेरपुर व बम्हरौली तक करीब 50 बीघा जंगल में फैल गई। सूचना पर पहुंची दमकल व पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से आग पर काबू पाया। गुढ़ा शेरपुर गांव निवासी मोहन शाह, राजाराम, देवीदयाल, मुंशीलाल, राजाबाबू आदि ने बताया कि रविवार दोपहर गांव के पास जंगल से अचानक धुआं दिखाई दिया। जब मौके पर जाकर देखा तो आग की ऊंची लपटें उठ रही थी। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया। जिस ओर हवा चलती उसी ओर आग बढ़ने लगती। आग गुढ़ा शेरपुर के जंगलों से शुरू होकर बम्हरौली, भरतौली के तरफ जंगलों में बढ़ने लगी। खरपतवार, पेड़-पौधे आदि जल गए हालांकि फसलों को नुकसान नहीं हुआ। दमकल व पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से घंटों मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। इस बाबत लेखपाल शिवम निगम ने बताया कि जंगल में आग लगी थी।

बूथ अध्यक्ष हैं संगठन की रीढ़ व ताकतः प्रदेश महामंत्री

संवाददाता, सुलतानपुर, अमृत विचारः सुलतानपुर विधानसभा के बूथ अध्यक्ष सम्मेलन को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि भाजपा प्रदेश महामंत्री व एमएलसी गोविन्द नारायण शुक्ला ने कहा कि बूथ अध्यक्ष संगठन की रीढ़ व ताकत है। शहर के जेल रोड स्थित एक मैरिज लान में आयोजित बूथ सम्मेलन में प्रदेश महामंत्री श्री शुक्ला ने कहा भाजपा कार्यकर्ताओं की पार्टी हैं। जिसमें बूथ अध्यक्ष संगठन के संविधान का प्रमुख अंग हैं।

उन्होंने कहा भाजपा एक ऐसी पार्टी है जिसमें बूथ अध्यक्ष अपनी संगठनात्मक क्षमता व कुशलता बल पर राष्ट्रीय अध्यक्ष के पद तक पहुंच सकता है। उन्होंने कहा यहां कि सांसद मेनका संजय गांधी को अभूतपूर्व जीत दिलाने में बूथ अध्यक्ष और उनकी समिति का महत्वपूर्ण योगदान होगा। एमएलसी श्री शुक्ला ने बूथ अध्यक्षों से घर-घर संपर्क कर मतदाता पर्ची पहुंचाने का आह्वान किया। पूर्व केंद्रीय मंत्री व सांसद मेनका संजय गांधी ने भी सम्मेलन को संबोधित करते हुए प्रत्येक बूथ पर 425 वोट और 65 प्रतिशत मतदान करने के लिए अभी से तैयारी करने को कहा। सम्मेलन की अध्यक्षता करते हुए जिलाध्यक्ष डॉ आरए वर्मा ने कार्यक्रम की प्रस्तावना रखते हुए कहा 18-19 दिन का चुनाव बचा है।

परशुराम जयंती समारोह को लेकर हुई बैठक

सुलतानपुर, अमृत विचारः रविवार को बढ़ैयाबीर कार्यालय पर जागृति ब्राम्हण समाज ने आवश्यक बैठक आयोजित की। बैठक की अध्यक्षता राष्ट्रीय अध्यक्ष पं. रूपेश शुक्ल ने किया। बैठक में आगामी 10 मई को विगत 26 वर्षों की भांति इस वर्ष भी भगवान परशुराम जयंती समारोह मनाने का निर्णय लिया। आयोजन स्थल पं. राम नरेश त्रिपाठी रखा गया है। बैठक में 21 जरूरतमंद ब्राह्मणों की बेटियों के विवाह हेतु सहयोग राशि देने के लिए नाम का चयन किया गया और भगवान परशुराम जयंती के दिन ही उन्हें सहयोग राशि प्रदान की जायेगी। इस मौके पर प्रांतीय संरक्षक पं. लालजी शुक्ल व सत्य नरायण पांडेय आदि मौजूद रहे।

रचना मिस तो दुर्गेश बने मिस्टर फेयरवेल

● वनस्पति विज्ञान विभाग में आयोजित किया गया विदाई समारोह

संवाददाता, सुलतानपुर

अमृत विचारः कमला नेहरू संस्थान के वनस्पति विज्ञान विभाग में रविवार को एमएससी के छात्रों ने विदाई समारोह फिस्टा का आयोजन किया। शुभारंभ डॉ शालिनी सिंह ने शिक्षा की देवी मां सरस्वती एवं इस संस्थान के संस्थापक बाबू केएन सिंह के प्रतिमा पर माल्यार्पण के साथ किया।

डॉ ओबैद ने कहा कि विदाई समारोह का आयोजन प्रत्येक वर्ष स्नातक पूर्वार्द्ध के छात्रों द्वारा उत्तरार्द्ध छात्रों के लिए किया जाता है। इस अवसर पर छात्रों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों को प्रस्तुत

केएनआई में विदाई समारोह में सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करतीं छात्राएं।

किया। कार्यक्रम में मंच का संचालन साक्षी दुबे एवं राधा तिवारी ने किया। विभाग के शिक्षक डॉ मनोज कुमार ने छात्रों को भविष्य में आने वाली चुनौतियों के बारे में अवगत कराया एवं उनसे गंभीरता के साथ निपटने के सभी हुनर को बताए। कार्यक्रम का अन्त मिस फेयरवेल और मिस्टर फेयरवेल के चुनाव के साथ हुआ। इसमें रचना मिश्रा को मिस फेयरवेल तथा दुर्गेश पांडेय को मिस्टर फेयरवेल चुना गया। इस कार्यक्रम में विभाग के शिक्षक अभिषेक मिश्र, नंदिनी सिंह, सपना मिश्रा एवं राहुल यादव आदि उपस्थित रहे।

अनदेखी भीषण गर्मी में बेजुबानों के सामने पीने के पानी का संकट गहराया

गांवों में नल तो तालाबों में जल की स्थिति खराब हुई

संवाददाता, सुलतानपुर

अमृत विचारः जिले की जयसिंहपुर तहसील क्षेत्र की अनेकों ग्राम पंचायतों में मुख्यमंत्री जल संरक्षण अभियान के तहत आदर्श जलाशय व अन्य मदों में बड़े पैमाने पर तालाबों की ख़ुदाई करायी गयी थी। जिसका उद्देश्य सिर्फ़ जल संग्रहण करना व ग्रामीण क्षेत्र के किसानों के पालतू जानवरों के पीने व स्नान करने हेतु जल उपलब्ध कराना था। सरकार ने इन अमृत सरोवर के निर्माण में लाखों रुपये खर्च किये, लेकिन ये रुपये जो इन जलाशयों के निर्माण कार्य मे खर्च किये गये आज पूरी तरह

जयसिंहपुर तहसील क्षेत्र में सूखा अमृत सरोवर। अमृत विचार

से बर्बाद नजर आते हैं। क्योंकि गर्मी के शुरुआती दौर में ही जब ये अमृत सरोवर सूखे पड़े हैं तब आगे तो अभी और भी भयंकर गर्मी का सामना करना पड़ेगा। अब ऐसे में जब इंसान पानी-पानी करने लगता है तो फिर जानवरों का क्या होगा।

सरकार व प्रशासन द्वारा निर्धारित समय में ग्रामीण क्षेत्रों के इण्डिया मार्का टू हैंडपम्पों को बनवाने की जिम्मेदारी ग्राम पंचायत अधिकारियों व सचिवों को

> सूखे हुए अमृत सरोवर भराये जाएंगे। साथ ही खराब हैंडपंप मरम्मत कराने का आदेश दिया गया है। जल्द ही व्यवस्था दुरूस्त दिखेगी।
> –विपिन कुमार द्विवेदी, एसडीएम जयसिंहपुर

सौंपी गई है। अपर मुख्य सचिव पंचायतीराज ने सख्त हिदायत दी है कि यदि किसी भी गांव में कोई नल सात दिनों से अधिक समय तक ख़राब रहेगा तो तत्काल उस संबंधित अधिकारी या कर्मचारी के खिलाफ कार्रवाई की जायेगी। सरकार की इतनी सख्ती के बाद भी ग्रामीण क्षेत्र में कार्यरत कर्मचारियों व अधिकारियों के ऊपर कोई असर नही पड़ता है। आज भी कई गांवों के नल दो-तीन महीने से खराब पड़े हैं। भयंकर गर्मी पड़ने के बावजूद कोई इनका हाल लेने वाला नही है। ऐसे में सरकार के सभी दावे खोखले साबित हो रहे हैं और सब ढोल के भीतर पोल नजर आ रहा है।

जयसिंहपुर में खराब पड़े 200 हैंडपंप

एडीओ पंचायत रामजी लाल के मुताबिक जयसिंहपुर में 200 हैंडपंप मरम्मत होने है। एपीओ ज्ञानेंद्र यादव ने बताया कि 89 ग्राम पंचायत में 52 अमृत सरोवर है। जो नहर के किनारे है भरवाए जा रहे हैं। शेष अभी सूखे है।

मतदान मेरा अधिकार ही नहीं जिम्मेदारी भी

सुलतानपुर, अमृत विचारः कमला नेहरू भौतिक एवं सामाजिक विज्ञान संस्थान में छात्र कल्याण परिषद द्वारा मतदाता जागरूकता के तहत रविवार को नथिंग लाइक वोटिंग आई वोट फॉर श्योर, थीम पर जागरूकता अभियान चलाया गया। अभियान के तहत दो कार्यक्रम आयोजित हुआ। इस अवसर पर संस्थान प्राचार्य प्रो आलोक कुमार सिंह ने कहा कि निडर और निष्पक्ष होकर मतदान करना मेरा अधिकार है। यह मेरे देश की जरूरत है। मैं एक स्वतंत्र देश का नागरिक हूं एवं मतदान मेरा अधिकार ही नहीं बल्कि मेरी जिम्मेदारी भी है।

एक नजर

उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक का अमेठी दौरा आज

अमेठी, अमृत विचार। अमेठी लोकसभा के ब्राह्मण वोट बैंक को साधने के लिए उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक सोमवार को 11:00 बजे अमेठी विधानसभा के गोसाईगंज बाजार में आयोजित जनसभा को संबोधित करेंगे। उसके बाद दोपहर 12:30 बजे शाहगढ़ मंडल के शाहगढ़ में आयोजित जनसभा को संबोधित करेंगे। भाजपा प्रत्याशी स्मृति ईरानी के समर्थन में मतदाताओं से मतदान की अपील करेंगे।

जिला बदर आरोपी गिरफ्तार

अमृत विचार, जगदीशपुर, अमेठी। पुलिस ने गुरूवार को जिलाबदर अभियुक्त मुस्तकीम पुत्र रफीक उर्फ रफीक उल्ला निवासी गुमानीगंज मजरे रसूलपुर थाना कमरौली जनपद अमेठी उम्र तक़रीबन 40 वर्ष को गिरफ्तार कर लिया। जिसके संबंध में थाना हाजा पर विधिक कार्यवाही की जा रही है।

अवैध स्मैक के साथ आरोपी गिरफ्तार

अमृत विचार, जगदीशपुर,अमेठी। चेकिंग के दौरान पुलिस ने एक अभियुक्त को अवैध स्मैक के साथ धर दबोचा जिसके विरूद्ध आवश्यक कार्रवाई करते हुए जेल भेजा। कमरौली थानाक्षेत्र के अंतर्गत मलावा मोड के समीप पुलिस को उस वक्त सफलता हासिल हुई जब कमरौली थाने के उपनिरीक्षक रामनाथ बौद्ध मये हमराही द्वारा देखभाल क्षेत्र, चेकिंग संदिग्ध व्यक्ति, वस्तु, वाहन के दौरान मुखबिर की सूचना पर अभियुक्त बघर्रा पुत्र मुन्ना निवासी खुदावन का पुरवा मजरे रास्तामऊ थाना बाजारशुक्ल जनपद अमेठी उम्र तक़रीबन 35 वर्ष को गिरफ्तार किया। तलाशी के दौरान अभियुक्त के कब्जे से तीस ग्राम स्मैक बरामद हुआ। गिरफ्तारी व बरामदगी के संबन्ध में थाना हाजा पर पुलिस द्वारा विधिक कार्यवाही की जा रही है।

अमेठी राजीव की धरती, कण-कण में उनकी छवि

कांग्रेस प्रत्याशी किशोरी लाल शर्मा बोले-22 साल की उम्र में अमेठी आया

राजनीति

माँ कालिका का दर्शन पूजन कर कांग्रेस कार्यालय का किया उद्घाटन

अमेठी

अमृत विचार: कांग्रेस प्रत्याशी किशोरी लाल शर्मा रविवार को अपने लोकसभा क्षेत्र में अपने चुनाव प्रचार-प्रसार के दौरान संग्रामपुर पहुंचे जहां उन्होंने सर्वप्रथम कालिकन धाम पहुंचकर माँ कालिका की पूजा अर्चना की और कालिकन धाम में ही कांग्रेस कार्यालय का उद्घाटन कर कांग्रेसी कार्यकर्ताओं व मौजूद जनता को संबोधित किया। अपने प्रत्याशी को अपने बीच पाकर कांग्रेसियों में भारी उत्साह देखने को मिला। उत्साहित कांग्रेस व सपा पार्टी के स्थानीय नेताओं और कार्यकर्ताओं ने जमकर भाषण दिये।

कांग्रेस के वरिष्ठ कार्यकर्ता सभाजीत शुक्ला ने कहा कि राजीव गांधी की ही देन थी कि आज हमारी पहचान कांग्रेस है और हम इस पहचान को बनाये रखे रहेंगे। विनोद मिश्रा ने कहा कि आज पूरा अमेठी कांग्रेस मय हो गया है। समाजवादी पार्टी नेता मुन्नू यादव ने कहा कि पिछली बार भूल हुई थी लेकिन इस बार भूल नहीं होगी। इस बार समाजवादी, आप पार्टी के साथ कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मिलकर पंजा पर वोट डालने का संकल्प लिया है। इस बार के एल शर्मा को भारी मतों से विजई बनाकर संसद में भेजेंगे। पूर्व ब्लाक प्रमुख जियालाल कोरी ने कहा कि जिस गांव में जा रहा हूं कांग्रेस की एक बयार बह रही है। वही इस मौके पर सपा नेत्री गुंजन सिह ने स्मृति ईरानी के 13 रूपये किलो चीनी बयान पर चुटकी लेते हुए भाजपा सरकार को झूठा बताया।

वही कांग्रेस प्रत्याशी केएल शर्मा ने कार्यकर्ताओं व जनता को संबोधित करते हुए इस दौरान भाजपा पार्टी और भाजपा प्रत्याशी पर जमकर हमलावर रहे उन्होंने कहा कि आज 40 वर्षों से अमेठी व रायबरेली से हमारा नाता बना हुआ है। 22 साल की उम्र में मैं पहली बार अमेठी आया था आज भी मैं अमेठी की सभी गांव गलियों से वाकिफ हूं। उन्होंने बताया कि राजीव गांधी ने अमेठी का विकास किया उन्होंने रोजगार के लिए छोटी बड़ी सैकड़ों फैक्ट्रिया अमेठी में लाई। 1989 में विद्युतीकरण का कार्य किया। समूह के माध्यम से छोटे बड़े को रोजगार से जोड़ा गया। यह राजीव जी की धरती है यहां कण-कण में उनकी की छवि बसी हुई है।

कालिकन धाम में शिवलिंग पर जलाभिषेक करते किशोरी लाल शर्मा।

जैसे संस्कार वैसी ही बात करेंगी स्मृति

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इस बार 400 पार के नारे का जवाब देते हुए कांग्रेस प्रत्याशी केएल शर्मा ने कहा कि 400 पार की भाषा अब बन्द हो गई है 400 पार का नारा छोड़कर प्रधानमंत्री मंगलसूत्र पर आ गए है। खुद को भाजपा प्रत्याशी स्मृति ईरानी द्वारा अतिथि कहे जाने पर कहा कि जिसको जैसे जैसे संस्कार मिले हैं वैसे ही तो बात करेंगी। वही इंडिया गठबंधन कितने सीट पाएगी इसको लेकर कहा कि इंडिया गठबंधन कितना सीट पाएगी यह तो जनता बताएगी। जनता वोट करती है नेता अगर अनुमान लगाता है तो उसका अहंकार बोल रहा है। कार्यक्रम में राजीव सिंह कसारा, ओ पी दूबे, हीरामणि कनौजिया, लोहा सिंह, बृजेश मिश्रा, दिलीप तिवारी सहित भारी संख्या जन समुदाय मौजूद रहा है।

नौकर नहीं राजनीतिज्ञ हूं अब स्मृति ईरानी को मैं भी चुनाव हराऊंगा

अमेठी, अमृत विचार। लोकसभा सीट से अंतिम समय में भाजपा प्रत्याशी स्मृति ईरानी के खिलाफ कांग्रेस द्वारा बड़ा खेल करते हुए गांधी परिवार के करीबी केएल शर्मा को प्रत्याशी बनाकर ब्राह्मण मतदाताओं को साधने का काम करते हुए मुकाबला दिलचस्प कर दिया गया है। बताया जाता है कि अगर इस बार अमेठी से राहुल गांधी चुनाव लड़ते तो स्मृति ईरानी उन पर अमेठी छोड़कर वायनाड भागने व विकास के मुद्दे को लेकर हमलावर रहती। इसके साथ ही इंडिया गठबंधन से राहुल गांधी को पीएम पद का उम्मीदवार माना जा रहा है ऐसे स्मृति के खिलाफ चुनाव लड़ने से पीएम नरेंद्र मोदी बनाम राहुल गांधी के बजाय स्मृति ईरानी बनाम राहुल गांधी हो जाता जिससे राहुल गांधी की छवि और कांग्रेस पार्टी का नुकसान देखने को मिल सकता था।

अमेठी से कांग्रेस प्रत्याशी किशोरी लाल शर्मा द्वारा भाजपा प्रत्याशी स्मृति ईरानी के खिलाफ जीत का दावा करते हुए बड़ी बात कही है। उन्होंने कहा कि शीर्ष नेतृत्व के निर्णय पर वह यहां से चुनाव लड़ रहे हैं पहले तो राहुल गांधी को अमेठी से चुनाव लड़ना था लेकिन शीर्ष नेतृत्व ने उनको टिकट दिया है। लेकिन अब स्मृति ईरानी को मैं भी चुनाव हराऊंगा यह कहकर कांग्रेस प्रत्याशी केएल शर्मा ने कहा कि बड़ी बात बोल रहा हूँ। आगे उन्होंने कहा कि मैं यहां कोई नौकरी गांधी परिवार का नहीं कर रहे हैं मैं पालिट्रीशियन हूँ मैं यूथ कांग्रेस से चुनकर 1983 में यहां आया था कोई कांग्रेस से सैलरी और तनख्वाह नहीं लेता हूं शुद्ध रूप से पॉलिटिशियन हूं। जो लोग कहते हैं ये वो अब नही जब मैं आया था तो तब उनसे बहुत बड़ी हैसियत रखता था। क्योंकि जिसको जैसे संस्कार मिलते हैं वो वैसा ही संस्कार प्रदर्शित होते हैं। पिछले इलेक्शन की फोटो निकाल कर देख लीजिए आपको पता लग जाएगा।

मूलभूत सुविधाओं से परेशान है जनता

शुकुल बाजार, अमेठी अमृत विचार। क्षेत्र की जनता अनेको मूलभूत समस्याओं से त्रस्त है। सरकार की मंशा के विपरीत विकास खण्ड कार्यालय में तैनात अधिकारी लोगों की समस्याओं के प्रति उदासीन बने हुए है। शिकायतों के बाद भी अधिकारी आफिस से निकलने की जहमत नहीं उठा रहे हैं। ज्ञात हो कि विकास खण्ड शुकुल बाजार के अन्तर्गत 54 ग्राम सभाए आती है। अधिकांश गावो के ग्रामीण पानी सफाई समेत अन्य मूलभूत सुविधाओं के अभाव में रह रहे हैं। गाँवो में तैनात सफाई कर्मी कहा काम करते हैं अधिकांश ग्रामीणों को पता ही नहीं चल पाता है। ऐसा भी नहीं हैं कि इन मूलभूत समस्याओं की जानकारी विकास खण्ड के अधिकारियों को नहीं हैं लेकिन वे जानकर भी अंजान बने हुए है। लोगों की शिकायतों के बाद भी वे गाँवो में जाकर समस्याओं का निराकरण कराने में फिसड्डी साबित हो रहे हैं। अधिकारियों के गाँव में लोगों से सीधे रूबरू न होने से सरकारी योजनाओं में पात्रों को लाभ मिलना मुश्किल है। मातहत मनमानी कर अपने चहेतो को योजनाओं का लाभ दिला रहे हैं। जिससे सरकार की मंशा तारतार हो रही है। विकास खण्ड क्षेत्र में अब तक कराये गये कई विकास कार्यों में धाधली भी उजागर हो चुकी है। जिनमें लाखों रूपये तक के वारे - न्यारे किये जा चुके हैं। कई मामले उजागर होने के बाद उनकी जांच भी चल रही हैं। लेकिन मिलीभगत व लेनदेन के चलते अधिकांश मामले रफा दफा करने के प्रयास किये जा रहे हैं।

सार-संक्षेप

एक सप्ताह से से खराब है ट्रांसफर

बाजार शुक्ल ,अमेठी अमृत विचार। कस्बा बाजार शुक्ला के पूर्वी छोर पर रखा एक सप्ताह से ऊपर खराब चल रहा है विभाग की लापरवाही के चलते कस्बे के लोग लो वोल्टेज जिसमें विद्युत उपकरण काम नहीं कर रहे हैं अधिकारी की लापरवाही से बने हुए हैं ट्रांसफार्मर जल जाने से कस्बा वासी अंधेरे में है कई बार विद्युत विभाग से संपर्क किया गया। जिसमें अश्वनी यादव अभियंता का मोबाइल स्विच ऑफ रहा कस्बे के सत्यनारायण यादव सुनील कौशल राम गुप्ता अनुज गुप्ता रामकुमार यज्ञ सैनी आदि लोगों ने बताया कि विद्युत विभाग के तरफ से समस्या का समाधान नहीं हुआ तो हम लोग रोड पर अनशन पर बैठेंगे

बाबा अहमद अली शाह का वार्षिक उर्स सम्पन्न

बाबा अहमद की मजार पर चादर चढ़ाते लोग। अमृत विचार

अमृत विचार, शुकुल बाजार अमेठी। ब्लॉक क्षेत्र के महोना पश्चिम गाँव मे बाबा अहमद अली शाह का वार्षिक उर्स मे पहले दिन लोगों ने गागर चादर चढाई दूसरे दिन जलसा के बाद लंगर मे हजारो लोगो ने खाना खाया। कोई भी आज भी यहाँ झूठी कसम नही खाता। बाबा अहमद अली शाह का वार्षिक उर्स हिंदू मुस्लिम एकता सद्भावना का मिशाल बना जहा जायरीनो ने चादर शिरींनी चढाकर दुआ मांगी रात में गागर मे शर्बत घरों से ले जाकर दरगाह पर पेश किया वही कव्वाली ने समा बाँधा दूसरे दिन लंगर मे हजारो लोगो ने खाना खाया।

देखि सुदामा कि दीन दशा करुणा करि के करुणानिधि रोए

अमृत विचार, अमेठी। भादर विकासखंड के ग्राम सभा बहादुरपुर में चल रही श्रीमदभागवत कथा का सुदामा चरित्र के साथ कथा का समापन हुआ। कथा का वाचन पूज्य आचार्य गार्ग द्वारा किया गया। कथा में उन्होंने सुदामा चरित्र का वर्णन किया। कथा व्यास ने कहा कि मित्रता करो, तो भगवान श्रीकृष्ण और सुदामा जैसी करो। सच्चा मित्र वही है, जो अपने मित्र की परेशानी को समझे और बिना बताए ही मदद कर दे। बहादुरपुर ग्राम सभा में मुख्य यजमान बलराम पाण्डेय धर्मपत्नी सुशीला पाण्डेय के द्वार पर चल रही सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा के आज अंतिम दिवस मुख्य यजमान के परिवार द्वारा व्यासपीठ का पूजन करने के साथ ही कथा प्रारम्भ हो गयी उन्होंने कहा कि सुदामा अपनी पत्नी के कहने पर मित्र कृष्ण से मिलने द्वारकापुरी जाते हैं। जब वह महल के गेट पर पहुंच जाते हैं, तब प्रहरियों से कृष्ण को अपना मित्र बताते है और अंदर जाने की बात कहते हैं। सुदामा की यह बात सुनकर प्रहरी उपहास उड़ाते है। प्रहरियों की बात सुनकर सुदामा अपने मित्र से बिना मिले ही लौटने लगते हैं। तभी एक प्रहरी महल के अंदर जाकर भगवान श्रीकृष्ण को बताता है कि महल के द्वार पर एक सुदामा नाम का दरिद्र व्यक्ति खड़ा है और अपने आप को आपका मित्र बता रहा है। द्वारपाल की बात सुनकर भगवान कृष्ण नंगे पांव ही दौड़े चले आते हैं और अपने मित्र सुदामा को रोककर गले लगा लिया। भगवान श्रीकृष्ण को सुदामा के गले लगा देखकर प्रहरी और नगरवासी अचंभित हो गए।

251 कुण्डीय गायत्री महायज्ञ से होगा बड़ा बदलाव

अमेठी अमृत विचार। रविवार को गायत्री शक्तिपीठ अमेठी पर गायत्री परिवार की उप जोन स्तरीय बैठक का आयोजन किया गया है जिसमें अमेठी, सुलतानपुर, रायबरेली व प्रतापगढ़ के पदाधिकारी व कार्यकर्ता शामिल हुए। अवध जोन के समन्वयक देशबंधु तिवारी ने कहा कि अमेठी का यह कार्यक्रम एक मिसाल बनेगा। कार्यक्रम की शुरुआत देव पूजन के साथ हुई। आचार्य सुभाष शांडिल्य ने सभी आगंतुकों का स्वागत किया।

ज़िला समन्वयक डॉ० त्रिवेणी सिंह ने बताया कि २५१ गाँवों की मिट्टी से यज्ञ कुण्डों का निर्माण होगा, सभी गाँवों में दीपयज्ञ, यज्ञ, व्यसन मुक्ति अभियान, वृक्षारोपण, मण्डल गठन, धर्म घट स्थापना का कार्यक्रम चलाया जायेगा।

प्रांतीय युवा प्रकोष्ठ के प्रतिनिधि प्रभाकर सक्सेना ने बताया कि यज्ञ में दस हज़ार से ज़्यादा विद्यार्थी आहुति देंगे।

सुलतानपुर के जिला समन्वयक बाल रोग विशेषज्ञ डॉ० सुधाकर सिंह ने कहा कि इस कार्यक्रम के निमित्त रचनात्मक और सृजनात्मक अभियान चलाये जाएँगे। उप जोन समन्वयक कैलाश नाथ तिवारी ने कहा कि समय दान ही सबसे बड़ा युग धर्म है।

गोशाला में लगी आग चार मवेशियों की मौत

अमेठी, अमृत विचार। शनिवार की रात पीठीपुर गांव में जब सब सो रहे थे तब राम अवध प्रजापति के घर की गौशाला में शार्ट सर्किट से आग लग गई। जब गौशाला जलने लगी तब प्रजापति गौशाला के अंदर जाकर पशु को बाहर निकलने का प्रयास करने लगा और धुँए से बेहोश हो गया। ग्रामीणों ने दरवाजा तोड़ कर उसे बाहर निकाला और उसे जिला अस्पताल ले गए। जहां उसका इलाज चल रहा है। रात में ही ग्रामीणों ने अग्निकांड की जानकारी पुलिस और फायर ब्रिगेड को दिया। वही मौके ग्रामीणों ने पुलिस के साथ आग बुझा दिया लेकिन तब तक दो भैस एक गाय और उसका बच्चा आग से जलकर मर चुका था।

स्ट्रांग रूम की खिड़कियां सील होंगी, प्रेक्षकों ने किया निरीक्षण

अमेठी अमृत विचार। लोकसभा सामान्य निर्वाचन को निष्पक्ष, पारदर्शी व शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए जवाहर नवोदय विद्यालय गौरीगंज में ईवीएम मशीनों की कमिशनिंग का कार्य, पोलिंग पार्टियों की रवानगी, स्ट्रांग रूम व मतगणना का कार्य कराया जाएगा, जिसकी तैयारियों को लेकर आज भारत निर्वाचन आयोग द्वारा नामित ,सामान्य प्रेक्षक डॉ एन युवराज, पुलिस प्रेक्षक दीपक गहलावत, व्यय प्रेक्षक , संजय कुमार ने जिला निर्वाचन अधिकारी ,जिलाधिकारी निशा अनंत व पुलिस अधीक्षक अनूप कुमार सिंह तथा अन्य अधिकारियों के साथ स्थलीय निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान । जिला निर्वाचन अधिकारी ने उन्हें बताया कि चारों विधानसभा क्षेत्रों के लिए अलग-अलग स्ट्रांग रूम व मतगणना हाल तैयार कराये जा रहे हैं। खिड़कियों को सील करने की कार्यवाही की जा रही है। ईवीएम मशीनों की कमिश्निंग से लेकर स्ट्रांग रूम, मतगणना तथा पोलिंग पार्टियों की रवानगी आदि सभी कार्यों को सीसीटीवी कैमरे की निगरानी में संपन्न कराया जाएगा, पार्किंग तथा सुरक्षा व्यवस्था के पर्याप्त इंतजाम भी किए गए हैं।

छोटे साधनों का बड़ा उपयोग कर रहे हैं बसपा कार्यकर्ता

अमेठी

अमृत विचार। हाट सीट अमेठी में कांग्रेस और भाजपा के मुकाबले बहुजन समाज पार्टी ने इस बार अतिपिछड़े वर्ग के प्रत्याशी पर दांव लगाया है। चुनाव प्रचार में बसपा कार्यकर्ता छोटे साधनों का बड़े पैमाने पर उपयोग कर रहे हैं। कांग्रेस और भाजपा के वाणी युद्ध के बीच बसपा कार्यकर्ता धीरे-धीरे अपना काम कर रहे हैं।

बसपा इस लोक सभा से सीट पर तीन बार मुस्लिम, दो बार ब्राह्मण, एक बार क्षत्रिय और एक बार ओ बी सी प्रत्याशी पर दांव लगा चुकी है। 1998मे मो नईम तीसरे स्थान पर रहे थे, परंतु उन्हें 151608 वोट मिले थे। 2019 के चुनाव में बसपा ने कांग्रेस का समर्थन किया था,इस बार एन डी ए और इंडिया एलायंस के मुकाबले बसपा ने चौहान समाज के नन्हे सिंह चौहान को प्रत्याशी बनाया है।

1984 से अब तक बसपा से चुनाव लड़ चुके प्रत्याशी

1984	नसीब अहमद, एडवोकेट
1989	मान्यवर कांशीराम
1996	चौधरी मो ईसा
1998	मो नईम
1999	पारस नाथ मौर्य
2004	चंद्र प्रकाश मिश्र मटियारी
2009	आशीष शुक्ला
2014	डा धर्मेंद्र प्रताप सिंह

चुनावी वर्ष	कुल मतदान प्रतिशत	पुरुष मतदान प्रतिशत	महिला मतदाता प्रतिशत
2019	54	53	46.96
2014	52.39	53.33	46.65
2009	45.16	52.56	47.45
2004	45	52.83	47.17
1999	57.46	52.72	47.28
1996	38.71	52.16	47.8
1991	40.97	55.03	44.96
1989	46.78	53.91	46.08
1984	60	53.79	46.20
1980	50	56.41	43.58

वर्ग पहेली-61

बाएं से दाएं

1. 1. कटाक्ष, उक्ति, वाक्य, जुमला 2. किसी उद्देश्य का विधान करने वाला पदसमूह, कथन 3. व्यंग्यपूर्ण बात 4. धोखा
2. 1. निडर, निर्भय 2. जिसे ख़ौफ़ या भय न हो।
5. 1. किसी विषय का पूरा विवरण सोद्देश्य लिखना या दर्ज़ करना, दस्तावेज़ीकरण, (रिकॉर्डिंग) 2. किसी चीज़ पर खोदने या उत्कीर्ण करने का कार्य।
6. तांगा, एक प्रकार की सवारी जिसको घोड़े खींचते हैं, टम-टम, इक्का।
7. मैना जाति की एक चिड़िया

ऊपर से नीचे

3. फ़क़ीरों जैसा, फ़क़ीरों की तरह।
4. (बाग) जहां लाखों की संख्या में वृक्ष हों, वृक्ष संपत्ति से समृद्ध।
5. 1. पारसी जाति वालों में पाप और अंधकार का देवता 2. शैतान।

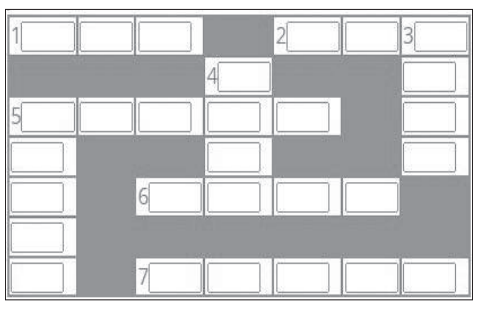

वर्ग पहेली -60 का हल

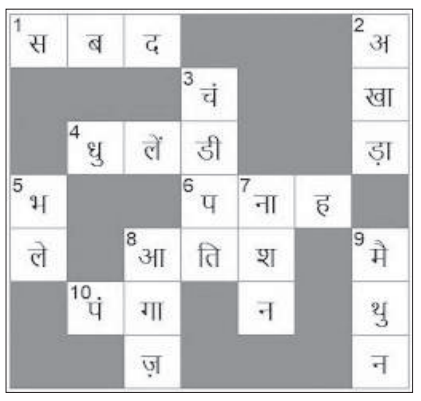

सुडोकू -140

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

	4	6						
		7	5					4
		9		2		8		
4						7		8
			3		7			
5		8						2
		4		6		3		
8		3			9	4		6
	1					9	8	

सुडोकू -139 का हल

8	7	9	2	4	6	1	3	5
6	5	3	7	9	1	4	8	2
1	2	4	3	8	5	6	9	7
4	8	2	5	7	9	3	6	1
5	3	1	6	2	8	7	4	9
7	9	6	1	3	4	2	5	8
9	1	7	4	5	3	8	2	6
3	6	5	8	1	2	9	7	4
2	4	8	9	6	7	5	1	3

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 6 मई सोमवार 2024 संवत-2081,शक संवत 1946 मास-वैशाख, पक्ष-कृष्ण पक्ष, तिथि-त्रयोदशी 14.40 तक तत्पश्चात चतुर्दशी।

आज का पंचांग

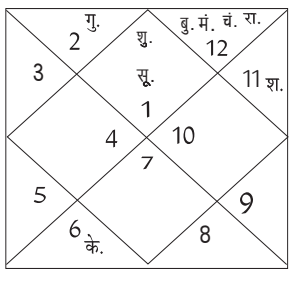

दिशाशूल- पूर्व। ऋतु-ग्रीष्म। चन्द्रबल-वृषभ, मिथुन, कन्या, तुला, मकर, मीन। ताराबल-अश्विनी, भरणी, रोहिणी, आर्द्रा, पुष्य, आश्लेषा, मघा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, स्वाति, अनुराधा, ज्येष्ठा, मूल, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, शतभिषा, उत्तराभाद्रपद, रेवती।

नक्षत्र-रेवती 17.43 तक तत्पश्चात अश्विनी।

मेष — आज अचानक लाभ की आशा करेंगे तो निराश होना पड़ेगा। शुभ कार्यों में आपको धन खर्च करना पड़ सकता है। लोग स्वार्थ की भावना से आपको धोखा दे सकते हैं। आपको कानूनी विवादों में उलझना पड़ सकता है। मेहनत का संतोषजनक परिणाम प्राप्त होगा।

वृष — आज सामाजिक गतिविधियों में आप व्यस्त होने वाले हैं। संतान के सहयोग से लाभ मिलेगा। आर्थिक रूप से सक्षम रहेंगे। नए व्यावसायिक अनुबंध मिल सकते हैं। मीडिया और लेखन कार्यों से जुड़े लोगों के लिए दिन बहुत ही अच्छा है।

मिथुन — आज आय और व्यय में उचित समन्वय बना रहेगा। शोध कार्यों के प्रति आकर्षित हो सकते हैं। आत्म निरीक्षण के लिए दिन उत्तम है। जॉब में आपको बेहतरीन परिणाम प्राप्त होंगे। घर के सदस्यों के बीच वैचारिक सामंजस्य बहुत ही अच्छा रहेगा।

कर्क — आज अधिकारियों की बातों का बुरा न मानें। बच्चों की गतिविधियों के कारण शर्मिंदा होना पड़ सकता है। कार्यशैली में कुछ बदलाव ला सकते हैं। नया व्यापार शुरू करने में आसानी होगी। किसी पर भी अत्यधिक विश्वास न करें। बिना मांगे किसी को सलाह न दें।

सिंह — आज पति-पत्नी के बीच अहम में टकराव हो सकता है। तनाव का नकारात्मक असर आपके स्वास्थ्य पर पड़ सकता है। महत्वपूर्ण निर्णय लेते समय सावधानी रखें। प्रेम संबंधों में थोड़ी प्रतिकूलता रहेगी। अनजान लोगों से विवाद न करें।

कन्या — आज आपकी कार्यक्षमता में वृद्धि होगी। जॉब में आप अपने लक्ष्यों को प्राप्त कर पाएंगे। विपरीत परिस्थितियों का सामना मजबूती से करेंगे। रुका हुआ सरकारी काम हल हो सकता है। पारिवारिक मामलों को शांतिपूर्ण तरीके से निपटा लें।

तुला — आज बेरोजगार लोगों को नई नौकरी मिल सकती है। तनाव की वजह से शरीर में शिथिलता रहेगी। अधिकारियों के विभाग में परिवर्तन हो सकता है। अनैतिक कार्यों में आपकी सक्रियता बढ़ेगी। उच्चाधिकारियों के साथ आपके संबंध मधुर रहेंगे।

वृश्चिक — आज दांपत्य जीवन में परस्पर सम्मान बनाए रखें। विद्यार्थी अपने करियर को लेकर काफी सतर्क रहेंगे। प्रतियोगी परीक्षाओं में आपको उत्तम सफलता मिल सकती है। शेयर मार्केट से धन लाभ होने के प्रबल योग बन रहे हैं।

धनु — आज सहयोगी आपके काम में टोका-टाकी न करें इसका ध्यान रखें। घर में धार्मिक गतिविधियां हो सकती हैं। स्वभाव में गुस्सा और चिड़चिड़ापन हो सकता है। विद्यार्थी नए कोर्स में प्रवेश ले सकते हैं। भौतिक सुख-सुविधाओं का आनंद उठाएंगे।

मकर — आज छोटे बच्चों के साथ अच्छा समय बिताएंगे। उलझनों के बावजूद सभी काम के अनुसार ही पूर्ण होंगे। दोस्तों के साथ महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा करेंगे। यदि आप किसी इंटरव्यू में बैठ रहे हैं तो उसमें आपको सफलता मिल सकती है।

कुंभ — आज छोटी सी गलती बड़ी समस्या का कारण बन सकती है। कर्मचारियों के बीच टकराव होने की आशंका है। मानसिक दुविधाओं को दूर करने में सफल रहेंगे। आपकी योजनाओं का सफल क्रियान्वयन कर पाएंगे।

मीन — आज अपनी क्षमताओं का कुशल प्रयोग करेंगे। काम के प्रति समर्पण होने से आपको सफलता मिलेगी। वैवाहिक जीवन में प्रेम भाव बढ़ेगा। आपको शुभ समाचार मिल सकते हैं। मित्रों की जरूरतों का ध्यान रखें। जिम्मेदारियों का आसानी से निर्वहन कर पाएंगे।

आज की फिल्में

B4U MOVIES	कीमत सुबह : 09.55 जान से प्यारा रात : 07.00	SONY PIX	द डार्क नाईट राइजेस सुबह : 10.24 2012 रात : 08.05
&pictures	लिंगा सुबह : 11.25 पुलिस पावर शाम : 05.05	ZEECINEMA	शहंशाह सुबह : 09.50 जानवर रात : 07.00
		colors CINEPLEX	ज़ोंबी रेड्डी सुबह : 11.08 चेन्नई एक्सप्रेस शाम : 06.24

आज की सुपरहिट फिल्म

एंड पिक्चर्स पर सुबह : 11.25 बजे

जोक्स ऑफ द डे

पति ने पत्नी का फोन काटते हुए कहा-मैं मीटिंग में हूं, बाद में बात करता हूं।
थोड़ी देर बाद पड़ोसन का फोन आया।
पड़ोसन-क्या आप फ्री हैं,आपको डिस्टर्ब तो नहीं किया।
पति-अरे नहीं, आप हुकुम कीजिए।
पड़ोसन-मुझे कोई काम नहीं है,आपकी पत्नी को कुछ बात करनी है,लो बात करो।
पत्नी-शाम को घर आना तो आयोडेक्स लेते आना।

टीचर- बहुवचन किसे कहते हैं?
छात्र-जब बहू अपने ससुराल वालों को खरी-खोटी सुनाती है तो उसे बहुवचन कहते हैं।
अध्यापक जी बेहोश होते-होते बचे।

अनर्थकं विप्रवासं गृहेभ्य : पापै : सन्धि परदाराभिमर्शम्।
दम्भं स्तैन्य पैशुन्यं मद्यपानं न सेवते यश्च सुखी सदैव ॥

जो व्यक्ति अकारण घर के बाहर नहीं रहता,बुरे लोगों की सोहबत से बचता है,परस्त्री से संबध नहीं रखता,चोरी,चुगली,पाखंड और नशा नहीं करता-वह सदा सुखी रहता है।

संपादकीय

पीओके पर दावा

पाकिस्तान लगातार भारत को अस्थिर करने की कोशिश कर रहा है। शनिवार की शाम जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में भारतीय वायुसेना (आईएएफ) के काफिले पर हमला इस वर्ष की पहली बड़ी आतंकवादी घटना में वायुसेना के पांच कर्मी घायल हो गए और उनमें से एक ने बाद में एक सैन्य अस्पताल में दम तोड़ दिया। सीमावर्ती पुंछ जिले के साथ-साथ निकटवर्ती राजौरी में पिछले दो वर्ष में बड़े आतंकवादी हमले हुए हैं। रविवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि पाकिस्तान को सीमा पार आतंकवाद को रोकना होगा। भारत का कहना है कि वह पाकिस्तान के साथ पड़ोसी देशों की तरह सामान्य संबंध रखना चाहता है लेकिन इसके लिए आतंकवाद और शत्रुता से मुक्त माहौल बनाने की जिम्मेदारी पाकिस्तान पर है। इस बीच कटक में विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा, पाक अधिकृत कश्मीर (पीओके) भारत का अहम हिस्सा है, जिसे भुला दिया गया था, लेकिन अब फिर से लोगों की चेतना में आ गया है। पीओके कभी भी देश से बाहर नहीं रहा है। यह देश का हिस्सा था और हमेशा रहेगा। पीओके पूरी तरह से भारत का हिस्सा है, किसी अन्य का नियंत्रण कैसे हो सकता है।

गौरतलब है कि भारत और पाकिस्तान के बीच कश्मीर को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा है। पाकिस्तान ने कश्मीर के एक हिस्से पर कब्जा कर रखा है। इसे पीओके कहा जाता है। पाकिस्तान के लोग पीओके को 'आजाद कश्मीर' कहते हैं। रक्षा मंत्री ने कहा है कि भारत पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर पर अपना दावा कभी नहीं छोड़ेगा, लेकिन इसे बलपूर्वक अपने कब्जे में करने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी, क्योंकि इसके लोग कश्मीर में विकास को देखने के बाद स्वयं इसमें शामिल होना चाहेंगे। पीओके हमारा थाहै और हमारा रहेगा। जम्मू-कश्मीर के इस हिस्से पर अवैध कब्जा करने के बाद से पाकिस्तान लगातार वहां के लोगों का दमन कर रहा है। पीओके में कोई मानवाधिकार नहीं है। इसकी पुष्टि कई मानवाधिकार संगठनों ने भी की है, जबकि यहां जम्मू-कश्मीर में आरंभ से संवैधानिक व्यवस्था और कुछ अपवादों को छोड़कर लगातार लोकतांत्रिक ढंग से चुनी गई सरकारें रही हैं। आतंकवाद को बढ़ावा देने के साथ पाकिस्तान अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर भारतीय कश्मीर में मानवाधिकारों के कथित उल्लंघनों का मुद्दा उठाने की कोशिश करता रहा है। ऐसे में आवश्यकता है कि पीओके के लोगों के अधिकारों के पक्ष में भारत सशक्त अंतर्राष्ट्रीय अभियान चलाए। वैसे ये मुद्दा भारत बनाम पाक का नहीं, बल्कि मूलभूत मानव अधिकारों का है, जिन्हें सुनिश्चित करना संयुक्त राष्ट्र का दायित्व है।

आर्थिक भ्रष्टाचार सभी किस्म के भ्रष्टाचार की धुरी

प्रो. जगदीश्वर चतुर्वेदी
कोलकाता

भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन प्रतीकात्मक प्रतिवादी आंदोलन रहे हैं। इन आंदोलनों को सेलिब्रिटी प्रतीक पुरुष चलाते रहे हैं। ये मूलत: मीडिया इवेंट हैं। ये जनांदोलन नहीं हैं। प्रतीक पुरुष इसमें प्रमुख होता है। जयप्रकाश नारायण के संपूर्ण क्रांति आंदोलन से लेकर अन्ना हजारे के जन लोकपाल बिल आंदोलन तक इसे साफ तौर पर देख सकते हैं।

राजनीति में भ्रष्टाचार एक बड़ा मुद्दा है,लेकिन साहित्य में यह कभी मुद्दा ही नहीं रहा। यहां तक संपूर्ण क्रांति आंदोलन के समय नागार्जुन ने भ्रष्टाचार पर नहीं संपूर्ण क्रांति पर लिखा,इंदिरा गांधी पर लिखा। जबकि यह आंदोलन भ्रष्टाचार के खिलाफ था। क्या वजह है लेखकों को भ्रष्टाचार विषय नहीं लगता। साहित्य में भ्रष्टाचार की अनुपस्थिति इस बात का संकेत है कि लेखक इसे मसला नहीं मानते। साहित्य में मूल्य,नैतिकता, परिवार और राजनीतिक भ्रष्टाचार पर खूब लिखा गया है,लेकिन आर्थिक भ्रष्टाचार पर नहीं लिखा गया है। आर्थिक भ्रष्टाचार सभी किस्म के भ्रष्टाचरण की धुरी है। यह प्रतिवाद को खत्म करता है। उत्तर आधुनिक अवस्था का यह प्रधान लक्षण है। इसकी धुरी है व्यवस्थागत भ्रष्टाचार। इसके साथ नेताओं में संपदा संचय की प्रवृत्ति बढ़ी है।

फ्रेडरिक जेम्सन के शब्दों में यह 'आधुनिकीकरण की छल योजना' है। अस्सी के दशक से सारी दुनिया में सत्ताधारी वर्गों और उनसे जुड़े शासकों में पूंजी एकत्रित करने,येन-केन प्रकारेण दौलत जमा करने की लालसा देखी गई। इसे सारी दुनिया में व्यवस्थागत भ्रष्टाचार कहा जाता है और देखते ही देखते सारी दुनिया उसकी चपेट में आ गई। आज व्यवस्थागत भ्रष्टाचार सारी दुनिया में सबसे बड़ी समस्या है। पश्चिम वाले जिसे रीगनवाद, थैचरवाद आदि के नाम से सुशोभित करते हैं। यह मूलतः 'आधुनिकीकरण की छल योजना' है,इसकी धुरी है व्यवस्थागत भ्रष्टाचार। रीगनवाद-थैचरवाद को हम नव्य आर्थिक उदारतावाद के नाम से जानते हैं। भारत में इसके जनक हैं नरसिंहा राव। भ्रष्टाचार को राजनीतिक मसला बनाने से हमेशा फासीवादी ताकतों को लाभ मिला है। यही वजह है लेखकों ने आर्थिक भ्रष्टाचार को कभी साहित्य में नहीं उठाया। भ्रष्टाचार वस्तुतः नव्य उदार आर्थिक नीतियों से जुड़ा है। आप भ्रष्टाचार को परास्त तब तक नहीं कर सकते जब तक नव्य उदार नीतियों का कोई विकल्प सामने नहीं आता। भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन प्रतीकात्मक प्रतिवादी आंदोलन रहे हैं। इन आंदोलनों को सेलिब्रिटी प्रतीक पुरुष चलाते रहे हैं। ये मूलतः मीडिया इवेंट हैं। ये

> उल्लेखनीय है कि भारत को महमूद गजनवी ने जितना लूटा था उससे सैंकड़ों गुना ज्यादा की लूट नेताओं की मिलीभगत से हुई है। नव्य उदार नीतियों का इस लूट से गहरा संबंध है। चीन और रूस में इसका असर हुआ है। चीन में अरबपतियों में ज्यादातर वे हैं,जो पार्टी मेम्बर हैं या हमदर्द हैं,इनके रिश्तेदार सत्ता में सर्वोच्च पदों पर बैठे हैं। यही हाल सोवियत संघ का हुआ।

जनांदोलन नहीं हैं। प्रतीक पुरुष इसमें प्रमुख होता है। जयप्रकाश नारायण के संपूर्ण क्रांति आंदोलन से लेकर अन्ना हजारे के जन लोकपाल बिल आंदोलन तक इसे साफ तौर पर देख सकते हैं। ये मीडिया पुरुष हैं। इवेंट पुरूष हैं। इनकी अपनी वर्गीय सीमाएं हैं और वर्गीय भूमिकाएं हैं। प्रतीक पुरुषों के संघर्ष सत्ता संबोधित होते हैं जनता उनमें दर्शक होती है। टेलीविजन क्रांति के बाद पैदा हुई मीडिया आंदोलनकारियों की इस विशाल पीढ़ी का योगदान है कि इसने जन समस्याओं को मीडिया टॉक शो की समस्याएं बनाया है। अब जनता की समस्याएं जनता में कम टीवी टॉक शो में ज्यादा देखी-सुनी जाती हैं। इनमें जनता दर्शक होती है। इन प्रतीक पुरुषों के पीछे कारपोरेट मीडिया का पूरा नैतिक समर्थन है।

उल्लेखनीय है कि भारत को महमूद गजनवी ने जितना लूटा था उससे सैंकड़ों गुना ज्यादा की लूट नेताओं की मिलीभगत से हुई है। नव्य उदार नीतियों का इस लूट से गहरा संबंध है। चीन और रूस में इसका असर हुआ है। चीन में अरबपतियों में ज्यादातर वे हैं,जो पार्टी मेम्बर हैं या हमदर्द हैं,इनके रिश्तेदार सत्ता में सर्वोच्च पदों पर बैठे हैं। यही हाल सोवियत संघ का हुआ। भारत में नव्य उदारतावादी नीतियां लागू किए जाने के बाद नेताओं की सकल संपत्ति में तेजी से वृद्धि हुई है। सोवियत संघ में सीधे पार्टी नेताओं ने सरकारी संपत्ति की लूट की और रातों-रात अरबपति बन गए। सरकारी संसाधनों को अपने नाम करा लिया। यही फिनोमिना चीन में भी देखा गया। उत्तर आधुनिकतावाद पर जो फिदा हैं वे नहीं जानते कि वे व्यवस्थागत भ्रष्टाचार और नेताओं के द्वारा मचाई जा रही लूट में वे मददगार बन रहे हैं। मसलन गोर्बाचोव के नाम से जो संस्थान चलता है,उसे अरबों-खरबों के फंड देकर गोर्बाचोव को रातों-रात अरबपति बना दिया गया। ये जनाब पैरेस्त्रोइका के कर्णधार थे।

रीगन से लेकर क्लिंटन तक और गोर्बाचोब से लेकर चीनी राष्ट्रपति के दामाद तक पैदा हुई अरबपतियों की पीढ़ी की तुलना जरा हमारे देश के सांसदों-विधायकों की संपदा से करें। भारत में सांसदों-विधायकों के पास नव्य आर्थिक उदारतावाद के जमाने में जितनी तेजगति से व्यक्तिगत संपत्ति जमा हुई है वैसी पहले कभी जमा नहीं हुई थी। अरबपतियों-करोड़पतियों का बिहार की विधानसभा से लेकर लोकसभा तक जमघट लगा हुआ है। केन्द्रीय मंत्रियों से लेकर मुख्यमंत्रियों तक सबकी दौलत दिन-दूनी रात चौगुनी बढ़ी है। नेताओं के पास यह दौलत किसी कारोबार के जरिए कमाकर जमा नहीं हुई है,बल्कि यह अनुत्पादक संपदा है,जो विभिन्न किस्म के व्यवस्थागत भ्रष्टाचार के जरिए जमा हुई है। अमेरिका में भयानक आर्थिक मंदी के बावजूद नेताओं की परिसंपत्तियों में कोई गिरावट नहीं आई है। कारपोरेट मुनाफों में गिरावट नहीं आई है। भारत में भी यही हाल है।

इसी संदर्भ में फ्रेडरिक जेम्सन ने मौजूदा दौर में मार्क्सवाद की चौथी थीसिस में लिखा है इस संरचनात्मक भ्रष्टाचार का नैतिक मूल्यों के संदर्भ में कार्य-कारण संबंध के रूप में व्याख्या करना भ्रामक होगा,क्योंकि यह समाज के शीर्ष वर्गों में अनुत्पादक ढंग से धन संग्रह की बिल्कुल भौतिक सामाजिक प्रक्रिया में उत्पन्न होती है। इस बात पर बल देना अनिवार्य है कि कार्य-कुशलता,उत्पादकता और वित्तीय संपन्नता जैसे संवर्ग तुलनात्मक हैं। अभिप्राय यह है कि उनके परिणामों की भूमिका उस क्षेत्र में आती है जिसमें अनेक असमान परिघटनाएं प्रतिस्पर्धा कर रही हों। अधिक कार्यकुशल और उत्पादक तकनीक पुरानी मशीनरी और पुराने संयंत्र को तभी विस्थापित करती हैं,जब पुरानी मशीनरी और संयंत्र अधिक कार्यकुशल तथा आधुनिक तकनीकी के कार्यक्षेत्र में प्रवेश करते हैं और उनके साथ प्रतिस्पर्धा करते हैं। इसी बात को सोवियत संघ के संदर्भ में आगे बढ़ाते हुए जेम्सन ने लिखा सोवियत संघ अकुशल हो गया और जब इसने अपने को 'विश्व-तंत्र' के साथ एकीकृत करने का प्रयास किया,तो यह विघटित हो गया,क्योंकि विश्व-तंत्र आधुनिकता से उत्तर आधुनिकता की ओर अग्रसर था। यह एक ऐसा तंत्र था,जो संचालन के नए नियमों के हिसाब से उत्पादकता की अतुलनीय द्रुत गति से दौड़ रहा था। वहीं सोवियत संघ में ऐसा कुछ भी नहीं था जिसकी इससे तुलना की जा सके। सांस्कृतिक अभिप्रेरकों (उपभोक्तावाद, नई सूचना प्रौद्योगिकी आदि) द्वारा प्रेरित, सुविचारित सामरिक-तकनीकी प्रतिस्पर्धा में आकृष्ट होकर, ऋण तथा तीव्र होते वाणिज्यिक सह-अस्तित्व के रूपों के प्रलोभन में आकर रूस एक ऐसे तत्व में प्रवेश कर गया,जहां इसका अस्तित्व समाप्त हो गया। यह दावा किया जा सकता है कि सोवियत संघ और इसके अनुषंगी देश,जो अब तक अपने ही विशिष्ट दबाव क्षेत्र में अलग-अलग थे मानो किसी विचारधारात्मक सामाजिक,आर्थिक,भूगणितीय उभार (गुंबज) के नीचे दबे हों,इसने अविवेकपूर्ण ढंग से बिना अंतरिक्ष-पोशाक तैयार किए ही वायुबंध खोलना आरंभ कर दिया और इस प्रकार स्वयं को और अपने संस्थानों को बाह्य विश्व के तीव्र और अपरिमेय दबाव के हवाले कर दिया। इसके परिणाम की तुलना हम प्रथम परमाणु बम के विस्फोट से हुई उन तुच्छ ढांचों की हालत से कर सकते हैं,जो इस बम विस्फोट के स्थल के सबसे नजदीक थे या फिर उन असुरक्षित जीवों की हालत से कर सकते हैं,जो समुद्र तल पर उपस्थित थे जब जल में उत्पन्न विकृत दबाव का भार उन पर पड़ा होगा,खासकर जब यह दबाव से ऊपर की ओर उठ रहा होगा। यह परिणाम वॉलरस्टीन की दूरदर्शितापूर्ण चेतावनी की पुष्टि करता है। उन्होंने कहा था कि सोवियत ब्लॉक ने अपनी महत्ता के बावजूद पूंजीवादी तंत्र के विकल्प के रूप में किसी तंत्र का निर्माण नहीं किया, बल्कि इसके भीतर एक तंत्र-विरोधी क्षेत्र या स्थान बनाया,जो अब स्पष्टतया समाप्त हो गया है। यदि शेष कुछ बचे हैं तो वे कुछ पॉकेट्स हैं जिनमें आज भी विविध समाजवादी प्रयोग किए जा रहे हैं।

प्रसंगवश

चुनाव के बाद वोटिंग मशीन

चुनाव के बाद वोटिंग मशीने सुस्ता रहीं थी। आपस में अपने-अपने किस्से सुना रही थीं। लोगों ने कैसे उनका उपयोग किया। कैसे वोट डाला। कैसे दबाया। कैसे सहलाया। आइए सुनाते हैं कुछ उनकी गप्पगाथाः ईवीएम एक : एक वोटर ने तो इत्ती जोर से बटन दबाया कि अभी तक दर्द कर रहा है। लगता है अगले चुनाव में चल न पाएंगे हम। /ईवीएम दो : याद आ रही है क्या उस वोटर की?/ईवीएम तीन : अरे उसकी याद की कड़ाही में तू काहे अपनी जलेबी छान रही है? तुमको किसी की याद नहीं आती तो क्या किसी को नहीं आएगी? क्यों री दर्द कैसा हो रहा है मीठा कि खट्टा?

ईवीएम एकः भक्क उस तरह वाला दर्द थोड़ी हो रहा। तुम तो सबको अपनी तरह समझ लेती हो। सबके भाग्य में वो मीठा-खट्टा दर्द कहां? इस गप्पाष्टक को एक बुजुर्ग ईवीएम मशीन दूर से सुन रही थी। अंजर-पंजर ढीले होने के चलते उसको चुनाव में ले नहीं जाया गया था। ऊंचा सुनती थी। इसीलिए दूर की बातों पर कान लगे रहते थे। बुजुर्ग ईवीएम आवाज में बोली-'सुना है तुम लोगों से कुछ छेड़छाड़ हुई वहां चुनाव में। तुम लोग भी छेड़छाड़ में इत्ती बेसुध हुई कि वोट दिए किसी और को गए पर तुमने गिनाए किसी और के नाम।' छेड़छाड़ के नाम से ईवीएम मशीने एकदम प्याज-टमाटर की तरह लाल हो गईं। (बुजुर्ग और सांवली मशीने प्याज की तरह, युवा और गोरी टमाटर की तरह) लेकिन उनको लगा कि लाल होने से काम नहीं चलेगा तो सफाई देने लगीं। वैसे भी जिन महिलाओं से छेड़छाड़ होती है उसके जिम्मे सफाई देने का ही काम बचता है। वे बोलीं,'हम लोग कोई ऐसी-वैसी मशीन थोड़ी हैं। हमको कौन छेड़ेगा।

हम कोई खूबसूरत टाइप मशीन भी नहीं जो हमको कोई छेड़े। खूबसूरत होती तो कोई हीरो-हीरोइन हमारा विज्ञापन करता। भले घर की लड़कियों की तरह हम चुनाव आयोग के गोदाम से सीधे पोलिंग बूथ जाते हैं,वहां से सीधे वापस आ जाते हैं। कहीं इधर-उधर ताकते तक नहीं। झांकने की तो बात ही छोड़ दो।'सफाई से बुजुर्ग ईवीएम मशीन और उत्साहित हो गई। बोली-'लेकिन जब हवा उड़ी है तो कुछ तो बात हुई ही होगी कि छेड़छाड़ का हल्ला है। हमने भी चुनाव करवाए हैं। हमको भी लोगों ने दबाया है। इधर-उधर थपथपाया है। किसी-किसी ने तो पटका भी है। खटखटाकर भी वोट डाला है,लेकिन मजाल है,जो आज तक किसी ने छेड़छाड़ की हो। तुम लोगों ने जरूर कुछ ऐसा किया होगा जो छेड़छाड़ की खबर फैली। लाख समझाओ, लेकिन तुम लोग मनमानी से बाज कहां आते हो। ये नई हवा का असर है।'

अनूप शुक्ल
कानपुर

बुढ़िया ईवीएम बड़बड़ाते हुए खांसने लगी। फिर तो सब ईवीएम मशीने छेड़छाड़ का आरोप लगाने पर फिरंट हो गईं। पता लगा कि मशीनों से छेड़छाड़ का आरोप लगाने वाले वही लोग थे,जो हार भी गए थे। उनको इस बात से तसल्ली हुई कि जीते हुए लोगों ने उन पर छेड़छाड़ का आरोप नहीं लगाया। फिर तो ईवीएम मशीनों के सुर बदल गए। वे ठिठोली करते हुए बतियाने लगीं। बकने दो हरंटो को। सरकार तो हमारे समर्थन में होगी। तब क्या एक ने नारा लगायाः "जिसके साथ खड़ी हो सरकार उसको कौन बात का डर यार।" जिसने हम पर छेड़खानी की बात कही उसको अगले चुनाव में टिकट न मिले। अरे नहीं री। टिकट तो मिले,लेकिन टिकट के दाम दोगुने हो जाएं और टिकट जिस इलाके से मिलें उस इलाके में उसको कोई जानता न हो। फिर तो वो जीत जाएगा बे। लोग उसकी करतूतें जानेंगे नहीं तो भला समझ कर जिता देंगे। दिनभर इसी गपड़चौथ में जुटी ईवीएम मशीनों ने शाम को महसूस किया कि वे तो अपनी छेड़छाड़ के ही किस्से में जुटी रहीं।

एक बोली-'इस चुनाव में हम ईवीएम के हाल तो रजिया की तरह हो गए,जो नेताओं के चक्कर में फस गई हो।' अबे रजिया तो गुंडों के बीच फंसी थी। -दूसरी ने सुधारने की कोशिश की। हां यार। रजिया की किस्मत अच्छी थी,जो गुंडों के बीच फंसी थी। हमारे ही करम फूटे हैं,जो नेताओं के बीच फंस गए। तीसरी ने कहा, ये क्या आंय-बांय-सांय बक रही है तू। क्या चुनाव सभा में भाषण दे रही है। गुंडों के बीच फंसना अच्छी किस्मत है? चौथी ने हड़काया। गुंडों के बीच फ़ंसना तो नेताओं के बीच फ़ंसने से सौ गुना बेहतर है यार- एक भक्तिन टाइप ईवीएम मशीन रामचरित मानस की चौपाइयां बांचने लगीः कर्म प्रधान विश्व रचि राखा/ जो जस करै तो तस फ़ल चाखा। दूसरी पैरोडीबाजी करने लगी- कोऊ नृप होय हमें का हानी/ईवीएम छोड़ न होइहैं रानी।हम ईवीएम मशीनों को उनके हाल पर छोड़कर चले आए। वैसे और कर भी क्या सकते थे?

खत्म सी होती जा रही है विश्वविद्यालयों की जीवंतता

अमेरिका के विश्वविद्यालयों में गाजा में हो रहे नरसंहार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन चल रहे हैं। किसी एक या दो में नहीं,देशभर में फैले दर्जनाधिक विश्वविद्यालयों में। इंग्लैंड में, फ्रांस में,नीदरलैंड आदि यूरोपीय देशों के नामचीन विश्वविद्यालयों में भी ऐसे विरोध प्रदर्शनों का सिलसिला जारी है।

ये सब ऐसे विश्वविद्यालय हैं,जो दुनिया में अपना मान,अपना सम्मान रखते हैं। वहां अच्छी पढ़ाई होती होगी,बेहतरीन एकेडमिक माहौल होगा। तभी तो हमारे देश के नेतागण,अधिकारीगण, बड़े-बड़े पैसे वाले गण आदि आदि अपने बच्चों को पढ़ने के लिए उन जगहों पर भेजते हैं। वे छात्र दुनिया से जुड़े हैं,मानवता की धड़कनों से जुड़े हैं,विश्व राजनीति की विडंबनाओं पर अपनी राय निर्धारित करते हैं,जरूरत पड़ने पर वैचारिक हस्तक्षेप करते हैं,अक्सर पुलिस की हिरासत में जाते हैं,कुछ कष्ट सहते हैं,स्लोगन बनाते हैं, लेख लिखते हैं,भाषण देते हैं,भाषण सुनते हैं।

गाजा नरसंहार कोई पहला मुद्दा नहीं है जिस पर वे छात्र प्रतिक्रिया दे रहे हैं। जागरूक और आलोकित परिसरों में अक्सर ऐसा होता रहता है,लेकिन हमारे विश्वविद्यालयों में जीवंतता तो खत्म सी ही होती जा रही है। एकाध परिसरों में विश्व या देश की राजनीति पर,मानवीय विडंबनाओं पर छात्र गण प्रतिक्रिया देते हैं तो 'टुकड़े टुकड़े गैंग' कहते हम हिकारत से भर उठते हैं। ये गए हैं पढ़ने,अफसर बनने या नेतागिरी करने? टैक्स देने वालों के पैसों का यह दुरुपयोग है। वह भी देश के कुछ गिने-चुने,शायद एकाध जगहों पर कुछ ऐसा होता हो। हमारे देश का मिडिल क्लास इस

डॉ. हेमंत कुमार झा
एसोसिएट प्रोफेसर, पाटलिपुत्र विवि, पटना (बिहार)

> हम जनता लोग भी जागरूक हैं। किसी भी छात्र समूह ने जहां मणिपुर,सीरिया आदि किया,तुरंत देशद्रोही आदि वाले व्हाट्सएप संदेशों की अबाध फॉरवार्डिंग शुरू कर देते हैं।

बात के सख्त खिलाफ है कि उसके बच्चे गाजा,यूक्रेन,सीरिया,मणिपुर आदि फालतू की बातों में नारेबाजी,भाषणबाजी में उलझें। उन्हें कोर्स पूरा कर जल्दी से जल्दी यूपीएससी से लेकर एसएससी की कोई भी परीक्षा पासकर कलेक्टर से लेकर क्लर्क तक की कोई पोस्ट झपट लेनी चाहिए ताकि उनका शादी ब्याह कर निश्चिंत हो जाएं।

हम जनता लोग भी जागरूक हैं। किसी भी छात्र समूह ने जहां मणिपुर,सीरिया आदि किया, तुरंत देशद्रोही आदि वाले व्हाट्सएप संदेशों की अबाध फॉरवार्डिंग शुरू कर देते हैं। बिहार पर तो भारी गर्व है हमें। इस मामले में यहां के विश्वविद्यालय और कॉलेज तो अनूठे हैं। मजाल है कि पांच दस प्रतिशत से अधिक छात्र बता दें कि गाजा आखिर है क्या? कोई देश है या शहर या कि समुद्र से हाल में खोजा गया कोई निर्जन द्वीप? वे तो सिरे से ही इंकार कर देंगे कि गाजा नाम से उन्हें कोई साबका रहा। उन्हें तो फॉर्म भरना है,परीक्षा देनी है,नकल नहीं करने दो तो बड़ी संख्या में फेल कर जाना है और विश्वविद्यालय का सिर दर्द बढ़ाना है। विज्ञान के छात्र प्रयोगशाला नहीं जाते। अधिकतर कॉलेजों के प्रैक्टिकल रूम्स को खोलिए तो अचानक से लगेगा कि मानव के पदचापों से महरूम इन कक्षों के स्याह,धूल भरे अंधेरों में प्रेतात्माएं विचरती होंगी। प्रयोगशालाओं में जरूरी स्टाफ की बहाली नहीं हुई,जो थे वे जाने कब रिटायर हुए,कितने मर खप गए। फिजिक्स में सब जोड़कर कई सौ छात्र,टीचर एक, सहयोगी स्टाफ कोई नहीं,बोटनी में तो टीचर ही नहीं,मैथ निल।

कितने संतोषी हैं, कितने आत्मतुष्ट, आत्मलीन हैं, हमारे छात्र। उनके कॉलेजों में हिस्ट्री के सर जी हैं तो पॉलिटिकल साइंस के हैं ही नहीं कोई, हिंदी के हैं तो अंग्रेजी का पोस्ट खाली है, चार सौ, पांच सौ, छह छह सौ छात्रों पर हिस्ट्री,राजनीति शास्त्र, हिंदी आदि के एक-एक शिक्षक हैं। बेदम हैं। न वेतन टाइम पर,न प्रमोशन टाइम पर। अगर बकाया आदि रह गया हो तो बूढ़े हो जाओ, एरियर के लिए एड़ियां घिस जाएंगी। मुख्यालय जाकर मांगने की जहमत उठा ही ली तो अगला टेबुल और फाइल से नजरें उठाए बिना कहेगा, 'सरकार से राशि आएगी तो मिल जाएगी।'

वह तो भला हो तकनीकी क्रांति का कि मोबाइल कंपनियां एक-एक बित्ते की स्क्रीन वाले सस्ते मोबाइल लांच करती रहती हैं,अपने अंबानी सर जियो की अबाध सेवा लिए तत्पर रहते हैं, रील्स बनाने वाली बेचैन आत्माएं तरह-तरह के अनोखे दृश्य लिए हाजिर रहती हैं। कौन गाजा, मणिपुर आदि की टेंशन ले। वह अमेरिका है, इंग्लैंड है, फ्रांस है। हम भारत हैं,हम बिहार हैं। हम सीधे विश्वगुरु बनने की देहरी पर खड़े हैं और गुरुकुल के केंद्रीय कक्ष की मुख्य कुर्सी पर छलांग लगाने ही वाले हैं।

सोशल फोरम

कोविशील्ड टीका और थ्रोम्बोसिस

खबर आई कि कोविशील्ड टीका उत्पादक ऐस्ट्राजेनेका कंपनी अपने बयान पर पलट गई और अब कह रही है कि अत्यंत बिरले मामलों में इसके टीके से थ्रोम्बोसिस संभव है।

थ्रोम्बोसिस एक गंभीर स्थिति है इसमें रक्त-नलिकाओं में रक्त के थक्के बनते हैं जिससे रक्त का प्रवाह रुक सकता है। यदि हृदय को रक्त नहीं मिला तो मृत्यु संभव है। इसी तरह मस्तिष्क के किसी भाग में रक्त नहीं पहुंचे तो मस्तिष्क का वह भाग निष्क्रिय हो सकता है,पर कंपनी अपने "बयान पर पलट गई" कहना सही नहीं है।

सचिदानंद सिंह
मुंबई

2021 में ही दवा की विस्तृत विवरणी जो ब्रिटेन के औषधि नियामक के वेब साइट पर आई थी उसमें यह बात कही गई थी कि बिरले मामलों (वेरी रेयर केसेस) में कोविशील्ड का एक पार्श्व प्रभाव देखा गया है। थ्रोम्बोसिस एंड थ्रोम्बोसाइटोपेनिया सिंड्रोम (टीटीएस)। थ्रोम्बोसाइटोपेनिया रक्त में प्लैटलेट्स की संख्या कम हो जाने को कहते हैं। कंपनी के कहने के पहले, अप्रैल 2021 में ऑस्ट्रेलिया में आंकड़ों के आधार पर कोविशील्ड के इस खतरे को रेखांकित किया गया था। 2021 दिसंबर तक के आंकड़ों के आधार पर ऑस्ट्रेलिया सरकार ने कहा था कि साठ से कम उम्र वालों में एक लाख में तीन और साठ से अधिक उम्र वालों में एक लाख में दो व्यक्ति कंपनी के टीके लेने के चार से बयालीस दिनों के अंदर टीटीएस से पीड़ित हुए पाए गए थे।

आज जब महामारी समाप्त प्रायः हो गई है यह कहना आसान है कि टीके नहीं दिलाने थे। सरकारी आंकड़े हैं कि देश में 4.50 करोड़ से अधिक लोग संक्रमित हुए थे। यह जनसंख्या का 3.22 प्रतिशत हुआ। सरकारी आंकड़ों के अनुसार महामारी से 5.33 लाख से अधिक लोग मरे थे। यह जनसंख्या का 0.038 प्रतिशत हुआ। लाख में टीटीएस के तीन मामले यानी 0.003 प्रतिशत। तो टीटीएस के खतरे के बाद भी टीका नहीं दिलाना बारह गुना अधिक खतरनाक होता। आज जो टीका विरोधी रुख दिखा रहे हैं,ये वही लोग हैं,जो कहते थे चालीस लाख से अधिक लोग महामारी से मरे थे। यदि मृत्यु के उनके आंकड़े लिए जाएं तो टीका नहीं दिलाना टीटीएस के खतरे से सौ गुने से अधिक खतरनाक होता।

-फेसबुक वॉल से

अनियोजित पर्यटन विकास के कारण चलना हुआ दुश्वार

कहते हैं 'बारात के आंगन में आ जाने के बाद पानी के लिए कुआं खोदने' से अफरातफरी होती है और समस्या का समाधान भी नहीं हो पाता। प्रदेश के पर्यटन स्थलों में अधिसंरचनात्मक सुविधाओं के विकास के संदर्भ में यह मुहावरा पिछले करीब चार दशकों से साल-दर-साल और बारंबार दोहराया जा रहा है। उत्तराखंड राज्य की अर्थव्यवस्था का मूलाधार समझे जाने वाले पर्यटन उद्योग को लेकर इस फौरी रवैये से नैनीताल जैसा विख्यात पर्वतीय पर्यटन स्थल आज अनियंत्रित और अनियोजित जन पर्यटन की गंभीर समस्या से जूझ रहा है।

पर्यटक सीजन के शुरुआत में ही छोटे से इस पहाड़ी नगर की सभी सड़कें दोपहिया और चौपहिया वाहनों से भर गईं हैं। राहगीरों के लिए पैदल चलने लायक जगह भी नहीं बची है। नैनीताल में पैदल चल पाना भी दुष्कर हो गया है। उत्तराखंड में पर्यटन उद्योग को बढ़ावा देने के लिए तमाम दावे किए जाते रहे हैं और किए जा रहे हैं,लेकिन ब्रिटिश शासन काल में वजूद में आए नैनीताल और मसूरी आदि ख्याति प्राप्त हिल स्टेशन न्यूनतम अधिसंरचनात्मक सुविधाओं के लिए तरस रहे हैं। उत्तराखंड को अलग राज्य बने चौबीस साल पूरे होने को हैं,परंतु यहां के भंगुर पर्यावरण और विशिष्ट भौगोलिक परिस्थितियों के अनुरूप व्यावहारिक पर्यटन नीति नहीं बन पाई है। पर्यटकों की रूपरेखा और पर्यटक सांख्यिकी माप की दिशा में ध्यान ही नहीं दिया गया है। पर्यटक स्थलों की भार वहन क्षमता का आकलन

प्रयाग पाण्डे
वरिष्ठ पत्रकार

> पर्यटक सीजन के शुरुआत में ही छोटे से इस पहाड़ी नगर की सभी सड़कें दोपहिया और चौपहिया वाहनों से भर गईं हैं। राहगीरों के लिए पैदल चलने लायक जगह भी नहीं बची है।

करने की आवश्यकता ही नहीं समझी गई है। इस वजह से पर्यटक स्थलों में अत्यावश्यक अधिसंरचनात्मक सुविधाओं का विकास नहीं हो सका है। परिणामस्वरूप नैनीताल जैसे स्थापित पर्यटक स्थलों में जन पर्यटन ने आपाधापी का माहौल बना दिया है। नैनीताल समेत उत्तराखंड के अन्य सभी पर्यटक स्थलों का अनियंत्रित, अदूरदर्शी और असंयोजित रूप से व्यावसायिक दोहन हो रहा है जिससे पर्यावरण संकट बढ़ा है और सामाजिक एवं सांस्कृतिक समस्याएं उत्पन्न हुई हैं। अनियंत्रित जन पर्यटन गतिविधियों से आक्रोश का वातावरण बन रहा है। मेजबान और मेहमान के बीच तनाव की घटनाएं बढ़ने लगी हैं। 'वहन क्षमता' से कहीं अधिक वाहनों के चलते नैनीताल अत्यधिक भीड़-भाड़ वाले नगर में तब्दील हो गया है। औपनिवेशिक शासक भारत के पहाड़ों की तुलना यूरोपीय पहाड़ों से करते थे। अंग्रेजों ने भारत में कई हिल स्टेशन बसाए जिनमें नैनीताल भी सम्मिलित था। 1980 के दशक में मारुति संस्कृति आने के बाद निजी वाहनों की संख्या बढ़ने लगी थी। परिवहन के साधन बेहतर हुए। पर्यटकों की रुचियों में भी बदलाव आने लगा। पर्यटन ने फैशन का रूप धारण कर लिया। पर्यटकों को सार्वजनिक यातायात के बजाय निजी वाहनों में आना-जाना सुविधाजनक लगने लगा। अब नैनीताल में पार्किंग की आवश्यकता अनुभव की जाने लगी। 1983-84 में नैनीताल के एकमात्र खुले स्थान फ्लैट्स के एक हिस्से को कार पार्किंग में तब्दील कर दिया गया। इसके बाद साल-दर-साल पर्यटकों और गाड़ियों की तादाद बढ़ती चली गई। नैनीताल के सभी पैदल मार्गों में गाड़ियां दौड़ने और पार्क होने लगीं। इस कारण नैनीताल के पैदल मार्गों में भी पैदल चल पाना दूभर होता चला गया। नैनीताल में पार्किंग एवं अन्य अधिसंरचनात्मक सुविधाओं को लेकर दशकों से हर साल अलग-अलग स्तर पर विमर्श होता रहा है। ज्यों-ज्यों मर्ज की दवा खोजी गई, त्यों -त्यों मर्ज लाइलाज होता चला गया है। इधर के कुछ वर्षों में यहां टैक्सी वाहनों और टैक्सी मोटर बाइकों की संख्या में एकाएक उछाल आया है। निजी दोपहिया और चौपहिया वाहनों की तादाद भी खूब बढ़ी है। दोपहिया टैक्सी वाहनों ने सड़क के किनारों की नालियों को भी हाईवे में तब्दील कर दिया है। नगर में पैदल चलने वालों के लिए सड़कों के किनारों की नालियां भी नहीं बची हैं। इंतजामिया अनियंत्रित और अनियोजित यातायात को कानून व्यवस्था की दृष्टि से देखता है। जबकि यह नियोजन से जुड़ा मुद्दा है। सड़कों की क्षमता से कई गुना अधिक वाहनों की संख्या को ट्रैफिक पुलिस नियंत्रित नहीं कर सकती है। ऐसा हो पाना संभव ही नहीं है। पार्किंग सुविधाओं के विस्तारीकरण से भी इस समस्या से निपटा नहीं जा सकता है। गाड़ियों को चलने के लिए पहले सड़क चाहिए और फिर पार्किंग। समस्या की जड़ को खोजने के बजाय तदर्थ उपाय करने से इसका समाधान हो पाना असंभव है।

नैनीताल की विशिष्ट भौगोलिक बनावट के चलते यहां पर्यटकों की सुविधाओं में बढ़ोतरी की गुंजाइश नहीं के बराबर है। यहां आवश्यकता के अनुरूप अधिसंरचनात्मक सामर्थ्य का अभाव है। मांग और आपूर्ति में असंतुलन से व्यवस्थाएं चरमरा गई हैं। संसाधनों पर अत्यधिक दबाव बढ़ गया है। सप्ताहांत पर्यटन की बढ़ती प्रवृत्ति से पर्यटकों के ठहरने की अवधि अत्यंत कम हुई है। पर्यटन को टिकाऊ और लाभप्रद बनाने के लिए दीर्घकालिक उपाय खोजने के बजाय समस्याओं का तदर्थ और तात्कालिक समाधान खोजने की प्रवृत्ति हावी होती जा रही है। जबकि सच्चाई यह है कि पर्यटक स्थल की वहन क्षमता को ध्यान में रखकर सुविचारित दीर्घकालीन योजना बनाए बिना अनियंत्रित पर्यटन विकास को रोका नहीं जा सकता है। याद रहे कि पर्यटन स्थल एक बहुमूल्य संपत्ति होती है,नियंत्रित पर्यटन से ही इस संपत्ति को संरक्षित किया जा सकता है।

एक नजर

20 लाख की हेरोइन के साथ दो गिरफ्तार

मिर्जापुर, अमृत विचार।
उप-निरीक्षक नरेन्द्र कुमार यादव ने थाना चुनार क्षेत्र से मोटरसाइकिल सवार 02 अभियुक्तों धीरज जायसवाल पुत्र जगतनारायण जायसवाल निवासी सरैया सिकन्दरपुर थाना चुनार जनपद मिर्जापुर व भोनू पाण्डेय पुत्र संतोष कुमार पाण्डेय निवासी सोनपुर थाना अहरौरा जनपद मिर्जापुर को गिरफ्तार किया । गिरफ्तार अभियुक्तों के पास से 200 ग्राम हेरोइन(अनुमानित कीमत 20 लाख) बरामद हुई।

दो बाइकों की भिड़ंत से युवक व दंपति घायल

हलिया (मिर्जापुर) अमृत विचार।
लालगंज थाना क्षेत्र के बरौंधा चैकी अंतर्गत बरौंधा पुल पर रात दो बाइकों की आमने सामने भिड़ंत होने से दोनों बाइक सवार कुल तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। ड्रमंडगंज थाना क्षेत्र के मझिगवां गांव निवासी 24 वर्षीय सचिन बाइक से बरौंधा बाजार से वापस लौट रहा था कि जैसे ही बरौंधा पुल पर पंहुचा कि सामने से आ रहे ड्रमंडगंज थाना क्षेत्र के पटेहरा गांव निवासी 28 वर्षीय राहुल व 25 वर्षीय पत्नी सपना की बाइक से आमने-सामने भिड़ंत होने से दोनों बाइक सवार तीनों लोगों गंभीर रूप से घायल हो गए।

तीन के विरुद्ध मुकदमा दर्ज

हलिया (मिर्जापुर) । स्थानीय थाना क्षेत्र के अहुगी खुर्द गांव निवासी आलोक नाथ शुक्ला ने रविवार को हलिया थाने में तहरीर देकर बताया कि पशुओं को पानी पिलाने के लिए पाइप फैलाकर घर तक ले जा रहा था। इसी दौरान गांव निवासी सिद्धनाथ मनीष कुमार आनंदनाथ पाइप फैलाने से मना करने लगे। कहा-सुनी के बाद गाली देते हुए मारे पीटे। जिससे चोटे आई हैं पुलिस ने तीन लोगों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर लिया है।

पूर्वांचल को साधने के लिए राजा भैया से बेंगलुरू में मिले अमित शाह

सियासत

▸▸ गृहमंत्री अमित शाह की जनसत्ता दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष से मुलाकात, दोनों नेताओं ने बंद कमरे में एक घंटे की बातचीत

आरपी सिंह प्रतापगढ़

अमृत विचार : लोकसभा चुनाव के दो चरणों के लिए वोट पड़ चुके हैं। तीसरे चरण के लिए सात मई को वोट पड़ेगा। मौसम की गर्मी के साथ राजनीति का पारा भी बढ़ा हुआ है। इसी बीच केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने बेंगलुरु में जनसत्ता दल लोकतांत्रिक के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजा भैया से मुलाकात कर सियासी पारा और बढ़ा दिया। माना जा रहा है कि अमित शाह इस मुलाकात से पूर्वांचल को साधेंगे।

वर्ष 2014 में भाजपा की जीत के चाणक्य कहे जाने वाले गृहमंत्री अमित शाह इस बार भी कोई कसर नहीं छोड़ना चाह रहे हैं। इस बीच देखा गया कि भाजपा से क्षत्रिय वर्ग का बड़ा हिस्सा नाराज चल रहा है। ऐसे में बेंगलुरू में राजा भैया से अमित शाह से मुलाकात के कई राजनीतिक मायने लगाए जा रहे हैं। दोनों नेताओं ने बंद कमरे में करीब एक घंटे तक बातचीत की। इस मुलाकात को यूपी में भाजपा से क्षत्रिय वोटर्स की नाराजगी को लेकर भी देखा जा रहा है। गृहमंत्री द्वारा इस तरह दोस्ती का हाथ बढ़ाये जाने पर राजा भैया ने कहा कि मैं मित्रता का धर्म पिछले कई सालों से बिना किसी शर्त के निभा रहा हूं। जितना हो सका, मैंने भाजपा की मदद की है। इस पर अमित शाह ने कहा कि ये रिश्ता आगे कायम रहेगा.।

लखनऊ में ही होनी थी मुलाकात

अमित शाह पिछले महीने लखनऊ आए थे, उसी समय इस मुलाकात की स्क्रिप्ट लिखी गई थी। लेकिन, उस समय राजा भैया लखनऊ में नहीं थे। इस वजह से मुलाकात नहीं हो पाई। शनिवार देर शाम दोनों नेताओं की बेंगलुरु में मुलाकात हुई।

भाजपा का सहयोग करते आ रहे हैं राजा भैया

राजा भैया 1993 से लगातार विधायक हैं। पिछले कई चुनावों से वह भाजपा की मदद करते आ रहे हैं। उनकी पार्टी जनसत्ता दल के दो विधायक हैं। उन्होंने विधानसभा, राष्ट्रपति, राज्यसभा और विधान परिषद चुनाव में भाजपा की मदद की है।

भाजपा से राजा भैया की नाराजगी की थी चर्चा

राजा भैया ने राज्यसभा चुनाव में खुलकर भाजपा की मदद की थी। उन्होंने अपना और अपने एक सहयोगी विधायक का वोट भाजपा प्रत्याशी संजय सेठ को दिया था। इसके बाद कयास लगाए गए कि कौशांबी और प्रतापगढ़ सीट पर भाजपा और राजा भैया के बीच समझौता होगा। लेकिन भाजपा ने दोनों सीटों पर पुराने प्रत्याशियों को उतार दिया। इसके बाद कहा जाने लगा कि राजा भैया और भाजपा नेतृत्व के बीच तल्खियां बढ़ गई हैं। राजा भैया ने इसको लेकर कोई बयान नहीं दिया था।

एमएलसी अक्षय ने भाजपा से जताई थी नाराजगी

करणी सेना के अध्यक्ष राज शेखावत की गुजरात में गिरफ्तारी के बाद क्षत्रिय संगठन नाराज हो गए थे। राज शेखावत केंद्रीय मंत्री पुरुषोत्तम रूपाला के क्षत्रिय समाज पर की गई अभद्र टिप्पणी का विरोध करने गुजरात पहुंचे थे, जहां उन्हें हिरासत में लिया गया। इसको लेकर देश में कई क्षत्रिय संगठन ने भाजपा का विरोध किया था। एमएलसी अक्षय प्रताप सिंह उर्फ गोपाल ने भी अपने समाज के साथ खड़े रहने की बात कही थी। उन्होंने कहा था- भाजपा क्षत्रिय समाज का अपमान कर रही है।

पूर्वांचल की राजनीति में अलग है राजा भैया की पहचान

पूर्वांचल से लेकर पश्चिमी यूपी तक राजपूत वोट बैंक पर राजा भैया की मजबूत पकड़ है। लोकसभा चुनाव में राजा भैया की पार्टी ने प्रतापगढ़ सीट से प्रत्याशी नहीं उतारा। ऐसे में राजा भैया के साथ दिख कर अमित शाह पूर्वांचल में प्रतापगढ़, कौशाम्बी, प्रयागराज,वाराणसी, जौनपुर, भदोही, मिर्जापुर, गोरखपुर, कुशीनगर, सोनभद्र, कुशीनगर, देवरिया, महाराजगंज,संतकबीर नगर, बस्ती, आजमगढ़, मऊ, गाजीपुर, बलिया, चंदौली, गोंडा, बलरामपुर श्रावस्ती, बहराइच, आदि सीटों पर एक बड़े वर्ग को साधने का प्रयास करेंगे।

कब्र खोदकर निकाला गया नवजात का शव

लापरवाही पूर्वक कराए गए प्रसव के बाद इलाज के दौरान हो गई थी मौत

कुण्डा प्रतापगढ़

अमृत विचार : बिहार रोड पर रानी नर्सिंग होम में 28 अप्रैल को लापरवाही पूर्वक कराए गए प्रसव के बाद इलाज के दौरान नवजात शिशु की मौत हो गई थी। इस मामले में प्रसव पीड़िता की बहन पूनम यादव की तहरीर पर पुलिस ने केस दर्ज करके डीएम के आदेश पर रविवार को शव को कब्र से खोदवाकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

घटना के बाद प्रसव पीड़िता की बहन ने संचालिका रीता व स्टाफ नर्स सौम्य के खिलाफ लापरवाही पूर्वक प्रसव कराने से मासूम की मौत, जान से मारने की धमकी समेत धाराओं में कुंडा कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराया था। जनपद मुख्यालय से आई स्वास्थ्य टीम ने जांच कर नर्सिंग होम को सील कर दिया था। पुलिस ने मुकदमा दर्ज होने के बाद रविवार को प्रीतमपुर गांव पहुंचकर नवजात बच्चे का शव कब्र से खोदवाकर उसे पोस्टमार्टम के लिए भेजवाया। महेशगंज के प्रीतमपुर गांव निवासी राजेश यादव की पत्नी पिंकी यादव प्रसव कराने के लिए अपनी बहन पूनम यादव के साथ कुंडा के बिहार रोड स्थित नर्सिंगहोम ले जाई गई थी। वहां पर देर रात पिंकी ने एक बेटी को जन्म दिया। जन्म के कुछ घंटे बाद इलाज के दौरान नवजात की मौत हो गई थी। कुंडा कोतवाल सत्येंद्र सिंह ने बताया कि जांच की जा रही है, पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

सड़क जाम कर हंगामा, आरोपियों के खेत में दफनाया

कुण्डा प्रतापगढ़ अमृत विचार : संदिग्ध परिस्थितियों में विवाहिता की मौत के बाद ससुरालीजनों पर उसे मार डालने का आरोप लगाकर हंगामा किया। रविवार सुबह आक्रोशित परिजन शव लेकर कुंडा-जेठवारा मार्ग पर हीरागंज चौराहे पर पहुंचे व आरोपितों पर कार्रवाई की मांग को लेकर जाम लगा दिया। पुलिस ने 10 मिनट बाद चौराहे से शव को हटवा दिया।महेशगंज के फतूहाबाद निवासी कन्हैया लाल मिश्र की बेटी प्रिया उर्फ सलोनी की शादी बला का पुरवा रायगढ़ निवासी नीरज दुबे पुत्र रमाशंकर के साथ 2019 में हुई थी। शुक्रवार रात संदिग्ध दशा में फंदे से लटकने के कारण प्रिया की मौत हो गई थी। उसके पिता कन्हैया लाल की तहरीर पर पुलिस ने दहेज हत्या का मुकदमा दर्ज कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा था। रविवार सुबह हीरागंज चौराहे पर शव रखकर परिजनों ने जाम लगा दिया। पुलिस ने समझाकर उन्हें वहां से हटवाया। आक्रोशित परिजन शव को डाला में रख कर प्रिया के ससुराल पहुंचे और गांव के बाहर आरोपियों के खेत में बुलडोजर से गड्ढा खोदवा कर शव को दफन कर दिया। एसओ सत्येंद्र सिंह ने बताया कि आरोपी सास सुधा दुबे को उसके घर के पास से गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। फरार ससुर व पति की खोजबीन की जा रही है।

झूंसी पुल पर आमने-सामने टकराए दो बाइक सवार, दोनों की मौत

प्रयागराज अमृत विचार : झूंसी इलाके में रविवार शाम शास्त्री ब्रिज पर दो बाइकों थी आपस में भिड़ंत हो गयी। जिसमें एक युवक की मौके पर मौत हो गयी जबकि दूसरा गंभीर रूप से घालय हो गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया, जबकि घायल को इलाज के लिए अस्पताल भेजा। जहां उसकी मौत हो गई। कोटवा निवासी सूर्य प्रसाद मालवीय का बेटा आनंद और धनुवा गांव निवासी बनवारी लाल का बेटा विमलेश अलग-अलग बाइक से थे। आंनद झूंसी से शहर की तरफ आ रहा था, जबकि विमलेश भारती बाइक से झूंसी की तरफ जा रहा था। पुल ब्रिज पर मरम्मत के चलते वन-वे कर दिया गया था। जिसको लेकर पुल पर भीषण जाम लगा हुआ था। जिसको लेकर दोनों बाइक सवार आमने-सामने टकरा गए। जिसमें दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। मृतकों में 21 साल के आनंद मालवीय और विमलेश भारती (20) है।

सार-संक्षेप

गाय को सेल्हा मारकर किया घायल

हमले में जख्मी गाय।

हलिया (मिर्जापुर) अमृत विचार। स्थानीय थाना क्षेत्र के पंवारी खुर्द गांव में रविवार की सुबह खेत में घायलावस्था में लावारिश गाय को पड़ा हुआ देखकर ग्रामीणों ने इसकी सूचना पुलिस तथा पशु चिकित्सक को दिया मौके पर पंहुची पुलिस ने जांच पड़ताल करते हुए घायल गाय का पशु चिकित्सक से उपचार कराते हुए गाय को पशु आश्रय स्थल पर पंहुचाया है। किसी ने गाय को सेल्हा मार दिया था जिससे सेल्हा गाय के आर-पार हो गया था। हलिया थाना क्षेत्र के पंवारी खुर्द गांव में सुबह एक लावारिस गाय के आर-पार सेल्हा देखकर ग्रामीणों ने इसकी सूचना स्थानीय पुलिस को दिया मौके पर पंहुची पुलिस ने मामले की जांच पड़ताल किया है। पशु चिकित्सक कमलेश कुमार के निर्देश पर मौके पर पहुंचे पशु धन प्रसार अधिकारी विपुल राय ने घायल के पेट से सेल्हा को निकालते हुए गाय का उपचार किया है।

गेहूं लदा ट्रक केंद्र प्रभारी ने पकड़कर खड़ा कराया

हलिया (मिर्जापुर) अमृत विचार। क्षेत्र के रतेह गांव में रविवार को गेहूं बेचने के लिए किसानों से संपर्क कर रहे साधन सहकारी समिति लिमिटेड भटवारी दिघिया के केंद्र प्रभारी सुधाकर ओझा को सूचना मिली कि गांव में एक व्यापारी द्वारा किसानों से गेहूं खरीद कर बाहर परिवहन करने के लिए ट्रक पर गेहूं लदवाया जा रहा है जिस पर मौके पर पंहुचकर केंद्र प्रभारी ने करीब ढाई सौ कुंतल गेहूं लदे ट्रक को पकड़कर व्यापारी से गेहूं खरीद से संबंधित कागजात की मांग की। कोई कागजात नहीं दिखा पाने पर गेहूं लदे ट्रक को पुलिस को सौंप दिया है। इस संबंध में केंद्र प्रभारी साधन सहकारी समिति लिमिटेड भटवारी दिघिया सुधाकर ओझा ने बताया कि केंद्र पर गेहूं बेचने के लिए किसानों से रतेह गांव में संपर्क कर रहा था कि सूचना मिली की व्यापारी द्वारा ट्रक पर गेहूं लदवाया जा रहा है जिस पर मौके पर पंहुचकर गेहूं लदे करीब ढाई सौ कुंतल ट्रक को पकड़कर ट्रक चालक से गेहूं से संबंधित कागजात की मांग किया गया मौके पर कोई कागजात नहीं दिखाने पर ट्रक को पुलिस अभिरक्षा में थाना परिसर में खड़ा कराते हुए पुलिस को सुपुर्द कर दिया गया है। व्यापारी द्वारा कागजात दिखाने पर छोड़ दिया जायेगा।

संदिग्ध परिस्थितियों में विवाहिता की मौत

लालगंज प्रतापगढ़, अमृत विचार : संदिग्ध परिस्थितियों मे विवाहिता की मौत हो गयी। लीलापुर थाने के तिना चितरी निवासी सदाशिव चौरसिया की पत्नी 23 वर्षीय ज्योति चौरसिया ने शनिवार की देर शाम कोई जहरीला पदार्थ निगल लिया। उसकी तबीयत बिगडने लगी तो परिजन आननफानन में लेकर इलाज के लिए लालगंज ट्रामा सेन्टर पहुंचे। यहां चिकित्सकों ने ज्योति को मृत घोषित कर दिया। जानकारी मिलने पर लीलापुर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को पीएम के लिए भेजवाया ।मृतका के पति सदाशिव के मुताबिक उसकी पत्नी की मानसिक स्थिति खराब थी। सदाशिव ने बताया कि दिल्ली में इलाज भी चल रहा था। प्रभारी निरीक्षक नरेन्द्र सिंह ने बताया कि शव पीएम के लिए भेजा गया है। पीएम रिपोर्ट आने के बाद मौत का कारण स्पष्ट होगा। तहरीर मिलने पर कार्रवाई की जाएगी।

सपा कार्यकर्ताओं ने बनायी जीत की रणनीति

गोंडा कार्यालय, अमृत विचार : कैसरगंज संसदीय सीट से महागठबंधन सपा प्रत्याशी भगतराम मिश्र ने रविवार को देवीपाटन मंडल मुख्यालय स्थित सपा पूर्व विधायक बैजनाथ दूबे के आवास पर बैठक कर विधानसभावार चुनाव प्रचार पर रणनीति बनायी। बैठक में पार्टी नेताओं को विधानसभा वार जिम्मेदारी सौंपी गयी। सपा ब्लॉक अध्यक्ष सेक्टर प्रभारी एवं प्रमुख लोगों में तरबगंज के विधानसभा प्रभारी राम भजन चौबे, कर्नलगंज से पूर्व मंत्री योगेश प्रताप सिह, पयागपुर से पूर्व विधायक मुकेश श्रीवास्तव, कैसरगंज से विधायक आनंद यादव शामिल रहे। यहां पर सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव का संदेश सुनाया गया कि कम समय में विधानसभा से पूर्व विधायक व विधायक व पूर्व प्रत्याशी अपनी जिम्मेदारी संभाल लें।

दुलारे बाग में परिक्रमार्थियों ने डाला पड़ाव

परसपुर, अमृत विचार : श्रीराम जय राम, जय जय सीता राम के गगनभेदी जयकारे से परिक्रमार्थियों ने घाघरा नदी नाव से पार कर बहुवन देवीगंज दुलारे बाग में पहला पड़ाव किया। अयोध्या की 84 कोसी परिक्रमा यात्रा रविवार को घाघरा को पारकर बाराबंकी सीमा से गोंडा में पहुंची। परसपुर थाना के इंस्पेक्टर प्रदीप कुमार शुक्ल, आदित्य गौरव श्रीवास्तव, राम सेवक समेत पुलिसकर्मी पड़ाव स्थल पर मुस्तैद रहे हैं। अवध की चौरासी कोसी परिक्रमा यात्रा धर्मार्थ सेवा संस्थान के बैनर तले महंत गया दास, महंत ओंकारदास, महंत गया शरण एवं विहिप हनुमान मण्डल के सुरेन्द्र सिंह के अगुवाई में डेढ़ से दो हजार श्रद्धालु परिक्रमा यात्रा में शामिल हैं। बीएचपी हनुमान मंडल के तत्वावधान में संचालक सुरेन्द्र सिंह ने बताया कि परिक्रमा यात्रा में छह सौ साधु संत शामिल हैं। पड़ाव स्थल पर पुलिस प्रशासन व स्वास्थ्य विभाग के टीम की रही है। अगला पड़ाव 6 मई को ब्रह्मचारी व जम्बू तीर्थ, 7 मई को तुलसी जन्मभूमि राजापुर, सूकरखेत, बखरिहा रात्रि विश्राम करके वाराही धाम को निकलेगा। इस जत्थे में रामेश्वरम धाम से बाबा बालक दास, राजस्थान से गिरधारी बंसल, गोरखपुर से बालक दास, हरिद्वार से राकेश दास, श्रावस्ती से प्रेम नरायन दास समेत कई प्रान्तों के परिक्रमा श्रद्धालु शामिल रहे हैं। वहीं धर्मार्थ सेवा संस्थान के परिक्रमा संचालक महंत गया दास के अगुवाई में 7 मई को बहुवन देवीगंज दुलारे बाग, 8 मई को ब्रह्मचारी, जम्बूद्वीप तीर्थ, सरयू तट भौरीगंज, तुलसी जन्मभूमि मन्दिर राजापुर, 9 मई को सुमिरन कुटी, नरहरि आश्रम, वृंदावन खैरा, 10 मई को सकरौर, तिवारी बाजार, बखरिहा, सेमरा रात्रि विश्राम के बाद वाराही धाम को प्रस्थान करेगा।

कोटेदार कर रहे मतदान को प्रेरित

गोंडा कार्यालय अमृत विचार : मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए जिला निर्वाचन अधिकारी लगातार कवायद कर रही हैं। जिला प्रशासन के निर्देश पर सभी विभागों द्वारा मतदान प्रतिशत को बढ़ाने के लिए कसरत की जा रही है। जिलापूर्ति विभाग कोटेदारों के माध्यम से आम जनमानस को मतदान करने के लिए प्रेरित कर रहा है। जब राशन कार्ड धारक खाद्यान्न लेने के लिए कोटे की दुकान पर आता है तो कोटेदार उसको लोकतंत्र में मतदान के ताकत के बारे में अवगत कराता है। जिला प्रशासन के निर्देश पर कोटे के सभी दुकानों पर मतदान जागरूकता से लिखा स्लोगन व बैनर पोस्टर लगा दिए गए हैं। जिले में वर्तमान समय में 1392 कोटेदार हैं जिनके घर दुकान संचालित है। लोकसभा चुनाव में आगामी 20 मई को जिले में मतदान होगा। जिले मे मतदान स्थित पूर्व के चुनाव में ठीक नहीं थी ,मतदान प्रतिशत को बढ़ाने के लिए जिला अधिकारी निर्वाचन अधिकारी लगातार मेहनत भी कर रही हैं। जिले में मतदान प्रतिशत बढ़े इसमें सभी विभाग सहयोग कर रहे हैं ,उसी के तहत पूर्ति विभाग के अफसर भी अपने कोटेदार के माध्यम से मतदान प्रतिशत बढ़ाने में अपना योगदान दे रहे हैं। सभी कोटेदारों की दुकानों पर रेट बोर्ड के बगल ही बैनर चिपकाया गया है, जिसमें लिखा है कि गोंडा का यह अभिमान 20 मई को शत प्रतिशत मतदान इस स्लोगन के साथ कोटेदार खाद्यान्न लेने वाले सभी व्यक्तियों को जागरुक कर रहा है। पूर्ति विभाग के अनुसार जिले के सभी कोटेदारों को इसके लिए निर्देशित कर दिया गया है।

चाय पी रहे मजदूर पर गिरी कच्ची दीवार, मौत

प्रतापगढ़ अमृत विचार : चाय पी रहे मजदूर पर कच्ची दीवार गिर गई। इससे उसकी मौत हो गई। कोहड़ौर के अस्थरा गांव निवासी 45 वर्षीय अशोक कुमार वर्मा मेहनत मजदूरी करके परिवार का भरण - पोषण करते थे। रविवार सुबह घर की चारपाई पर बैठकर चाय पी रहा था। इस बीच घर के बगल स्थित पुराने कच्चे घर की दीवार भरभराकर उसके ऊपर गिर गई। इससे मिट्टी के मलबे में वह दब गया। जब तक गांव वाले मलबे को हटाते, तब तक उसकी सांस थम गई थी। परिजन सीएचसी लेकर पहुंचे। वहां पर डाक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

वाहन की टक्कर से वृद्ध की मौत

कुण्डा प्रतापगढ़ अमृत विचार : अज्ञात वाहन की टक्कर से गिरे बाइक सवार वृद्ध की मौत हो गई। मौत से परिजन बिलखने लगे। नवाबगंज निवासी 60 वर्षीय ताहिर अली रविवार की दोपहर करीब एक बजे घर से बाइक लेकर कुंडा जा रहे थे। प्रयागराज- लखनऊ हाईवे पर मानिकपुर के रहमत अली का पुरवा के पास पीछे से आ रहे अनियंत्रित वाहन की टक्कर से वह गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। घायल अवस्था में स्थानीय लोग ताहिर को सीएचसी कालाकांकर ले गए। डाक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया।

पत्नी की हत्या कर पति ने भी दी जान

मिर्जापुर, अमृत विचार। थाना पड़री क्षेत्रान्तर्गत ग्राम देवाही में पति-पत्नी के बीच हुए वाद-विवाद में पति सूर्यभान पुत्र लालमणी निवासी धर्मापुर थाना शाहपुर रीवा ने अपनी पत्नी रीनू पुत्री शेषमणी निवासिनी देवाही थाना पड़री जनपद मिर्जापुर 25 वर्ष की धारदार हथियार से प्रहार कर हत्या कर दिया। इसके बाद सूर्यभान ने गले में फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मृत पति-पत्नी के शव को कब्जे में लेकर अंत्य परीक्षण के लिए भेज दिया। । इनकी शादी वर्ष 2019 में हुई थी, वह अपनी पत्नी(रीनू) को साथ अपने घर रीवां ले जाना चाहता था जिनके बीच साथ जाने की बात को लेकर वाद-विवाद हो गया था।

उद्घोष में बच्चों की प्रस्तुतियों ने मन मोहा

प्रतापगढ़

अमृत विचार : डाल्फिन पब्लिक स्कूल छीटपुर के वार्षिकोत्सव उद्घोष में बच्चों की रंगारंग प्रस्तुतियों ने उपस्थित लोगों का मन मोह लिया।

मुख्य अतिथि इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायाधीश शिव शंकर प्रसाद ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इसके बाद बच्चों ने आल इज वेल, रामायण, कलरफुल इंडिया समेत कई आकर्षक और सन्देशप्रद कार्यक्रम प्रस्तुत किया। वैष्णवी पांडेय,विद्या त्रिपाठी, प्रियांशी मिश्रा, शिफा खान,सृष्टि सिंह, अंशिका सिंह, यशी मिश्रा, आरिफा आदि के अभिनय खूब सराहे गए। मुख्य अतिथि ने कहा कि बालकों के साथ बालिकाओं की शिक्षा भी अत्यंत आवश्यक है। शिक्षा में कदापि भेदभाव न करें। उइस अवसर पर पूर्व वाइस चांसलर पूर्वांचल युनिवर्सिटी राजाराम यादव, केके मिश्र, एसके शुक्ल अयोध्या,आशीष गुप्ता, गायत्री, गुंजन, त्रह्या, राजेंद्र आर्या, प्रियंका आदि रहीं। प्रधानाचार्य मनोज त्रिपाठी ने सभी का स्वागत किया। चेयरमैन अशोक त्रिपाठी व अनिल त्रिपाठी ने आगन्तुको का स्वागत किया।

डॉल्फिन पब्लिक स्कूल के वार्षिकोत्सव में सांस्कृतिक प्रस्तुति देते छात्र।

लगा भीषण जाम, धूप में रेंगते रहे वाहन

गंगा नदी पर बने शास्त्री ब्रिज पर लगा जाम। अमृत विचार

प्रयागराज

अमृत विचार। गंगा पर बने शास्त्री पुल पर रविवार को भीषण जाम लगा रहा। शास्त्री ब्रिज की एक बेयरिंग अपनी जगह से टूट कर सरक गयी। जिसको बदलने के लिए रविवार को ब्रिज का एक रास्ता बंद कर दिया गया। जिसके बाद एक ही लेन से यातायात चालू रहा। इस दौरान लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। बताया जा रहा है कि भारी वाहनों के चलते बेयरिंग खिसक गयी थी। प्रयागराज से बनारस व पूर्वांचल को जोड़ने वाला यह ब्रिज काफी पुराना है। इसमें लगे 520 बेयरिंग की जांच कराने का भी निर्णय पीडब्ल्यूडी ने ले लिया है। ऐसे में लगातार भारी और ओवरलोड वाहनों के आवागमन की वजह से इस सेतु की बेयरिंग खिसकने की शिकायत सामने आ चुकी है। इस सेतु के अनुरक्षण और रखरखाव की जिम्मेदारी पीडब्ल्यूडी के निर्माण खंड तृतीय को दी गई है। पीडब्ल्यूडी के अभियंताओं के मुताबिक महाकुंभ से पहले इस सेतु को कंप्लीट कर लिया जाएगा।

पूर्व सपा विधायक परवेज टंकी पर केस

प्रयागराज, अमृत विचार: समाजवादी पार्टी की सरकार में शहर दक्षिणी से रहे पूर्व विधायक परवेज अहमद टंकी के खिलाफ करैली रहने वाले बिल्डर मोहम्मद अब्बास मैक टाउन ने करैली थाने में केस दर्ज किया गया है।

प्रयागराज कमिश्नरेट ने पूर्व विधायक परवेज टंकी से इस मामले में पहले भी पूछताछ की थी। पुलिस ने परवेज टंकी पर 1.10 लाख अपने और जान से मारने की धमकी का मुकदमा दर्ज किया है। तहरीर के मुताबिक कुछ महीने पहले पूर्व विधायक को प्लाट खरीदने के लिए 1.10 लाख दिया गया था। जिसका पैसा व प्लाट कुछ नही दिया गया। वापस मांगने पर पूर्व विधायक ने जान से मारने की धमकी दी थी।

पूर्व विधायक के बेटे का हृदय गति रुकने से निधन

प्रयागराज, अमृत विचार : पूर्व विधायक व समाजवादी पार्टी के नेता मुन्तबा सिद्दिकी के बड़े बेटे अब्दुल्लाह सिद्दिकी की रविवार को हृदय गति रुकने से मौत हो गयी। वह 35 वर्ष के थे। वह सुबह करीब 7:00 बजे सो कर उठे थे और चाय पीने के बाद दोबारा अपने बिस्तर पर जाकर लेट गए। घर वालों ने उन्हें आवाज दी, लेकिन कोई आहट न मिलने पर घरवाले कमरे में पहुंचे तो वह मृत पड़े थे। शाम को उनके पैतृक गांव लीलाहट के कब्रिस्तान में उन्हे सुपुर्दे खाक कर दिया गया। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने शोक व्यक्त किया है। फूलपुर के भाजपा प्रत्याशी प्रवीण पटेल भी शोक जताने के लिए उनके घर पर पहुंचे और उन्हें सांत्वना दी। मोहम्मद अब्दुल्ला फूलपुर और सिकंदरा के कई स्कूलों व कॉलेज के प्रबंधक थे। शोक व्यक्त करने वालों में पूर्व सांसद कुंवर रेवती रमण सिंह, जिला अध्यक्ष अनिल यादव, सैयद इफ्तार हुसैन, पप्पू लाल निषाद, एमएलसी डॉक्टर मानसिंह यादव, विधायक विजय यादव, गीता शास्त्री जोखू लाल यादव, कृष्णमूर्ति सिंह, हाजी परवेज अहमद, लोकसभा प्रत्याशी अमरनाथ मौर्या, उज्जवल रमण यादव, वासुदेव यादव, वजीर खान मंसूर आलम, दान बहादुर सहित तमाम सपा नेता मौजूद रहे।

चुनाव प्रचार हर गांव में बिछाया सड़कों व नालियों का जाल, बड़ों को प्रणाम, छोटों को आशीर्वाद और युवतियों को गले लगाकर ली सेल्फी

राजनीतिक विरासत के लिए परीक्षा में उतरी हैं श्रीकला

जौनपुर

अमृत विचारः बसपा प्रत्याशी एवं जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीकला धनंजय सिंह ने जौनपुर सदर विधान सभा के मतापुर, कचगांव, जगदीश पट्टी समेत दर्जनों मोहल्लों, गांवों, कस्बों में रविवार को सघन जन सम्पर्क किया ।

इस दौरान उन्होंने बड़ों को प्रणाम, छोटों को आशीर्वाद और युवतियों को गले लगाकर सेल्फी भी खिंचवाई । उन्होंने कई नुक्कड़ सभाओं में कहा कि मेरे लिए परीक्षा की घड़ी है । गत दो दशक यानी 2002 से 22 साल में आपके

जनसंपर्क करतीं हुई श्रीकला धनंजय सिंह। अमृत विचार

धनंजय ने जो सेवा की है और इसी में आपकी बहू, बेटी श्रीकला ने बीते तीन साल में जिला पंचायत के जरिये जो सड़क, नाली का काम कराया है वह सर्व विदित है । इन्हीं काम और सेवा को ध्यान में रख कर फैसला करें। उन्होंने कहा कि हम दम्पति ही ऐसे प्रतिनिधियों में शुमार हैं जिनमें आप सब एक को चुनेंगे और दो पाएंगे। हमारा 24 घण्टे केवल आपके लिए है। मेरे विपक्ष में जो अन्य प्रतिनिधि हैं वह आपको चुनाव बाद दिन में भी टार्च लेकर खोजे नहीं मिलेंगे।

हम आपके पास मैहर देवी की गली में रहीला: श्रीकला

सदर विधान सभा के हूसेनाबाद पक्का पोखरा, माता पुर में जन सम्पर्क के दौरान श्रीकला धनंजय सिंह ने एक बुजुर्ग महिला द्वारा पता पूछने पर भोजपुरी में कहा की माई हम आपके बगले मैहर देवी धाम के गली में रहीला, आप जब बोलाइब हम पाँच मिनट में हाजिर मिलबे । वृद्धा से आशीर्वाद लेकर श्रीकला ज्योहि मुड़ी तो सामने दर्जनों युवतियों की भीड़ सेल्फी का आग्रह करती मिली । फिर क्या था श्रीकला उनके बीच बैठकर विजेता का सिम्बोलिक वी को उंगलियों से बनाया तो कैमरों के साथ मोबाइल के फ्लैश भी चमकने लगे। रविवार को छुट्टी के चलते हर मोहल्ले में युवतियों का हुजूम उन्हें मिलता गया और सेल्फी ऐसे बनती रहीं जैसे वालीवुड की अदाकारा उन युवतियों को मिल गई हो । इस तरह श्रीकला का क्रेज युवतियों में छाया रहा ।

एसबीआई ने लगवाया निःशुल्क प्याऊ

हलिया (मिर्जापुर) अमृत विचार। भारतीय स्टेट बैंक शाखा हलिया भूप सिंह सोनल एवं प्रधान संघ अध्यक्ष के सौजन्य से हलिया चैराहे पर शुद्ध शीतल जल निःशुल्क प्याऊ हेतु टंकी रख कर रविवार को फीता काट उद्घाटन किया ।

शाखा प्रबंधक ने बताया कि हलिया तिराहे पर शुद्ध निःशुल्क प्याऊ जल पीने के लिये रख दिया गया है। लोगों को पानी पीने में असुविधा नहीं होगी। ग्राम प्रधान संघ अध्यक्ष ने कहा कि गर्मी को देखते हुए पीएनबी,साधन सहकारी समिति के बैंक, यूपी ग्रामीण बैंक से भी अपने-अपने बैंक के समक्ष गर्मी को देखते हुए जनता की सुविधा के लिए शुद्ध पेय जल की व्यवस्था करने के लिए पत्रक दिया गया है।

चुनावी चक्कर

● जब इंदिरा ने विपक्षी उम्मीदवार का कराया नामांकन :

चुनावों का एक दौर ऐसा भी था जब कुछ उम्मीदवार कई सीट से एक साथ और बार-बार लोकसभा व विधानसभा चुनाव लड़ने और हारने के लिए देश भर में प्रसिद्ध थे। इस सूची में ग्वालियर के मदन लाल धरती पकड़, कानपुर के भगवती प्रसाद दीक्षित घोड़े वाला और बरेली के काका जोगिंदर सिंह की प्रसिद्धी किसी लोकप्रिय राजनेता से कम नहीं थी। ये तीनों विधानसभा और लोकसभा ही नहीं राष्ट्रपति तक के चुनाव में ताल ठोकते और हारते थे। एक साथ कई सीटों से नामांकन करते थे। मदन लाल धरती पकड़ ने तो ग्वालियर में माधवराव सिंधिया के खिलाफ कई बार चुनाव लड़ा। दरअसल, घोडे पर चलने वाले कानपुर के भगवती प्रसाद दीक्षित रायबरेली से कई बार इंदिरा गांधी के खिलाफ चुनाव लडे। उन्होंने अपने जीवन में लगभग 300 बार चुनाव लड़ा। ऐसे में इंदिरा गांधी भी उन्हें अच्छी तरह जानने-पहचानने लगीं। एक बार जब रायबरेली से भगवती प्रसाद दीक्षित ने लोकसभा चुनाव में नामांकन नहीं किया तो इंदिरा गांधी को भी आश्चर्य हुआ। वे कानपुर से चुनाव प्रचार करके सड़क मार्ग से जा रही थीं तभी भगवती प्रसाद रास्ते में मिल गए। उन्होंने अपनी कार रुकवाई और दीक्षित जी से पर्चा दाखिल न करने का कारण पूछा। दीक्षित जी ने इस बार जमानत राशि का जुगाड़ न हो पाने की मजबूरी बतायी। इसके बाद जो हुआ वो काफी दिलचस्प था। इंदिरा गांधी ने अपने पास से उन्हें 250 रुपए देते हुए कहा कि वे उनके मुकाबले मैदान में नहीं होंगे तो अच्छा नहीं लगेगा। दीक्षित जी ने इसके बाद रायबरेली से भी नामांकन दाखिल कर दिया था।

बूथ अध्यक्षों के पसीने की एक एक बूंद से ही कमल खिलेगा

लखनऊ : लोकसभा चुनाव प्रबंधन समिति के प्रमुख व जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने कहा कि बीते 10 वर्षों के कामों को जनता तक ले जाने और मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री पद तक पहुंचाने की जिम्मेदारी बूथ अध्यक्षों के कंधों पर है। आप सभी बूथ अध्यक्षों के पसीने की एक-एक बूंद से ही कमल खिलेगा। उन्होंने यह बात रविवार को फूलपुर में बूथ अध्यक्षों को संबोधित करते हुए कही।

स्वतंत्र देव सिंह

स्वतंत्र देव ने कहा कि जब भी हमारे देश में चुनावी शंखनाद होता है तब भाजपा के बूथ अध्यक्ष सबसे अग्रिम पंक्ति में खड़े होकर लड़ाई लड़ते हैं और विजयी बनाते हैं। उन्होंने कहा कि एक-एक मतदाता को बूथ तक पहुंचाकर बीते सारे रिकॉर्ड ध्वस्त करने का समय आ गया है। वहीं दुसरी ओर वाराणसी में भाजपा के प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह ने रविवार को मछली शहर लोकसभा के पिंडारा विधानसभा में पन्ना प्रमुख सम्मेलन में सहभागिता की।

उत्तराधिकार को लेकर अंसारी परिवार में दरार

उमर कर रहे थे चुनाव की तैयारी अफजाल ने बेटी को किया आगे

सुनियोजित तरीके से नुसरत गई थीं मंदिर फिर वायरल कराया वीडियो

विनय सिंह, लखनऊ

अमृत विचार : गाजीपुर लोकसभा सीट से अफजाल अंसारी चुनाव लड़ पाएंगे अथवा नहीं यह फैसला 13 मई को हाईकोर्ट के निर्णय के बाद होना है। लेकिन अफजाल ने सजा की आहट को भांपते हुए वैकल्पिक रूप से अपनी बेटी को बिना पारिवारिक सलाह के मैदान में उतार दिया है।

वहीं दूसरी ओर मुख्तार अंसारी के छोटे बेटे उमर अंसारी स्वयं मैदान में उतरने की ख्वाहिश में थे, लेकिन नुसरत के अचानक मैदान में उतरने से परिवार के अंदर ही राजनीति शुरू हो गई है। पुख्ता सूत्रों के मुताबिक उमर को अफजाल का लड़ना तो स्वीकार है, लेकिन उनकी अनुपस्थित में वह स्वयं अंसारी परिवार के राजनैतिक उत्तराधिकारी बनना चाहते हैं। अब ऐसे में नुसरत के अचानक मैदान में उतरने से अंसारी परिवार में ही दरार पड़ गई है।

इलाहाबाद हाईकोर्ट को तीन मई को ही अफजाल अंसारी के भविष्य पर फैसला करना था। इसीलिए अफजाल अंसारी ने तीन मई से पहले ही अपनी बेटी नुसरत को उतार दिया था। बताया जा रहा है कि नुसरत अंसारी सिर्फ एक मंदिर में जाकर दर्शन नहीं किया बल्कि उस दिन कई मंदिरों में जाकर भगवान के दर्शन किए। इस वीडियो को जानबूझकर अफजाल अंसारी कैंप से ही वायरल कराया गया, ताकि सजा से पहले ही अफजाल का उत्तराधिकारी घोषित हो जाए। इसी बीच हाईकोर्ट ने अगली सुनवाई की तिथि 13 मई कर दी।

उधर, मुख्तार अंसारी के छोटे बेटे इस विचार में थे कि अगर अफजाल अंसारी को चुनाव लड़ने से अयोग्य घोषित किया जाता है तो वही अंसारी परिवार के राजनैतिक उत्तराधिकारी बनेंगे। संभवतः उन्हें यह नहीं पता था कि नुसरत के प्रत्याशी बनने की घोषणा अचानक कर दी जाएगी। अब यह दरार अंसारी परिवार में धीरे-धीरे बढ़ता जा रहा है। उमर अंसारी कैंप के कुछ लोगों ने बताया कि परिवार में ही बगावत की स्थित आ गई है। उधर, इंडी गठबंधन उम्मीदवारी को लेकर नजर गड़ाए हुए है। इसी बीच गाजीपुर से भाजपा प्रत्याशी पारसनाथ राय ने इस दरार को मीडिया के सामने रखकर आग में घी डाल दिया है।

अंसारी परिवार में दरार की भनक भाजपा को भी लग चुकी है, ऐसे में भाजपा के रणनीतिकार अंसारी परिवार की प्रत्येक गतिविधि पर नजर बनाए हुए हैं। खासबात ये है कि उमर अंसारी की तरफ से अभी तक कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।

अपनी ढपली अपना राग

सपा पीडीए की बात करती है लेकिन पिछड़ों-दलितों के मान सम्मान के संरक्षण के लिए काम करने वाले मोदी जी से नफ़रत करती हैं। - भूपेन्द्र चौधरी

भाजपा कैसे परिवारवाद पर सवाल कर सकती है? परिवार का कोई सदस्य इलेक्शन में जाता है, तब जनता डिसाइड करती है कि उसे चुनना है या नहीं। - डिंपल यादव

हमारी पार्टी को सिर्फ वादों की नहीं, कर्मों की भी पहचान है, सोच ईमानदार, काम दमदार, लखनऊ बोले 5 लाख पार। - नीरज सिंह

गांधी परिवार की नौकरी नहीं कर रहा। मैं शुद्ध रूप से नेता हूं। स्मृति ईरानी को भी हराऊंगा। -किशोरी लाल शर्मा

सपा की प्रतिष्ठा से जुड़ीं सीटों पर मायावती ने उतारे मुस्लिम प्रत्याशी

सोशल इंजीनियरिंग फार्मूले से भाजपा समेत अन्य दल उलझे

पद्माकर पाण्डेय ,लखनऊ

अमृत विचार: बदायूं लोकसभा सीट पर सपा के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल सिंह यादव के पुत्र आदित्य यादव के खिलाफ बसपा ने मुस्लिम खां को टिकट दिया है। फिरोजाबाद लोकसभा सीट पर राष्ट्रीय महासचिव राम गोपाल यादव के पुत्र अक्षय यादव के खिलाफ चौधरी बशीर को चुनाव मैदान में उतारा है। यहीं नहीं, आजमगढ़ लोकसभा सीट से साहीबा अंसारी को बदलकर मशहूद अहमद को उतारा है, सपा के धर्मेन्द्र यादव को कड़ी टक्कर देने के लिए सीट पर तीसरी बार प्रत्याशी बदला है।

इसी तरह तमाम लोकसभा सीटें हैं जिन पर अखिलेश यादव के परिवार से या सपा की प्रतिष्ठा से जुड़ी हैं, बसपा ने करीब 20 मुस्लिम प्रत्याशियों को उतारकर सपा के लिए चुनौती खड़ी की है। इसे सपा के मुस्लिम वोट बैंक में सेंधमारी के रूप में देखा जा रहा है। इसके लिए बसपा को किसी किसी सीट पर तो दो से तीन बार प्रत्याशी बदलने पड़े हैं।

एकला चलो की रणनीति पर चुनाव लड़ने वाली बसपा ने अपने प्रत्याशियों की घोषणा से न केवल भाजपा के लिए चुनौती पेश की है, बल्कि इंडिया गठबंधन के प्रमुख दल सपा की मुश्किलें खड़ी कर दी हैं। गत लोकसभा चुनाव 2019 में मात्र छह मुस्लिम प्रत्याशी उतारने वाली बसपा ने इस चुनाव में मुस्लिम प्रत्याशी उतार कर सपा की हाई प्रोफाइल सीटों पर त्रिकोणिय मुकाबला बना दिया है। गत लोकसभा चुनाव में बसपा के 10 सांसदों में तीन मुस्लिम प्रत्याशियों ने जीत भी दर्ज की थी। पिछले इतिहास को दोहराने के लिए इस बार भी मुस्लिम बाहुल्य सीटों पर दांव चला है।

मुस्लिम प्रत्याशियों पर केन्द्रीय सीटों की बात करे तो रामपुर में 50.10 प्रतिशत मुस्लिम मतदाता हैं, वहीं मुरादाबाद में 45.50 फीसदी, बिजनौर में 41.7 फीसदी, सहारनपुर में 39.1 प्रतिशत और मुजफ्फर नगर में 38.1 प्रतिशत आबादी है। इसी तरह बसपा ने अधिकांश उन सभी सीटों पर मुस्लिम प्रत्याशी दिये हैं, जहां मुस्लिम मतदाताओं के पक्ष में आने से सीट के परिणाम बदल सकते हैं।

दूसरी तरफ पार्टी की चुनावी सभाओं में बसपा सुप्रीमो मायावती और नेशनल कोऑर्डिनेटर आकाश आनंद, बताते भी हैं कि मुस्लिमो की बात तो अन्य दल भी करते हैं, मगर किसी भी दल ने सरकार में रहते हुए मुस्लिमों के लिए कुछ अलग से नहीं किया है, केवल बसपा ही है जो कहने के साथ करती भी है। मुस्लिमों को पार्टी में बहुत सम्मान है।

वहीं दूसरी ओर बसपा ने कई लोक सभा क्षेत्रों में ऐसे प्रत्याशियों को टिकट दिया है जो कि सीधे तौर पर सपा के परंपरागत वोटों को काट सकते है, जिसका सीधा नुकासान इंडी गठबंधन के प्रत्याशी को होगा और फायदा भाजपा प्रत्याशी को। ऐसे में इंडी गठबंधन के प्रत्याशी और शीर्ष नेतृत्व बसपा की हर गतिविधि पर नजर बनाए हुए हैं, ताकि उन्हें कम से कम नुकसान हो।

'जिसकी जितनी हिस्सेदारी, उसकी उतनी भागीदारी'

बसपा के प्रदेश अध्यक्ष विश्वनाथ पाल का कहना है कि प्रदेश में बसपा दूसरे नंबर की पार्टी है, बीते लोकसभा चुनाव में बसपा के 10 सांसद थे, जबकि सपा के पास मात्र पांच ही थे। इस लिहाज से प्रदेश में बसपा ही भाजपा से मुकाबला कर रही है। मुस्लिम प्रत्याशियों को ज्यादा टिकट देने के संबन्ध में उनका कहना है कि बसपा में किसी भी वर्ग के साथ अन्याय नहीं होता है। पार्टी, 'जिसकी जितनी हिस्सेदारी, उसकी उतनी भागीदारी' के सिद्धांत पर अमल करती है। पार्टी में मुस्लिम को सम्मान है उतना ही सवर्ण, ओबीसी व अनुसूचित वर्ग को मिला है। यहीं वजह है कि पार्टी ने सोशल इंजीनियरिंग का फार्मूला अपनाया है, करीब करीब सभी वर्गो को बराबर की हिस्सेदारी मिली है।

ये हैं बसपा के मुस्लिम प्रत्याशी

1-सहारनपुर- माजिद अली
2- मुरादाबाद से इरफान सैफी
3 -रामपुर से जीशान खां
4- संभल से शौलत अली
5 - अमरोहा से मुजाहिद हुसैन
6 -आंवला से आबिद अली
7-पीलीभीत से अनीस अहमद खां फूल बाबू
8- कन्नौज से इमरान बिन जफर
9- लखनऊ से सरवर मलिक
10- गोरखपुर - जावेद सिमनानी
11- एटा से मो.इरफान एडवोकेट
12- वाराणसी से अतहर जमाल
13- बदांयू से मुस्लिम खान
14- डुमरियागंज से मो. नदीम मिर्जा
15- फिरोजाबाद से - चौधरी बशीर
16- महाराजगंज से मो. मौसमे आलम
17- अंबेडकर नगर से कमर हयात अंसारी
18 - संत कबीर नगर से नदीम अशरफ
19- आजमगढ़ से मशहूद अहमद
20- श्रावस्ती से मुइनुद्दीन अहमद खान उर्फ हाजी दद्दन खान

मतदान में बचे सिर्फ सात दिन, नहीं दिख रहा उत्साह

सपा- भाजपा के प्रत्याशी पूर्व में रह चुके हैं सांसद, बसपा प्रत्याशी पर थी जनता की नजर

विरेश शुक्ला, हरदोई

अमृत विचार: हरदोई लोकसभा क्षेत्र में भाजपा के प्रत्याशी बहुत पहले से ही घोषित थे। चुनाव नजदीक आते ही सपा ने भी अपना प्रत्याशी घोषित कर दिया, लेकिन बसपा का प्रत्याशी सबसे देर में घोषित हुआ। लोग इस बात का अंदाजा लगा रहे थे कि शायद किसी रणनीति के तहत बसपा अपना प्रत्याशी देर में घोषित करे।

सपा, भाजपा के प्रत्याशी पूर्व में सांसद रह चुके हैं। इनसे क्षेत्र की जनता भली भांति परिचित थी, लोगों को उम्मीद थी कि शायद बसपा कोई जोरदार प्रत्याशी खड़ा करे। जनता भी बसपा के प्रत्याशी का इंतजार कर रही थी, क्योंकि अन्य दोनों दलों के प्रत्याशी का कार्यकाल कई बार जनता देख चुकी है। इसीलिए चुनाव में लोगों को कोई रुचि नहीं दिखी। उम्मीद थी कि बसपा का दमदार प्रत्याशीआने के बाद जनता भी अपना रुख चुनाव की ओर करेंगी, लेकिन बसपा ने जिसे प्रत्याशी को घोषित किया। उन्होंने जनता को और भी निराश कर दिया। नतीजतन चुनाव को मात्र सात दिन बचे हैं, लेकिन किसी के चुनाव के प्रति कोई उत्साह नहीं है।

गौरतलब हो कि भाजपा ने यहां कई बार सांसद रहे वर्तमान सांसद जयप्रकाश को अपना प्रत्याशी बनाया। सबसे पहले भाजपा ने ही अपना प्रत्याशी घोषित किया। हालांकि इससे पूर्व कई महीनों से जयप्रकाश सक्रिय थे। उनका टिकट लगभग फाइनल माना जा रहा था। जयप्रकाश कई बार यहां सांसद रह चुके हैं। चुनाव के बाद अधिकांश वह जिले से दूरी ही बनाए रखते हैं। हरदोई के अलावा उन्नाव जिला भी उनका राजनैतिक क्षेत्र है। उनकी पत्नी वहां जिला पंचायत अध्यक्ष भी रह चुकी हैं। जब हरदोई की जनता ने महत्व नहीं देती है, तब वह उन्नाव में जाकर राजनीतिक करने लगते हैं। हालांकि जनता ने उन्हें कई बार यहां से मौका दिया, लेकिन चुनाव के बाद वह कभी भी जनता के अपेक्षाओं पर खरे नहीं उतरे। 1991 में वह यहां से लोकसभा पहुंचे, उसके बाद 1996 में सांसद बने। 1999 में भी वह यहां से सांसद रहे। वर्तमान में भी वह यहां से सांसद है। लगभग 33 साल से वह हरदोई में राजनीति कर रहे हैं, लेकिन जनता का जुड़ाव उनसे कभी भी नहीं रह पाया। हैं। उनकी कार्यप्रणाली से जनता अच्छी तरह वाकिब है, इसलिए जनता का कोई विशेष झुकाव उनकी ओर नहीं है। यहां के लोग सिर्फ पार्टी को ही वोट करेंगे। लगभग यही स्थिति सपा प्रत्याशी ऊषा वर्मा की भी है। वह कई बार सांसद रहीं।

प्रदेश सरकार ने भी वह मंत्री रहीं, लेकिन न तो उन्होंने कभी जनता से विशेष जुड़ाव किया और न ही जिले को कोई विशेष सौगात दिला पाईं। वह हरदोई की जनता के लिए नई नहीं हैं, उनके ससुर परमाई लाल प्रदेश सरकार में मंत्री रहे। सास जदुरानी विधायक रहीं। उनकी ननद अनीता वर्मा जिला पंचायत अध्यक्ष रहीं। जेठानी राजेश्वरी देवी भी विधायक रहीं। यह सब परमाई लाल के जनता के स्नेह व उनके कार्यों की वजह से भिन्न पदों पर सुशोभित रहे, लेकिन जनता का जुड़ाव परमाई लाल के बाद इनके परिवार के किसी सदस्य से नहीं हो पा रहा। आज भी लोग परमाई लाल की वजह से उनके परिवार वालों को वोट करते हैं। ऊषा वर्मा से यहां की जनता भली भांति परिचित है, इसलिए जनता उनकी ओर भी विशेष उत्साहित नहीं है। सपा के परंपरागत वोट व परमाई लाल के वोट के अलावा ऊषा वर्मा का खुद का कोई वोट बैंक नहीं है, जबकि वह कई बार सांसद व मंत्री भी रहीं। ऊषा वर्मा को लेकर भी कोई उत्साहित नहीं है।

इस चुनाव में लोग 33 साल से इन चेहरों को देखकर बदलाव का मन बना रहे थे, उन्हें उम्मीद बसपा से थी कि बसपा कोई नया प्रत्याशी लाएगी, जो सक्रिय होगा। जनता बड़ी उम्मीदों से बसपा की ओर देख रही थी, जब तक बसपा का प्रत्याशी नहीं घोषित हुआ, तब तक सपा व भाजपा के प्रत्याशी व उनके समर्थक भी चिंतित थे, उन्हें डर था कि कोई दमदार प्रत्याशी न आ जाए। लोग से बसपा की रणनीति बता रहे थे। बसपा का टिकट घोषित होने से पहले कई नामों की चर्चा हो रही थी। अगर उन नामों में से किसी को टिकट मिलता तो शायद चुनाव का स्वरूप दूसरा होता, लेकिन बसपा ने दूसरे जिले के भीमराव अंबेडकर को लोकसभा का प्रत्याशी बनाया है। चुनाव को अब सात दिन शेष बचे हैं। नामांकन से लेकर अब तक बसपा प्रत्याशी की ओर जनता का कोई झुकाव नहीं हुआ। बसपा के प्रत्याशी ने भी जनता को निराश किया। यही वजह है कि जिले में कहीं पर भी चुनाव का कोई माहौल नहीं दिखाई पड़ रहा है।

हार-जीत को लेकर कोई चर्चा नहीं

इस बार के चुनाव में जनता के बीच कोई न चर्चा है और न ही किसी प्रत्याशी को लेकर हार-जीत को लेकर अटकल लगाई जा रही है। चुनाव सिर्फ भाजपा और इंडिया गठबंधन प्रत्याशी के बीच सिमट कर रह गया है। चुनाव में जनता की बेरुखी भांप प्रशासन चिंतित है। यही वजह है कि लगातार स्वीप कार्यक्रमों के तहत मतदान की अपील गांव से लेकर शहर तक की जा रही है। अब देखना है कि 13 मई को जनता चुनाव में कितना रुचि दिखाती है।

भाजपा हैट्रिक लगाने की जुगत में

भाजपा 2014 और 2019 में यहां से लोकसभा चुनाव जीत चुकी है और 2024 में हैट्रिक लगाने के लिए जुगत लगा रही है, 2014 के चुनाव में मोदी लहर में हरदोई सीट भी भाजपा के खाते में आ गई, भाजपा के उम्मीदवार अंशुल वर्मा ने शानदार जीत हासिल करते हुए 81,343 मतों के अंतर से बसपा के शिव प्रसाद वर्मा को हरा दिया। हालांकि 2019 के चुनाव में बीजेपी ने अंशुल वर्मा का टिकट काट दिया था। 2019 के लोकसभा चुनाव में हरदोई सदर सीट पर भाजपा के उम्मीदवार जय प्रकाश रावत और समाजवादी पार्टी की उषा वर्मा के बीच चुनावी मुकाबला हुआ, जिसमें बीजेपी के प्रत्याशी को जीत मिली, जय प्रकाश रावत के खाते में 568,143 वोट आए तो ऊषा वर्मा को 435,669 वोट ही मिले, ऐसे में जय प्रकाश ने 1,32,474 मतों के अंतर से चुनाव जीत गए और सांसद चुन लिए गए।

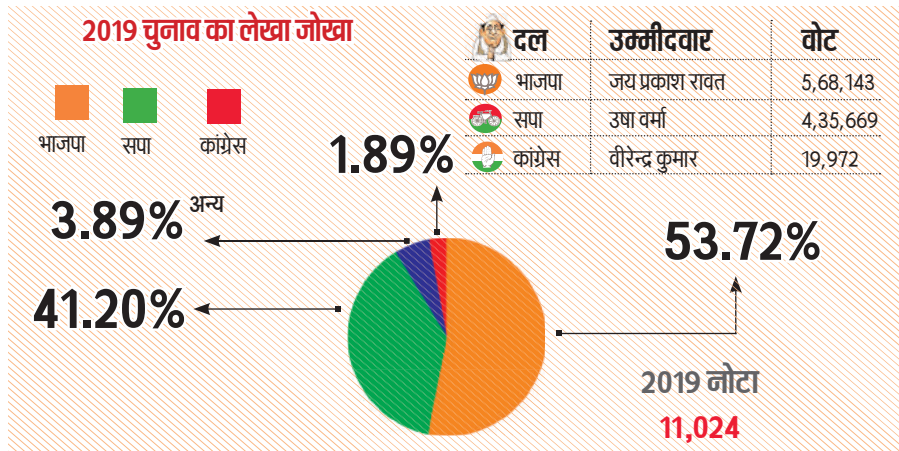

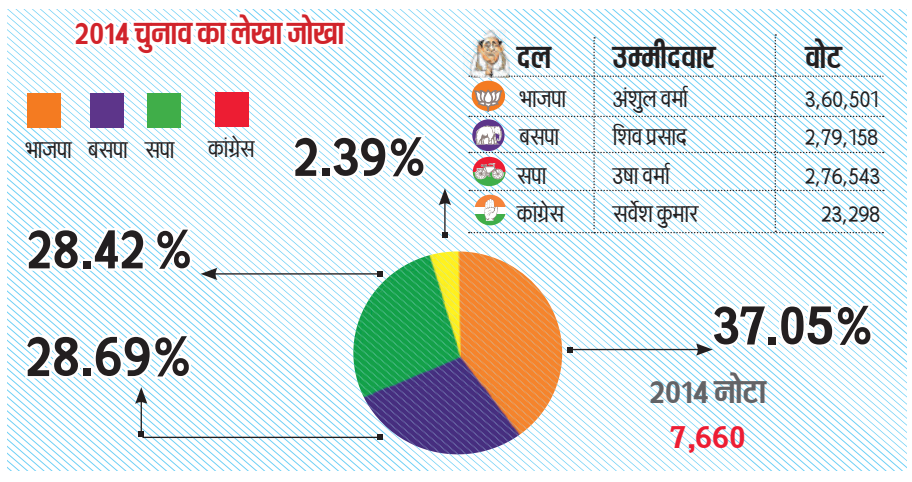

इलेक्शन बायस्कोप

बड़े लोगों के बड़े अभियानों में जब बच्चे उत्साहित करने के लिए आगे आते हैं तो उनसे सभी का प्रेरित होना स्वाभाविक है। फिर, अभियान लोकसभा चुनाव जैसा हो तो मतदान के प्रति बच्चों के जागरुकता अभियान से कौन भला नहीं आकर्षित होगा। कुछ इसी कवायद में लखनऊ के ऐशबाग टरेहटा स्थित नया शिव मंदिर में बच्चों संग मतदाता जागरूकता अभियान चलाते आदिज्योति सेवा समिति के सदस्य। -अमृत विचार

47 वर्षों में चौथी बार चुनावी मैदान में नहीं उतरा गांधी परिवार

राजीव गांधी की मृत्यु के बाद 1991 1996 व 1998 में नहीं लड़ा चुनाव

नीरज श्रीवास्तव, परशदेपुर, रायबरेली

अमृत विचार: देश की सबसे चर्चित सीट अमेठी में गांधी परिवार के पदार्पण के बाद ये चौथा चुनाव है जब गांधी परिवार से कोई प्रत्याशी चुनावी मैदान में नहीं उतरा है। इसके पहले राजीव गांधी की मौत के बाद 1991, 1996 व 1998 के चुनाव में गांधी परिवार के करीबी सतीश शर्मा चुनाव लड़ चुके हैं। राहुल गांधी के रायबरेली जाने से ये चौथा चुनाव है जब अमेठी में गांधी परिवार से अलग कोई प्रत्याशी चुनाव लड़ने जा रहा है।

1967 में अस्तित्व में आई अमेठी कांग्रेस का गढ़ मानी जाती रही है। अमेठी में 47 वर्षों तक कांग्रेस का सांसद रहा है जिसमें 31 वर्षों तक सिर्फ गांधी परिवार ने प्रतिनिधित्व किया है। 1977 के चुनाव में संजय गांधी के आने पर अमेठी से गांधी परिवार के रिश्ते की शुरुआत हुई थी। 1977 के चुनाव में उन्हें हार मिली लेकिन 1980 में वे जीतने में कामयाब रहे। उनकी विमान दुर्घटना में मौत के बाद 1981 से 1991 तक राजीव गांधी ने लगातार चार बार चुनाव जीता। लेकिन 1991 में 20 मई को मतदान के बाद 21 मई को राजीव गांधी की तमिलनाडु में हत्या कर दी गई।

सोनिया गांधी के राजनीति में आने से इंकार करने से 1977 में अमेठी पदार्पण के बाद ये पहला मौका था जब गांधी परिवार से अलग राजीव गांधी के करीबी सतीश शर्मा को 1991 के उपचुनाव में उतारा गया था। वे 1991 का चुनाव जीतने में सफल भी रहे। 1996 व 1998 में भी गांधी परिवार से किसी ने चुनाव नहीं लड़ा। सतीश शर्मा ने 1996 में भी विजय पताका फहराई लेकिन 1998 में उन्हें भाजपा के संजय सिंह से पराजय का सामना करना पड़ा था। करीब 08 वर्षों के ब्रेक के बाद 1999 के चुनाव में गांधी परिवार से सोनिया गांधी का अमेठी आगमन हुआ। 1999 में जहां सोनिया गांधी को बड़ी जीत मिली वहीं उनके रायबरेली जाने के बाद अमेठी आए राहुल गांधी ने 2004, 2009 व 2014 में जीत दर्ज कर हैट्रिक भी लगाई लेकिन 2019 में उन्हें भाजपा की स्मृति इरानी से पराजय का सामना करना पड़ा।

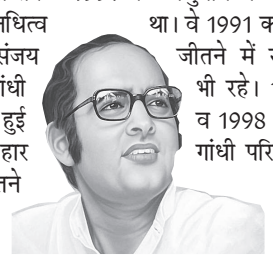

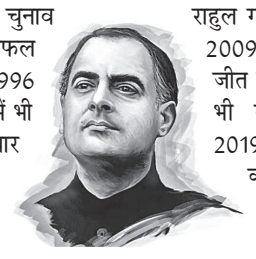

वायनाड का चुनाव संपन्न होने के बाद राहुल गांधी के अमेठी आने के कयास लगाए जा रहे थे लेकिन नामांकन के अंतिम दिन किशोरी लाल शर्मा को टिकट मिलने से ये चौथा चुनाव है जब अमेठी की चुनावी रणभूमि में गांधी परिवार नहीं उतरा है।

गांधी परिवार के करीबी रहे हैं दोनों प्रत्याशी

1991, 1996 व 1998 के चुनाव में गांधी परिवार से अलग चुनावी मैदान में उतरे सतीश शर्मा हो या 2024 में कांग्रेस प्रत्याशी किशोरी लाल शर्मा। दोनों ही गांधी परिवार के काफी करीबी रहे हैं। किशोरी लाल शर्मा अभी तक सोनिया गांधी के प्रतिनिधि रहे हैं। किशोरी लाल शर्मा ने हालांकि इसके पहले कोई चुनाव नहीं लड़ा है लेकिन उन्हें गांधी परिवार को अमेठी और रायबरेली में चुनाव लड़ाने के लिए मजबूत रणनीति बनाने का काफी अनुभव है।

वोट की लड़ाई अब आरक्षण पर आई

चुनावी मुद्दे की पड़ताल

मनोज त्रिपाठी

- भाजपा के 400 पार नारे के बाद सुलगी चिंगारी ने चुनावी अभियान में दोनों तरफ बयानबाजी की जबर्दस्त आग लगाई
- इंडिया गठबंधन के नेता चुनावी रैलियों में भाजपा पर संविधान बदलने और आरक्षण खत्म करने के लगातार लगा रहे आरोप
- पीएम मोदी ने कांग्रेस से लिखित गारंटी तक मांगी कि संविधान बदलकर धर्म के आधार पर मुसलमानों को आरक्षण नहीं देगी

लोकसभा चुनाव के तीसरे चरण में मतदान के साथ इस बात से कोई इंकार नहीं कर सकता है कि वोटों की लड़ाई संविधान के रास्ते से होती हुई आरक्षण के मुद्दे पर टिकती नजर आ रही है। भाजपा के 400 पार नारे के बाद विपक्ष की तरफ से सुलगाई गई इस चिंगारी ने धीरे-धीरे दोनों तरफ बयानबाजी की ऐसी आग लगा दी है कि शायद ही कोई दिन होगा जब सत्तापक्ष और कांग्रेस समेत अन्य विपक्षी दलों की ओर से आरक्षण पर बयान नहीं दिया जा रहा हो। आरक्षण पहले भी कई चुनावों में अहम मुद्दा बनता रहा है। सभी पार्टियां इस मुद्दे पर राजनीतिक रोटियां सेकती रही हैं। चुनाव चाहे विधान सभा का रहा हो या लोकसभा का। इस मुद्दे पर सत्ताधारी और विपक्षी दल आमने-सामने होते रहे हैं।

ऐसे में बड़ा सवाल यह है कि जिस तरह इस बार भाजपा और कांग्रेस के साथ सपा, राजद और बसपा जैसे दल साल 2024 के चुनाव में आरक्षण को लेकर आर-पार के मूड में दिख रहे हैं, उससे आरक्षण कहीं सबसे बड़ा मुद्दा बनने की तरफ तो नहीं बढ़ रहा है। अब जनता के वोट इस मुद्दे पर पड़ेंगे या नहीं, या कितने और कहां पड़ेंगे, इस बारे में तो कोई भी पक्के यकीन से कुछ नहीं सकता, लेकिन इतना साफ है कि विपक्ष को आरक्षण के दांव से भाजपा पर हमला करने का एक बड़ा हथियार हाथ लग गया है, जबकि भाजपा इस मुद्दे के चलते 2019 के चुनाव में हाथ आया दलित और अति पिछड़ा वोट बैंक आसानी से निकलने नहीं जाने देना चाहती है।

दोनों गठबंधन आरक्षण समर्थक तीर चुनावी, निशाना वोट बैंक

देश में लोकसभा चुनाव के समय वोट लेने के लिए दोनों प्रमुख गठबंधनों की तरफ से तमाम बातें और मुद्दे उछाले जा रहे हैं, लेकिन संविधान से छेड़छाड़ और आरक्षण हटाने को लेकर आरोप-प्रत्यारोप का तो जैसे हंगामा सा बरपा है। कांग्रेस और इंडिया गठबंधन में शामिल दल यह आरोप लगा रहे हैं कि भारतीय जनता पार्टी बाबा साहब का बनाया संविधान और लोगों के पास से वोट की ताकत खत्म करना चाहती है। वह दलित, पिछड़े और शोषित समाज से आरक्षण का अधिकार छीनना चाहती है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, तेजस्वी यादव, अखिलेश यादव, आप नेता संजय सिंह जैसे तमाम नेताओं ने पिछले एक पखवाड़े में ऐसे तमाम बयान या चुनावी सभाओं में भाषण दिए हैं, कि मोदी सरकार अपने तीसरे कार्यकाल में आरक्षण खत्म करने का मन बना रही है। राहुल गांधी अपनी रैलियों में लगातार भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर संविधान और आरक्षण को लेकर निशाना साध रहे हैं। इसी कारण संघ प्रमुख मोहन भागवत को आगे आकर कहना पड़ा है कि उनका संगठन आरक्षण का पूरी तरह समर्थन करता है। मुद्दे को बढ़ता देखकर प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह को बार-बार यह कहने के लिए बाध्य होना पड़ा है कि देश में कोई भी सरकार आ जाए आरक्षण नहीं खत्म कर सकती है। भाजपा यह उदाहरण भी दे रही है कि प्रमोशन में आरक्षण खत्म करने के कोर्ट के आदेश के खिलाफ भाजपा ने ही कानून बनाया है, वह भी तब जबकि इंडिया गठबंधन में शामिल कई दलों ने इसका विरोध किया था। प्रधानमंत्री अपनी चुनावी सभाओं में कई बार कर्नाटक का उदाहरण दे चुके हैं कि किस तरह वहां मुसलमानों को ओबीसी का आरक्षण देने के लिए पिछड़ों का हक मारा गया है। बात आगे निकलने पर उन्होंने कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों से इस बात की लिखित गारंटी तक मांगी है कि वे सत्ता में आने पर संविधान बदलकर धर्म के आधार पर मुसलमानों को आरक्षण नहीं देंगे। मोदी चुनावी रैलियों में बार-बार यह बात दोहरा रहे हैं कि कांग्रेस आरक्षण पर डाका डालकर उसे मुसलमानों को देने जा रही है।

फेक वीडियो, फ़र्जी प्रचार, ध्रुवीकरण भी बना हथियार

- आरक्षण को लेकर वोट हथियाने की चुनावी लड़ाई में मामला इतना बिगड़ा कि गृहमंत्री अमित शाह का फेक वीडियो तक जारी कर दिया गया। मामला इतना संवेदनशील है कि तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के खिलाफ फर्जी वीडियो जारी करने का मामला दर्ज हो गया। अमित शाह को सामने आकर कहना पड़ा कि सबसे पहले कांग्रेस ने आंध्र प्रदेश में मुसलमानों को रिजर्वेशन दिया, उसकी वजह से ओबीसी का आरक्षण कटा। इसके बाद कर्नाटक में सभी मुसलमानों को चार प्रतिशत का कोटा रिजर्व कर दिया, इससे भी ओबीसी का आरक्षण कटा है। कांग्रेस की हताशा और निराशा यहां तक पहुंच गई है कि उन्होंने मेरा और कुछ भाजपा नेताओं का फेक वीडियो बनाकर फॉरवर्ड करने का काम किया है।

वोट हथियाने की चुनावी चाल ज्यादा

- विपक्ष के आरक्षण खत्म करने और संविधान बदलने के मुद्दों में भले ही कोई सच्चाई नहीं हो, यह चुनावी चाल देश की बड़ी आबादी को गुमराह करके उनके वोट हथियाने के लिए चली गई हो, लेकिन भाजपा को जिस तरह इस मुद्दे पर में सफाई देने पड़ रही है, उससे यही नजर आ रहा है कि इंडिया गठबंधन इस मुद्दे पर उसे घेरने में सफल रहा है।

कर्नाटक में पिछड़ा वर्ग के अधिकार मुस्लिमों में बांटे

- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अगर यह कह रहे हैं कि कांग्रेस दलितों, आदिवासियों और पिछड़ों के आरक्षण में मुस्लिमों को हिस्सा देना चाहती है तो बात बेवजह भी नहीं है। कांग्रेस अगर पसमांदा (पिछड़े) मुसलमानों को आरक्षण का लाभ देती तो बात समझ में आती। कांग्रेस ने तो कर्नाटक में सभी मुस्लिमों को ओबीसी में डाल दिया। इस बारे में राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग का कहना है कि मुसलमानों को ओबीसी के दायरे में लाकर सरकारी नौकरियों और शैक्षिक संस्थानों में आरक्षण देना वास्तविक पिछड़ी जातियों के साथ नाइंसाफी है। कर्नाटक सरकार ने मुसलमानों की सभी 37 जातियों को आरक्षण का लाभ देने के लिए अल्पसंख्यक अन्य पिछड़ा वर्ग की नई श्रेणी बनाई और उन्हें ओबीसी में शामिल कर लिया।

भाजपा का कहना कांग्रेस शुरू से आरक्षण के खिलाफ

- भाजपा का कहना है कि कांग्रेस शुरू से ही आरक्षण की विरोधी रही है। आजादी के बाद संविधान निर्माताओं ने अनुसूचित जाति-जन जाति के लिए आरक्षण का प्रावधान किया था। लेकिन कांग्रेस के तत्कालीन प्रधानमंत्री पं. जवाहर लाल नेहरू को यह पसंद नहीं था। उन्होंने मुख्यमंत्रियों को पत्र लिखा था कि उन्हें आरक्षण की व्यवस्था पसंद नहीं है। लेकिन आज राहुल गांधी अपने नाना की विचारधारा के उलट वादा कर रहे हैं कि उनकी सरकार बनी तो वे जाति सर्वेक्षण कराएंगे। जिसकी जितनी आबादी निकलेगी, उसे उस हिसाब से आरक्षण का लाभ देंगे।

पिछड़ा वर्ग के आरक्षण में कांग्रेस ने की थी आनाकानी

- भाजपा नेता कांग्रेस के समय में पिछड़ा वर्ग को आरक्षण देने के लिए बने काका कालेलकर मंडल आयोग का जिक्र करते हुए कह रहे हैं कि दोनों आयोगों ने रिपोर्ट दी लेकिन केंद्र की कांग्रेस सरकार ने उसे रद्दी की टोकरी के हवाले कर दिया। वीपी सिंह जब प्रधानमंत्री बने तो 1990 में उन्होंने मंडल आयोग की सिफारिशों के आधार पर पिछड़ों को 27 प्रतिशत आरक्षण दिया। इसलिए राहुल गांधी या कांग्रेस के नेतृत्व वाला इंडिया अलायंस अगर अपने को आरक्षण समर्थक और भाजपा को आरक्षण विरोधी साबित करना चाहता है, तो यह बात बेमानी है। यही नहीं, 2014 में केंद्र में भाजपा के नेतृत्व में एनडीए सरकार बनने के बाद ही लंबित पिछड़ा वर्ग आयोग को संवैधानिक स्वरूप प्रदान किया गया।

मतदाताओं से संवाद करतीं गांडेय विधानसभा सीट से झामुमो उम्मीदवार कल्पना सोरेन। अमृत विचार

गांडेय सीट पर जीतेंगी कल्पना या दिलीप वर्मा खिलाएंगे कमल

चुनाव डेस्क

अमृत विचार। झारखंड प्रांत की गांडेय विधानसभा सीट भी हॉट सीट बन गई है। लोकसभा चुनाव के साथ ही इस सीट पर उप चुनाव हो रहा है। कल्पना सोरेन इस सीट से झारखंड मुक्ति मोर्चा की उम्मीदवार हैं और पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की पत्नी हैं। उन्हें मुख्यमंत्री पद का प्रबल दावेदार माना जा रहा था लेकिन पार्टी में आंतरिक कलह की वजह से हेमंत सोरेन ने यह सीट चंपई सोरेन को दी थी। यहां के मतदाता उन्हें भावी मुख्यमंत्री के रूप में देख रहे हैं। पार्टी के चुनाव प्रचार की कमान भी पूरे राज्य में वही संभाल रही हैं।

2019 में जब विधानसभा चुनाव हुआ था तो इस सीट पर झारखंड मुक्ति मोर्चा के डॉ. सरफराज अहमद जीते थे। लेकिन जब मुख्यमंत्री रहते हुए हेमंत सोरेन पर गिरफ्तारी की तलवार लटकने लगी तो उन्होंने नाटकीय ढंग से त्यागपत्र दे दिया। तब कहा गया कि कल्पना सोरेन मुख्यमंत्री पद

की शपथ लेने के बाद इस सीट से उप चुनाव लड़ेंगी। गिरफ्तारी से पहले हेमंत सोरेन ने विधायक दल की बैठक की थी लेकिन पारिवारिक सदस्यों के विरोध के कारण उन्होंने कल्पना की जगह चंपाई सोरेन को मुख्यमंत्री बनाने का निर्णय लिया। अब यह सीट खाली है तो कल्पना सोरेन चुनाव लड़ रही हैं। उन्हें भाजपा के दिलीप कुमार वर्मा कड़ी टक्कर दे रहे हैं। यहां भाजपा के पूर्व मुख्यमंत्रियों के साथ ही कई बड़े नेता प्रचार कर रहे हैं। पिछले विधानसभा चुनाव झारखंड मुक्ति मोर्चा के डॉ. सरफराज अहमद ने भाजपा के प्रत्याशी जय प्रकाश वर्मा को हराया था।तीसरे नंबर पर

एजेएसयू के अर्जुन बैठा थे। कल्पना सोरेन मतदाताओं को यह बताने में लगी हैं कि झारखंड के विकास को रोकने के लिए उनके पति को जेल भेजा गया है। वह पति के द्वारा कराए गए विकास कार्यों को भी गिनाती हैं। इस क्षेत्र में मुस्लिम और आदिवासी मतदाताओं का जबरदस्त प्रभाव है। विधायक पद से त्यागपत्र देने वाले सरफराज अहमद इस वक्त झारखंड मुक्ति मोर्चा के राज्यसभा सदस्य हैं। वे कल्पना सोरेन के साथ क्षेत्र में भ्रमण कर रहे हैं और उनकी जीत सुनिश्चित करने में जुटे हुए हैं। यह सीट डॉ. सरफराज की प्रतिष्ठा से भी जुड़ी हुई है क्योंकि त्यागपत्र देने पर ही उन्हें राज्यसभा भेजा गया था।

पाला बदल

दिल्ली भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा एवं नार्थ ईस्ट लोकसभा सीट से उम्मीदवार मनोज तिवारी ने आप के हरियाणा के सह-प्रभारी दिनेश प्रताप सिंह समेत कई नेताओं को पार्टी की सदस्यता दिलाई।

चिराग पासवान के लिए विरासत बचाने की चुनौती

हाजीपुर लोकसभा क्षेत्र

चुनाव डेस्क

अमृत विचार। बिहार की हाजीपुर संसदीय सीट पर हर किसी नजर है। यहां लोजपा रामविलास के मुखिया चिराग पासवान जहां पिता और चाचा की विरासत बचाने के लिए मैदान में हैं तो उनके सामने राष्ट्रीय जनता दल के पूर्व मंत्री शिवचंद्र राम ताल ठोक रहे हैं। मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव के करीबी शिवचंद्र राम इस सीट जीतने के लिए पशुपति कुमार पारस के समर्थकों को भी अपने पाले में लाने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं। 2019 में इस सीट से जीते पशुपति कुमार पारस ने लोजपा को तोड़कर अलग पार्टी बनाई थी। इस सीट पर उन्होंने दावा ठोका था लेकिन न सिर्फ उन्हें भतीजे के लिए यह सीट छोड़नी पड़ी बल्कि उनकी पार्टी को एनडीए के

चिराग पासवान।

- राष्ट्रीय जनता दल ने पूर्व मंत्री शिव चंद्र राम को इस सीट से बनाया है उम्मीदवार
- 2019 में मिली हार का बदला लेने के प्रयास में लगे शिवचंद्र राम, कई पूर्व मंत्री कर रहे प्रचार

घटक दल के रूप में कोई सीट भी नहीं मिली। पहले उन्होंने एनडीए से अलग होने की बात की बाद में मान गए अब भतीजे के लए वोट मांग रहे हैं पर यह माना जा रहा है कि उनकी नाराजगी दूर नहीं हुई है। इसी का फायदा राजद और उसके सहयोगी दल यहां उठाना चाहते हैं। हालांकि कितना उठा पाते हैं यह वक्त बताएगा।

हाजीपुर लोकसभा सीट 1957 से 1971 तक कांग्रेस पार्टी लगातार जीती। इस सीट पर कांग्रेस को हराने के लिए कोशिशें तो खूब हुईं पर सफलता किसी को नहीं मिली, लेकिन 1977 के चुनाव में समाजवादी आंदोलन से जुड़े रामविलास पासवान यहां जनता पार्टी के टिकट पर मैदान में उतरे और उन्होंने ने जीत दर्ज की। उन्हें जनता का अपार समर्थन दिया था। जब 1980 में चुनाव हुआ तो रामविलास पासवान जनता पार्टी सेक्युलर के टिकट पर मैदान में आए। मतदाताओं ने फिर उन्हें सांसद बनाया। लेकिन 1984 में यह सीट कांग्रेस ने फिर से जीत ली। इस सीट पर कब्जे के लिए विरोधी दलों ने कोशिश तो खूब की लेकिन मतदाताओं ने उनके दावों को नकार कर कांग्रेस को अपना लिया था। हालांकि जब 1989 में चुनाव हुआ तो रामविलास पासवान इस सीट पर जनता दल के टिकट पर मैदान में आए और जीत दर्ज करने में कामयाब हुए। उन्होंने इस क्षेत्र में ढेरों काम कराए। हालांकि जनता दल ने इस सीट पर 1991 में श्याम सुंदर दास को मौका दिया और वे जीते भी। रामविलास पासवान 1996, 1998 ,1999 में जनता दल से जीते। 2004 में लोक जनशक्ति पार्टी के टिकट पर भी जीते थे। 2009 में यहां से जदयू के श्याम सुंदर जीत गए थे। 2014 में रामविलास पासवान फिर यहां लोजपा से जीत दर्ज करने में सफल हुए थे।

पशुपति के समर्थकों पर राजद की नजर

- 2019 में रामविलास पासवान के भाई पशुपति कुमार पारस लोक जनशक्ति पार्टी के टिकट पर इस सीट जीते थे। हालांकि 2020 में रामविलास पासवान के निधन के बाद वे भतीजे चिराग पासवान से अलग हो गए और कई सांसदों के साथ उन्होंने अलग पार्टी बना ली और केंद्र में मंत्री भी बने। इस चुनाव में उनकी पार्टी को एक भी एनडीए की तरफ से नहीं दी गई है। पहले वे इसी सीट से दावेदारी ठोक रहे थे। भतीजे चिराग ने उन्हें यहां मात दे दी थी। ऐसे में इस चुनाव में वे भी एक फैक्टर हैं। भले ही एनडीए के साथ हैं पर उनके समर्थकों की चुप्पी चिराग पासवान और उनके समर्थकों को भी अखर रही है। राजद नेता और कई पूर्व मंत्री लगातार इस क्षेत्र में प्रचार कर रहे हैं।

शिवचंद्र राम 2019 में भी हारे थे

- 2019 के लोकसभा चुनाव में लोजपा के पशुपति कुमार पारस ने 5,41,310 वोट पाकर राजद के शिवचन्द्र राम को हराया था। शिवचंद्र राम को तब 3,35,861 वोट प्राप्त हुए थे। इस बार शिवचंद्र राम फिर मैदान में हैं। बस फर्क इतना है कि उनके सामने पशुपति कुमार पारस की जगह उनके भतीजे चिराग पासवान हैं। शिवचंद्र राम बिहार सरकार में मंत्री रहे हैं। उनका नाम बड़े दलित नेताओं की सूची में शामिल है।

गीता कोड़ा और जोबा मांझी के बीच कड़ी टक्कर

सिंहभूम संसदीय सीट

चुनाव डेस्क

अमृत विचार। झारखंड की सिंहभूम संसदीय सीट हॉट सीट कही जा रही है। इसी संसदीय क्षेत्र में आने वाली सरायकेला विधानसभा सीट से ही मुख्यमंत्री चंपई सोरेन विधायक जो हैं। इस सीट को झारखंड मुक्ति मोर्चा की झोली में डाला उनके लिए भी प्रतिष्ठा का प्रश्न है। भाजपा ने यहां से कांग्रेस से बगावत कर आईं सांसद गीता कोड़ा को मैदान में उतारा है तो उनके मुकाबले में झारखंड मुक्ति मोर्चा की वरिष्ठ नेता एवं राज्य सरकार में मंत्री जोबा मांझी समर में हैं। जोबा मांझी अपनी जीत का आधार बनाने के लिए पूर्व सीएम हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी को मुद्दा बना रही हैं। यह बताने की कोशिश कर रही हैं कि राज्य के विकास को रोकने के लिए उन्हें गलत तरीके से ईडी ने गिरफ्तार किया। उनकी गिरफ्तारी से सहानुभूति बटोरेने की कोशिश कर रहीं जोबा के समर्थन में कांग्रेस और राष्ट्रीय जनता दल के नेता भी दिन रात एक किए हुए हैं।

गीता कोड़ा।

जोबा माझी।

- झारखंड मुक्ति मोर्चा ने राज्य सरकार में मंत्री जोबा मांझी पर जताया है विश्वास
- कांग्रेस की बागी गीता कोड़ा भाजपा की खेवनहार बनने को कर रही हैं मशक्कत

पांच सीटों पर काबिज है झामुमो

इस लोकसभा क्षेत्र में विधानसभा की छह सीटें हैं। इनमें से पांच पर झारखंड मुक्ति मोर्चा का कब्जा है जबकि एक सीट पर कांग्रेस काबिज है। इसी क्षेत्र की मनोहरपुर विधानसभा सीट से जोबा मांझी विधायक हैं। सरायकेला विधानसभा सीट से ही मुख्यमंत्री चंपई सोरेन भी मुख्यमंत्री हैं। गिरफ्तारी से पूर्व जब हेमंत सोरेन ने त्यागपत्र दिया तो चंपई सोरेन ने मुख्यमंत्री पद संभाला था।

सिंहभूम की गिनती झारखंड की चर्चित सीटों में होती है। अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित इस सीट पर 2019 में कांग्रेस ने पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा की पत्नी गीता कोड़ा को उम्मीदवार बनाया था। तब उन्होंने भाजपा के लक्ष्मण गिलुवा को पटखनी दी थी। लक्ष्मण गिलुवा उस समय इसी सीट से 2014 में जीते थे तब उन्होंने गीता कोड़ा को हराया था। उस समय गीता जय भारत समानता पार्टी की उम्मीदवार थीं। गीता को पता था कि इस चुनाव में उनका टिकट कांग्रेस काट सकती है क्योंकि सीट समझौते के आधार पर झारखंड मुक्ति मोर्चा के खाते में जाएगी। ऐसे में उन्होंने भाजपा का दामन थाम लिया। पार्टी ने भी उन्हें निराश नहीं किया और टिकट थमा दिया। गीता कोड़ा की मजबूत चुनौती को देखते हुए ही झारखंड मुक्ति मोर्चा ने उनसे मुकाबले की जिम्मेदारी जोबा माझी को दी। जोबा वर्तमान में मंत्री तो हैं हीं भाजपा और राबड़ी देवी की सरकार में भी मंत्री रह चुकी हैं। मुख्यमंत्री चंपई सोरेन की कोशिश तो झारखंड की सभी सीटों पर इंडिया गठबंधन को जीत दिलाने की है लेकिन इस सीट पर उनका कुछ ज्यादा ही फोकस नजर आ रहा है। सरायकेला से विधायक चंपई सोरेन की टीम रात दिन एक कर जोबा की जीत सुनिश्चित करने में लगी हुई है। संविधान को बदलने और आरक्षण को खत्म करने का भय दिखाकर यहां भाजपा के खिलाफ वोटा मांगा जा रहा है तो गीता कोड़ा इसी सीट से 2009 में निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में जीते अपने पति एवं पूर्व सीएम मधु कोड़ा के कार्य, मोदी की गारंटी और 2019 से अब तक कराए गए खुद के कार्यों के दम पर वोट मांग रही हैं।

1996 में पहली बार जीती थी भाजपा

- इस सीट पर 1957 से 1977 तक झारखंड पार्टी का कब्जा रहा। लगातार पांच चुनावों में पार्टी के उम्मीदवार जीते। इसके बाद 1980, 1984 और 1989 में यहां कांग्रेस जीती। 1991 में झारखंड मुक्ति मोर्चा ने यहां परचम लहराया लेकिन 1996 में जब चुनाव हुआ तो भाजपा के चित्रसेन सिंकू जीत दर्ज करने में कामयाब रहे। हालांकि यह जीत अगले चुनाव में बरकरार नहीं रही। 1998 के चुनाव में कांग्रेस के विजय सिंह सोय ने यहां जीत दर्ज की और फिर 1999 में यहां भाजपा के लक्ष्मण गिलुवा जीते पर 2004 के चुनाव में कांग्रेस के खाते में यह सीट गई। 2009 में मधु कोड़ा निर्दलीय जीते। 2014 में लक्ष्मण गिलुवा को जीत मिली तो 2019 में कांग्रेस से गीता कोड़ा यहां से सांसद बनीं।

मांगे वोट

पश्चिम बंगाल के बर्धमान लोकसभा सीट से टीएमसी उम्मीदवार कीर्ति आजाद के लिए मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने जनसंपर्क किया। इस दौरान उन्होंने अपनी सरकार की उपलब्धियां गिनाईं और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और कांग्रेस नेतृत्व पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कीर्ति आजाद की जीत के लिए मतदाताओं से समर्थन मांगा।

शुरुआती दो चरण के बाद मोदी लगा चुके शतक : शाह

गृह मंत्री ने आंध्र प्रदेश में जताया भरोसा, कहा-तीसरे चरण के बाद 400 सीट के आंकड़े की ओर बढ़ेंगे

धर्मवरम (आंध्र प्रदेश), एजेंसी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आंध्र प्रदेश में चुनाव प्रचार अभियान के दौरान रविवार को दावा किया कि देश में आम चुनाव के शुरुआती दो चरण के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शतक लगा चुके हैं और 400 से ज्यादा सीट पाने के लक्ष्य की ओर बढ़ रहे हैं। अमित शाह ने के आंकड़े की ओर बढ़ेंगे। उन्होंने यह भी दावा किया कि पहले दो दौर के मतदान के बाद भाजपा को मिली सीट की संख्या 100 से अधिक हो गई होगी। अमित शाह ने यहां राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की एक रैली को संबोधित करते हुए आंध्र प्रदेश में सत्तारूढ़ वाईएसआर कांग्रेस पर राज्य में भ्रष्टाचार और अपराध को बढ़ावा देने का आरोप लगाया।

उन्होंने 'इंडिया' (इंडियन नेशनल डेवलेपमेंटल इन्क्लूसिव एलायंस) गठबंधन के सहयोगियों का मजाक उड़ाते हुए कहा कि राहुल गांधी सहित इस गठबंधन का कोई भी नेता देश का नेतृत्व करने के लिए उपयुक्त नहीं है, जबकि दूसरी ओर पूरे देश ने मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने का फैसला कर लिया है। शाह ने मुख्यमंत्री वाई एस जगन मोहन रेड्डी के नेतृत्व वाली सरकार पर कटाक्ष करते हुए कहा कि भाजपा, तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) और अभिनेता पवन कल्याण के नेतृत्व वाली जनसेना ने गुंडों और अपराधियों के कथित शासन, राज्य में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार और रेत माफिया को समाप्त करने के लिए गठबंधन किया है। उन्होंने कहा, ''देश में लोकसभा चुनाव हो रहा है। आंध्र प्रदेश में लोकसभा चुनाव के

साथ विधानसभा चुनाव भी हो रहा है। आम चुनाव के पहले दो चरण समाप्त हो चुके हैं। पहले दो चरण में मोदी 100 सीट पाकर आगे हैं। तीसरे चरण में वह 400 से ज्यादा सीट हासिल करने की ओर बढ़ रहे हैं।'' गृह मंत्री ने कहा कि वह राज्य में भ्रष्टाचार, अपराध, माफिया और धर्मांतरण के खिलाफ भाजपा, तेदेपा और जनसेना गठबंधन की लड़ाई को ताकत देने के लिए आंध्र प्रदेश आए हैं।

प्रधानमंत्री मोदी आरक्षण विरोधी हैं, वह आपका आरक्षण छीनना चाहते हैं : राहुल

हैदराबाद। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रविवार को आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आरक्षण के खिलाफ हैं और वह आरक्षण छीनना चाहते हैं। तेलंगाना के आदिलाबाद (एसटी) लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत निर्मल में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए गांधी ने दावा किया कि मौजूदा आम चुनाव दो विचारधाराओं के बीच है, जिसमें कांग्रेस संविधान की रक्षा करने की कोशिश कर रही है जबकि भाजपा-आरएसएस मिलकर इसे और जनता के अधिकारों को खत्म करना चाहते हैं। उन्होंने कहा-नरेन्द्र मोदी जी आरक्षण के खिलाफ हैं। वह आपसे आरक्षण छीनना चाहते हैं। देश के सामने सबसे बड़ा मुद्दा आरक्षण को 50 फीसदी से बढ़ाना है। गांधी ने कहा कि कांग्रेस ने अपने घोषणापत्र में वादा किया है कि अगर पार्टी की केंद्र में सरकार बनती है, तो वह 50 प्रतिशत की सीमा को समाप्त कर देगी और आरक्षण 50 प्रतिशत से अधिक बढ़ा देगी। उन्होंने दावा किया कि भाजपा के अन्य नेता भी आरक्षण खत्म करना चाहते हैं। यह आरोप लगाते हुए कि मोदी ने सार्वजनिक क्षेत्र का निजीकरण कर दिया है, गांधी ने कहा कि भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा लागू की गई अनुबंध प्रणाली आरक्षण को हटाने के समान है। उन्होंने कहा-हम सरकारी कार्यालयों और सार्वजनिक क्षेत्र में अनुबंध प्रणाली को हटा देंगे। अस्थायी नहीं, बल्कि स्थायी नौकरियां मिलेंगी।

दिल्ली की गर्मी में छाता लेकर निकले पर्यटक...

नई दिल्ली में इस समय तापमान बढ़ने से भीषण गर्मी पड़ रही है। ऐसे में राजधानी के कर्त्तव्य पथ पर घूमने वाले पर्यटक छाता लेकर निकल पड़े। ● एजेंसी

एक नजर

दरभंगा में राजद एवं भाजपा प्रत्याशी से मांगा गया स्पष्टीकरण

दरभंगा। दरभंगा जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने लोकसभा आम निर्वाचन के अवसर पर दरभंगा लोकसभा क्षेत्र के दो प्रत्याशियों से स्पष्टीकरण पूछा है। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के प्रत्याशी ललित कुमार यादव एवं भाजपा के गोपाल जी ठाकुर से चुनाव प्रचार संबंधी खर्चे का ब्यौरा व्यय लेखा पंजी में अंकित नहीं होने के कारण जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-जिला पदाधिकारी, दरभंगा राजीव रौशन द्वारा 48 घंटे के अन्दर उनसे लिखित स्पष्टीकरण मांगा गया है। उल्लेखनीय है कि व्यय प्रेक्षक ओम प्रकाश तिवारी द्वारा लेखा पुस्तिका के प्रथम जांच में यह पाया गया कि उक्त दोनों प्रत्याशियों के व्यय लेखा पंजी में चुनाव प्रचार संबंधी खर्चे का ब्यौरा व्यय लेखा पंजी में अंकित नहीं किया गया है।

मणिपुर में ओलावृष्टि से मची तबाही

इंफाल। मणिपुर में रविवार को भारी बारिश और ओलावृष्टि से बड़ी संख्या में मकान क्षतिग्रस्त हो गये और पेड़ उखड़ गये। बिजली आपूर्ति प्रभावित हुई और कई घरों की बिजली उड़ गयी। सड़कों पर मलबा बिखरने से यातायात बाधित हो गया। मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह ने कहा कि सभी डीएम को रिपोर्ट सौंपने को कहा गया है।

रोहित वेमुला की मौत की जांच में थीं कई विसंगतियां : वेणुगोपाल

नई दिल्ली, एजेंसी

● कांग्रेस पार्टी के संगठन महासचिव ने किया दावा

कांग्रेस ने रविवार को कहा कि हैदराबाद विश्वविद्यालय के छात्र रहे रोहित वेमुला की मौत के मामले में पहले की गई जांच में कई विसंगतियां थीं और तेलंगाना में उसकी सरकार वेमुला के परिवार के लिए न्याय सुनिश्चित करने में कोई कसर नहीं छोड़ेगी। तेलंगाना पुलिस ने वेमुला की मौत के मामले में एक अदालत के समक्ष 'क्लोजर रिपोर्ट' दायर की है जिसमें दावा किया गया है कि वह दलित नहीं था और 2016 में उसने इस डर से आत्महत्या कर ली कि कहीं उसकी वास्तविक जाति के बारे में सबको पता न चल जाए।

कांग्रेस के संगठन महासचिव के सी वेणुगोपाल ने कहा कि रोहित वेमुला की मौत ने भाजपा की दलित विरोधी मानसिकता को पूरी तरह से उजागर कर दिया। उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा-राहुल गांधी जी समेत कांग्रेस इस कठिन समय में रोहित वेमुला के परिवार के साथ खड़ी है। वेणुगोपाल ने कहा कि तेलंगाना पुलिस ने स्पष्ट किया है कि संबंधित 'क्लोजर रिपोर्ट' जून 2023 में तैयार की गई थी। उन्होंने कहा-पहले की गई जांच में कई विसंगतियां थीं। तेलंगाना में कांग्रेस सरकार रोहित के परिवार के लिए न्याय सुनिश्चित करने में कोई कसर नहीं छोड़ेगी। कांग्रेस पिछले साल भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) को हराकर राज्य में सत्ता में आई थी। उन्होंने कहा-इतना ही नहीं, जब हम केंद्र में सरकार बनाएंगे तो हम एक 'रोहित वेमुला अधिनियम' पारित करेंगे जो विशेष रूप से परिसरों में जाति और संप्रदाय के आधार पर होने वाले अत्याचारों की समस्या से निपटेगा ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि सामाजिक-आर्थिक रूप से पिछली पृष्ठभूमि के किसी भी छात्र को कभी उस दुर्दशा का सामना न करना पड़े जो रोहित ने झेली। रोहित वेमुला की मां राधिका वेमुला ने शनिवार को तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी से मुलाकात कर परिवार को न्याय दिलाने का उनसे अनुरोध किया था।

केरल के युवकों को दी गई सामुदायिक सेवा की सजा

अलाप्पुझा, एजेंसी

लापरवाही से गाड़ी चलाने का मामला

केरल के अलाप्पुझा जिले में लापरवाही और खतरनाक तरीके से वाहन चलाने का एक वीडियो वायरल होने के बाद राज्य के मोटर वाहन विभाग ने इस सिलसिले में पांच युवाओं को सजा के रूप में सामुदायिक सेवा करने को कहा है।

वीडियो में युवक चलती हुई कार की खिड़कियों पर बैठे हुए दिखाई दे रहे हैं। मावेलिक्कारा संयुक्त सड़क परिवहन अधिकारी ने कार चालक का लाइसेंस निलंबित कर दिया है और आरोपी युवकों को सामुदायिक सेवा में भाग लेने के लिए सोमवार से चार दिनों के लिए अलाप्पुझा मेडिकल कॉलेज में रिपोर्ट करने को कहा है। संयुक्त आरटीओ एम जी मनोज ने कहा-दुर्घटना पीड़ितों की पीड़ा को समझाने के लिए आरोपी युवकों को अलाप्पुझा मेडिकल कॉलेज के हड्डी रोग विभाग में सेवा का काम सौंपा गया है। उन्होंने बताया कि इसके बाद युवकों को सामुदायिक सेवा गतिविधि के हिस्से के रूप में गांधी भवन भी भेजा जाएगा।

अग्निकांड मामले में एनजीटी ने सीपीसीबी एमसीडी और अन्य से मांगा जवाब

नई दिल्ली। राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) ने पिछले महीने गाजीपुर लैंडफिल स्थल पर आग लगने की घटना पर केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) और दिल्ली नगर निगम के अधिकारियों से पांच सप्ताह के भीतर जवाब मांगा है। अधिकरण 21 अप्रैल को पूर्वी दिल्ली में गाजीपुर लैंडफिल स्थल पर भीषण आग लगने की घटना के संबंध में एक अखबार की रिपोर्ट पर मामले की सुनवाई कर रहा था। एनजीटी के अध्यक्ष न्यायमूर्ति प्रकाश श्रीवास्तव और विशेषज्ञ सदस्य ए. सेंथिल वेल की पीठ ने कहा कि समाचार रिपोर्ट ने पर्यावरण मानदंडों से संबंधित महत्वपूर्ण मुद्दा उठाया है।

कांग्रेस के अंतरिम प्रमुख देवेंद्र यादव ने औपचारिक रूप से पदभार संभाला

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी (डीपीसीसी) के अंतरिम अध्यक्ष के रूप में रविवार को औपचारिक रूप से पदभार संभालने वाले देवेंद्र यादव ने कहा कि आज देश को कांग्रेस की जरूरत है। यादव ने यह जिम्मेदारी सौंपने के लिए पार्टी नेतृत्व को धन्यवाद दिया। यादव ने कहा-मुझे इस पद के लिए नामित करने को लेकर मैं कांग्रेस को धन्यवाद देता हूं। मैं मल्लिकार्जुन खरगे, सोनिया गांधी, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और अजय माकन का आभारी हूं। कांग्रेस नेता ने सभी पार्टी कार्यकर्ताओं के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्होंने भी एक कार्यकर्ता के रूप में अपना राजनीतिक जीवन शुरू किया और बहुत अधिक संघर्ष और कठिनाइयां देखी हैं।

कोलकाता पुलिस के पत्राचार को नजरअंदाज करें: बोस

कोलकाता, एजेंसी

● राज्यपाल ने राजभवन के सभी कर्मचारियों को दिया निर्देश

● महिला कर्मचारी के साथ छेड़छाड़ का मामला

पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सी. वी. आनंद बोस ने रविवार को राजभवन के सभी कर्मचारियों को निर्देश दिया कि वे उनके खिलाफ एक महिला कर्मचारी की छेड़छाड़ की शिकायत के संबंध में कोलकाता पुलिस के किसी भी पत्राचार को नजरअंदाज करें। यह निर्देश कोलकाता पुलिस द्वारा राज्यपाल के खिलाफ महिला के आरोप की जांच के लिए एक जांच दल गठित करने के बाद आया है।

बोस ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा-यह स्पष्ट है कि भारत के संविधान के अनुच्छेद 361(2) और (3) के मद्देनजर, राज्य पुलिस किसी भी तरह से माननीय राज्यपाल के खिलाफ पूछताछ/जांच/किसी भी प्रकार की कार्यवाही शुरू नहीं कर सकती है।" उन्होंने यह भी कहा कि राष्ट्रपति या किसी राज्य के राज्यपाल के खिलाफ उनके कार्यकाल के दौरान किसी भी अदालत में कोई आपराधिक कार्यवाही शुरू नहीं की जाएगी या जारी नहीं रखी जाएगी। राजभवन के कर्मचारियों के लिए एक विज्ञप्ति के रूप में तैयार किए गए पोस्ट में राज्यपाल ने कहा-उनके कार्यकाल के दौरान किसी भी अदालत से गिरफ्तारी या कारावास की कोई प्रक्रिया शुरू नहीं की जाएगी।

संदेशखालि प्रकरण के पीछे भाजपा का हाथ : ममता

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने रविवार को भाजपा पर राज्य को बदनाम करने के लिए संदेशखालि की घटनाओं को अंजाम देने का आरोप लगाया, जहां तृणमूल कांग्रेस नेताओं के खिलाफ यौन शोषण के आरोप सामने आए हैं। तृणमूल कांग्रेस ने शनिवार को सोशल मीडिया पर एक वीडियो जारी किया, जिसमें दावा किया गया कि यह उसके उस रुख की पुष्टि करता है कि संदेशखालि प्रकरण के पीछे भाजपा का हाथ था। बनर्जी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''मैं लंबे समय से कह रही हूं कि भाजपा संदेशखालि घटना को अंजाम देकर बंगाल की छवि खराब करने की कोशिश कर रही है। स्टिंग ऑपरेशन से 'बांग्ला-विरोधियों' का असली चेहरा सामने आया, क्योंकि उन्होंने मेरी माताओं और बहनों की भावनाओं के साथ खिलवाड़ करने की कोशिश की थी। 13 मई को, राणाघाट के लोग यह सुनिश्चित करेंगे कि 'बांग्ला-विरोधियों' को बंगाल से बाहर कर दिया जाए।'' तृणमूल कांग्रेस ने कथित वीडियो जारी किया, जिसमें संदेशखालि में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के मंडल अध्यक्ष होने का दावा करने वाले गंगाधर कायल को यह कहते सुना जा सकता है कि पूरी साजिश के पीछे पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी का हाथ है।

कारोबार/कृषि

एक नजर

महिंद्रा एंड महिंद्रा, टाटा मोटर्स को मिलीं रिकॉर्ड पेटेंट मंजूरियां

नई दिल्ली। वाहन विनिर्माण क्षेत्र की प्रमुख घरेलू कंपनियों- महिंद्रा एंड महिंद्रा (एमएंडएम) और टाटा मोटर्स को पिछले वित्त वर्ष में उत्पाद और प्रक्रिया नवोन्मेषण से संबंधित रिकॉर्ड संख्या में पेटेंट मंजूरियां मिली हैं। एमएंडएम को 674 मंजूरियां मिलीं, जो उसका किसी एक साल का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। वहीं, टाटा मोटर्स को भी वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान 333 पेटेंट मंजूरियां मिली हैं। एमएंडएम ने कहा कि उसे पिछले वित्त वर्ष में रिकॉर्ड 674 पेटेंट मिले हैं। एमएंडएम के कार्यकारी निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी राजेश जेजुरिकर ने कहा-हम भविष्य के लिए तैयार रहने के महत्व को समझते हैं, इसलिए हमने आगे रहने के लिए शोध में निवेश सुनिश्चित किया है।

भारत-घाना में भुगतान प्रणालियों को आपस में जोड़ने पर बनी सहमति

नई दिल्ली। भारत और घाना अपनी भुगतान प्रणालियों - यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) और घाना इंटरबैंक पेमेंट एंड सेटलमेंट सिस्टम्स (जीएचआईपीएसएस) को आपस में जोड़ने के लिए काम कर रहे हैं। इससे उपयोगकर्ताओं को आपस में तत्काल, कम लागत वाले धन हस्तांतरण में मदद मिलेगी। दोनों देशों ने डिजिटल रूपांतरण पर समझौता ज्ञापन की संभावनाओं, स्थानीय मुद्रा निपटान प्रणाली और अफ्रीकी महाद्वीपीय मुक्त व्यापार समझौते (एएफसीएफटीए) से मिलने वाले अवसरों पर भी चर्चा की है। वाणिज्य विभाग ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा-वे छह महीने के भीतर इस दिशा में तेजी से काम करने के लिए सहमत हुए हैं।

भारतीय रिजर्व बैंक ने पिछले दो वित्तीय वर्षों की रिपोर्ट जारी करके किया खुलासा

2 साल में 10 लाख करोड़ बढ़ा आवास ऋण बकाया

नई दिल्ली, एजेंसी

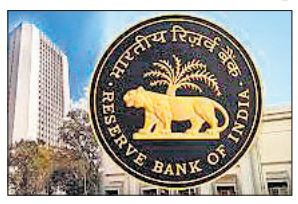

आवास क्षेत्र के लिए बकाया ऋण पिछले दो वित्त वर्षों में लगभग 10 लाख करोड़ रुपये बढ़कर इस साल मार्च में रिकॉर्ड 27.23 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया। आरबीआई के 'बैंक ऋण के क्षेत्रवार वितरण' आंकड़ों में यह जानकारी दी गई है। बैंकिंग और रियल एस्टेट क्षेत्रों के विशेषज्ञों ने बताया कि कोविड महामारी के बाद आवासीय संपत्ति बाजार में दबी मांग सामने आने के चलते आवास ऋण बकाया में वृद्धि हुई।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के मार्च, 2024 के लिए बैंक ऋण के क्षेत्रवार वितरण पर आंकड़ों के अनुसार आवास (प्राथमिकता क्षेत्र आवास सहित) के लिए बकाया ऋण मार्च, 2024 में 27,22,720 करोड़ रुपये था। यह आंकड़ा मार्च, 2023 में 19,88,532 करोड़ रुपये और मार्च, 2022 में 17,26,697 करोड़ रुपये था।

आंकड़ों से यह भी पता चला कि वाणिज्यिक अचल संपत्ति के लिए बकाया ऋण मार्च 2024 में 4,48,145 करोड़ रुपये था। यह मार्च, 2022 में 2,97,231 करोड़ रुपये था। विभिन्न संपत्ति सलाहकारों की रिपोर्ट के अनुसार पिछले दो वित्त वर्षों में घरों की बिक्री और कीमतों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

बैंक ऑफ बड़ौदा के मुख्य अर्थशास्त्री मदन सबनवीस ने कहा कि आवास ऋण में उच्च वृद्धि आवासीय क्षेत्र के सभी खंडों में तेजी के चलते है। उन्होंने कहा कि विशेष रूप से किफायती आवास खंड में सरकार के प्रयासों के कारण तेजी देखी गई है। सबनवीस ने कहा कि आवास ऋण की वृद्धि मजबूत बनी रहेगी, लेकिन उच्च आधार के कारण यह घटकर 15-20 प्रतिशत रह सकती है।

सरकार रैंकिंग बढ़ाने के लिए कर रही है काम

विश्व बैंक अपनी पहली बिजनेस रेडी (कारोबार के लिए तैयार) रिपोर्ट इसी साल सितंबर में जारी करने की योजना बना रहा है। इस संबंध में एक अधिकारी ने कहा कि वाणिज्य मंत्रालय ने भारत की रैंकिंग बढ़ाने के लिए अंतरराष्ट्रीय कारोबार विषय पर काम शुरू कर दिया है। बिजनेस रेडी (बी-रेडी) विश्व बैंक की नई प्रमुख रिपोर्ट है जो दुनियाभर की अधिकांश अर्थव्यवस्थाओं में कारोबारी माहौल और निवेश माहौल का मापन करती है। रिपोर्ट कंपनियों पर निर्देशित नियामकीय ढांचे और सार्वजनिक सेवाओं को मापने का काम करती है। पहली बी-रेडी रिपोर्ट 25 सितंबर, 2024 को जारी की जाएगी। बिजनेस रेडी रिपोर्ट विश्व बैंक समूह के पूर्व के 'डूइंग बिजनेस इंडेक्स' की जगह लेगी। विश्व बैंक ने पिछली रिपोर्टों में आंकड़ों में बदलाव के संबंध में कई अनियमितताओं के बाद 2020 में अपनी 'डूइंग बिजनेस रिपोर्ट' के प्रकाशन को रोकने का फैसला किया था। नई रिपोर्ट में 10 विषयों को केंद्र में रखा गया है जो किसी फर्म की गतिविधियों को शुरू करने, संचालित करने, बंद करने या पुनर्गठित करने के दौरान उसके जीवनचक्र को कवर करते हैं। ये विषय- कारोबार प्रवेश, कारोबार स्थान, उपयोगिता सेवाएं, श्रम, वित्तीय सेवाएं, अंतरराष्ट्रीय व्यापार, कराधान, विवाद समाधान, बाजार प्रतिस्पर्धा और कारोबार के दिवालिया होने से संबंधित हैं।

देश में 1.85 लाख नई कंपनियों का हुआ गठन

नई दिल्ली। बीते वित्त वर्ष (2023-24) में देश में 1.85 लाख से अधिक कंपनियों का पंजीकरण हुआ। यह इससे पिछले वित्त वर्ष में पंजीकृत कंपनियों की संख्या से कहीं अधिक है। इस साल मार्च में लगभग 16,600 कंपनियां स्थापित की गईं। आधिकारिक आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। आंकड़ों के अनुसार, 2022-23 में 18,132.16 करोड़ रुपये की सामूहिक चुकता पूंजी के साथ 1,59,524 कंपनियां पंजीकृत हुई थीं। मार्च, 2024 के अंत में देश में कुल 26,63,016 कंपनियां थीं और इनमें से 16,91,495 या 64 प्रतिशत कंपनियां सक्रिय थीं। आंकड़ो से पता चलता है कि इनमें से कम से कम 9,31,644 पंजीकृत कंपनियां बंद हो गईं, 2,470 निष्क्रिय थीं और 10,385 कंपनियां परिसमापन के तहत थीं। कुल 27,022 कंपनियों को आधिकारिक रिकॉर्ड से हटाने की प्रक्रिया जारी थी।

प्याज निर्यात से प्रतिबंध हटाने से पहले निर्वाचन आयोग की ली गई अनुमति

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्र सरकार ने लोकसभा चुनाव के कारण आदर्श आचार संहिता लागू होने के मद्देनजर प्याज निर्यात से प्रतिबंध हटाने से पहले निर्वाचन आयोग की अनुमति ली है। सूत्रों ने यह जानकारी दी।

सरकारी सूत्रों के अनुसार, वित्त मंत्रालय के तहत राजस्व विभाग ने 40 प्रतिशत निर्यात शुल्क और 550 अमेरिकी डॉलर प्रति टन के न्यूनतम निर्यात मूल्य (एमईपी) की शर्तों के तहत प्याज निर्यात से प्रतिबंध हटाने के लिए निर्वाचन आयोग से अनुमति ली है। सरकार ने शनिवार को प्याज निर्यात से प्रतिबंध हटा दिया था। इस फैसले से बड़ी संख्या में किसानों को मदद मिलेगी। यह फैसला ऐसे समय लिया गया है जबकि महाराष्ट्र सहित कई प्रमुख उत्पादक क्षेत्रों में लोकसभा चुनाव के लिए मतदान होने वाला है। सरकार 550 डॉलर प्रति टन के न्यूनतम निर्यात मूल्य (लगभग 46 रुपये प्रति किलोग्राम) के साथ ही 40 प्रतिशत का निर्यात शुल्क लगाया है। इस शुल्क को देखते हुए 770 डॉलर प्रति टन या 64 रुपये प्रति किलोग्राम से कम भाव पर प्याज निर्यात की अनुमति नहीं दी जाएगी। प्याज के निर्यात से प्रतिबंध हटाने का निर्णय उपभोक्ता मामलों के विभाग की सिफारिश पर लिया गया है। विभाग देश में प्याज की उपलब्धता और कीमत की स्थिति पर नजर रखता है।

एफआईयू ने मनी लॉन्ड्रिंग की जांच के लिए प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल बढ़ाया

नई दिल्ली। भारत की वित्तीय आसूचना इकाई (एफआईयू) ने देश के आर्थिक चैनलों में धन शोधन (मनी लॉन्ड्रिंग) और आतंकवाद के वित्तपोषण जैसे अपराधों की जांच के लिए अपनी सूचना प्रौद्योगिकी प्रणाली को बेहतर बनाया है। इसके तहत एफआईयू ने कृत्रिम मेधा (एआई) और मशीन लर्निंग को अपनाते हुए अत्याधुनिक 2.0 संस्करण को चालू किया है। ताजा रिपोर्ट में कहा गया है कि तकनीकी ढांचे को बेहतर बनाने की जरूरत थी, क्योंकि बैंकों और विभिन्न अन्य वित्तीय संस्थानों की तरफ से विश्लेषण और जांच के लिए डेटा की मात्रा निरंतर बढ़ रही है।

भारत का एडीबी से वृद्धि, साझा समृद्धि को नजरअंदाज न करने का आग्रह

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत ने रविवार को एशियाई विकास बैंक (एडीबी) से आग्रह किया कि वह एशिया प्रशांत क्षेत्र में सदस्य देशों के लिए सतत वृद्धि को बढ़ावा देने के साथ-साथ शेष गरीबी को कम करने को नजरअंदाज न करे।

एडीबी की 57वीं वार्षिक बैठक में 'बोर्ड ऑफ गवर्नर्स बिजनेस सत्र' में हस्तक्षेप करते हुए भारत के अस्थायी वैकल्पिक गवर्नर विकास शील ने कहा कि बैंक ने वैश्विक सार्वजनिक वस्तुओं की चुनौतियों और वितरण को प्रभावी ढंग से संबोधित करते हुए तेजी से आर्थिक वृद्धि के उपायों को मजबूती देने, गरीबी को कम करने और क्षेत्रीय सहयोग को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा-हम चिंता के साथ देखते हैं कि आर्थिक वृद्धि और शेष गरीबी से निपटने को अपनी रणनीति 2030 की समीक्षा में एडीबी के बढ़े हुए फोकस क्षेत्रों में जगह नहीं मिली है। हम एडीबी से आग्रह करते हैं कि विकास और साझा समृद्धि पर एडीबी के चार्टर जनादेश को नजरअंदाज न करें। उन्होंने एशिया और प्रशांत क्षेत्र में त्वरित समावेशी और सतत वृद्धि की दिशा में काम करने के लिए भारत के निरंतर समर्थन का आश्वासन दिया है।

सेंसेक्स की शीर्ष 10 में से छह कंपनियों के बाजार पूंजीकरण में आई कमी

नई दिल्ली। सेंसेक्स की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से छह के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में बीते सप्ताह सामूहिक रूप से 68,417.14 करोड़ रुपये की गिरावट आई। सबसे अधिक नुकसान भारती एयरटेल और रिलायंस इंडस्ट्रीज को हुआ। पिछला सप्ताह कम कारोबारी सत्रों का रहा। बुधवार को 'महाराष्ट्र दिवस' पर बाजार में अवकाश था। सप्ताह के दौरान जहां रिलायंस इंडस्ट्रीज, भारती एयरटेल, भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी), इन्फोसिस, आईटीसी और हिंदुस्तान यूनिलीवर के बाजार मूल्यांकन में गिरावट आई।

आम चुनाव की वजह से एफपीआई सतर्क

नई दिल्ली, एजेंसी

● मई में अब तक शेयरों में 1,156 करोड़ रुपये डाले

भारत में आम चुनाव की वजह से विदेशी निवेशक 'देखो और इंतजार करो' की नीति अपना रहे हैं। चालू महीने के पहले दो कारोबारी सत्रों में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने भारतीय शेयर बाजारों में सिर्फ 1,156 करोड़ रुपये का निवेश किया है।

इससे पहले मॉरीशस के साथ भारत की कर संधि में बदलाव और अमेरिका में बॉन्ड प्रतिफल में निरंतर वृद्धि की चिंताओं के कारण अप्रैल में एफपीआई ने 8,700 करोड़ रुपये के शेयर बेचे थे। वहीं मार्च में एफपीआई ने शेयरों में शुद्ध रूप से 35,098 करोड़ रुपये और फरवरी में 1,539 करोड़ रुपये का निवेश किया था। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार, मई में पहले दो कारोबारी सत्रों में एफपीआई ने शेयरों में 1,156 करोड़ रुपये का निवेश किया है और ऋण या बॉन्ड बाजार से 1,727 करोड़ रुपये निकाले हैं। मॉर्निंगस्टार इन्वेस्टमेंट रिसर्च इंडिया के एसोसिएट निदेशक - प्रबंधक शोध हिमांशु श्रीवास्तव ने कहा-भारत में आम चुनाव पूरे जोरों पर हैं। विदेशी निवेशकों ने चुनाव नतीजे आने तक 'देखो और इंतजार करो' का रुख अपनाया है। जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के मुख्य निवेश रणनीतिकार वी के विजयकुमार ने कहा-अमेरिका में नौकरियों के ताजा आंकड़े अर्थव्यवस्था में सुस्ती का संकेत देते हैं। वेतन बढ़ोतरी चार प्रतिशत से कम है, जो श्रम बाजार की कमजोरी का संकेत हैं। शेयर बाजार की दृष्टि से यह अच्छी खबर है। यही वजह है कि शुक्रवार को अमेरिकी बाजारों में जोरदार उछाल आया था।

आज का मुकाबला

मुंबई इंडियंस
बनाम
हैदराबाद सनराइजर्स
शाम 7:30 बजे

पर्पल कैप

खिलाड़ी	मैच	विकेट
जसप्रीत बुमराह (मुंबई)	11	17
टी नटराजन (हैदराबाद)	10	15
मुस्तफिजुर रहमान (चेन्नई)	10	14

ऑरेंज कैप

खिलाड़ी	मैच	रन
विराट कोहली (आरसीबी)	10	542
ऋतुराज गायकवाड़ (चेन्नई)	10	541
साई सुदर्शन (गुजरात टाइटंस)	10	424

ओलंपिक कोटे से चूकी भारतीय पुरुष व महिला रिले टीमें

नासाउ। भारतीय पुरुष, महिला और मिश्रित 4 गुणा 400 मीटर टीमें वर्ल्ड एथलेटिक्स रिले 24 में संबंधित स्पर्धाओं में फाइनल के लिए क्वालीफाई करने में असफल रहने के कारण पेरिस ओलंपिक के लिए कोटा सुरक्षित करने से चूक गई। शनिवार को बहामास के नासाउ में राजेश रमेश, रूपल, अविनाश कृष्ण कुमार और ज्योतिका श्रीदांडी की मिश्रित 4 गुणा 400 मीटर रिले चौकड़ी थॉमस ए रॉबिन्सन स्टेडियम में ट्रैक पर उतरने वाली पहली भारतीय टीम थी। अनस याहिया, राजेश रमेश, अजमल और जैकब की भारतीय पुरुष टीम 4 गुणा 400 मीटर रिले टीम हीट 4 में अपनी रेस पूरी नहीं कर पाई।

जीत की राह पर लौटी चेन्नई

धर्मशाला में जडेजा के हरफनमौला खेल से चेन्नई ने पंजाब किंग्स को 28 रन से हराया

धर्मशाला, एजेंसी

रविंद्र जडेजा के हरफनमौला खेल के दम पर चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) ने पंजाब किंग्स को 28 रन से हराकर प्लेऑफ में पहुंचने की अपनी उम्मीदों को मजबूत किया। जडेजा ने 26 गेंद में 43 रन बनाने के बाद चार ओवर में महज 20 रन खर्च कर तीन विकेट झटके जिससे पंजाब के खिलाफ लगातार पांच हार के बाद सीएसके ने जीत का स्वाद चखा।

सीएसके ने पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किए जाने के बाद नौ विकेट पर 167 रन बनाए और फिर पंजाब की पारी को नौ विकेट पर 139 रन पर रोककर टीम के खिलाफ चार दिन पहले मिली हार का बदला चुकता किया। सीएसके ने 11 मैच में छठी जीत के बाद तालिका में शीर्ष चार में अपनी वापसी की जबकि 11 मैचों में सातवीं हार के बाद पंजाब की प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीदों को बड़ा झटका लगा है। जडेजा को टीम के अन्य गेंदबाजों का भी अच्छा साथ मिला जिससे पंजाब की टीम लगातार अंतराल पर विकेट गंवाते रही। तुषार देशपांडे और सिमरजीत सिंह ने दो-दो जबकि मिचेल सेंटनर और शारदुल ठाकुर ने एक-एक विकेट चटकाया।

धर्मशाला में पंजाब किंग्स के खिलाफ 28 रन से जीत दर्ज करने के बाद पवेलियन जाते चेन्नई के खिलाड़ी। ● एजेंसी

पंजाब के लिए प्रभसिमरन सिंह ने 23 गेंद में 30 जबकि शशांक सिंह ने 20 गेंद में 27 रन पारी खेली। दोनों ने तीसरे विकेट के लिए 36 गेंद में 53 रन जोड़े। राहुल चाहर ने चार ओवर में 23 तो वहीं मध्यम तेज गति के गेंदबाज हर्षल ने चार ओवर में 24 रन देकर तीन-तीन विकेट लिये। अर्शदीप सिंह को दो जबकि कप्तान सैम कुरेन को एक सफलता मिली। सीएसके के लिए जडेजा के अलावा शानदार लय में चल रहे कप्तान रुतुराज गायकवाड़ ने 21 गेंद में 32 जबकि डेरिल मिचेल ने 19 गेंद में 30 रन का बल्ले से अच्छा योगदान दिया। दोनों ने दूसरे विकेट के लिए 32 गेंद में 57 रन की साझेदारी की। लक्ष्य का बचाव करने अपने तीन मुख्य तेज गेंदबाजों के बिना मैदान में उतरी सीएसके को देशपांडे ने दूसरे ओवर में जॉनी बेयरस्टो (सात) और रिली रोसेयु (शून्य) को बोल्ड कर शानदार शुरुआत दिलाई। दूसरे छोर से बायें हाथ के स्पिनर सेंटनर ने अपने शुरुआती दो ओवर में सिर्फ चार रन खर्च किये। शानदार लय में चल रहे शशांक और सलामी बल्लेबाज प्रभसिमरन ने देशपांडे और रिचर्ड ग्लीसन के खिलाफ बेखौफ बल्लेबाजी करते पावरप्ले में टीम का स्कोर दो विकेट पर 47 रन हो गया, लेकिन पंजाब के पुछल्ले बल्लेबाजों ने 15वें ओवर में 90 रन पर आठवां विकेट गिरने के बाद भी टीम को 139 रन तक पहुंचाने में सफल रहे। हरप्रीत बराड़ ने नाबाद 17, चाहर ने 16 और कागिसो रबाडा ने नाबाद 11 रन का योगदान दिया।

सीएसके 167/9 — 20 ओवर, अतिरिक्त: 6

बल्लेबाज	रन	गेंद	4/6
अजिंक्य रहाणे का रबाडा बो अर्शदीप	9	7	1/0
रुतुराज गायकवाड़ का जितेश बो चाहर	32	21	4/1
डेरिल मिचेल पगबाधा हर्षल	30	19	2/1
शिवम दुबे का जितेश बो चाहर	0	1	0/0
मोईन अली का बेयरस्टो बो कुरेन	17	20	2/0
रविंद्र जडेजा का कुरेन बो अर्शदीप	43	26	3/2
मिचेल सेंटनर का कुरेन बो चाहर	11	11	1/0
शारदुल ठाकुर बो हर्षल	17	11	2/1
महेंद्र सिंह धोनी बो हर्षल	0	1	0/0
तुषार देशपांडे नाबाद	0	1	0/0
रिचर्ड ग्लीसन नाबाद	2	2	0/0

गेंदबाजी : रबाडा 3-0-24-0, अर्शदीप 4-0-42-2, कुरेन 4-0-34-1, बराड़ 1-0-19-0, चाहर 4-0-23-3, हर्षल 4-0-24-3

पंजाब 139/9 — 20 ओवर, अतिरिक्त: 9

बल्लेबाज	रन	गेंद	4/6
प्रभसिमरन का (रिजवी) बो जडेजा	30	23	2/2
जॉनी बेयरस्टो बो देशपांडे	7	6	1/0
रिली रोसेयु बो देशपांडे	0	3	0/0
शशांक सिंह का सिमरजीत बो सेंटनर	27	20	4/0
सैम कुरेन का सेंटनर बो जडेजा	7	11	0/0
जितेश शर्मा का धोनी बो सिमरजीत	0	1	0/0
आशुतोष शर्मा का सिमरजीत बो जडेजा	3	10	0/0
हरप्रीत बरार नाबाद	17	9	2/0
हर्षल का (रिजवी) बो सिमरजीत	12	13	1/1
राहुल चाहर बो शारदुल	16	10	2/1
कागिसो रबाडा नाबाद	11	10	0/1

गेंदबाजी : सेंटनर 3-0-10-1, देशपांडे 4-0-35-2, ग्लीसन 4-0-41-0, जडेजा 4-0-20-3, सिमरजीत 3-0-16-2, शारदुल 2-0-12-1

अंकतालिका

टीम	मैच	जीत	हार	अंक	रन रेट
राजस्थान	10	8	2	16	+0.622
कोलकाता	10	7	3	14	+1.098
चेन्नई	11	6	5	12	+0.700
लखनऊ	10	6	4	12	+0.094
हैदराबाद	10	6	4	12	+0.072
दिल्ली	11	5	6	10	-0.442
बेंगलुरु	11	4	7	8	-0.049
पंजाब	11	4	7	8	-0.187
गुजरात	11	4	7	8	-1.320
मुंबई	11	3	8	6	-0.356

महिला टी-20 विश्व कप के ग्रुप ए में भारत और ऑस्ट्रेलिया

दुबई। भारत को इस साल तीन से 20 अक्टूबर तक बांग्लादेश में होने वाले टी-20 विश्व कप के लिए रविवार को गत चैंपियन ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड और पाकिस्तान के साथ ग्रुप ए में जगह मिली। भारत के सभी ग्रुप मैच सिलहट में खेले जाएंगे।

आईसीसी द्वारा घोषित नौवें महिला टी-20 विश्व कप के कार्यक्रम के अनुसार भारतीय टीम अपने अभियान की शुरुआत चार अक्टूबर को न्यूजीलैंड के खिलाफ करेगी जबकि छह अक्टूबर को चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान से भिड़ेगी। भारतीय टीम तीसरा मैच नौ अक्टूबर को पहले क्वालीफायर से खेलेगी जिसका अभी फैसला नहीं हुआ है। टीम को अपना अंतिम ग्रुप मैच 13 अक्टूबर को छह बार के विश्व चैंपियन ऑस्ट्रेलिया से खेलना है। टूर्नामेंट में प्रत्येक टीम चार ग्रुप मैच खेलेगी और प्रत्येक ग्रुप से शीर्ष दो टीमें 20 अक्टूबर को ढाका में होने वाले फाइनल से पहले 17 और 18 अक्टूबर को होने वाले सेमीफाइनल में जगह बनाएंगी। ढाका और सिलहट में 19 दिन में कुल मिलाकर 23 मैच खेले जाएंगे, जरूरत पड़ने पर सेमीफाइनल और फाइनल दोनों के लिए रिजर्व दिन रखे गए हैं। मेजबान बांग्लादेश को ग्रुप बी में दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, वेस्टइंडीज और दूसरे क्वालीफायर के साथ रखा गया है।

खेल डायरी

चीन ने 16वीं बार जीता उबेर कप फाइनल में इंडोनेशिया को हराया

चेंगडू (चीन)। चीन ने रविवार को यहां अपनी बादशाहत जारी रखते हुए इंडोनेशिया को हराकर 16वीं बार उबेर कप अपने नाम किया। चीन दो साल पहले बैंकॉक में दक्षिण कोरिया से फाइनल में हार गया था। उसने रविवार को इंडोनेशिया को 3-0 से हराकर खिताब जीता। इंडोनेशिया 2008 के बाद पहला उबेर कप फाइनल खेल रहा था। चीन के लिए ओलंपिक चैंपियन चेन यु फेई ने ग्रेगोरिया मारिस्का टुनजंग को 21-7, 21-16 से हराकर शानदार शुरूआत की। चीन ने 16वीं बार उबेर कप जीत लिया।

विवान शूटऑफ में हारे, भारतीय ट्रैप निशानेबाजों ने किया निराश

नई दिल्ली। विवान कपूर को शूटऑफ में तोक्यो ओलंपिक के कांस्य पदक विजेता ग्रेट ब्रिटेन के मैथ्यू जॉन कोवार्ड-होली के खिलाफ 2-3 से शिकस्त झेलनी पड़ी जिससे भारत का कोई भी ट्रैप निशानेबाज बाकू में चल रहे आईएसएसएफ विश्व कप के फाइनल में जगह नहीं बना पाया। विवान ने क्वालीफाइंग दौर में 120 अंक जुटाए थे और वह कोवार्ड-होली के अलावा आयरलैंड के पूर्व जूनियर विश्व चैंपियन इयान ओ सुलिवान के साथ फाइनल में छठे और अंतिम स्थान के लिए शूटऑफ का हिस्सा थे। विवान को सातवें स्थान के साथ संतोष करना पड़ा। महिला ट्रैप में राजेश्वरी (108 अंक) 23वें जबकि श्रेयसी और मनीषा क्रमश: 29वें और 38वें स्थान पर रहीं।

चेतेश्वर पुजारा ने काउंटी चैंपियनशिप में जड़ा शतक

लंदन। काउंटी चैंपियनशिप डिवीजन टू के मैच में दूसरे दिन ससेक्स के लिए खेलते हुए भारतीय दिग्गज बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा ने नाबाद (104) रनों की शतकीय पारी खेली। यह तीन सत्र में ससेक्स के लिए उनका नौवां शतक है। मैच में पुजारा के अलावा टॉम हेंस, टॉम एल्सॉप और जेम्स कोल्स ने भी अर्धशतक लगाए। ससेक्स ने डर्बीशायर के साथ खेले जा रहे मुकाबले में अब तक पांच विकेट पर 357 रन बना लिया है और उन्हें पहली पारी में 111 रनों की बढ़त मिल चुकी है। दिन के आखिर में लुईस रीस ने ससेक्स के दो विकेट लेकर डर्बीशायर को मैच में बनाए रखा है। शाम के सत्र में ससेक्स ने मैच में अपनी पकड़ मजबूत करनी शुरू कर दी थी।

तेजस्विन ने एरिजोना एथलेटिक्स मीट में ऊंची कूद स्पर्धा जीती

एरिजोना। भारत के तेजस्विन शंकर ने यूएसएटीएफ थ्रो फेस्टिवल फेस्टिवल 2024 में पुरुषों की ऊंची कूद स्पर्धा में 2.23 मीटर के सत्र के सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ जीत हासिल की। शनिवार को एरिजोना विश्वविद्यालय के रॉय पी. ड्रैचमैन स्टेडियम में हुई स्पर्धा में संयोग से शीर्ष तीन एथलीटों ने समान 2.23 मीटर का मार्क दर्ज किया। अमेरिका के अर्नेस्ट सियर्स दूसरे और मैक्सिको के रॉबर्टो विल्चेस तीसरे स्थान पर रहे। भारतीय एथलीट तेजस्विन शंकर को पहले प्रयास में ही क्लियरेंस हासिल करने के कारण विजेता घोषित किया।

मुंबई के खिलाफ जीत से स्थिति मजबूत करने उतरेंगे सनराइजर्स

मुंबई, एजेंसी

आत्मविश्वास से भरी सनराइजर्स हैदराबाद की टीम सोमवार को मुंबई इंडियंस के खिलाफ जीत के साथ इंडियन प्रीमियर लीग की अंक तालिका में आगे बढ़ने की कोशिश करेगी। दस मैच में छह जीत और चार हार से 12 अंकों के साथ तालिका में चौथे स्थान पर मौजूद सनराइजर्स की टीम ऑलराउंड प्रदर्शन करने और विशेष रूप से अपने गेंदबाजी विभाग में सुधार करने के लिए बेताब होगी।

वानखेड़े की पिच अगर बल्लेबाजी के अनुकूल होती है तो सनराइजर्स के बल्लेबाजों के एक बार फिर बड़ा स्कोर खड़ा करने की उम्मीद है जो वे मौजूदा सत्र में कई बार कर चुके हैं। सनराइर्ज की टीम पिछले मैच में शीर्ष पर चल रहे रॉयल्स को एक रन से हराकर आत्मविश्वास से भरी होगी।

केकेआर ने लखनऊ को 98 रन से हराया

सुनील नारायण के बल्ले से निकली 81 रनों की पारी, वरुण और राणा को मिले 3-3 विकेट

लखनऊ के कप्तान केएल राहुल का विकेट लेने के बाद खुशी मनाते केकेआर के खिलाड़ी। ● एजेंसी

लखनऊ, एजेंसी

सुनील नारायण की (81) रनों की पारी और हर्षित राणा व वरुण चक्रवर्ती की बेहतरीन गेंदबाजी बदौलत कोलकाता नाइट राइडर्स ने रविवार को आईपीएल के 54वें मुकाबले में लखनऊ सुपर जायंट्स को 98 रनों से हरा दिया है। इस आठवीं जीत के साथ ही कोलकाता अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंच गई है।

236 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी लखनऊ की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने दूसरे ही ओवर में अर्शीन कुलकर्णी (9) रन का विकेट गवां दिया। इसके बाद कप्तान के एल राहुल और मार्कस स्टॉयनिस ने दूसरे विकेट के लिए 50 रनों की साझेदारी की। आठवें ओवर में केरल राहुल 21 गेंदों मे 25 रन बनाकर आउट हुए। अगले ही ओवर में दीपक हुड्डा (5) उसके बाद मार्कस स्टॉयनिस 21 गेंदों में 36 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। इसके बाद लखनऊ के लगातार विकेट गिरते रहे। निकोलस पूरन (10), आयुष बदोनी (15), एशटन टर्नर (16), क्रुणाल पंड्या (5), युद्धवीर सिंह चरक (7) और रवि बिश्नोई (2) रन बनाकर आउट हुए। कोलकाता ने लखनऊ की पारी को 16.1 ओवर में 137 रन पर समेटते हुये मुकाबला 98 रनों से जीत लिया। कोलकाता की ओर से वरुण चक्रवर्ती और हर्षित राणा तीन-तीन विकेट लिए। आंद्रे रसल को दो विकेट मिले।

इससे पहले कोलकाता ने बेहतरीन बल्लेबाजी का मुजाहिरा करते हुए लखनऊ को जीत के लिए 236 रनों का लक्ष्य दिया था। लखनऊ सुपर जायंट्स के कप्तान के एल राहुल ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी कोलकाता की फिल सॉल्ट और सुनील नारायण की सलामी जोड़ी ने अच्छी शुरुआत करते हुए पहले विकेट लिये 61 रन जोडे। पांचवें ओवर में नवीन उल हक ने फिल सॉल्ट को आउट कर लखनऊ को पहली सफलता दिलाई। इसके बाद 12वें ओवर में रवि बिश्नोई ने सुनील नारायण को आउट किया। सुनील नारायण ने 39 गेंदों में (81) रनों की पारी खेली। कोलकाता ने निर्धारित 20 ओवरों में छह विकेट पर 235 रनों का स्कोर खड़ा किया।

कोलकाता 235/6 — 20 ओवर, अतिरिक्त: 13

बल्लेबाज	रन	गेंद	4/6
सॉल्ट कैच के एल राहुल बोल्ड नवीन	32	14	5/1
नारायण कैच पड़िक्कल बोल्ड बिश्नोई	81	39	6/7
रघुवंशी कैच के एल राहुल बोल्ड युद्धवीर	32	26	3/1
रसल कैच गौतम बोल्ड नवीन उल हक	12	8	1/1
रिंकू कैच स्टॉयनिस बोल्ड नवीन उल हक	16	11	2/0
श्रेयस कैच के एल राहुल बोल्ड ठाकुर	23	15	3/0
रमनदीप सिंह नाबाद	25	6	1/3
वेंकटेश अय्यर नाबाद	1	1	0/0

गेंदबाजी : स्टॉयनिस 2-0-29-0 मोहसिन 2-0-28-0 नवीन 4-0-49-3 यश ठाकुर-4-0-46-1 क्रुणाल 2-0-26-0 बिश्नोई 4-0-33-1 युद्धवीर 2-0-24-1

लखनऊ 137/10 — 16.1 ओवर, अतिरिक्त: 07

बल्लेबाज	रन	गेंद	4/6
केएल राहुल कैच रमनदीप बोल्ड हर्षित	25	21	3/0
अर्शीन कैच रमनदीप बोल्ड स्टार्क	9	7	2/0
मार्कस स्टॉयनिस कैच हर्षित बोल्ड रसल	36	21	4/2
दीपक हुड्डा पगबाधा चक्रवर्ती	5	3	1/0
निकोलस पूरन कैच सॉल्ट बोल्ड रसल	10	8	0/1
आयुष बदोनी कैच स्टार्क बोल्ड नारायण	15	12	0/1
एशटन टर्नर कैच आउट चक्रवर्ती	16	9	0/2
क्रुणाल पंड्या कैच सॉल्ट बोल्ड हर्षित	5	6	0/0
युद्धवीर कैच रसल बोल्ड चक्रवर्ती	7	7	0/1
रवि बिश्नोई पगबाधा हर्षित	2	3	0/0
नवीन उल हक नाबाद	0	0	0/0

गेंदबाजी : वैभव अरोड़ा 2-0-21-0, मिचेल स्टार्क 2-0-22-1, नारायण 4-0-22-1, हर्षित राणा 3.1-0-24-3, वरुण चक्रवर्ती 3-0-30-3, आंद्रे रसल 2-0-17-2

स्वियातेक ने मैड्रिड ओपन का खिताब जीता

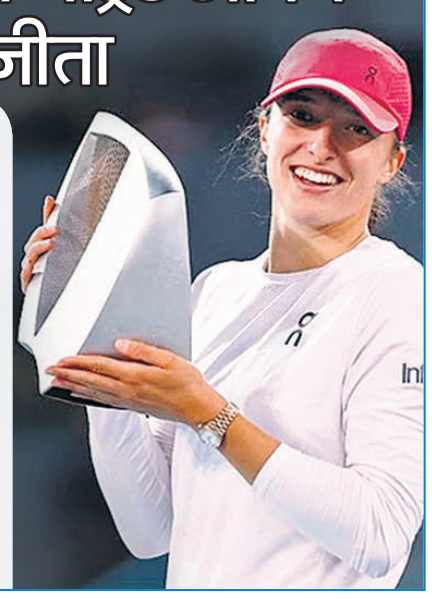

मैड्रिड। इगा स्वियातेक ने पिछले साल के फाइनल में एरिना सबालेंका के खिलाफ हार का बदला चुकता करते हुए शनिवार को यहां मैड्रिड ओपन टेनिस टूर्नामेंट का महिला एकल का खिताब अपने नाम किया। दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी पोलैंड की स्वियातेक ने दूसरे नंबर की खिलाड़ी सबालेंका को तीन सेट तक चले फाइनल में 7-5, 4-6, 7-6 से हराकर सत्र का अपना तीसरा खिताब जीता। स्वियातेक 2012 में कैरोलिन वोजनियाकी के बाद 20 खिताब के आंकड़े को छूने वाली सबसे युवा खिलाड़ी हैं। स्वियातेक तीसरे सेट में जब 5-6 के स्कोर पर सर्विस कर रहीं थी तो उन्होंने दो मैच प्वाइंट बचाए। उन्होंने टाईब्रेक में तीसरा मैच प्वाइंट बचाया और फिर सेट जीतकर खिताब अपने नाम किया।

डोप टेस्ट के लिए नमूना देने से इनकार करने पर 23 अप्रैल को नाडा ने सौंपा था बजरंग को अस्थायी निलंबन

डब्ल्यूएफआई ने लगाया नाडा पर अंधेरे में रखने का आरोप

नई दिल्ली, एजेंसी

बजरंग पुनिया को हाल ही में राष्ट्रीय ट्रायल के दौरान डोप टेस्ट के लिए अपना नमूना देने से इनकार करने पर अस्थाई तौर पर निलंबित कर दिया गया है। भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) इस मामले में राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) द्वारा उसे 'अंधेरे में' रखने का आरोप लगाते हुए विश्व डोपिंग रोधी एजेंसी (वाडा) से शिकायत करने की योजना बना रहा है। बजरंग को 23 अप्रैल को नाडा ने अस्थायी निलंबन सौंपा था। उन्हें आगे की अनुशासनात्मक कार्रवाई से बचने के लिए सात मई तक अपना जवाब भेजने को कहा गया था।

बिश्केक में एशियाई ओलंपिक क्वालीफायर के लिए पुरुषों की राष्ट्रीय टीम चुनने के लिए ट्रायल 10 मार्च को सोनीपत में आयोजित किया था और बजरंग अपना मुकाबला हारने के बाद मूत्र का नमूना दिए बिना ही प्रतियोगिता स्थल से

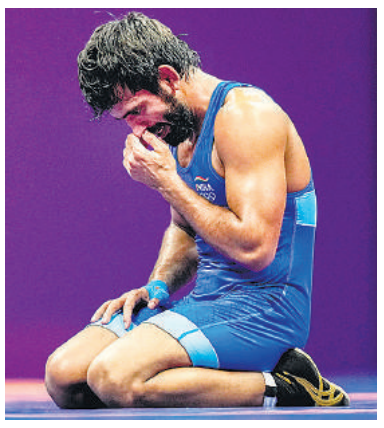

चले गये थे। बजरंग ने अपने निलंबन पर कहा कि उन्होंने कभी भी नाडा अधिकारियों को अपना नमूना देने से इनकार नहीं किया। उन्होंने नाडा पर 'एक्सपायर हो चुकी किट' देने का आरोप लगाते हुए 'एक्स' पर लिखा, मेरे बारे में जो डोप टेस्ट के लिए खबर आ रही है उसके लिए मैं स्पष्ट करना चाहता हूं। मैंने कभी भी नाडा अधिकारियों को नमूना देने से इनकार नहीं किया, मैंने उनसे अनुरोध किया कि वे मुझे जवाब दें कि वे पहले मेरा नमूना लेने के लिए जो एक्सपायर किट लाए थे, उस पर उन्होंने क्या कदम उठाए या क्या कार्रवाई की उसका जवाब दे दीजिये और फिर मेरा डोप टेस्ट ले लीजिए। मेरे वकील विदुष सिंघानिया इस पत्र का जवाब समय अनुसार देंगे।

बजरंग अगर तय समय में अपना जवाब देने में असफल रहते हैं तो वह पेरिस ओलंपिक क्वालीफिकेशन की दौड़ से बाहर हो जाएंगे। इस बीच डब्ल्यूएफआई अध्यक्ष संजय सिंह ने आश्चर्य व्यक्त किया कि नाडा ने उन्हें बजरंग के निलंबन के बारे में सूचित नहीं किया। संजय ने कहा, यह वास्तव में आश्चर्यजनक है कि नाडा ने बजरंग को निलंबित करते समय हमें सूचित नहीं किया। मैंने 25 अप्रैल को नाडा महानिदेशक और अन्य अधिकारियों के साथ बैठक की थी और उस बैठक में यह मामला नहीं उठाया गया था।

रियल मैड्रिड ने जीता स्पेनिश लीग खिताब

बार्सीलोना। रियल मैड्रिड ने बायर्न म्यूनिख के खिलाफ चैंपियंस लीग सेमीफाइनल से पहले शनिवार को यहां चार मैच शेष रहते स्पेनिश लीग फुटबॉल टूर्नामेंट का खिताब जीत लिया। मैड्रिड ने अपनी बेंच स्ट्रैंथ को आजमाने के बावजूद केडिज को 3-0 से हराया। बार्सीलोना की टीम इसके बाद गिरोना के खिलाफ 2-4 से हार गई जिससे मैड्रिड ने खिताब सुनिश्चित किया। मैड्रिड ने अपने रिकॉर्ड में सुधार करते हुए 36वीं बार ला लीगा का खिताब जीता। गिरोना की टीम इस जीत से बार्सीलोना को पछाड़कर 34 मैच में 74 अंक के साथ दूसरे स्थान पर पहुंच गई है। बार्सीलोना 73 अंक के साथ तीसरे स्थान पर है। मैड्रिड के 34 मैच में गिरोना से 13 अंक ज्यादा 87 अंक हैं। गिरोना की टीम अब अधिकतम 12 अंक ही जुटा सकती है जिससे मैड्रिड का खिताब तय हो गया है।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा 25/16-ए, जाप्लिंग रोड, लखनऊ-226001 (उ.प्र.) से प्रकाशित एवं प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर,इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित।
संपादक-शंभू दयाल वाजपेयी, 0522-4008111 (कार्यालय), **ईमेल**-amritvicharlucknow@gmail.com **आर.एन.आई नं0**-50986/1989 **(नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा)।**

कंगाल पाकिस्तान झेल रहा महंगाई की मार, बढ़े दूध के दाम

कराची। वित्तीय संकट से जूझ रहे पाकिस्तान के कराची में अब दूध 210 रुपये (पाकिस्तानी) प्रति लीटर पर बिकने लगा है। एआरवाई न्यूज के अनुसार, कराची आयुक्त ने डेयरी फार्मर्स एसोसिएशन की मांग मानते हुए कीमतों में 10 रुपये प्रति लीटर की वृद्धि की है। इससे पहले दूध के दाम में 50 रुपये प्रति लीटर की वृद्धि किए जाने का अनुमान था। पहले से ही महंगाई की मार झेल रहे लोगों पर इस कीमत वृद्धि की मार पड़ी है।

- पाकिस्तान पर कुल कर्ज बढ़कर 63 .39 लाख करोड़ पाकिस्तानी रुपये हो गया है। इसमें 40 .95 लाख करोड़ घरेलू कर्ज और अंतर्राष्ट्रीय कर्ज 22 .43 लाख करोड़ रुपये का है। पाकिस्तान के आर्थिक हालात को लेकर वर्ल्ड बैंक ने अपनी एक रिपोर्ट कहा था पाकिस्तान में आने वाले समय में थोड़ा बहुत जो विकास होगा वह अमीरों तक ही सीमित रहेगा। इसके चलते पाकिस्तान आर्थिक संकट के मद्देनजर अपने साथी देशों से बहुत पिछड़ गया है।

क्या बोले-डेयरी फार्मर्स

डेयरी फार्मर्स कराची के अध्यक्ष मुबाशर कादीर अब्बासी के अनुसार, कराची के लोगों के लिए जल्दी ही 50 रुपये की वृद्धि होने का अनुमान है। अब्बासी ने दुग्ध उत्पादन खर्च बढ़ जाने का उदाहरण दिया। उन्होंने कहा कि सरकार की उदासीनता इस वृद्धि के लिए जिम्मेदार कारक है। उन्होंने कहा कि यदि अधिकारियों ने 10 मई तक वृद्धि की घोषणा नहीं की तो उस स्थिति में भागीदार मामले को अपने हाथों में ले लेंगे और सहमति के बाद कीमत बढ़ाएंगे।

- पाकिस्तान में एक दर्जन अंडों की कीमत 400 पाकिस्तानी रुपए (पीकेआर) हो चुकी है। वहीं प्याज 250 रुपये किलो बिक रही है। मीडिया के मुताबिक ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि प्रशासन सरकारी दामों को लागू करने में फेल रहा है। सरकार ने प्याज की कीमत 175 पाकिस्तानी रुपए प्रति किलो तय की हुई है, लेकिन बाजार में यह लगभग 100 रुपये ज्यादा की कीमत पर बिक रही है। चिकन भी 615 रुपये प्रति किलो मिल रहा है।

चीनः कोरोना काल में फंसे छात्रों से भारतीय दूतावास ने किया संवाद

बीजिंग। चीन में भारतीय दूतावास ने कोविड काल के दौरान चीन के वीजा प्रतिबंधों के कारण मुश्किलों का सामना करने वाले भारतीय छात्रों के साथ अपना पहला संवाद सत्र आयोजित किया है। चार मई को आयोजित 'स्वागत और संवाद समारोह' में 13 से अधिक चीनी विश्वविद्यालयों के लगभग 80 पुराने और नए छात्रों ने भाग लिया।

बीजिंग में भारत के राजदूत प्रदीप कुमार रावत और काउंसलर नितिनजीत सिंह ने सत्र के दौरान विद्यार्थियों से बातचीत की और उनकी शिकायतों और अनुभवों को सुना। दूतावास ने एक्स पर पोस्ट में कहा है कि दूतावास द्वारा पेश की जाने वाली विभिन्न सेवाओं के सचिव (द्वितीय) अमित शर्मा ने सत्र के दौरान विस्तृत प्रस्तुति दी।

पीओके पर बलपूर्वक कब्जे की जरूरत नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी

- राजनाथ बोले-कश्मीर के विकास को देखकर वहां के लोग स्वयं चाहेंगे भारत में शामिल होना

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) को लेकर कई बड़े दावे किए हैं। राजनाथ सिंह ने पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) को लेकर कहा कि भारत अपना दावा कभी नहीं छोड़ेगा, लेकिन इसे बलपूर्वक अपने कब्जे में करने की आवश्यकता ही नहीं पड़ेगी क्योंकि यहां के लोग कश्मीर में विकास को देखने के बाद स्वयं इसमें शामिल होना चाहेंगे।

राजनाथ सिंह ने 'न्यूज एजेंसी पीटीआई' के साथ एक विशेष साक्षात्कार में कहा कि जम्मू-कश्मीर में जमीनी स्थिति में काफी सुधार हुआ है और एक समय ऐसा आएगा जब केंद्र शासित प्रदेश में अफस्पा (सशस्त्र बल विशेष शक्तियां अधिनियम) की आवश्यकता नहीं होगी। हालांकि, रक्षा मंत्री ने कहा कि यह मामला केंद्रीय गृह मंत्रालय के अधीन है और वह उचित निर्णय लेगा। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर में चुनाव भी जरूर होंगे, लेकिन उन्होंने इसके लिए कोई समयसीमा नहीं दी। उन्होंने कहा, "मुझे लगता है कि भारत को कुछ नहीं करना पड़ेगा। जम्मू-कश्मीर में जिस तरह से जमीनी हालात बदले हैं, क्षेत्र में जिस तरह से आर्थिक प्रगति हो रही है और वहां जिस तरह से शांति लौटी है, मुझे लगता है कि पीओके के लोगों की ओर से यह मांग उठेगी कि उनका भारत में विलय होना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमें पीओके पर अपना कब्जा करने के लिए बल का प्रयोग नहीं करना पड़ेगा। क्योंकि लोग ही कहेंगे कि हमें भारत में विलय करना चाहिए। ऐसी मांगें अब उठ रही हैं।

रक्षा मंत्री ने जोर देकर कहा कि पीओके हमारा था, है और रहेगा। जम्मू-कश्मीर में जमीनी हालात में सुधार का हवाला देते हुए सिंह ने कहा कि वहां जल्द ही विधानसभा चुनाव होंगे लेकिन उन्होंने इसके लिए कोई समयसीमा नहीं बतायी। रक्षा मंत्री ने आगे कहा कि जम्मू-कश्मीर में जिस तरह से स्थिति में सुधार हो रहा है, उसे देखकर मुझे लगता है कि एक समय आएगा जब वहां अफस्पा की आवश्यकता नहीं होगी।

दिल्ली में कोरियाई नागरिक से तीन लाख अमेरिकी डॉलर बरामद

नई दिल्ली। दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाईअड्डे पर केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के कर्मियों ने रविवार को एक कोरियाई नागरिक के पास से तीन लाख अमेरिकी डॉलर की नकदी बरामद की है।

सीआईएसएफ के एक वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक कोरियाई नागरिक थाई एयरवेज की उड़ान से बैंकॉक जा रहा था, इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय (आईजीआई) हवाईअड्डे पर सुरक्षा जांच के दौरान रोक लिया गया। तलाशी लेने पर पास से 3.39 लाख अमेरिकी डॉलर (करीब 2.80 करोड़ रुपये) की नकदी बरामद की गई। इसके बाद उसे हिरासत में लिया गया। नकदी को सीमा शुल्क विभाग को सौंप दिया है। सीआईएसएफ ने कहा- मामले की जांच की जा रही है।

एक नजर

त्रिपुरा में चार बच्चों समेत 11 बांग्लादेशी नागरिक गिरफ्तार

अगरतला। वैध दस्तावेजों के बिना देश में प्रवेश करने के आरोप में त्रिपुरा के धलाई जिले के सीमावर्ती गांव से चार बच्चों सहित 11 बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बताया है कि, ये लोग धलाई जिले के गंडाचेर्रा उपमंडल से होकर अपने घर (बांग्लादेश) जा रहे थे। पुलिस सूत्रों ने बताया कि एक खुफिया जानकारी पर कार्रवाई करते हुए गंडाचेर्रा पुलिस थाने के प्रभारी अधिकारी (ओसी) पलाह दत्ता के नेतृत्व में टीम ने धलाई जिले के सीमावर्ती गांव मचकुमीर में छापेमारी की और 11 बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार कर लिया। ओसी ने कहा, हमने भारतीय पासपोर्ट अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है और जांच जारी है।

कतर के स्वामित्व वाले अल जजीरा को इजराइली सरकार ने किया बंद

तेल अवीव। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने रविवार को कहा कि उनकी सरकार ने इजराइल में कतर के स्वामित्व वाले प्रसारक अल जजीरा के कार्यालयों को बंद करने का फैसला किया है। यह फैसला ऐसे वक्त हुआ है, जब कतर गाजा में युद्ध को लेकर इजराइल और हमास के बीच संघर्ष विराम समझौते में मदद कर रहा है। नेतन्याहू ने एक्स पर इस फैसले की घोषणा की। यह फैसला कब प्रभावी होगा इस बारे में पता नहीं चल पाया है। नेतन्याहू ने पोस्ट में कहा, मेरी सरकार ने सर्वसम्मति से निर्णय लिया है कि भडकाऊ चैनल अल जजीरा इजराइल में बंद हो जाएगा।

सलमान के घर गोलीबारी मामले में मृतक आरोपी का परिवार पहुंचा कोर्ट

मुंबई। मुंबई में अभिनेता सलमान खान के आवास के बाहर गोलीबारी से जुड़े मामले में गिरफ्तारी के बाद पुलिस हिरासत में आत्महत्या किए आरोपी अनुज थापन के परिवार ने उसकी मौत की जांच केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) से कराए जाने की मांग को लेकर बंबई हाईकोर्ट का रुख किया है। पुलिस का दावा है कि थापन ने हवालात में आत्महत्या की जबकि उसकी मां रीता देवी ने शुक्रवार को हाईकोर्ट में दायर अपनी याचिका में आरोप लगाया कि उसके बेटे की हत्या की गई है। याचिका में सीबीआई को उसके बेटे की मौत के मामले की जांच सौंपने का अनुरोध किया है।

पाकिस्तान : पुलिस के साथ मुठभेड़ में चार आतंकवादी ढेर

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के दक्षिण पश्चिमी प्रांत बलूचिस्तान की राजधानी क्वेटा में शनिवार को पुलिस के साथ मुठभेड़ में चार आतंकवादी मारे गए। पुलिस के आतंकवाद रोधी विभाग (सीटीडी) के एक प्रवक्ता ने बताया कि शनिवार रात दो मोटरसाइकिलों पर सवार चार आतंकवादियों ने एक पुलिस गश्ती वाहन पर हमला किया। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में एक आतंकवादी मौके पर ही मारा गया। अन्य को घेराबंदी कर मौत के घाट उतार दिया।

3 भारतीयों की गिरफ्तारी पर ट्रूडो बोले कनाडा कानून के शासन वाला देश

स्वतंत्र न्याय प्रणाली से सभी लोगों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है कनाडा सरकार

टोरंटो, एजेंसी

लॉरेंस बिश्नोई गैंग से है संबंध

कनाडा पुलिस के अनुसार इन तीनों का संबंध गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई गैंग से है। करण बराड़ लगभग साढ़े चार साल पहले 12वीं की पढ़ाई करने के बाद स्टडी वीजा पर कनाडा गया था। वह अपने माता-पिता का इकलौता पुत्र है। 18 अप्रैल को ही उसके पिता मनदीप सिंह बराड़ की हार्ट अटैक से मौत हो गई थी। उसकी माता रमनदीप बराड़ लगभग डेढ़ साल पहले सिंगापुर चली गई थी। करण बराड़ अपने पिता की मौत पर भी नहीं आया था। अब घर में सिर्फ उसके दादा बलवीर सिंह बराड़ हैं। बलवीर सिंह बराड़ ने बताया था कि यहां पर उनका पोता बहुत ही शरीफ और समझदार था। वहां जाकर क्या हुआ क्या नहीं इसके बारे में उन्हें कुछ नहीं पता। बता दें, ने तीन लोगों गिरफ्तारी को लेकर भारत ने कनाडा के आरोप आधारहीन बता कर खारिज कर दिया है। इससे पहले भारत लगातार बेबुनियाद आरोपों को खारिज करता रहा है।

खालिस्तानी अलगाववादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या को लेकर भारत और कनाडा के बीच तनातनी फिर से शुरू हो गई है। कनाडा ने हाल ही में इस मामले में तीन भारतीय नागरिकों को गिरफ्तार किया है। इसी को लेकर प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने कहा कि कनाडा कानून के शासन वाला देश है, जहां मजबूत एवं स्वतंत्र न्याय प्रणाली है। बता दें, 18 जून 2023 में कनाडा के सरी शहर में एक गुरुद्वारा साहिब के निकट गोली मारकर खालिस्तानी समर्थक हरदीप सिंह निज्जर की हत्या कर दी गई थी। इस मामले में कनाडा पुलिस ने तीन आरोपियों करनप्रीत सिंह, कमलप्रीत सिंह और करण बराड़ को गिरफ्तार किया है। इन लोगों पर प्रथम डिग्री हत्या और हत्या की साजिश रचने का आरोप लगाया गया है।

ट्रूडो शनिवार को टोरंटो में सिख विरासत का जश्न मनाने वाले एक समारोह में शामिल हुए थे। इस दौरान उन्होंने गिरफ्तारियों के बारे में कहा, यह महत्वपूर्ण है क्योंकि कनाडा एक मजबूत और स्वतंत्र न्याय प्रणाली के साथ-साथ अपने सभी नागरिकों की रक्षा के लिए एक मौलिक प्रतिबद्धता वाला कानून के शासन वाला देश है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, ट्रूडो ने कहा कि जैसा कि आरसीएमपी का कहना है कि जांच चल रही है। आगे भी जारी रहेगी।

साथ ही जांच कल गिरफ्तार किए गए तीन लोगों की संलिप्तता तक सीमित नहीं है। उन्होंने कहा कि निज्जर की हत्या के बाद सिख समुदाय के कई लोग असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। हर कनाडाई को सुरक्षित रूप से रहने और कनाडा में भेदभाव और हिंसा के खतरों से मुक्त रहने का मौलिक अधिकार है। पिछले साल सितंबर में खालिस्तान अलगाववादी 45 वर्षीय निज्जर की हत्या में भारतीय एजेंटों की संभावित संलिप्तता के ट्रूडो के आरोपों के बाद भारत और कनाडा के बीच संबंध तनावपूर्ण हो गए थे।

हालांकि, भारत ने ट्रूडो के आरोपों को बेतुका और प्रेरित बताते हुए खारिज कर दिया था। कहा था कि ये टिप्पणियां कनाडा में अलगाववाद, चरमपंथ और हिंसा की दी गई राजनीतिक जगह को दिखाती है।

स्कूलों में एसी का शुल्क भरेंगे परिजन

नई दिल्ली, एजेंसी

- दिल्ली हाईकोर्ट ने खारिज की याचिका, कहा-वित्तीय बोझ अकेले स्कूलों पर नहीं डाला जा सकता

दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा है कि स्कूल में वातानुकूलन (एयर कंडीशनिंग) का खर्च माता-पिता को वहन करना होगा, क्योंकि यह छात्रों को प्रदान की जाने वाली एक सुविधा है, जो प्रयोगशाला शुल्क जैसे अन्य शुल्कों से अलग नहीं है।

कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश मनमोहन की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने एक निजी स्कूल द्वारा कक्षाओं में वातानुकूलन के लिए प्रतिमाह 2 हजार रुपये वसूले जाने के खिलाफ दायर जनहित याचिका खारिज कर दी। पीठ ने दो मई को पारित अपने आदेश में कहा कि इस तरह का वित्तीय बोझ अकेले स्कूल प्रबंधन पर नहीं डाला जा सकता है और माता-पिता को स्कूल का चयन करते समय सुविधाओं और उन पर आने वाले खर्च को ध्यान में रखना चाहिए। याचिकाकर्ता का बच्चा एक निजी स्कूल में नौवीं कक्षा में पढ़ता है। याचिकाकर्ता ने दलील दी कि छात्रों को वातानुकूलन सुविधा प्रदान करने का दायित्व प्रबंधन का है, इसलिए प्रबंधन द्वारा इसे अपने स्वयं के संसाधनों से प्रदान किया जाना चाहिए। अदालत ने कहा कि फीस रसीद में एयर कंडीशनिंग का शुल्क विधिवत दर्ज किया गया था। पीठ ने कहा कि प्रथम दृष्टया स्कूल द्वारा ली जाने वाली फीस में कोई अनियमितता नहीं है। याचिकाकर्ता मनीष गोयल स्कूल में नौवीं कक्षा में पढ़ता था, उनके अनुसार छात्रों को एयर कंडीशनिंग सुविधा प्रदान करने का दायित्व स्कूल प्रबंधन पर है और उक्त सुविधा छात्रों को स्कूल के स्वयं के धन और संसाधनों से प्रदान की जानी चाहिए। बता दें कि, अधिकारी संबंधित मुद्दे की जांच कर रहे हैं और प्राप्त शिकायतों पर कार्रवाई रिपोर्ट मांगी गई है। कोर्ट को बताया गया कि महाराजा अग्रसेन स्कूल को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है।

युद्धविराम पर इजराइल का रुख सकारात्मक

तेल अवीव। स्थायी युद्धविराम पर इजराइल के समझौते का रुख दिखाने से गाजा में शांति की संभावना पैदा हुई है। मिस्त्र की राजधानी काहिरा में चल रही वार्ता में शनिवार को इजराइली अधिकारियों के रुख से ऐसा प्रतीत हुआ। गाजा में 128 इजरायली नागरिकों को बंधक बनाए हमास की गाजा में स्थायी युद्धविराम की ही मुख्य मांग है। अमेरिका के असहमति जताने और बंधकों की रिहाई के लिए इजराइल में लगातार तेज हो रही मांग से स्थायी युद्धविराम की राह बनी है।

सड़क हादसे में एक ही परिवार के 6 की मौत

जयपुर। राजस्थान के सवाई माधोपुर जिले में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस वे पर आज सुबह हुए सड़क हादसे में कार सवार 6 लोगों की मौत हो गई और दो बच्चे घायल हो गए। कार सवार रणथंभौर गणेश मंदिर में दर्शन करने जा रहे थे। इस दौरान किसी अज्ञात वाहन ने कार को टक्कर मार दी। सुबह आठ बजे बौंली थाना क्षेत्र में बनास पुल के पास हुआ यह भीषण हादसा हुआ। कार में सीकर का एक परिवार था जो गणेश जी के दर्शन करने रणथंभौर जा रहा था। इस दौरान दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस वे कार हादसे का शिकार हो गई। हादसा इतना भीषण था कि कार के परखच्चे उड़ गए और उसमें सवार छह लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, दो बच्चे गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को इलाज के लिए अस्पताल भेजा और शव को पोस्टमार्टम के मोर्चरी भेजा। थाना अधिकारी धर्मपाल ने बताया कि मृतकों में अनीता पति मनीष शर्मा, संतोष पत्नी कैलाश शर्मा, कैलाश पुत्र रामअवतार शर्मा, पूनम पत्नी सतीश शर्मा, मनीष पुत्र रामअवतार शर्मा और सतीश शर्मा शामिल हैं। मृतकों के नाम की आधिकारिक पुष्टि परिजनों के पहुंचने के बाद ही हो सकेगी। हादसे में घायल दो बच्चों को जयपुर रेफर कर दिया गया है।

विरोध प्रदर्शन

अहमदाबाद : गुजरात में केंद्रीय मंत्री परषोत्तम रूपाला के बयान के खिलाफ क्षत्रिय समाज का विरोध प्रदर्शन लगातार जारी है। रविवार को अहमदाबाद में राजपूत समाज ने धर्मरथ यात्रा निकालकर बीजेपी के खिलाफ प्रदर्शन किया। इसमें बड़ी संख्या में महिलाएं भी शामिल हुईं। सवा महीने से क्षत्रिय समाज का विरोध प्रदर्शन जारी है। क्षत्रिय समाज राजकोट से भाजपा प्रत्याशी और केंद्रीय मंत्री पुरुषोत्तम रूपाला की राजा-रजवाड़ों और महिलाओं के प्रति अपमानजनक टिप्पणी से खफा है। इससे पहले शिनवार को जामनगर और जूनागढ़ में अस्मिता महासम्मेलन कर क्षत्रिय समाज ने कहा कि झुकने का सवाल ही नहीं है। साथ ही भाजपा के खिलाफ मतदान करने की अपील भी की गई। ● एजेंसी

भारत वैश्विक क्लिनिकल ट्रायल का ठिकाना बना

वाशिंगटन। हार्वर्ड विवि की स्कॉलर और भारतीय ब्यूरोक्रेट ने कहा है कि भारत वैश्विक क्लिनिकल ट्रायल का ठिकाना बन गया है। भारत के फार्मा उद्योग को देश के अंदरुनी संसाधनों को प्राथमिकता में रखना चाहिए। बोस्टन में बायो-फार्मा समिट को संबोधित करते हुए डॉ. मृणालिनी दर्शवाल ने कहा, भारत ने नियामक ढांचे को व्यवस्थित किया है और अंतर्राष्ट्रीय स्तर की क्लिनिकल प्रैक्टिस के हिसाब से खुद को तैयार किया है।

आईएएस अधिकारी और हार्वर्ड से पीएचडी कर रही डॉ. दर्शवाल ने कहा, यह गैर-लोकतांत्रिक सरकारों के तहत काम करने वाली बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के विपरीत है। इन देशों में भू-राजनीतिक दबाव के चलते दीर्घकालीन जोखिम अधिक होने से फार्मा कंपनियां क्लिनिकल ट्रायल के लिए विभिन्न देशों की ओर देख रही हैं।

दबाव में सत्तारूढ़ दल, सुनक बोले- पार्टी कड़ी मेहनत करेगी

लंदन, एजेंसी

- स्थानीय चुनावों में खराब प्रदर्शन के बाद ब्रिटने की पीएम सुनक बोले-परिणाम निराशाजनक

ब्रिटेन के स्थानीय चुनाव में इस साल सत्तारूढ़ दल का प्रदर्शन सबसे खराब रहा। नतीजों के बाद प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने वादा करते हुए कहा कि वे हमेशा की तरह और कड़ी मेहनत करेंगे। चुनाव में कंजर्वेटिव पार्टी के नेताओं को बुरी तरह हार का सामना करना पड़ा। यहां तक कि पार्टी के हाथ से वेस्ट मिडलैंड्स क्षेत्र का मेयर पद भी निकल गया, जिसे कंजर्वेटिव पार्टी का गढ़ कहा जाता था।

इन चुनाव नतीजों को 40 साल में कंजर्वेटिव पार्टी का सबसे बुरा प्रदर्शन बताया जा रहा है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, मिडलैंड्स के लोकप्रिय मेयर एंडी स्ट्रीट पुनर्मतगणना में लेबर नेता रिचर्ड पार्कर से मात्र 1508 वोटों से हार गए। हालांकि, पार्टी को बेन हाउचेन के टीज वैली से मेयर पद जीतने से थोड़ी राहत जरूर मिली है।

वेस्ट मिडलैंड्स के परिणामों पर सुनक ने कहा कि क्षेत्र में सर्वोत्तम सेवाएं और निवेश आकर्षित करने के ट्रैक रिकॉर्ड के बाद भी स्ट्रीट का हारना निराशाजनक है।

ब्राजील में बाढ़-बारिश से भारी तबाही, 57 की मौत, 67 लापता

ब्राजिलिया। ब्राजील में भारी बारिश के कारण बाढ़ और भूस्खलन से भारी तबाही मची हुई है। इसका सबसे ज्यादा कहर दक्षिणी राज्य रियो ग्रांडे डो सुल में देखने को मिल रहा है। भारी बारिश के कारण कई जगहों की सड़कें बुरी तरह से धस गई है। हजारों लोगों को बाढ़ के कारण अपना घर छोड़ने पर मजबूर होना पड़ रहा है।

ब्राजील में इस हफ्ते की बारिश से लगभग 57 से अधिक लोगों की मौत हो गई है। वहीं, 67 लोग लापता है। रेस्क्यू टीम बचाव कार्य में जुटी हुई है। नागरिक सुरक्षा द्वारा शनिवार को साझा किए गए नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, विनाशकारी बाढ़ ने 281 नगर पालिकाओं को प्रभावित किया है और कम से कम 74 लोग घायल हो गए हैं।

अध्ययन 5 वर्षों में डेढ़ गुना बढ़ी महिलाओं की संख्या, बेहतर भविष्य को लेकर उठा रहीं कदम

करिअर बनाने की धुन में महिलाएं करा रहीं एग फ्रीज

वाशिंगटन, एजेंसी

दुनियाभर में देर से मां बनने के लिए एग फ्रीज करवाने वाली महिलाओं की संख्या तेजी से बढ़ी है। अमेरिका में तो ऐसे महिलाओं की संख्या में बीते 5 वर्षों में डेढ़ गुना की वृद्धि हुई है। अब तक माना जा रहा था कि वे अपना करिअर बनाने की धुन में यह कदम उठा रही हैं।

हालांकि, शोध में सामने आया है कि काबिल पति की तलाश में वे ऐसा कर रही हैं। अमेरिका की येल यूनिवर्सिटी में मेडिकल एंथ्रोपोलोजी की प्रोफेसर मार्सिया इनहॉर्न बताती हैं, अब सिर्फ करियर वजह नहीं रही। ज्यादातर महिलाएं इसलिए एग फ्रीज करा रही हैं कि उन्हें ऐसे साथी नहीं मिल रहे हैं, जिनके साथ वे जिंदगी गुजारने का फैसला ले सकें। इसलिए शादियां देर से हो रही हैं।

दरअसल, महिलाएं हर मामले में पुरुषों से आगे निकल रही हैं। उनकी औसत सैलरी बढ़ी है। दुनिया के 60% देशों में उच्च शिक्षा में महिलाओं का प्रदर्शन पुरुषों से बेहतर है। ऐसे में कम शिक्षित पुरुषों से शादी करना बेमेल विवाह जैसी स्थिति पैदा करता है, जिससे आगे आपसी रिश्तों में दिक्कतें हो सकती हैं।

शोध में पाया गया है कि, 20 से 39 साल की शादी योग्य लाखों लड़कियों के लिए अमेरिका में कुछ ही कॉलेज ग्रेजुएट लड़के हैं। एग फ्रीज कराने के मामले बढ़ने की एक अहम वजह महिलाओं का तेजी से सशक्तीकरण भी है। एग फ्रीज कराना तमाम तकनीकी विकास होने के बावजूद बहुत सस्ता नहीं है।

इसमें 16 से 20 लाख रुपये खर्च हो रहे हैं। लेकिन महिलाएं स्वयं आर्थिक तौर पर इतनी सक्षम हो गई हैं कि वे इसका खर्च उठा पा रही हैं। दूसरी ओर, कई महिलाओं के लिए उनकी कंपनियां ही यह सुविधा दे रही हैं, ताकि वे लंबे समय तक काम कर सकें। शोध में पाया गया है कि, दुनियाभर की महिलाओं की शिक्षा में पुरुषों की तुलना में बेहतर हो गई है।

दो दशक पहले 40 की उम्र में कराती थीं, अब 20 में ही

फर्टिलिटी विशेषज्ञ डॉक्टर निकोलो नोयस और एमी इव्याजेद्दा कहती हैं- दो दशकों में सोच बदली है। पहले एग फ्रीज कराने आने वाली महिलाएं फर्टिलिटी के आखिरी पड़ाव पर एग फ्रीजिंग के लिए आती थीं। उनकी उम्र 40 के आसपास हुआ करती थी। अब 20-25 की उम्र में ही महिलाएं एग फ्रीज कराने आ रही हैं। उन्होंने बताया है एक दशक से भी कम समय में डेढ़ गुना वृद्धि हुई है।

बॉलीवुड हलचल

इस हफ्ते ओटीटी पर मिलेंगी क्राइम व रोमांस की नई फिल्में-सीरीज

नई दिल्ली। मई की शुरुआत के साथ ही ओटीटी प्लेटफॉर्म पर भी कुछ धमाकेदार फिल्मों और वेब सीरीज ने दस्तक दी है। हॉरर से लेकर एक्शन और ड्रामा जॉनर तक की फिल्में ओटीटी के अलग-अलग प्लेटफॉर्म पर ऑडियंस का मनोरंजन करने के लिए तैयार हैं। अप्रैल महीने में रिलीज हुईं फिल्मों से बॉक्स ऑफिस सूखा ही पड़ा रहा। हिंदी भाषा में रिलीज हुई किसी भी फिल्म ने उम्मीद के अनुसार कलेक्शन नहीं किया। मगर बॉक्स ऑफिस पर पड़े अकाल की भरपाई ओटीटी प्लेटफॉर्म जरूर करता है। मई के पहले हफ्ते में कई तरह के कंटेंट ने इस डिजिटल वर्ल्ड में दस्तक दी। अब इस महीने के दूसरे हफ्ते भी ओटीटी पर ढेर सारे ऐसे कंटेंट मौजूद होंगे, जिन्हें आप कभी भी देख सकते हैं। जानकी समसारा' कन्नड़ भाषी सीरीज है। यह

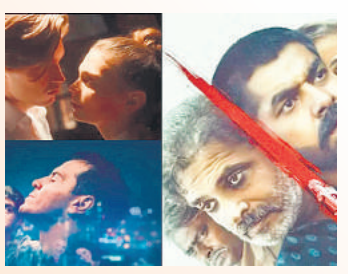

कहानी ज्वाइंट फैमिली में रहने वाले कपल जानकी और राघव की है। ऑल ऑफ अस स्ट्रेंजर्स' ब्रिटिश फैंटेसी फिल्म है। यह कहानी उस व्यक्ति की है, जिसका अपने रहस्यमयी पड़ोसी के साथ रिलेशन बनता है। द फाइनल अटैक ऑन वेम्ब्ले, यह सीरीज फुटबॉल मैच पर आधारित है।

24 को रिलीज होगी मनोज बाजपेयी की फिल्म भैया जी

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता मनोज बाजपेयी की आने वाली फिल्म भैया जी 24 मई को रिली होगी। फिल्म भैया जी का टीजर हाल ही में रिलीज किया है। वीडियो क्लिप में मनोज बाजपेयी को एक्शन अवतार में दिखाया गया है। उन्होंने एक ऐसे व्यक्ति का किरदार निभाया है, जो बदला लेना चाहता है। इस फिल्म में मनोज बाजपेयी के अलावा सुविंदर विक्की, जतिन गोस्वामी, विपिन शर्मा और जोया हुसैन प्रमुख भूमिका निभा हैं। मेकर्स ने फिल्म की रिलीज डेट का अनाउंस किया है। मेकर्स ने बताया है कि मनोज बाजपेयी स्टारर भैया जी सिनेमाघरों में रिलीज होगी। मनोज बाजपेयी ने अपने एक्स हैंडल पर फिल्म भैया जी मोशन पोस्टर शेयर किया, जिसमें लिखा है, आ रहा है रॉबिन हुड का बाप! मिलिए भैया जी से, 24 मई से आपकी नजदीकी सिनेमा-घरों में, वायरल टीजर में, मनोज बाजपेयी का किरदार घायल दिखाई दे रहा है। वह बीड़ी पीते हुए नजर आ रहे हैं।